ravi
खाली हाथ

ravi
खाली हाथ

खाली हाथ

जेम्स हेडली चेइज़
रवि पॉकेट बुक्स

उपन्यास : खाली हाथ
लेखक : जेम्स हेडली चेइज़

खाली हाथ

—जेम्स हेडली चेइज़

'हेरी ग्लेब' बांड स्ट्रीट अण्डरग्राउण्ड स्टेशन से बाहर निकला तो बारिश हो रही थी। जमीन पर कई इंच पानी था। कुछ ठिठककर उसने काले आकाश का निरीक्षण किया, जहां बादल ही बादल थे।

"उफ! मेरी किस्मत!" वह सोचने लगा—"टैक्सी की भी कोई उम्मीद नहीं है, पैदल ही चलना होगा। देर हो गयी तो वह बूढ़ी नाराज होगी।" उसने आस्तीन ऊपर चढ़ाकर घड़ी देखी—"अगर यह घड़ी सही है तो, इसका मतलब है कि मुझे पहले ही देर हो चुकी है!"

कुछ देर की हिचक के बाद उसने कोट के कॉलर खड़े कर लिये और बड़बड़ाता हुआ चल पड़ा। बारिश के कारण उसने सिर झुका लिया था।

"आज सारा दिन बुरा ही रहा।" वह फिर बड़बड़ाया—"पहले सिगरेट वाला सौदा खत्म हुआ, फिर वह आ गया, चालीस पौंड पानी में बह गये और अब यह बारिश।"

अपनी आदत के अनुसार वह अंधेरे का सहारा लेता हुआ और स्ट्रीट लाइट से बचता हुआ चल रहा था। न्यू बांड स्ट्रीट आधी पार कर लेने के बाद उसे एक पुलिस वाला दिखाई दे गया। उसने फौरन सड़क पार कर ली।

"वैस्ट एण्ड पुलिस वालों से भरा पड़ा है। कमबख्त तगड़ा भी तो बहुत है। बैल की तरह। कहीं खान में होता तो ज्यादा काम का आदमी साबित होता।"

जब पुलिस वाले और उसमें सौ गज का फासला हो गया तो उसने फिर सड़क पार कर ली। मेफेयर स्ट्रीट की तरफ मुड़ गया। कुछ गज चलने के बाद उसने मुड़कर देखा। जब उसे सन्तुष्टि हो गयी कि उसे कोई नहीं देख रहा है तो वह एक मकान में प्रविष्ट हो गया।

चमड़े की जैकेट पहने हुए एक स्त्री सीढ़ियां उतर रही थी। उसकी बगल में छाता दबा हुआ था। उसे देखकर वह मुस्कुरायी।

"हैलो!" वह बोली—"मेरे पास आ रहे थे?"

"नहीं।" हेरी बोला—"तुम पर पैसा बर्बाद करने से बेहतर भी, मैं कुछ कर सकता हूं... और सुनो! आज अपने कमरे में ही रहो तो बेहतर है। आज सड़कों पर पुलिस वालों के अलावा कोई नहीं मिलेगा।"

"तुम तो हो।" वह निमन्त्रण देने वाले अन्दाज में मुस्कुराई।

हेरी को उस पर तरस आने लगा। बैस्ट एण्ड की वेश्याओं से हेरी के मधुर सम्बन्ध थे। उसे पता था कि उस स्त्री फैन को आजकल कम आमदनी हो रही है। उसकी उम्र ढलने लगी थी और इस काम में मुकाबला बहुत सख्त था।

"मुझे अफसोस है फैन!" वह बोला—"लेकिन आज रात मुझे फुर्सत नहीं है।" उसने हैट पर से बारिश का पानी झटका और बोला—"कोई आया?"

"बर्न्सटीन और थियो। वह सूअर थियो मुझे आधा डॉलर दे रहा था।"

हेरी मुस्कुरा दिया।

"थियो का मजाक करने का ढंग बहुत घटिया है।"

"किसी दिन मैं उसे ठीक कर दूंगी। मुझे जिन्दगी में बहुत बदमाश मिले, लेकिन ऐसा नहीं मिला।"

"अच्छा, अलविदा, फैन!"

"अपने काम के बाद मुझसे मिलना।" वह बोली—"मैं तुम्हारा भरपूर मनोरंजन करूंगी। सच!"

हेरी कांप-सा गया।

"आज नहीं, फिर कभी।" वह बोला—"आज मैं डाना को घर ले जा रहा हूं। यह रख लो।" उसने एक-एक पौंड के दो नोट निकाले और उसे दे दिये।

"धन्यवाद हेरी! तुम बहुत अच्छे हो।"

"मुझे पता है।" उसने कहा और मुस्कुराता हुआ सीढ़ियां चढ़ने लगा—"यह मोटी मेरा मनोरंजन करेगी।" सीढ़ियां चढ़कर वह एक दरवाजे के सामने रुक गया, जिस पर लिखा था—

मिसेज फ्रेंच

जेमेस्टिक एजेन्सी

पूछताछ!

हेरी ने छज्जे पर से झांका। फैन बारिश को देख रही थी, फिर उसने छाता खोला और चल पड़ी। हेरी ने कन्धे उचकाये और फिर मुड़कर दरवाजे पर दस्तक दी।

कमरे में प्रकाश हुआ, कांच के दरवाजे पर एक लड़की की छाया प्रकट हुई और फिर दरवाजा खुल गया।

"यह मैं हूं।" हेरी बोला—"हमेशा की तरह सबसे बाद में आने वाला।"

"आ जाओ हेरी! सब तुम्हारा इन्तजार कर रहे हैं।"

"करने दो।" हेरी ने उसे खींचा और चूम लिया—"तुम बहुत अच्छी लग रही हो। कल रात के बाद क्या किया?"

"कल रात की याद मत दिलाओ।" वह मुस्कुराई—"आज सुबह सिर में बहुत दर्द हो रहा था। अब यह सब छोड़ो। वे तुम्हारा इन्तजार कर रहे हैं। मां को तो तुम जानते ही हो।"

हेरी ने उसे बाहों में ले लिया।

"वह क्या चाहती है? मैं जब भी उससे मिला हूं, कोई मुसीबत आ खड़ी हुई है।"

"मुर्ख न बनो, हेरी! अन्दर चलो और यह सब मत करो। तुम्हारे हाथ बड़ी आजादी से काम कर रहे हैं।"

वह मुस्कराता हुआ लड़की के पीछे अन्दर वाले कमरे में पहुंच गया। वहां मेज पर एक लैंप जल रहा था। कमरे में सिगरेट का धुआं और परछाइयां दिखाई दे रही थीं।

मिसेज फ्रेंच मेज के पीछे थी और सिडनी बर्न्सटीन और थियो उसके सामने बैठे थे। उन सबने हेरी को देखा।

"तुम दस मिनट देर से आये हो।" मिसेज फ्रेंच बोली। वह मोटी स्त्री थी। उसकी आंखें बहुत तेज थीं। उसके ईयर रिंग लैम्प के प्रकाश में चमक रहे थे।

"मजबूरी थी।" हेरी बोला—"बारिश हो रही थी। कोई टैक्सी नहीं मिली। पैदल आना पड़ा।"

"हैलो, सिड! क्या हाल हैं और तुम थियो?"

"चुप!" थियो गुर्राया।

हेरी हंस पड़ा।

"क्या लड़का है!" हेरी ने कहा और फिर मिसेज फ्रेंच की ओर देखकर मुस्कराया—"लो....मैं आ गया। मामला क्या है?"

"बैठ जाओ हेरी।" मिसेज फ्रेंच एक कुर्सी की ओर इशारा करती हुई बोली—"हमें फिर एक साथ काम करना है।"

हेरी बैठ गया।

उसने 'प्लेयर्स' का पैकेट निकाला और एक सिगरेट सुलगाकर पैकेट बर्न्सटीन को दे दिया। वह बोली—

"आजकल पुलिस वाले बड़े चुस्त नजर आ रहे हैं, मां। कल रात पेरी जिस तरह से पकड़ा गया है, वह तुम्हें पता ही है। वह घर से निकला भी नहीं था कि उसे पकड़ लिया गया। पुलिस वालों पर हमला करने का नतीजा अच्छा नहीं होता। मैं समझता हूं कि काम के लिये फिलहाल वक्त अच्छा नहीं है।"

"पेरी मूर्ख है।" मिसेज फ्रेंच ने कहा—"उसे तो बस एक खुली हुई खिड़की चाहिये। यह अच्छा काम है, हेरी का सुनियोजित काम। इसमें कोई खतरा नहीं है।"

थियो ने अपना गन्दा हाथ सिगरेट के पैकेट की ओर बढ़ाया तो हेरी ने उसे झटक लिया।

थियो बड़बड़ाने लगा।

"खामोश!" मिसेज फ्रेंच बोली—"मैं कुछ कह रही हूं।"

"बोलो मां।" हेरी ने जैसे माफी मांगी।

"वेजली फर के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?" वह बोली।

हेरी सम्भलकर बैठ गया।

"सुनो! क्या तुम मुझे पांच वर्ष के लिये जेल भेजना चाहती हो? मैं यह काम नहीं करूंगा।"

"मेरी भी यही राय है।" बर्न्सटीन बीच में बोल पड़ा—"इस बारे में सोचना भी पागलपन है।"

वह छोटे कद का व्यक्ति था। उसका चेहरा बन्दर की तरह झुर्रीदार था, उसके हाथों और गले पर घने बाल दिखाई दे रहे थे।

"अगर यह माल हमें मिल गया तो तुम इसे ले लोगे न?" मिसेज फ्रेंच बोली।

"हां।" हेरी बोला—"लेकिन यह माल तुम्हें मिल ही नहीं सकता।"

मिसेज फ्रेंच ने सिगरेट की राख फर्श पर झाड़ दी। उसके चेहरे पर सख्ती थी।

"मुझे पता है कि यह काम मुश्किल है, लेकिन फिर भी यह हो सकता है।"

"चार व्यक्तियों ने यह कोशिश की है।" बर्न्सटीन बोला—"तुम्हें पता है कि उनका क्या हुआ? यह काम बहुत खतरनाक है।"

"यह काम बहुत मुश्किल है।" हेरी बोला—"लेकिन अगर हो गया तो मजा आ जायेगा। लेकिन मां, मुझे अब भी शक है।"

"तुम्हें काम के बारे में केवल वह पता है तो तुमने सुना है, ठीक है। चार बेवकूफ यह कोशिश कर चुके हैं, लेकिन उनमें से कोई भी सेफ खोलने का तरीका नहीं जानता था। उन्होंने दिमाग का इस्तेमाल नहीं किया, क्योंकि उनके पास दिमाग था ही नहीं।"

"गलत।" बर्न्सटीन कुर्सी में पहलू बदलता हुआ बोला—"फ्रेंच चार महीने तक छानबीन करता रहा था, वह सेफ खोलने से पहले ही पकड़ा गया।"

"दूसरों की गलतियों से सबक लिया जा सकता है। इसका मतलब हे कि सेफ छूते ही अलार्म बज जाता है। हमें सबसे पहले इसी का पता लगाना है।"

"यह कैसे पता चलेगा?" हेरी बोला।

"मिसेज वेजली को एक नौकरानी की जरूरत है, उसने सब एजेन्सियां छान मारीं और अब वह मेरे पास आयी है। मैं मुद्दत से इस अवसर की ताक में थी।"

"अब ठीक है।" हेरी बोला—"अब कोशिश की जा सकती है।"

"अगर हम वहां ऐसी लड़की भेज दें, जो अपनी आंखें खुली रखे और सेफ खोलने का तरीका पता कर ले तो यह काम हो सकता है। अगर लड़की ने यह काम कर लिया तो तुम काम करोगे?"

"हो सकता है।" हेरी सिर खुजलाते हुए बोला। उसे पेरी याद आ रहा था, जो परसों तक उसके साथ था और अब जेल में था—"मैं इस बारे में कुछ और जानना चाहता हूं मां। क्या थियो भी साथ होगा?"

"एक चालाक और जवान लड़की जो सुन्दर भी हो और कुछ पैसा बनाना चाहती हो।"

हेरी छत की ओर देखने लगा।

"ऐसी एक लड़की है तो सही!" वह बोला—"उसका नाम 'जूली हालैंड' है। वह सेम हेवार्ट के लिये काम करती है। सिड ने उसे देखा है, क्यों सिड? क्या राय है?"

बर्न्सटीन ने कन्धे उचका दिये।

"दरअसल मां, इसने जूली के नितम्ब में चिकोटी काट ली थी और उसने इसको थप्पड़ मार दिया। लेकिन वह अच्छी लड़की है और यह काम कर सकती है। वह सुन्दर भी है और चालाक भी।"

“पुलिस में उसका रिकॉर्ड है?” मिसेज फ्रेंच ने पूछा।

“नहीं। ऐसा कुछ नहीं है। वह पुलिस से बची हुई है, लेकिन मुझे पता है कि वह बड़ी रकम हासिल करना चाहती है। आजकल उसे एक सप्ताह में केवल कुछ पौंड मिल रहे हैं, अगर उसे बड़ी रकम का मामला दिखाई दिया तो वह हमारे साथ आ जायेगी।”

“हम उसे कुछ नहीं बता सकते। ऐसा करना खतरे से खाली नहीं होगा और काम होने के बाद हमें यह भी देखना है कि वह अपना मुंह बन्द रखेगी। पुलिस को फौरन पता चल जायेगा कि यह अन्दर के ही किसी व्यक्ति का काम है। तब सीधा शक उस लड़की पर जायेगा। हमें देखना है कि योजना बिगड़ जाने पर वह कुछ न बताये।”

थियो आगे झुका, जिससे उसके चेहरे पर प्रकाश पड़ने लगा।

“पहले दुल्हन तलाश कर दो। मैं देख लूंगा कि वह कुछ गड़बड़ न करे।” वह बोला।

थियो छोटे कद का तगड़ा व्यक्ति था। उसके लम्बे बाल थे, जो कोट के कॉलर तक आते रहते थे। उसके गोल चेहरे पर मुंहासे थे और उसकी आंखें हरी व कठोर थीं। उसने नीली सर्ज का बेतुका-सा सूट पहन रखा था। उसका वाहियात-सा हैट सिर के पिछले हिस्से पर रखा था और ऐसा लग रहा था जैसे बालों वाला मृत जानवर गटर में लगता है। उसे देखने से ही खतरे का अहसास होता था।

उसके बोलते ही सबने उसे देखा और अचानक कमरे में तनाव हो गया।

“मार-धाड़ नहीं।” बर्न्सटीन बोला—“मुझे यह अच्छा नहीं लगता।”

“मेरा भी यही ख्याल है।” हेरी जल्दी से बोला—“किसी दिन तुम्हारा बुरा हाल होगा।”

“छोड़ो इसे!” मिसेज फ्रेंच गुर्रायी—“लड़की के बिना काम नहीं होगा, इसलिए उसे जरूर लाना होगा। हेरी, क्या वह तुम्हें पसन्द करती है?”

हेरी मुस्कुरा दिया।

“उसे मुझसे नफरत नहीं है। वैसे भी लड़कियां मेरे सामने नर्म पड़ जाती हैं।” डाना ने उसके लात मारी तो उसने टांग पीछे कर ली—“यहां मौजूद लड़की को छोड़कर।” वह आगे बोला।

“ठीक है। तुम उस लड़की से बात करो।” मिसेज फ्रेंच बोली—“अगर तुमने उसे सम्भाल लिया तो वह किसी को कुछ नहीं बतायेगी। तुम एक सप्ताह में उसे तैयार कर सकते हो?”

“एक मिनट ठहरो!” हेरी बोला—“अभी मैंने यह नहीं कहा कि मैं इस योजना में शामिल हो गया हूं। पहले यह पता चले कि इसमें मुझे क्या मिलेगा?”

मिसेज फ्रेंच को पहले ही यह उम्मीद थी। उसने पैंसिल उठायी और पैड अपने आगे खींच लिया।

"ये घर बहुत कीमती है। इनका तीस हजार पौंड का बीमा किया गया है। हमें सत्तरह हजार पौंड तो मिल ही जाने चाहियें, है न?" उसने बर्न्सटीन की ओर देखते हुए कहा।

"मेरी तरफ देखने से कोई फायदा नहीं है।" बर्सटीन बोला—"उन्हें देखकर ही कीमत बतायी जा सकती है। फिर भी सत्तरह हजार पौंड ज्यादा हैं। जैसा माल तुम बता रहे हो, अगर ऐसा ही है तो दस हजार ठीक रहेंगे, लेकिन पहले मैं माल देखना चाहूंगा।"

"इसके अलावा जेवरात भी हैं।" मिसेज फ्रेंच ने उसे नजरअन्दाज करते हुए कहा—"हेरी तुम्हें आठ हजार से कम नहीं मिलने चाहियें। ज्यादा भी हो सकते हैं।"

"बहुत खूब!" हेरी बोला।

"अभी से तुम इस तरह के वादे नहीं कर सकतीं।" बर्न्सटीन बोला—"अगर माल मैं खरीदूंगा तो कीमत भी मैं ही बताऊंगा। पहले माल देखना होगा।"

"हम माल किसी और को दे देंगे।" मिसेज फ्रेंच बोली—"इस माल को खरीदने वाला कोई भी मिल जायेगा।"

थियो ने बर्न्सटीन को कुहनी का इशारा किया।

बर्न्सटीन ने इस बार विरोध नहीं किया।

बारिश खिड़कियों पर शोर कर रही थी और पानी गटरों में बह चला था। मेफेयर स्ट्रीट पर घूमने वाला इकलौता पुलिसमैन अब भी चहल-कदमी कर रहा था। उसे पता नहीं था कि कुछ ही गज के फासले पर चोरी की योजना बनायी जा रही है। वह आज ही बेची हुई बन्दगोभियों के बारे में सोच रहा था, जिनके लिये बारिश एक अच्छी बात थी।

¶¶

किंग्स स्ट्रीट, फुल्हैम पैस रोड और हैमर स्मिथ रोड के कैफे रेस्टोरेन्ट और क्लब वीरान दिखाई देते थे, लेकिन रात के समय उनमें खूब चहल-पहल हो जाती थी। रात को ग्यारह बजे के बाद यहां नीच किस्म के मर्द, औरतें कॉफी या चाय पर बातें करते हुए नजर आते थे। जैसे ही दरवाजा खुलता था, शक भरी नजरें उठती थीं और उन्हें तभी राहत मिलती थी, जब आगंतुक को पहचान लिया जाता था।

यही वह जगह थी, जहां लन्दन के निम्न श्रेणी के अपराधी वैस्ट एण्ड पर काम करने से पहले इकट्ठे होते थे और कुछ खाते-पीते व योजनायें बनाते थे।

ब्रिज कैफे इस तरह की दूसरी जगह में राजा की हैसियत रखता था। इसका मालिक सैम हेवार्ट था। यह कैफे उसने बहुत सस्ते में खरीद लिया था। बहुत दिनों से वह

यह महसूस कर रहा था कि ऐसी जगह उसके पास जरूर होनी चाहिये, जहां वह इस तरह के लोगों से अच्छी तरह मिल-जुल सके और योजनायें बना सके।

छः महीने पहले उसके ऑफिस में एक लड़की आयी थी। उसका नाम जूली हालैंड था। उसने बताया कि उसने कहीं सुना था कि उसके स्टाफ में कोई जगह खाली है।

"मैं कुछ भी कर सकती हूं।" उसने कहा था।

हेवार्ट उससे बड़ा प्रभावित हुआ। लड़की के घुंघराले बाल और सुन्दर शरीर उसे अच्छा लगा। उसने छोटा और तंग स्कर्ट और स्वेटर पहन रखा था। उसके शरीर का सब कुछ कपड़ों में से ही स्पष्ट दिखाई दे रहा था। हेवार्ट को अपना सांस रुकता हुआ-सा महसूस हुआ।

उसे लग रहा था कि उस लड़की ने जानबूझकर ही ऐसे कपड़े पहने हैं।

यह ठीक भी था। किसी ने उस लड़की को बताया था—

वह बूढ़ा हो रहा है। उसे सम्भालना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा। वह तुम्हें छः पौंड वेतन देगा और अगर तुमने चिकोटी काटने जैसी हरकत का बुरा नहीं माना तो वह सात पौंड भी दे सकता है।

सात पौंड प्रति सप्ताह! इस समय यह रकम भी उसके लिये एक महत्वाकांक्षा थी। वह फौरन तैयार हो गयी।

जूली की उम्र बाईस वर्ष थी। बीस वर्ष उसने बहुत ही गरीबी में बिताये थे। उसके माता-पिता बहुत ही गरीब थे। उसका घर गन्दा था और वह आमतौर से भूखी रहती थी। उसे लगता था कि उसकी जिन्दगी बर्बाद हो रही है, अगर उसके पास पैसा होता तो उसे वह चीजें मिल जातीं, जो मिल जानी चाहिये थीं। भूख ने उसका चरित्र बदल दिया था। भूख ने उसे चालाक और मक्कार बना दिया था। भूख और ईर्ष्या। दो चीजों ने उसे कुछ और ही बना दिया था।

जैसे ही वह इतनी बड़ी हुई कि गरीब और अमीर में अन्तर कर सके, उसे ईर्ष्या होने लगी। उसे उन लोगों से जलन होती थी, जिनके पास साफ-सुथरे घर थे, अच्छे कपड़े थे, कारें थीं, जो केवल पैसे से खरीदी जा सकती थीं। उसे उस अंधे भिखारी से भी जलन होती थी, जिसे लोग बहुत कुछ दे देते थे। वह स्कूल के उन बच्चों से भी जलती थी, जो उससे बेहतर पहनते थे। वह अपने माता-पिता से अधिक खर्च मांगती थी, जिसके बदले उसकी पिटाई होती थी, लेकिन इस पिटाई से उसकी जलन का इलाज नहीं हो सका। वह बच्चों की चीजें चुराने लगी। रिबन, चॉकलेट आदि। फिर बारहवीं सालगिरह का जश्न मनाने के लिये उसने जेवरात की दुकान में चोरी कर ली। यहां उसका मुकाबला किसी बच्चे से नहीं था, इसलिये वह पकड़ी गयी।

मजिस्ट्रेट भला आदमी था। वह बच्चों को समझता था। जब उसने जूली के

घर की रिपोर्ट पढ़ी तो उसे अपने पास बुलाया, उसने जो कुछ कहा, वह पूरा तो जूली को याद नहीं रहा, लेकिन एक कहानी याद रह गई—

"तुम्हें पता है जूली, ब्राजील में बन्दरों को कैसे पकड़ा जाता है?" उसने कहा था—"मैं बताता हूं। एक बोतल में कुछ दाने डाल दिये जाते हैं और इस बोतल को पेड़ से बांध दिया जाता है। बन्दर इसमें हाथ डालकर दाने उठा लेता है, लेकिन बोतल की गर्दन इतनी पतली होती है कि उसकी बन्द मुट्ठी बाहर नहीं निकल पाती। तुम सोचती होगी कि बन्दर दाने वहीं छोड़ देता होगा और भाग जाता होगा, लेकिन ऐसा नहीं होता। वह इतना लालची होता है कि उसे छोड़ नहीं पाता और हमेशा पकड़ा जाता है। यह कहानी याद रखो जूली! लालच एक खतरनाक चीज है। अगर तुमने उसे नहीं छोड़ा तो कभी-न-कभी तुम फिर पकड़ी जाओगी।"

उसने जूली को घर भेज दिया और तब से जूली ने फिर चोरी नहीं की।

लेकिन जैसे-जैसे वह बढ़ती गई, अमीरों से ईर्ष्या भी बढ़ती गई और उसकी पैसा पाने की इच्छा भी। जब उसके माता-पता एक हवाई हमले में मारे गये और वह आजाद हो गई तो उसे पता चला कि वह किसी और तरीके से भी कुछ पा सकती है। उसे लगा कि उसमें कुछ ऐसा है जो मर्दों को आकर्षित करता है, उसने इस बात का फायदा उठाने की ठान ली।

उन दिनों युद्ध हो रहा था और वहां अमेरिकन सैनिक आये हुए थे। वह उन लड़कियों में शामिल हो गयी, जो उनका मनोरंजन करती थीं। शीघ्र ही जूली सेना के अफसरों तक पहुंच गई। अब उसके पास अच्छे कपड़े थे, मर्द की इच्छाओं का ज्ञान था और डाकघर बचत बैंक में पचास पौंड थे।

फिर युद्ध समाप्त हो गया। सैनिक चले गये और उसका धन्धा फीका पड़ गया। एक बार फिर उसकी गरीबी शुरू हो गयी। उसने एक लायब्रेरी में काम कर लिया। यहां उसे एक सप्ताह में दो पौंड और दस शिलिंग मिलते थे। उसे लगा कि या तो ईमानदार रहकर तंगी में जिन्दगी गुजारी जा सकती है और या बेईमान होकर ऐश की जा सकती है। उसे पता था कि ब्रिज कैफे में बदमाश आते हैं, लेकिन वेतन अच्छा था और उसे यही एक चिंता थी।

"अगर तुम हेवार्ट के लिये काम करोगी, तो वहां बड़े अपराधियों से तुम्हारी मुलाकात होगी।" किसी ने उसे बताया था—"अगर तुमने अक्ल से काम लिया तो वहां तुम्हें किसी चीज की कमी नहीं रहेगी।"

वह फौरन तैयार हो गयी थी।

हेवार्ट को भी लगा कि वह उसके काम की लड़की साबित हो सकती है।

"यहां दो काम हैं।" उसने जूली को बताया—"एक तो दिन की शिफ्ट में होता है। जिसमें एक सप्ताह में तीन पौंड मिलते हैं। इसमें काम ज्यादा नहीं है। थोड़ी सफाई

और रात के लिये सैंडविच तैयार करना। बस!"

"और दूसरा?" जूली ने पूछा। उसे पता था कि वह दूसरा काम ही करेगी।

"दूसरा काम अच्छा है।" हेवार्ट ने आंख दबाते हुए कहा—"जो लड़की अपना मुंह बन्द रख सकती हो, उसके लिये यह बहुत अच्छा है।"

"क्या मिलेगा?"

"सात पौंड प्रति सप्ताह। तुम्हें कैश काउण्टर सम्भालना है और संदेश लेने-देने हैं। शाम सात बजे से रात दो बजे तक काम है, लेकिन मुंह बन्द रखना होगा।"

"ठीक है।"

"जो लड़की कुछ उगल देती है, हम उसका हुलिया बिगाड़ देते हैं।"

"डराने की जरूरत नहीं है।" जूली बोली—"मैं बच्ची नहीं हूं।"

"ठीक है।" वह मुस्कुरा दिया—"इस काम में संदेश लेना-देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। कुछ लिखना नहीं है और संदेश पहुंचाने में जल्दी करना है। तीस संदेश भी एक रात में आ सकते हैं। मान लो, कोई फोन पर 'जैक स्मिथ' को पूछता है। तुम्हें देखना होगा कि वह कौन है और वह यहां मौजूद है या नहीं? अगर नहीं है तो तुम्हें संदेश ले लेना है। जैसे ही जैक आये, संदेश उसे दे देना है और यह भी ध्यान रखना है कि यह बात किसी और को पता न चले। इससे कोई तुम्हें अतिरिक्त पौंड भी दे सकता है। अब क्योंकि तुम मुझे अच्छी लग रही हो, इसलिये मैं तुम्हें आठ पौंड प्रति सप्ताह भी दे सकता हूं।"

लेकिन जूली काम के बारे में कुछ और जानना चाहती थी। उसने यह बात कह दी।

"यही तुम गलती कर रही हो।" हेवार्ट बोला—"तुम्हें कुछ जानना, समझना नहीं है। मैं खुद कुछ नहीं जानता। यहां लोग आते हैं और एक-दूसरे के लिये संदेश छोड़ जाते हैं और कभी-कभी कोई पैकेट भी। मैं उन्हें खाना खिलाता हूं और उनकी सेवा करता हूं, लेकिन कभी पूछताछ नहीं करता। कभी-कभी यहां पुलिस वाले आ जाते हैं, लेकिन जब मैं कुछ जानता ही नहीं तो उन्हें क्या बताऊंगा? इसलिये तुम्हारे लिये भी यही बेहतर है कि तुम कुछ न जानो। अक्लमंदी यही है।"

"यहां पुलिस आती है—यह बात मुझे पसन्द नहीं।"

हेवार्ट ने हाथ मारकर कहा—

"पुलिस हर जगह अपनी टांग अड़ाती है। यह उसका काम है। तुम जहां भी काम करोगी, पुलिस वहीं आयेगी। हम खुद गलत नहीं कर रहे हैं, अगर यहां आगे वाला कुछ गलत धन्धा करता है तो हम इसमें क्या कर सकते हैं? फिर मैं तुम्हें आठ पौंड दे रहा हूं, जबकि यह पचास पैंस का काम है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि पुलिस यहां जरूर

आयेगी, लेकिन आ सकती है।"

मेहनताना अच्छा था। यह मौका छोड़ा नहीं जा सकता था।

वह तैयार हो गई।

बाद में उसे ताज्जुब हुआ कि काम बहुत आसान था। कैफे में रात को ग्यारह से पहले भीड़ नहीं होती थी, फिर यहां के स्थायी ग्राहक आने लगते थे। फिर शीघ्र ही यहां सिगरेट का धुआं और आवाजें भर जाती थीं। जूली कांच के पीछे बैठी रहती थी। पहली रात हेवार्ट उसके साथ ही रहा था और सब लोगों के बार में बताता रहा था।

"वह कोट वाला सिड बर्न्सटीन है। उसे याद रखना। उसका एक बड़ा घर स्टोर है। गाइड ऑन स्ट्रीट पर। शायद तुमने देखा भी होगा, अगर कभी सस्ते घर की जरूरत हो तो उसके पास जाना और मेरा नाम ले देना। वह जिससे बात कर रहा है, वह 'ड्यूक' है। उसके शालीन व्यवहार के कारण ही लोग उसे इस नाम से पुकारते हैं। यह मत सोचो कि यह काम क्या करता है? वह उधर 'पग्सी' है। उसकी शक्ल याद रखो और उसके बारे में सब कुछ भूल जाओ। उधर वह जो सिगरेट सुलगा रहा है, वह 'गोल्ड सैक' है। दो वर्ष पहले जब मिला था तो उसकी कीमत पचास पेंस से ज्यादा नहीं थी। अब वह दस हजार पौंड का चैक बना सकता है और उसे भूल सकता है।"

फिर जूली ने लोगों को बात करते भी सुना और उन्हें जाना। एक बार पग्सी और ड्यूक 'पच्चीस हजार' की बात कर रहे थे। अगले दिन एक गोदाम में पच्चीस हजार सिगरेट चोरी होने की खबर अखबारों में छपी। तब जूली ने अनुमान लगाया।

कैफे का जीवन बड़ा उत्तेजक और व्यस्त था। उसे फोन पर लगातार संदेश मिलते रहते थे, लेकिन वह उनका मतलब नहीं समझ पाती थी। संदेश इस तरह के होते थे—पग्सी को बता दो कि ग्रेहाउण्ड ठीक लग रहा है। मिस्टर गोल्ड सैक से कहो कि मुझे फोन कर ले। ब्वाय ब्ल्यू बारह बजे। बर्न्सटीन के लिये संदेश—वही समय, वही जगह, सी.ओ.डी. और इस तरह के दूसरे संदेश।

जूली जानती थी कि इनका मतलब सिर्फ पैसे से है। वे गलत काम करके अमीर हुए जा रहे थे। जूली उनसे जली जा रही थी। तीसरे सप्ताह में उसे बारह पौंड की आमदनी हुई। आठ हेवार्ट से और चार दूसरे ग्राहकों से, लेकिन उसे तसल्ली नहीं होती थी। उसे जितना ज्यादा पैसा मिल रहा था, वह उतना ही और चाहती जा रही थी। उसके खर्चे बढ़ गये थे। उसने फुल्हैम पैलेस रोड पर एक अपार्टमेंट ले लिया था, जिसके लिये उसे चार पौंड प्रति सप्ताह देने पड़ते थे। वह खूब कपड़े खरीद रही थी और ज्यादा धूम्रपान कर रही थी। दिन में वह खरीददारी करती थी और फिल्में देखती थी। दिन में काम न करना अच्छा लगता था, लेकिन अकेलापन खलता था। उसका कोई दोस्त नहीं था, जो था, वह उस समय काम पर होता था।

उसे किसी पुरुष के साथ की जरूरत थी। उसे वे दिन याद आ रहे थे, जब सेना के अफसर उसे घर छोड़ने आते थे। अब उसे एक ऐसा मर्द चाहिये था, जो उससे प्यारी-

प्यारी बातें करे, उपहार दे और जो आड़े वक्त में उसका साथ दे।

कैफे में जो लोग मिलते थे, वे पैसा बनाने की धुन में थे। हां, उसे हेवार्ट उपलब्ध हो सकता था, लेकिन वह बूढ़ा था। जब भी वह कैश काऊंटर पर आ जाता था, तभी जूली के शरीर पर हाथ फिराने लगता था। जूली भी ऐतराज नहीं करती थी। वह इससे ही संतुष्ट भी हो जाता था। जूली को अपनी उम्र का साथी चाहिये था, जिसे उसकी दिलचस्पी का भी अहसास हो और जो हमेशा उस पर हाथ न फिराता रहे।

उसे कैफे में काम करते हुए तीन महीने हो चुके थे, जब हेरी ग्लेब से उसकी मुलाकात हुई। हेरी को देखते ही वह उसमें दिलचस्पी लेने लगी, क्योंकि हेरी का व्यक्तित्व बहुत शानदार था। हेरी की मुस्कुराहट दूसरे को भी मुस्कराने पर मजबूर कर देती थी। उसमें आत्म-विश्वास की भी कमी नहीं थी। उसके कपड़े बहुत शानदार होते थे। उसके बाल घने व घुंघराले थे। पतली-सी मूंछें थीं। हरी आंखें थीं, जो मुस्कुराती रहती थीं। हालांकि वह सख्त था, दिखावा ज्यादा करता था। स्वार्थी था...तो भी उसे पसन्द करना ही पड़ता था। वह हमेशा मुस्कुराता रहता था, हमेशा मजाक करने के लिये तैयार। एक पौंड उधार देने के लिये तैयार, सिक्का उछाल कर दस पौंड की शर्त लगाने के लिये तैयार, पीने-पिलाने के लिये तैयार। वह वैस्ट एण्ड के सभी रेस्तरांओं के वेटरों को उनके नाम से जानता था। वह वैस्ट एण्ड इलाके की वेश्याओं को जानता था, बदमाशों को जानता था। वे सब उसे पसन्द करते थे।

जूली को वह कोई फिल्म अभिनेता लगा, लेकिन उसे खुद पर भी भरोसा था। उसे पता था कि कभी-न-कभी वह उसे आकर्षित कर ही लेगी।

उस समय हेरी, सिड बर्न्सटीन के साथ काम कर रहा था। उसे बि्रज कैफे पसन्द नहीं था और न हेवार्ट, लेकिन बर्न्सटीन हमेशा वहीं जाता था, इसलिये हेरी को भी जाना पड़ता था।

उसने जूली को जल्दी से ही ताड़ लिया। उसे हर सुन्दर लड़की में दिलचस्पी थी। लिहाजा जूली में भी हो गयी।

“हेवार्ट को यह कहां मिल गयी?” उसने बर्न्सटीन से कहा।

उसे खुद पता नहीं था। जब वह चला गया तो हेरी कैश करने लगा।

जूली इस मौके का इन्तजार कर ही रही थी, लेकिन उसने उतावली नहीं दिखायी।

स्ति्रयां हेरी की ओर यूं आकर्षित होती थीं, जैसे चुम्बक से पिन, लेकिन जूली के व्यवहार से वह चौंक-सा गया। जूली उससे मित्रता पूर्ण ढंग से बोल तो रही थी, लेकिन आगे नहीं बढ़ रही थी।

हेरी ने उससे कहीं और मिलने को कहा तो उसने इन्कार कर दिया। जूली को

मर्दों का खासा तजुर्बा था। उसे पता था कि जब एक लम्बी बेरुखी के बाद वह आगे बढ़ेगी तो उसका ज्यादा स्वागत होगा।

जब मिसेज फ्रेंच ने ऐसी लड़की की जरूरत बतायी जो उनकी मदद कर सके तो हेरी को फौरन जूली याद आ गई। उसे पता था कि जूली होशियार भी है और पैसा कमाना भी चाहती है, लेकिन वह उसके ठण्डे व्यवहार से परेशान भी था। उसे लगा कि जूली से काम लेने का एक ही तरीका है कि किसी तरह से उसकी नौकरी छुड़वा दी जाये।

लेकिन कैसे?

हेवार्ट से उसके अच्छे सम्बन्ध थे और कोई ऐसा कारण नजर नहीं आता था, जिसके आधार पर वह कैफे की नौकरी छोड़ सकती।

कोई-न-कोई तरकीब निकल ही आयेगी। उसने खुद को तसल्ली दी। हमेशा ऐसा ही होता है।

हुआ भी यही, लेकिन ऐसे नहीं, जैसे वह समझता था।

¶¶

मिसेज फ्रेंच के यहां होने वाली मीटिंग के दो दिन बाद जूली की मेज पर रखा हुआ फोन बज उठा। किसी स्त्री का बेचैन-सा स्वर उभरा—

"मिस्टर हेरी ग्लेब हैं?"

जूली कांप-सी गयी। पिछले तीन दिन से उसने हेरी को नहीं देखा था। वह सोचने लगी थी कि कहीं उसके ठण्डे व्यवहार से हेरी किसी दूसरी स्त्री के पास तो नहीं चला गया।

"वह यहां नहीं हैं।" उसने फोन पर बताया। वह सोच रही थी कि वह स्त्री कौन हो सकती है?

"कृपया अच्छी तरह देख लीजिये। बहुत जरूरी काम है। उन्होंने यहीं आने की बात की थी।"

उसकी आवाज में कुछ ऐसा था कि जूली चौंक-सी गई।

हेवार्ट अपने ऑफिस से निकल रहा था। उसने जूली को लोगों पर नजर डालते हुए देखा तो वह वहीं आ गया।

"क्या मामला है?"

"कोई स्त्री मिस्टर ग्लेब को पूछ रही है। वह बहुत चिंतित है।" जूली ने बताया।

"ग्लेब से सम्बन्धित हर स्त्री चिन्तित रहती है।" हेवार्ट बोला—"वह यहां नहीं है।"

"मुझे अफसोस है, लेकिन आज वह यहां नहीं आये।" जूली ने माउथपीस में कहा।

कुछ देर की खामोशी के बाद वह स्त्री बोली—

"वह जरूर आयेंगे। आप उनसे कहिये कि वह मुझे फोन कर लें। नम्बर नोट कर लीजिये।"

जूली ने नम्बर याद कर लिया और कह दिया कि उसके आते ही वह बता देगी।

हेवार्ट ने बुरा-सा मुंह बनाया।

"मैं चाहता हूं कि यह आदमी यहां न आए।"

कुछ मिनट बाद हेरी अन्दर आ गया. जूली ने उसे बुलाया।

"हैलो!" वह बोला—"क्या यह कहना चाहती हो कि मुझसे मिलकर खुशी हुई?"

"कुछ मिनट पहले किसी स्त्री ने तुम्हें फोन किया था। वह कहती थी कि काम जरूरी है। फोन नम्बर...रिवर साइड 58845 ।"

उसकी मुस्कुराहट हल्की हो गई।

"फोन कर लूं?" वह बोला।

जूली ने फोन उसके आगे कर दिया। अचानक हेरी कठोर और खतरनाक नजर आने लगा था। जूली को इस रूप में वह अच्छा लगा। फोन करते हुए उसका हाथ कांप-सा रहा था।

"डाना?" नम्बर मिल जाने पर उसने कहा—"मैं हेरी हूं। क्या बात है?" कुछ सुनकर वह बोला—"कितनी देर हुई, ठीक है। सब ठीक हो जायेगा। विदा!"

फिर उसने फोन रख दिया।

"क्या हुआ?" जूली ने पूछा।

"एक काम करोगी?" हेरी उसका अध्ययन करता हुआ बोला। उसने इधर-उधर देखा और फिर एक कागज में लिपटा हुआ एक छोटा-सा पैकेट उसकी गोद में डाल दिया—"इसे कल तक अपने पास रख लो। अगर कोई पूछे कि क्या मैंने तुम्हें कुछ दिया है तो इन्कार कर देना। ठीक है?"

“तुम्हारे लिये मैं यह काम कर सकती हूं।” जूली मुस्कुराती हुई बोली।

“तुम अच्छी लड़की हो। कल मेरे साथ चलोगी? दोपहर का खाना साथ खायेंगे।”

“कल नहीं, परसों ठीक रहेगा। तुम कल रात आओगे?”

“बेशक! अच्छा अलविदा।”

वह दरवाजे की ओर बढ़ गया। जैसे ही उसने दरवाजा खोला, उसे ठिठक जाना पड़ा। फिर वह एक कदम पीछे हट गया।

दो व्यक्ति अन्दर आ गये। वे हैट और रेनकोट पहने हुए थे। जूली ने उन्हें पहचान लिया। उसका दिल डूबने-सा लगा। पुलिस वाले...अब उसे पता चला कि हेरी पैकेट से पीछा छुड़ाने के लिये इतना बेचैन क्यों था?

हेरी दोनों पुलिस वालों से बात कर रहा था। वह बड़े इत्मीनान से मुस्कुरा रहा था। कैफे में बैठे हुए दूसरे स्त्री-पुरुष खामोशी से उधर देख रहे थे। जूली एक पुलिस वाले को पहचानती थी 1 डिटैक्टिव इन्सपेक्टर—डासन। उसने हेवार्ट के ऑफिस की ओर इशारा किया। हेरी ने कन्धे उचका दिये और वापस मुड़ गया। जूली की ओर देखे बिना वह उसके सामने से होकर गुजर गया।

वे तीनों हेवार्ट के ऑफिस में चले गये। जैसे ही वे नजरों से ओझल हुए...कैफे में मौजूद लोग उठने लगे और फिर कुछ ही क्षणों में कैफे खाली हो गया।

घबराहट में जूली ने अपना पर्स उठा लिया और पैकेट उसमें रखने लगी। तभी उसे लगा कि सबसे पहले पर्स को ही चैक किया जा सकता है। उसने खाली कैफे पर नजर डाली और स्कर्ट खींचकर पैकेट अन्दर डाल दिया।

पुलिस वाले जल्दी ही हेवार्ट के ऑफिस से बाहर आ गये।

उसने साथ हेरी भी था और पीछे हेवार्ट, जो गुस्से में तमतमा रहा था।

दूसरा पुलिस वाला और हेरी बाहर चले गये और हेवार्ट और डासन वहीं रह गये। फिर वे जूली की तरफ आ गये।

डासन ने हैट उठाकर उसका अभिवादन किया।

“हैलो मिस।” वह बहुत ही नम्र स्वर में बोला—“आप ग्लेब को जानती हैं?”

“नहीं। जूली बोली—“और अगर मैं जानती होऊं तो मैं नहीं समझती कि इससे आपका कोई काम है।”

“कुछ देर पहले वह आपसे बात नहीं कर रहा था?”

"वह सिगरेट ले रहा था।"

डासन ने उसे घूरा।

"अच्छा?" वह बोला—"जब मैंने उसकी तलाशी ली तो उसके पास पैकेट नहीं था, जो उसके पास होना चाहिए था। इस बारे में आपकी क्या राय है?"

जूली का रंग उड़ गया, लेकिन वह तुरन्त ही सम्भल गयी। डासन फिर बोला—

"उसने आपको कुछ दिया?"

"नहीं।"

"मैं आपका पर्स देख सकता हूं?"

"आपको कोई अधिकार नहीं है।" वह बोली—"लेकिन अगर आपको इससे तसल्ली होती है तो ठीक है।"

उसने पर्स डासन के आगे खिसका दिया। डासन ने पर्स को हाथ नहीं लगाया।

"ठीक है, मिस, कोई बात नहीं।" वह बोला, फिर उसने हेवार्ट को देखा—"अलविदा सैम। जल्दी ही फिर मुलाकात होगी।" फिर उसने खाली कैफे को देखा और मुस्कुराहट छिपाता हुआ बोला—"तुम्हारे काम में बाधा के लिए खेद है। तुम्हारे ग्राहक कुछ ज्यादा ही भले लोग हैं।"

"विदा।" हेवार्ट बोला।

डासन ने जूली की ओर देखा।

"ग्लेब लड़कियों को बहुत जल्दी मुसीबत में डाल देता है।" वह बोला—"मैंने उस जैसा आदमी कहीं नहीं देखा। अच्छा, शुभ रात्रि।"

उसके जाने के बाद हेवार्ट ने उसे घूरा।

"मैं तुम्हारी हरकत का मतलब नहीं समझा।" वह बोला—"आखिर बात क्या है?"

"पता नहीं तुम क्या कह रहे हो?"

"जब कैफे बन्द होगा तो मैं तुमसे बात करूंगा।" हेवार्ट ने कहा और अपने ऑफिस में चला गया।

जब कैफे बन्द हो गया और सारा स्टाफ चला गया तो हेवार्ट फिर उसके पास आया।

"ग्लेब ने क्या दिया है तुम्हें?" वह बोला।

"मैंने जो डासन को बताया, वह तुमने नहीं सुना?" वह फुंफकारी—"उसने मुझे कुछ नहीं दिया।"

"तुम अच्छी तरह नहीं बोल पातीं। डासन तुम्हारा झूठ समझ गया था। शायद उसने यह अनुमान न लगाया हो कि ग्लेब ने तुम्हें अंगूठियां दी हैं, लेकिन उसने तुम्हारे सम्बन्धों का अनुमान जरूर लगा लिया होगा।"

"मैं...मैं नहीं जानती, तुम क्या कह रहे हो?"

"देखो लड़की। अभी तक तुम अक्लमन्दी से काम लेती रही हो, लेकिन अब तुम बेवकूफी कर रही हो। ग्लेब हमारे लिए बाहर का आदमी है। न हम उसके लिए कुछ करते हैं और न वह हमारे लिए कुछ करता हैं। वह बहुत चालाक है। वह जो कुछ करता है, उसमें से किसी को कुछ हिस्सा भी नहीं मिलता है।"

"मैं कह रही हूं कि उसने मुझे कुछ नहीं दिया।" जूली ने कहा। उसका दिल जोरों से धड़क रहा था। उसे लग रहा था कि पैकेट लेकर उसने गलती की है।

हेवार्ट ने उसका अध्ययन किया और फिर उसके चेहरे पर सख्ती आ गई।

"सुनो। आज एक सभ्य स्त्री ने तीन हजार पौंड कीमत की तीन अंगूठियां दो सेकेण्ड के लिए अपनी ड्रेसिंग टेबल पर रख दी थीं और वह गायब हो गयीं। दो सेकिण्ड के लिए। समझीं? यह ग्लेब का काम है, वह फुर्ती से काम करने और बेडरूम में पहुंचने का विशेषज्ञ है। उसका काम ही यह है। डासन उसके बारे में सब कुछ जानता है और मैं भी। इस चोरी के बाद वह सीधा यहां आ गया। मेरा अनुमान है कि उसे फोन करने वाली स्त्री ने उसे सावधान किया था कि पुलिस उसके पीछे है। उसने चोरी का माल तुम्हें दे दिया। यह भी उसका एक हथकंडा है। देखो जूली! ग्लेब हमारे लिए जहर की तरह है, जो यहां तक पुलिस लाता हो, मैं उसे पसन्द नहीं कर सकता। मुझे वह अंगूठियां दे दो।"

जूली ने हैट और कोट उठाया और दरवाजे की ओर लपकी, लेकिन हेवार्ट उसके सामने आ गया।

"मेरे पास अंगूठियां नहीं हैं।" जूली बोली—"मुझे घर जाने दो।"

"अभी नहीं। मैं इसलिये तसल्ली से काम ले रहा हूं जूली, क्योंकि तुम मुझे अच्छी लगती हो, लेकिन इस आदमी के लिये तुम बड़ी बेवकूफी कर रही हो...तुम उसे फंसाने की कोशिश कर रही हो। है न? ग्लेब स्त्रियों के मामले का विशेषज्ञ है। साथ ही कोई स्त्री उससे कुछ नहीं पाती। तुम उसका पीछा छोड़ दो।"

"ऐसी बात कहने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?" जूली गुस्से से चिल्ला पड़ी—"मेरे रास्ते से हट जाओ।"

"जब तक तुम अंगूठियां नहीं दे दोगी, तब तक तुम नहीं जा सकतीं। अगर अंगूठियां मैंने तुमसे छीनकर लीं तो तुम्हें यह नौकरी भी छोड़नी होगी।"

"मैं कोई और काम तलाश कर लूंगी। तुम मुझे डरा नहीं सकते, बूढ़े!"

हेवार्ट ने उस प्रशंसा भरी नजरों से देखा और फिर हंस पड़ा।

"तुममें बहुत हिम्मत है जूली! हम दोनों का साथ बहुत अच्छा रहेगा। अंगूठियां दे दो और फिर हम दोनों इस घटना को भूल जाते हैं।"

"मेरे पास अंगूठियां नहीं हैं और अगर होतीं, तो भी मैं तुम्हें नहीं देती।" जूली ने कहा और आगे बढ़ गयी।

हेवार्ट ने उसके दोनों हाथ एक हाथ में पकड़ लिये और दूसरे से उसके शरीर की तलाशी लेने लगा।

"मुझे छोड़ दो, वर्ना मैं चिल्लाऊंगी।"

"चिल्लाओ!" हेवार्ट बोला—"अगर पुलिस आ गयी तो मैं बता दूंगा कि ग्लेब ने तुम्हें अंगूठियां दी हैं। सीधे खड़ी रहो। मुझे पता है कि अंगूठियां तुम्हारे पास हैं।"

जूली चिल्ला पड़ी।

तभी दरवाजा खुला और हेरी अन्दर आ गया।

"ताज्जुब है सैम!" वह बोला—"जो कुछ तुम कर रहे हो, इसके लिये तुम्हें छः महीने की सजा हो सकती है।"

हेवार्ट ने जूली को यूं छोड़ दिया जैसे अचानक वह आग बन गई हो। हेरी दरवाजे से लगकर खड़ा हो गया। उसका हेट एक आंख पर आ गया था। उसके हाथ उसकी जेबों में थे—"तुम अन्दर कैसे आ गये?" हेवार्ट बोला।

जूली हेवार्ट से दूर हट गयी।

"सूअर! तुमने मुझे छूने की हिम्मत कैसे की?" वह हेरी की ओर मुड़ी—" यह तुम्हारी गलती है। अब इसे पीटो। तुमने देखा, वह मेरे साथ क्या कर रहा था?"

हेरी ने प्रशंसा भरी नजरों से जूली को देखा।

"तुम एक बूढ़े की पिटाई करवाना चाहती हो प्रिये?" वह बोला—"तुम मेरे साथ आ जाओ। यह कुछ नहीं कहेगा।"

"मैं इसे मजा चखाऊंगी। इसने मुझे गन्दे हाथ लगाये हैं।" उसने एक जार उठाया और हेवार्ट की ओर उछाल दिया। यह उसकी छाती पर लगा और वह गिर पड़ा। वह कुछ और उठाने के लिये मुड़ी तो हेरी ने हंसते हुए उसे पकड़ लिया और उसे बाहर ले

आया।

“दरवाजा बन्द कर लो, सैम!” हेरी बोला—“यह तुम्हारे खून की प्यासी हो रही है।”

दरवाजा जल्दी से बन्द हो गया।

जूली दरवाजा पीटने लगी।

“मुझे अन्दर आने दो बूढ़े! मैं तुम्हें मार डालूंगी।”

“दफा हो जाओ।” हेवार्ट अन्दर से चिल्लाया—“अब काम पर मत आना।”

“छोड़ो जूली।” हेरी उससे सुरक्षित फासला बनाये हुए बोला—“उसे तुमने बहुत डरा दिया है।”

जूली उधर मुड़ी।

“तुमने मेरी नौकरी खत्म करवा दी।” वह बोली—“तुम यूं ही मुस्कुरा सकते हो। मैं क्या करूंगी?”

हेरी सोच रहा था कि उसकी नौकरी इस ढंग से छुट गयी कि वह सोच भी नहीं सकता था।

अब जूली शांत हो चली थी और सोच रही थी। बारह पौंड प्रति सप्ताह की कोई दूसरी नौकरी तलाश करना लगभग असम्भव था।

“काश! मैंने तुम्हारी मदद न की होती।” वह बोली।

“अब इन्हें छोड़ो। हम बैठकर इत्मीनान से बात करेंगे। बाहर मेरी कार खड़ी है। मैं तुम्हें घर लिये चलता हूं।”

इससे पहले कि जूली अपना इरादा बदल देती, हेरी उसे खींचता हुआ ले चला।

कुछ दूरी पर एक ‘क्रिस्लर’ खड़ी हुई थी। इस पर ‘हेकनी केरिज’ लिखा था।

“बैठो!” हेरी बोला—“इस पर यह लिखवाना जरूरी था, वर्ना पुलिस पूछताछ करती रहती कि मेरे पास पैट्रोल का खर्च कहां से आता है?”

जूली सोच रही थी कि इतनी बड़ी कार रखने का अर्थ है कि उसके पास बहुत पैसा होगा।

हेरी ने उसे कार में धकेल दिया।

“तुम्हारा घर कहां है?” वह बोला।

"फुल्हैम पैलेस रोड।"

"तुम्हारे फ्लैट में कोई और भी रहता है?"

"नहीं। तुम बहुत कुछ जानना चाहते हो। क्यों?"

"मुझे हर आदमी के बारे में जानने की आदत पड़ गयी है।" वह हंसता हुआ बोला।

फिर फ्लैट तक पहुंचने तक कोई कुछ नहीं बोला। कार रोक देने के बाद हेरी ने कहा—

"अन्दर चलते हैं। एक कप चाय पिला देना।"

"तुम अन्दर नहीं आओगे और न तुम्हें चाय मिलेगी। जूली फुंफकारी—"और अगर तुम्हें अंगूठियां वापस चाहियें तो इनकी कीमत देनी होगी।"

"लेकिन मैं तुमसे कुछ बात करना चाहता हूं।"

"मैं रात को किसी मर्द को अपने फ्लैट में नहीं बुलाती। मुझे अंगूठियों के बदले पचास पौंड चाहियें, अगर यह रकम नहीं मिली तो अंगूठियां नहीं मिलेंगी।"

हेरी ने सीटी बजायी।

"पचास पौंड! इतनी तो उनकी कीमत भी नहीं है।"

"कीमत हजारों में है। कल कैश ले आना, वर्ना मैं खुद इन्हें बेच दूंगी।"

उसने कार का दरवाजा खोला और चली गयी।

¶¶

हेरी तब तक रुका रहा, जब तक अन्दर के एक कमरे में प्रकाश न हो गया। फिर उसने कार आगे बढ़ा दी, वह इस इलाके को अच्छी तरह से जानता था। नजदीक ही एक गैरेज था, जो सारी रात खुलता था। उसने कार उसी गैरेज में खड़ी कर दी और वापस जूली के फ्लैट पर पहुंच गया।

कुछ मिनट वह सड़क का जायजा लेता रहा। केवल एक आवारा बिल्ली घूम रही थी। इस समय रात के तीन बजे थे। वह पाइप की सहायता से ऊपर चढ़ गया और एक खिड़की की सहायता से अन्दर पहुंच गया। यह काम केवल कुछ सेकेण्ड में हो गया था।

यह कमरा काफी बड़ा था, लेकिन फर्नीचर अच्छा नहीं था। सामने एक दरवाजा था, जहां से पानी की आवाज आ रही थी। इसका मतलब था कि यह बाथरूम था। जूली के गुनगुनाने की आवाज भी आ रही थी।

हेरी ने हैट और कोट उतारकर रखा और एक आरामकुर्सी पर बैठकर सिगरेट सुलगा ली।

कुछ मिनट बाद हरे रंग का पाजामा सूट पहने हुए जूली आ गई। हेरी को देखते ही वह ठिठक गयी।

"हैलो।" हेरी बड़ी लापरवाही से बोला—"बेड पर आ जाओ जूली। तुमसे कुछ बातें करनी हैं।"

जूली ने कमरे में चारों तरफ देखा, फिर वह ड्रेसिंग टेबल की ओर लपकी, लेकिन हेरी उससे तेज निकला। उसने पर्स के नीचे रखी हुई हीरे की दो अंगूठियां उठा लीं।

"इन्हें रख दो।" जूली फुसफुसायी।

हेरी ने अंगूठियां अपनी जेब में रख लीं।

"नाराज मत हो, जूली। मुझे चाय का एक कप दो, फिर बात करेंगे।"

"मैंने तुम्हारे लिये इतना कुछ किया और अब तुम मुझे कुछ दे भी नहीं रहे हो।"

"यह किसने कहा कि मैं तुम्हें कुछ नहीं दूंगा?" हेरी बोला—"तुम्हें नौकरी की जरूरत है। मैं तुम्हें अच्छी-सी नौकरी दिलवाऊंगा। यकीन करो, मैं झूठ नहीं बोल रहा हूं।"

"कैसी नौकरी?"

"मुझे चाय पिलाओ और मुंह मत बनाओ।"

"ठीक है। मैं चाय लाती हूं।"

जब तक वह चाय लाती, तब तक हेरी सिगरेट खत्म कर चुका था।

"नौकरी क्या है?" वह उसे चाय का कप देती हुई बोली—"और यह मत भूलना कि तुम पचास पौंड के कर्जदार हो।"

"सैम तुम्हें क्या देता था?"

"बारह पौंड प्रति सप्ताह।"

"ऐसी नौकरी बिना कुछ खतरा उठाये नहीं मिलेगी।"

"क्या मतलब?"

"तुमने सैम के यहां कितने दिन काम किया?"

"छः महीने।"

“इससे पहले?”

“एक लायब्रेरी में।”

“और उससे पहले?”

“एक फैक्ट्री में।”

हेरी चाय पीने लगा।

“मुझे यकीन नहीं है कि तुम मुझे नौकरी दिलवा दोगे। तुम मुझे बहका रहे हो, अगर यह सच हुआ तो मैं डासन को तुम्हारे बारे में बता दूंगी।”

हेरी के हाथ से कप छुटते-छुटते बचा। यह धमकी उसे अच्छी नहीं लगी।

“ सोच-समझ कर बोलो जूली! पुलिस को खबर देने वाली लड़कियों को कुछ और कहते हैं।”

“बेकार के शब्दों का मुझ पर कोई फर्क नहीं पड़ता।” जूली बोली—“नौकरी की बात बताओ।”

“फिलहाल अच्छा पैसा बनाने की तरकीब यह है कि तुम एक अमीर स्त्री की नौकरानी बन जाओ। एक खाली जगह है।”

“नौकरानी?” वह बोली।

“अच्छा पैसा कमाने के लिये नौकरानी बनना क्या बुरा है? आखिर तुम एक कैफे में ही तो काम करती थीं। तुम शानदार फ्लैट में रहोगी, अच्छा वेतन पाओगी...।”

“लेकिन नौकरानी...।” वह उठकर टहलने लगी।

“तुम्हें पन्द्रह पौंड प्रति सप्ताह मिलेंगे और काम खत्म होने के बाद पचास पौंड बोनस। क्या ख्याल है?”

“ओह!” वह बोली—“इसका मतलब है कि यह कोई गोरख-धन्धा है।”

“कुछ है तो।” हेरी बोला—“लेकिन जब तुम्हें इस बारे में कुछ पता ही नहीं है तो तुम्हें क्या?”

हेवार्ट ने भी यही कहा था...वह सोचने लगी...और वह फंसी नहीं थी।

“तुम्हें बस इतना करना है कि एक घर में नौकरी करनी है। वहां से तुम्हें तीन पौंड प्रति सप्ताह मिलेंगे। बारह पौंड मैं अलग से दिलवा दूंगा। लगभग एक महीने में तुम्हारा काम खत्म हो जायेगा और तुम्हें पचास पौंड और मिल जायेंगे, अगर तुम अभी हां कर दो तो मैं तुम्हें दस पौंड का नोट अलग से दे सकता हूं।”

"लेकिन, हेरी, मुझे सोचना होगा।"

"ठीक है, कल बता देना।"

"यह भी तो हो सकता है कि तुम वापस ही न आओ।"

हेरी उठा और उसके पास बेड पर बैठ गया। उसके कान में वह फुसफुसाया—

"तुम्हें एक राज की बात बताऊं? आज मैं यहां से जा नहीं रहा हूं।"

जूली खड़ी हो गयी।

"यहां से जाओ, फिर मिलेंगे।"

हेरी हंस पड़ा।

"मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। मैं तुम्हें इस काम के लिये रजामंद करूंगा।"

उसने जूली को बाहों में भर लिया। जूली ने थोड़ा प्रतिरोध किया और फिर बोली—"मुझे कसकर जकड़ लो।"

¶¶

सुबह को जूली की आंख खुली तो हेरी वहां नहीं था। बाथरूम से पानी की आवाज आ रही थी।

उसने जम्हाई ली और फिर अंगड़ाई।

"मुझे फौरन चाय चाहिये।" हेरी अन्दर से बोला—"तुम अभी उठीं नहीं?"

"उठ रही हूं।"

तभी हेरी बाहर आ गया। उसके शरीर के निचले हिस्से पर तौलिया बंधा हुआ था। वह कोई मुक्केबाज लग रहा था।

"अभी तो नौ भी नहीं बजे हैं।" जूली उठती हुई बोली।

"आज मुझे बहुत काम है।"

जूली किचन में चली गयी और हेरी फिर से बाथरूम में। जूली और वह सारी रात बातें करते रहे थे। जूली उसकी रोजाना की जिन्दगी के बारे में पूछती रही थी और हेरी ने उसका हर सवाल मजाक में उड़ा दिया था।

जूली चाय बनाकर लायी तो हेरी कपड़े पहन चुका था। जूली बोली—"हेरी, मुझे तुम्हारी चिन्ता हो रही है। इस तरह की चोरियां तुम कब तक करते रहोगे?"

हेरी हंस पड़ा।

"मेरी चिन्ता मत करो।"

"सुनो! मुझे इस दुनिया में केवल कुछ वर्ष गुजारने हैं। ज्यादा-से-ज्यादा चालीस वर्ष और। जब तक मैं जिन्दा हूं, तब तक ऐश करना चाहता हूं। यह काम पैसे के बिना नहीं हो सकता। पैसा ताकत है। यह मनोरंजन है, खाना और शराब है, सिगरेट और प्यार है, पैसा मोटर कार है, पैट्रोल है, कपड़ा है, जूता है। यह पोकर का खेल है, थियेटर का शो है। यानि जो कुछ भी तुम सोच सकती हो, वह पैसा है। मैंने ईमानदारी से पैसा कमाना चाहा, लेकिन सफल नहीं हुआ। अब मैं बेहतर वक्त गुजारना चाहता हूं। पैसा जहां कहीं से भी आये, मुझे ले लेना है।"

"लेकिन अगर दस वर्ष तुम्हें जेल में गुजारने पड़े तो इससे क्या फायदा है?" जूली बोली। वैसे खुद उसके भी यही विचार थे, जो हेरी के थे। वह इस सवाल का बेहतर जवाब चाहती थी, ताकि खुद को संतुष्ट कर सके।

"मैं अभी तक जेल से अलग रहा हूं और आगे भी ऐसा ही होगा।"

"अगर मैं तुमसे अंगूठियां न लेती तो अब तक तुम जेल जा चुके होते।"

"नहीं। कोई दूसरा तरीका निकल आता। हमेशा ऐसा ही होता है।"

जूली को यह बात अच्छी नहीं लगी। वह समझी थी कि उसने खुद खतरा उठाकर उसकी जान बचायी है। वह नाराजगी भरे स्वर में बोली—

"और जो औरत तुम्हारी मदद करती है, तुम उससे इसी तरह प्यार करते हो? यह कोई इनाम है?"

हेरी हंस पड़ा।

जूली को ईर्ष्या हो रही थी। वह बोली—

"तुम्हें फोन करने वाली डाना कौन थी?"

"मेरी मां।" वह जल्दी से बोला।

"मजाक मत करो। सच बताओ।"

"वह एक लड़की है, मेरी परिचित है। वह तुम जैसी सुन्दर नहीं है। मुझे उससे कोई मतलब नहीं।"

"उसे कैसे पता चला कि पुलिस तुम्हारे पीछे है?"

"वह ज्योतिषी है।"

"तुम बता रहे हो या नहीं?"

"अपना काम करो।"

जूली को लगा कि उस पर दबाव देना व्यर्थ है।

"चाय और लोगे?" उसने विषय बदला।

हेरी ने उसे कप दे दिया।

"मैं कुछ देर बाद चला जाऊंगा।"

जूली फिर बेचैन-सी हो गयी। वह उसे हमेशा के लिये छोड़कर भी जा सकता था।

"तुम कहां रहते हो?" उसने हेरी से पूछा।

"दस, डाउनिंग स्ट्रीट। शानदार फ्लैट है, क्योंकि उसमें प्रधानमंत्री का बटलर भी रहता है।"

"कभी तुम गम्भीर भी होते हो?"

"गम्भीर होने की क्या बात है? खाओ, पियो, ऐश करो। कल को तो हमें कीड़े खायेंगे ही। मेरे पास गम्भीर होने का वक्त नहीं है।"

"तो तुम मुझे अपना पता भी नहीं बताओगे?" जूली ने पूछा। वह सोच रही थी कि वह स्त्री उसके साथ ही रहती होगी...इसलिये वह पता नहीं बता रहा।

"मेरे बारे में तुम जितना कम जानो, उतना ही बेहतर है।"

हेरी बोला—"अब मैं चलता हूं। नौकरी के बारे में तुमने क्या सोचा?"

"वहां बस नौकरानी बने ही रहना है न?"

"हां...और आंखें खुली रखनी हैं।"

अब वह समझी कि उसे एक बड़ी चोरी में अन्दर से मदद करनी है। उसे झिझकता देखकर हेरी ने पांच-पांच पौंड के दो नोट निकाल लिये।

"मैंने तुम्हें कुछ पेशगी देने की बात कही थी, यह रख लो।"

उसने नोट ले लिये।

हेरी ने उसे एक कार्ड दिया।

"इस पते पर चली जाना। मिसेज फ्रेंच से मिलना और कह देना कि तुम्हें मैंने भेजा है।"

"कहीं कोई खतरा तो नहीं है?"

"नहीं।" हेरी बोला—"अच्छा अलविदा।"

"तुमसे फिर कब मुलाकात होगी?"

"जल्दी ही। इस समय मुझे बहुत कुछ करना है, अगर कभी मेरी जरूरत हो तो मिसेज फ्रेंच को संदेश दे देना। वह मुझसे सम्पर्क कर लेगी। ठीक है?"

हेरी ने उसे चूमा और फिर चला गया।

¶¶

जूली ने मेफेयर स्ट्रीट पर मिसेज फ्रेंच का ऑफिस ढूंढ निकाला। इस इमारत में ऊपर जाने तक उसे अनेकों मर्दों ने ध्यान से देखा। यह एक आम बात थी। वह ऑफिस में प्रविष्ट हो गई।

खिड़की के पास एक लड़की बैठी हुई टाइप कर रही थी। वह सुन्दर और सभ्य लग रही थी। उसके बाल उठे हुए थे और एक बाल भी अलग नहीं था। जूली ने उसे बड़ी ईर्ष्या से देखा।

लड़की ने नजरें उठायीं। उसने टाइप करना रोक दिया और उठकर काउण्टर के पीछे आ गयी।

जूली उसके सामने अस्त-व्यस्त सी लग रही थी।

"क्या चाहिये?" वह बोली। जूली को उसकी आवाज कुछ जानी-पहचानी-सी लग रही थी।

"मिस्टर ग्लेब ने भेजा है। मिसेज फ्रेंच से मिलने के लिये।"

"ओह! तुम जूली हालैंड हो।" वह बोली—"बैठो. मेरी मां इस समय व्यस्त हैं।"

वह मुड़ी और फिर से टाइप करने लगी।

जूली बैठ गयी। देर तक वह इन्तजार करती रही। वहां टाइप मशीन की आवाज के अलावा खामोशी ही थी। वह लड़की को देख रही थी और सोच रही थी कि यहां अच्छा वेतन मिलता है। मैं भी ऐसे ही कपड़े पहनूंगी और फिर उससे भी अच्छी लगूंगी।

अचानक लड़की खड़ी हो गई। उसने अपनी मेज से कागज समेटे और अन्दर वाले ऑफिस में चली गयी। कुछ देर बाद वह बाहर आयी और बोली—

"अन्दर जाओ।"

मिसेज फ्रेंच एक खिड़की के पास एक बड़ी-सी मेज के पीछे बैठी थी। वह

अपनी बेटी की तरह सुन्दर नहीं थी, लेकिन उसके चेहरे की कुछ चीजें उससे मिलती-जुलती जरूर थीं।

ऐसा लगता था कि वह जूली के बारे में सब जानती थी, वह सीधे मतलब की बात पर आ गयी।

"ग्लेब ने मुझे तुम्हारे बारे में बताया था, अगर तुम अपने दिमाग का इस्तेमाल करो तो काम बहुत आसान है। बैठो, बैठो।" जूली बैठ गई।

"आज दोपहर बाद तुम 97, पार्क-वे जाओगी। तुम्हें पता है...अलबर्ट हॉल कहां है? पार्क-वे उसके पास ही है। तुम्हारी मालकिन होंगी...मिसेज हावर्ड वेजली। तुम्हें उनके यहां सफाई करनी है। कॉलबैल का जवाब देना है। शराब सर्व करनी है, फूल करीने से रखने हैं और फोन सुनने हैं। जहां तक काम का सम्बन्ध है, यही है और यह बहुत आसान है। दूसरे काम, उस इमारत का दूसरा स्टाफ करता है और खाना रेस्टोरेन्ट से आता है। मिसेज वेजली इस काम का तुम्हें तीन पौंड प्रति सप्ताह देंगी। तुम हर शनिवार को अपना अतिरिक्त वेतन लेने यहां आ जाया करोगी। समझ गयीं?"

"हां।" जूली उसके व्यवहार से कुछ आतंकित-सी थी। जैसे कोई अन्धेरे में कोई रहस्यमय आवाज सुने और समझे कि अब कोई हमला करने वाला है।

"इस पैकेट में तुम्हारी यूनिफार्म है। मैं समझती हूं कि यह तुम्हारे ठीक आयेगी। इस लिफाफे में तुम्हारे पिछले मालिकों के पत्र हैं, जो तुम्हें मिसेज वेजली को देने हैं। इनमें से एक डॉक्टर का है। और दूसरा एक पादरी का। इन्हें लेने में मुझे काफी कष्ट हुआ है और पैसा खर्च करना पड़ा है, इन्हें खो मत देना।"

जूली ने उन्हें पर्स में रख लिया।

"अब मैं तुम्हें वेजली परिवार के बारे में कुछ बता दूं।" मिसेज फ्रेंच ने आगे कहा—"मिस्टर हावर्ड वेजली हवाई जहाज की फैक्टरी, 'वेजली बेन्टन' के पार्टनर हैं। यह फैक्ट्री नार्थोल्ट एयर फील्ड के नजदीक है। वेजली रोजाना वहां जाते हैं। तुमने उनके बारे में कहीं पढ़ा भी होगा। वह अन्धे हैं। कुछ लोगों को एक बम से बचाने की कोशिश में उन्होंने आंखें खो दी थीं। मैं पूरी घटना भूल गई हूं, लेकिन वह अन्धे हैं और अमीर हैं। मिसेज वेजली शादी से पहले 'ब्लेंच टरेल' थीं। हास्य अभिनेत्री। तुमने उन्हें भी देखा ही होगा। वह बहुत पीती हैं। इसीलिये उन्होंने अभिनय छोड़ा है। वेजली की अपार दौलत के कारण ही उन्होंने यह शादी की थी। उनका गुस्सा बहुत खराब है और इसीलिये मिस्टर वेजली का जीवन नर्क बना हुआ है।"

जूली स्तब्ध-सी थी।

"तुम्हें भी परेशानी हो सकती है।" मिसेज फ्रेंच ने आगे कहा—"तुम्हारा काम आसान है, लेकिन मिसेज वेजली के कारण ही हम तुम्हें अतिरिक्त मेहनताना दे रहे हैं। उसने अभी तक तीन सप्ताह से ज्यादा किसी नौकरानी को नहीं टिकने दिया, लेकिन तुम्हें

तब तक वहीं रहना है, जब तक मैं न कहूं। ठीक है?"

"जब तक तुम्हारा मतलब हल न हो जाये।" जूली ने कहा—"वह क्या है?"

" वक्त आने पर बता दिया जायेगा। तुम वेतन से खुश हो न?"

"हां, वेतन तो ठीक है।"

"तो फिर ज्यादा सवाल मत पूछो।" मिसेज फ्रेंच ने मेज की दराज में से कैश बॉक्स निकाला और एक-एक पौंड के बारह नोट गिन लिए—"अगले शनिवार को तुम्हें बारह पौंड और मिल जायेंगे। तुम हमारा साथ दो, हम तुम्हें खुश रखेंगे, लेकिन अगर तुमने गड़बड़ी की तो तुम्हें पछताना होगा। अब अपने चेहरे से मेकअप उतार फेंको। तुम नौकरानी बनने जा रही हो, फिल्म स्टार नहीं।"

जूली ने नोट अपने पर्स में रख लिए। वह यूनिफार्म वाला पैकेट उठा रही थी कि मिसेज फ्रेंच बोली—

"डाना को अन्दर भेज देना।"

जूली के हाथ से पैकेट छूटते-छूटते बचा।

तो यह है वह लड़की, जिसने हेरी को सावधान किया था। हेरी कहता था कि वह उससे ज्यादा सुन्दर नहीं है, जबकि वह सुन्दर भी थी और साफ-सुथरी भी।

"क्यों रुकी हो?" मिसेज फ्रेंच ने पूछा—"तुम्हें काम समझ में नहीं आया?"

"आ गया।" जूली ने कहा और बाहर वाले ऑफिस में आ गयी।

डाना किसी से फोन पर बात कर रही थी। जूली की ओर उसकी पीठ थी।

"वह अन्दर ही है।" वह कह रही थी—"हां, देखने में ठीक ही लगती है...।" तभी उसने मुड़कर देखा और फिर चुप हो गई।

"मिसेज फ्रेंच बुला रही हैं।" जूली ने कांपते स्वर में कहा और फिर बाहर निकल आई।

दरवाजा बन्द करके वह अन्दर की आवाज सुनने लगी।

डाना कह रही थी—

"अभी-अभी गयी है। गन्दी। हां, काम कर जाये तो ठीक है। क्या कहा? मुझे विश्वास नहीं है...हां, पैसा तो सबको चाहिए...ठीक है, आज रात बात करेंगे।"

वह किससे बात कर रही है...जूली सोचने लगी...हेरी से? उसका जी चाहा कि वह अन्दर जाये और डाना के थप्पड़ मार दे। उसे मेरी बेइज्जती करने का कोई हक नहीं।

तभी उसने देखा...दरवाजे में मिसेज फ्रेंच खड़ी हुई उसे देख रही थी। वह हड़बड़ा गई।

"मैं कुछ सुन नहीं रही थी।" जूली ने कहा और दौड़ती हुई जीना उतरने लगी।

¶¶

एक भूरे बालों वाली स्त्री ने जो हल्के गुलाबी रंग के गाउन पर रेशमी शॉल ओढ़े हुए थी...97, पार्क-वे का दरवाजा खोला और बोली—

"क्या चाहिए? यहां कोई नौकरानी नहीं है—और तुम इस समय आयी हो?"

ऐसा लगता था कि वह अभी सोकर उठी है।

"मुझे मिसेज फ्रेंच ने भेजा है।" जूली ने कहा—"मैं...मैं समझती हूं कि आप मेरा इन्तजार कर रही हैं...।"

"अन्दर आ जाओ।" ब्लेंच वेजली बोली।

जूली अन्दर प्रविष्ट हो गयी। उसने दरवाजा बन्द किया और उसके पीछे चल पड़ी।

"जब तक मुझे कॉफी नहीं मिलेगी, तब तक मैं तुमसे बात नहीं कर पाऊंगी।" ब्लेंच अपने बालों में उंगलियां फिराती हुई बोली—"अब तुम आ ही गईं तो कॉफी बना लो। तुम काफी सुन्दर हो। यह अच्छी बात है। अब तक यहां भद्दे चेहरे ही दिखाई देते रहे। पता नहीं मजदूर वर्ग के लोग बदसूरत क्यों होते हैं? तुम कॉफी बना लेती हो न?"

"हां।" जूली ने मुस्कुराते हुए कहा।

"ठीक है, लेकिन मेरी तरफ देखकर मुस्कुराओ मत, अगर तुम मुझे 'मैडम' कहो तो बेहतर होगा या इसमें तुम्हें परेशानी होती है?"

"नहीं मैडम!" जूली बोली। उसकी मुस्कुराहट गायब हो गई थी।

"तुम नाराज हो?" उसने अपनी पतली भौंहें उठाते हुए कहा—"ऐसी ही लग रही हो।"

"नहीं मैडम!"

"तो मुझे घूरो मत। जाओ, अपना काम करो।" उसने अपनी कनपटियों पर उंगलियां रखीं—"आज मेरी तबियत खराब है, लेकिन मैं मर भी जाऊं तो किसी को परवाह नहीं। जाओ, कॉफी बना लाओ।"

"अभी लाती हूं, मैडम।" जूली ने कहा।

किचिन में पहुंचकर उसने जल्दी से दरवाजा बन्द कर लिया।

उसने कॉफी के लिये पानी रख दिया और फिर फ्रॉक उतार दी। फिर वह यूनिफार्म का पैकेट खोलने लगी। वह सोच रही थी कि शायद वह यूनिफार्म से खुश हो जाये।

जूली कॉफी की ट्रे लेकर उसके कमरे में पहुंची तो कमरा प्रकाश से जगमगा रहा था। ब्रांडी और सैंट की खुशबू फैली हुई थी। इस समय दोपहर के तीन बजे थे, लेकिन फिर भी हर खिड़की पर परदा पड़ा हुआ था।

यहां सब कुछ कीमती और शानदार था, लेकिन उलट-पुलट हो रहा था। ड्रेसिंग टेबिल पर पाउडर फैला हुआ था। तेल की शीशियां उल्टी पड़ी थीं। कपड़े फर्श पर, कुर्सियों पर और बेड पर फैले हुए थे। जूते एक कोने में थे, जो फेंके गए लगते थे।

"कितनी देर लगा दी।" ब्लेंच बोली—"अगर यहां काम करना है, तो जल्दी करनी होगी।"

फिर उसने जूली पर नजर डाली।

"तो तुमने कपड़े बदल लिए? अब तुम और भी अच्छी लग रही हो। बहुत अच्छी यूनिफार्म है। ट्रे रख दो और जाओ। बाथरूम की सफाई कर देना, फिर बात करेंगे। मैं एक-दो मिनट में तुमसे बात करने के लिए तैयार हो जाऊंगी।"

बाथरूम से जूली को ईर्ष्या होने लगी। यहां शॉवर केबिनेट था, टब थी, ड्रेसिंग टेबिल, मालिश करने की मशीन, टर्किश बाथ केबिनेट, हेयर ड्रायर। बेडरूम की तरह यहां भी सब कुछ अस्त-व्यस्त था। टब में पानी भरा हुआ था, जिसमें साबुन घुला हुआ लगता था। इसमें एक तौलिया तैर रहा था। फर्श पर पाउडर पड़ा हुआ था।

उसने जल्दी से टब खाली किया, तौलिया निचोड़ा और उससे फर्श साफ किया।

जब वह लौटी तो ब्लेंच बेडरूम में चहलकदमी कर रही थी। डेसिंग टेबल पर ब्रांडी से भरा हुआ गिलास रखा था। अब वह कुछ बेहतर लग रही थी।

"मैंने तुम्हारा नाम नहीं पूछा?" वह मुस्कुराती हुई बोली।

"जूली हालैंड, मैडम।"

ब्लेंच एक आरामकुर्सी पर बैठ गयी।

"तुम्हें मिसेज फ्रेंच ने भेजा है न?"

"हां मैडम।"

"पहले तुमने कहां काम किया है?"

जूली ने पर्स खोला और दोनों लिफाफे उसे दे दिये।

उसने उन्हें खोलकर पढ़ा और फिर ड्रेसिंग टेबिल की ओर उछाल दिया।

"उन्होंने तुम्हें वेतन तो बता दिया होगा?"

"हां, मैडम!"

"समझ लो, तुम्हें नौकरी मिल गयी। तुमने कॉफी बहुत अच्छी बनायी थी। अगर तुम यहां सफाई रखोगी और मेरी मदद करती रहोगी तो हमारे सम्बन्ध अच्छे रहेंगे। आखिरी वाला कमरा तुम्हारा है। तुम अभी से काम शुरू कर रही हो न?"

"हां, मैडम!"

ब्लेंच ने कंघा उठाया और बाल संवारने लगी।

"आज रात मुझे कहीं जाना है। मैं घर अकेला नहीं छोड़ना चाहती थी। अच्छा हुआ, तुम आ गयीं। तुम यहां अकेली रह जाओगी। तुम्हें कोई एतराज तो नहीं?"

"नहीं, मैडम!"

"बहादुर लड़की।" ब्लेंच बोली—"मुझे यहां अकेले डर लगता है। मिस्टर वेजली पन्द्रह दिन से पेरिस गये हुए हैं। पता नहीं कब कोई चोर आ जाये...यह डर तो रहता ही है। तुम्हें भूतों में तो विश्वास नहीं है?"

"नहीं मैडम!" जूली बोली—"मैं बाथटब में पानी भर दूं?"

"हां। फिर बैग में कुछ कपड़े रखने हैं। मैं कल शाम तक ही आ पाऊंगी। कल ही शायद मिस्टर वेजली भी आयेंगे। तुम इस बीच सारे घर की सफाई कर देना। उस आलमारी में कपड़े हैं। हर सूट पर एक नम्बर है। तुम्हें जिस नम्बर का सूट निकालना है, उसी नम्बर की ये सब चीजें भी निकालनी है। यह काम कर सकती हो न?"

"हां, मैडम!"

"दीवार के पीछे एक सेफ हे, लेकिन तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। मैं उसमें सिर्फ जेवरात रखती हूं। मुझे पांच बीस पर जाना है और वक्त गुजरता जा रहा है।" उसने यूं कहा जैसे यह जूली की ही गलती है।

ब्लेंच बाथरूम में चली गयी तो जूली सफाई करने लगी। वह सोच रही थी कि रात के समय वह क्या करेगी? क्यों न हेरी के साथ फिल्म देखने चली जाये? उसने कहा था कि अगर कभी उससे सम्पर्क करना हो तो मिसेज फ्रेंच से सम्पर्क कर लिया जाये।

दो बार सूटकेस खाली करना पड़ा और दूसरे कपड़े रखने पड़े। ब्लेंच की समझ में नहीं आ रहा था कि वह कौन से कपड़े पहने?

अन्त में जब सूटकेस तैयार हो गया और ब्लेंच कपड़े पहन कर और मेकअप करके तैयार हो गयी तो जूली टैक्सी के लिए फोन करने लगी, लेकिन तभी ब्लेंच ने इरादा बदल दिया।

“मैं नहीं जा रही हूं....।” वह बहुत ही सुन्दर गुड़िया जैसी लग रही थी।

“तुम सूटकेस खोलकर कपड़े निकाल लो, वर्ना इनमें सिल्वटें पड़ जायेंगी।”

जूली का जी चाहा कि वह सूटकेस उठाकर उसके सिर पर दे मारे। वह तीसरी बार सूटकेस खोल रही थी।

वह सूटकेस खोलने लगी।

“ठहरो-ठहरो!” वह बोली—“वहां ‘बकी’ होगा। मुझे उससे मिलना है। जल्दी से इसे बन्द करो। मुझे अफसोस है कि तुम्हें इतनी मेहनत करनी पड़ रही है।”

जूली के आंसू निकल पड़ना चाहते थे।

“सुनो जूली, अभी बन्द मत करो।” वह फिर बोली—“इसमें एक गाउन है। वह निकाल दो।”

जूली ने वह गाउन पकड़कर खींच दिया, जिससे सब कुछ उलट-पुलट हो गया।

ब्लेंच को उसकी नाराजगी का पता चल गया। अचानक उसने विषय बदला।

“तुम्हें यह गाउन पसन्द आया जूली? मेरे लिये अब यह बेकार है। इसका कुछ इस्तेमाल होना चाहिये।”

जूली ने गाउन को सहलाया।

“मैं समझी नहीं मैडम!”

“गाउन बहुत अच्छा है, लेकिन इसका रंग वाहियात है।”

“जी...।”

“तुम्हें यह पसन्द है?”

“मुझे!” जूली की आंखें चमकने लगीं—“धन्यवाद मैडम।”

ब्लेंच मुस्कुरायी।

“ठीक है। मैं इस पर सोचूंगी। यह लगभग डेढ़ सौ पौंड में खरीदा गया है, इसलिए मैं मुफ्त में तो नहीं दे सकती। हां, बीस पौंड में दे सकती हूं।”

जूली ने गाउन कुर्सी पर रख दिया।

"गाउन खरीदने के लिए तुम्हारे पास बीस पौंड हैं?"

"नहीं मैडम!"

"अफसोस की बात है। खैर छोड़ो, यूं भी यह गाउन तुम पर अच्छा न लगता। लोग तुम्हारी हंसी उड़ाते।"

तब जूली को लगा कि वह उसे ललचा रही थी। उसने सोच लिया कि अब वह उसके बहकावे में नहीं आयेगी।

अन्त में ब्लेंच चली गयी।

जूली सोच रही थी कि सात बजे तक वह सफाई के काम से निबट जायेगी। तब वह हेरी से मिलने के लिये तैयार होगी। वह मिसेज फ्रेंच के यहां फोन नहीं करना चाहती थी, लेकिन इसके अलावा कोई चारा नहीं था।

उसने वहीं फोन कर दिया।

उधर डाना थी।

"मैं जूली हालैंड बोल रही हूं। मैं मिस्टर ग्लेब से बात करना चाहती हूं। उनका नम्बर दे सकती हो?"

"ठहरो।" डाना बोली।

जूली को रिसीवर रखने की आवाज आयी और फिर डाना की—"वही लड़की है। तुम से बात करना चाहती है।"

जूली को आश्चर्य हुआ कि हेरी की आवाज तुरन्त सुनाई दी—

"क्या मामला है?"

"कुछ नहीं। सब ठीक है। मैं आज रात तुमसे मिलना चाहती हूं। मिसेज वेजली चली गयी और मैं रात को अकेली रहूंगी। हम सात बजे मिल सकते हैं?"

"नहीं। बीस मिनट बाद मैं ट्रेन से मानचेस्टर जा रहा हूं। मुझे अफसोस है, लेकिन मजबूर हूं। अलविदा।"

फिर उसने फोन काट दिया।

जूली को उसकी बेरुखी अच्छी नहीं लगी, लेकिन फिर वह खुद को समझाने लगी कि डाना के सामने वह मधुर स्वर में बात नहीं कर सकता था।

काम से निबटकर वह अपने कमरे में चली गयी। यहां भी उतना ही आरामदेह फर्नीचर था, जितना दूसरे कमरों में। इससे मिला हुआ एक बाथरूम भी था। कमरे में

टेलीफोन भी था और ट्रांजिस्टर भी। बेड पर लेटकर वह तन्हाई भूल गई।

वह अपने फुल्हैम पैलेस रोड वाले फ्लैट से अपना सामान भी ले आयी थी। अब इस शानदार कमरे में उसे हेरी की कमी महसूस नहीं हो रही थी।

रात को साढ़े ग्यारह बजे उसने ट्रांजिस्टर बन्द कर दिया और बेड पर लेट गयी। वह बेड साइड लैम्प बन्द करना ही चाहती थी कि उसे एक आवाज सुनाई दी। वह उठकर बैठ गयी। ब्लेंच भी यही कहती थी कि यहां आवाज सुनाई देती है।

वह मुझे डरा रही थी...उसने सोचा। हवा के अलावा यहां और क्या हो सकता है?

उसने लैम्प बन्द कर दिया।

इस बार किसी के कदमों की आहट आई, जो उसे स्पष्ट सुनाई दी। उसने लैम्प जलाना चाहा, लेकिन वह फर्श पर गिर गया। तभी उसे लगा कि उसके कमरे का दरवाजा खुल गया है। बाहर किसी के सांस लेने की आवाज आ रही थी। वह सांस रोके हुए इन्तजार करती रही।

तभी लाइट जल गई।

ब्लेंच वेजली दरवाजे में खड़ी हुई थी।

जूली चिल्ला पड़ी।

“डर गईं?” ब्लेंच बोली—“मैं देखने आयी थी कि तुम आराम से सो रही हो या नहीं? रास्ते में मैंने इरादा बदल दिया और ट्रेन से वापस आ गई। अच्छा, शुभ रात्रि।”

उसने लाइट बन्द कर दी और चली गई।

दरवाजा बन्द हो गया।

¶¶

कुल मिलाकर जूली इस नतीजे पर पहुंची कि ब्लेंच मानसिक रूप से ठीक नहीं है। उसे दूसरों को परेशान करने और चौंकाने में मजा आता है। जूली रात की बात भूली नहीं थी। उसने सोच लिया था कि आइन्दा वह उसके झांसे में नहीं आयेगी और इस तरह से नहीं चौंकेगी।

लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाई। एक बार आलमारी में उसे एक लाश दिखाई दी। वह बुरी तरह से चौंक गयी। बाद में पता चला कि वह लाश नहीं है, बल्कि तकियों को मिलाकर और उन्हें कपड़े पहनाकर ऐसी शक्ल दे दी गई। फिर एक बार उसे एक सांप दिखाई दिया, जो कपड़ों के नीचे था। वह बुरी तरह डर गई। तभी उसने सांप को ध्यान से देखा तो पता चला कि उसकी आंखें कांच की बनी हुई हैं।

सांप की असलियत समझने के बाद भी जूली कांप-सी रही थी। वह यहां से जाने की बात सोचने लगी थी।

तभी कॉलबैल बजी और वह खोयी-खोयी दरवाजा खोलने चली गई।

आगंतुक एक लम्बा व्यक्ति था, जो बहुत अच्छे कपड़ों में था।

"मिसेज वेजली तो अभी उठी नहीं होंगी?" कहता हुआ वह अन्दर आ गया. उसने हैट और घड़ी जूली को दे दिये और फिर दस्ताने उतारकर हैट में डाल दिये, जो वह उसके सामने किये हुए थी।

जूली अब भी सांप के आघात से मुक्त नहीं हुई थी। उसने पूछ लिया कि वह कौन है और क्या चाहता है?

"मैं ह्यू बेन्टन हूं। मिस्टर वेजली का पार्टनर।" वह बोला—"शायद तुम नयी नौकरानी हो। क्या तुम मिसेज वेजली को बताओगी कि मैं आया हूं?"

"इतने सवेरे वह किसी से नहीं मिलती हैं।" जूली ने कहा।

"मैं मिसेज वेजली को तुमसे ज्यादा जानता हूं। कृपया उन्हें बता दो कि मैं आया हूं।"

"लेकिन मैं नहीं समझती।" जूली अब भी कांप रही थी। अभी दिन के साढ़े ग्यारह ही बजे थे।

"तुम्हें सोचने-समझने की तन्ख्वाह नहीं मिलती है, बल्कि वह करने की मिलती है, जो कहा जाये।"

जूली ऐड़ियों के बल घूम गयी।

ब्लेंच ने कमरे पर अनेक दस्तक दीं और अन्दर प्रविष्ट हो गयी।

ब्लेंच बेड पर लेटी हुई थी। उसके होठों में सिगरेट दबी हुई थी और बराबर वाली मेज पर ब्रांडी का गिलास रखा हुआ था।

जूली को देखकर उसके चेहरे पर सख्ती आ गई।

"मैंने तुम्हें यह तो इजाजत नहीं दी कि तुम जब चाहो, यहीं चली आओ।" वह बोली।

"मिस्टर बेन्टन आये हैं और वह आपसे अभी मिलना चाहते हैं। मैंने उनसे कह दिया था कि आप आराम कर रही हैं।"

अचानक उसके चेहरे पर से नाराजगी दूर हो गयी और वह उठकर बैठ गयी।

“ह्यू? इस समय? जूली, जल्दी से कमरा ठीक-ठाक करो। मेकअप बॉक्स मुझे दे दो।”

ब्लेंच एकदम बदली हुई-सी लगने लगी थी।

लड़कियों की तरह जोशीली। जूली को उससे और भी नफरत हो आयी।

ब्लेंच अपना मेकअप करने लगी और जूली कमरे की सफाई।

“यहां कुछ खुशबू छिड़क दो।” ब्लेंच बोली—“कमरे में बदबू आ रही है। खिड़की खोल दो और जरा जल्दी करो जूली। तुम ऐसे काम कर रही हो जैसे तुम्हारी रीढ़ की हड्डी टूट गयी हो।”

जूली चुपचाप वह करती रही जो ब्लेंच कह रही थी। बाद में ब्लेंच बेड पर लेट गयी। उसने हाथ अपने सिर के ऊपर फैला दिये थे। इस समय वह बहुत ही सुन्दर लग रही थी, जैसे कि वह मेकअप की विशेषज्ञ हो।

“अब बुला लो।” ब्लेंच बोली—“और मुझे घूरो मत।”

बेन्टन लाउंज में था। वह सिगरेट पी रहा था।

“बहुत देर कर दी।” वह बोला।

“कृपया इधर से आइये।” जूली ने कहा और आगे-आगे चलने लगी। उसे लग रहा था कि बेन्टन उसके कपड़ों के नीचे देख रहा है। जब वह ब्लेंच के कमरे के बाहर रुकी तो बेन्टन का हाथ उसकी जांघ पर आ गया।

जूली एकदम घूम गयी।

उसने हाथ अलग किया, जूली को घूरकर देखा और फिर अन्दर प्रविष्ट हो गया।

“हैलो ब्लेंच!” वह बोला—“तुम कितनी सुन्दर लग रही हो। तुम्हारे लिये एक खबर है। हावर्ड सोमवार तक नहीं लौटेगा, उसने तार भेजा है।”

“अवसरवादी!” ब्लेंच ने कहा और हंस पड़ी।

“मैं आज ही चल सकता हूं। सारा सप्ताहांत हम साथ-सात गुजार सकते हैं।”

“दरवाजा बन्द कर दो डार्लिंग।” ब्लेंच बोली—“हमारी हरकतें सबको पता नहीं चलनी चाहियें।”

जूली जल्दी से वहां से हट गयी। जूली सोच रही थी कि वे दोनों एक-दूसरे को ‘फ्लर्ट’ कर रहे हैं। क्या ये वास्तव में दो दिन के लिये जा रहे हैं? अचानक उसे हेरी याद गया। उसका दिल जोरों से धड़कने लगा। क्या कल तक वह मानचेस्टर से लौट आयेगा?

अभी योजना बनाने से कोई फायदा नहीं था। ब्लेंच नहीं भी जा सकती थी।

बाद में बेन्टन ब्लेंच के कमरे से निकल आया। जूली इस समय किचन में थी। वह वहीं आ गया और उसने दरवाजा बन्द कर लिया।

"मैं तुमसे बात करना चाहता हूं।" वह बोला।

जूली उसे ठण्डी नजरों से देख रही थी।

बेन्टन ने अपना पर्स निकाला और उसमें से एक पांच पौंड का नोट निकाल लिया।

"तुम मिसेज वेजली की नौकरानी हो, इसलिये तुम वह बातें देख-सुन सकती हो, जिनसे तुम्हें कोई मतलब नहीं होना चाहिये। नौकरानी को अपनी जुबान बन्द रखनी चाहिये। समझ गयीं न?"

जूली का चेहरा लाल हो गया।

"यह बताने की जरूरत नहीं है।" वह बोली।

"नाराज मत हो। मिसेज वेजली कोई भी नौकरानी एक सप्ताह से ज्यादा नहीं रखती है। मुझे यह बात अच्छी नहीं लगती। मैं समझता हूं कि अब यह रवैया बदल जाना चाहिये। तुम मेरा मतलब समझ गयीं?"

उसने पांच पौंड का नोट आगे बढ़ा दिया।

एक क्षण के लिये जूली झिझकी। फिर उसने नोट ले लिया, अगर यह करोड़पति रिश्वत देना चाहता है तो इसमें हर्ज ही क्या है?

"तो मैंने तुम्हारे बारे में सही फैसला किया था।" बेन्टन बोला—"मैं चाहता हूं कि मिस्टर वेजली को कुछ बातों का पता न चले। अन्धे लोग ज्यादा भावुक होते हैं और शक्की भी। मैं उनकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता।"

"मैं समझ गयी।" जूली बोली।

"इस फ्लैट में होने वाली बातें जब तक तुम देखती-सुनती नहीं हो, तब तक हमारे सम्बन्ध ठीक रहेंगे। मिसाल के तौर पर आज मैं यहां नहीं आया था। ठीक है न?"

"हां।"

"और हममें जो कुछ तय हुआ है, वह मिसेज वेजली को पता नहीं चलना चाहिये।"

"ठीक है।"

फिर वह चला गया।

तभी ब्लेंच ने घन्टी बजायी। जूली वहां चली गयी।

एक दीवार अपनी जगह से हटी हुई थी और सेफ का दरवाजा खुला हुआ था। उसके अन्दर बिजली का तेज प्रकाश था, जिसमें सैकड़ों फर के कोट दिखाई दे रहे थे। जूली वैस्ट एण्ड की दुकानों में सजे हुए फर के कोटों को घण्टों देखती रहती थी, इसलिये वह उन्हें पहचान गयी। अलग-अलग जानवरों की खाल के कोट थे, जो अपनी कीमत के लिये मशहूर थे। सेफ में दूसरी ओर स्टील के बक्से थे। शायद इनमें जेवरात होंगे। जूली ने सोचा।

ब्लेंच ड्रेसिंग टेबिल के सामने बैठी हुई थी। उसने जूली की नजरों का पीछा किया और मुस्कुरायी।

"लन्दन का हर चोर इस माल की बात करता है।" वह बोली—"लेकिन यहां कोई चोरी नहीं कर सका जूली। इस जैसी सेफ दुनिया में बनी ही नहीं। इसका डिजाइन मेरे पति ने बनाया था। इस सेफ को खोलने की कोशिश छः या आठ...मुझे ठीक से याद नहीं...लेकिन इतने लोग इसे खोलने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन हमने उन सबको पकड़ लिया। जब इसे खोलने की कोशिश की जाती है...तो केनसिंग्टन पुलिस स्टेशन में घण्टी बज जाती है, फिर दो मिनट में उड़न दस्ता यहां पहुंच जाता है।"

तो हेरी इसमें दिलचस्पी ले रहा है...जूली ने सोचा...अगर फर चुरा लिये गये तो यह इन व्यक्तियों के लिये अच्छा होगा।

ब्लेंच कह रही थी।

"केवल मिस्टर वेजली और मैं जानते हैं कि इसे कैसे खोला जा सकता है?"

"मेरे लिये कोई और काम है मैडम?" जूली ने जानबूझ कर विषय बदला। वह नहीं चाहती कि ब्लेंच को यह शक हो कि जूली सेफ में दिलचस्पी ले रही है।

"मैं सप्ताहांत के लिये कहीं जा रही हूं। मिस्टर वेजली सोमवार से पहले नहीं आयेंगे। तुम मेरा सामान पैक कर दो, मैंने सामान की लिस्ट बना ली है, जो मैं अपने साथ ले जाऊंगी, यह लो।"

जूली को लगा कि एक बार फिर उसे पहले जैसी मुश्किल का सामना करना पड़ेगा, लेकिन उसने सामान पैक भी कर दिया और ब्लेंच ने कोई अड़चन भी पैदा नहीं की। वह अपने आप में खोयी हुई थी और गुनगुना रही थी।

अचानक वह बोली—"इस बीच तुम क्या करोगी जूली?"

"प...पता नहीं।" जूली घबरा-सी गयी। उसे इस सवाल की उम्मीद नहीं थी।

"आराम मत करती रहना। ध्यान से देखोगी तो यहां बहुत काम करने को मिल

जायेंगे।"

"ठीक है मैडम!"

"इतवार को तुम कहीं जा सकती हो, लेकिन रात के समय फ्लैट खाली मत छोड़ना और ईश्वर के लिये यहां किसी अजनबी मर्द को मत ले आना।"

जूली ने मुंह फेर लिया।

"नाराज मत हो। मैं यह नहीं कह रही हूं कि तुम ऐसा करोगी। मैं यह कहना चाहती हूं कि मैं यह बात बर्दाश्त नहीं कर पाती। यहां आओ, जूली।"

जूली उसके नजदीक हो गयी।

ब्लेंच ने उसका गाल छुआ।

"तुम बहुत सुन्दर हो। तुम मुझसे डरो मत। पता नहीं क्यों...कुछ लोग मुझसे डरते हैं। मैं इतनी बुरी नहीं हूं। कभी-कभी मैं मजाक जरूर करती हूं।" वह हंस पड़ी—"सांप वाला मजाक तो मुझे बहुत ही अच्छा लगता है। कभी-कभी मैं इसे अपने पति के बिस्तर में रख देती हूं।"

जूली मुड़ गयी।

"तुम्हें फर अच्छे लगते हैं, जूली?"

जूली अब झांसे में आने वाली नहीं थी।

"हां मैडम!" उसने इतना ही कहा।

"मेरे फर के कोट देखो जूली।"

"मैं दूसरों के घरों में कोई दिलचस्पी नहीं रखती मैडम!" जूली ने कहा।

"देख भी लो।" ब्लेंच बोली—"दुनिया में कोई औरत ऐसी नहीं है, जो इन्हें पहनना न चाहती हो। इनमें से एक कोट पांच हजार पौंड का है और यह जो लोमड़ी की खाल का कोट है... मैं तुम्हें इसकी कीमत बताना नहीं चाहती। अन्दर जाकर इन्हें देख लो।"

जूली का भी जी चाह रहा था कि वह उन्हें नजदीक से देखे। वह सेफ में प्रविष्ट हो गयी।

"चाहो तो कोई कोट पहनकर देख लो।"

जूली ने एक कोट की ओर हाथ बढ़ाया। तभी सेफ का दरवाजा एक झटके से बन्द हो गया और जूली अन्दर कैद हो गई।

जूली बुरी तरह सहम गई। किसी तरह से उसने खुद को सम्भाला। वह इसे अपनी ही गलती समझ रही थी। उसे ब्लेंच के धोखे में नहीं आना चाहिये था, लेकिन ब्लेंच उसे हमेशा के लिये यहां बन्द नहीं कर सकती...उसने सोचा...इसलिये दिमाग पर काबू रखना चाहिये और बैठकर इन्तजार करना चाहिये।

वह फर्श पर बैठ गयी। वहां बेहद गर्मी थी और हवा की कमी के कारण दम घुटता हुआ-सा मालूम हो रहा था। कोटों के निचले हिस्से उसके चेहरे से टकरा रहे थे। तभी लाइट बन्द हो गयी और फर उसके नजदीक होने लगे। उसे यूं लग रहा था जैसे वह जिन्दा दफना दी गई हो। वह पागल-सी हो गई और चिल्लाने लगी। स्टील की दीवार पर वह लातें मारने लगी। फर उसका दम घोट रहे थे। फिर उसे यूं लगा जैसे वह अंधेरे के समुद्र में डूबती जा रही है। तभी एक कोट हैंगर पर से गिरा और उसके ऊपर आ गया।

¶¶

जब उसे होश आया तो उसने खुद को एक बेड पर पाया। देर तक वह छत को देखती रही। फिर वह रोने लगी। उसे पता नहीं था कि वह क्यों रो रही है? शायद वह बहुत डर गई थी और अब भी खुद पर नियन्त्रण नहीं कर पा रही थी।

बाद में वह सोचने लगी कि उसे बेड तक कौन लाया होगा? उसे तुरन्त ह्यू बेन्टन याद आ गया। यह सोचकर उसे गुस्सा आने लगा कि उसके शरीर पर बेन्टन के गन्दे हाथ लगे होंगे।

अब मैं यहां नहीं रुकूंगी—उसने सोचा। इस तरह से तो मैं मर भी सकती हूं।

बेड से उतरकर वह कमरे से बाहर आयी और ब्लेंच के कमरे में चली गयी। वह सोच रही थी कि वह ब्लेंच से कहेगी कि वह अभी जा रही है, लेकिन ब्लेंच जा चुकी थी। सेफ के सामने फिर दीवार आ गयी थी। कमरे में सैन्ट और सिगार की मिली-जुली गंध थी। जूली कांप-सी गयी। तो बेन्टन यहीं था। उसने ब्रांडी की बोतल और एक गिलास निकाल लिया और बेड पर बैठकर पीने लगी।

ब्रांडी ने तुरन्त असर किया और तबियत सम्भल गई। उसने सोच लिया कि आज रात वह चली जायेगी। चाहे हेरी कुछ भी कहे।

उसे केवल ब्लेंच का ही डर नहीं था। उसे पता था कि फर चोरी होने के फौरन बाद उसे गिरफ्तार कर लिया जायेगा। पुलिस को पता चल जायेगा कि वह हेवार्ट के लिये काम कर चुकी है, फिर उस पर शक करने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी।

तभी टेलीफोन की घन्टी बजी। उसने रिसीवर उठा लिया।

"जूली?" उधर से हेरी की आवाज आयी।

"तुम कहां हो...हेरी? मैं तुम्हारे बारे में ही सोच रही थी। मैं तुमसे मिलना चाहती हूं। अच्छा हुआ तुमने फोन कर लिया।"

"क्या मतलब है?" हेरी बोला।

"मैं तुमसे फौरन मिलना चाहती हूं, हेरी।"

"ठीक है। मैं एक घन्टे में तुम से मिल सकता हूं। क्या तुम बाहर निकल सकती हो?"

"वह दो दिन के लिये जा चुकी है। तुम यहीं आ जाओ। यहां मेरे अलावा और कोई नहीं है, तुम यह फ्लैट अन्दर से देख लेना। तुम यही तो चाहते हो न?"

"फोन पर यह बात मत करो।" हेरी बोला—"तुम्हें पूरा विश्वास है कि वहां कोई नहीं आयेगा?"

"नहीं। मिस्टर वेजली सोमवार की रात को आयेंगे। तुम यहां कब आओगे?"

" छः बजे या सवा छः बजे।"

इस समय चार बजे थे।

"जरा सावधानी से।" जूली बोली—"पोर्टर इस फ्लैट की निगरानी कर रहा है।"

"तो फिर मैं वहां न आऊं?"

"जरूर आ जाओ। लिफ्ट से सबसे ऊपर वाली मंजिल पर पहुंच जाना और फिर सीढ़ियां उतरकर यहां आ जाना। ऊपर मिसेज गेगरी रहती है। तुम यही प्रकट करना कि तुम्हें उनसे ही मिलना है।"

"ठीक है।"

"तुम्हें देखकर बहुत खुशी होगी।"

"जाहिर है।"

लेकिन रिसीवर रखते ही वह बेचैन हो गयी। वह सोच रही थी कि जब वह हेरी से कहेगी कि अब वह यहां नहीं रुकेगी तो हेरी क्या कहेगा?

फिर से एक और विचार आया और वह खड़ी हो गयी। उसने ब्लेंच के ढेर सारे कपड़ों में से एक गाउन छांटा और पहन लिया। गाउन गहरे भूरे रंग का और लो फर का था। उसने खुद को शीशे में देखा तो खुद को डाना से ज्यादा खूबसूरत पाया। गाउन में वह खुद को भी नहीं पहचान पा रही थी।

छः बजकर कुछ मिनट पर हेरी आ गया।

कुछ क्षणों तक वह जूली को पहचान ही नहीं पाया और फिर वह अन्दर आ गया।

“ तुम तो बहुत सुन्दर लग रही हो।” हेरी ने कहा और उसे पकड़ना चाहा।

लेकिन वह दूर हट गयी।

“कपड़े खराब मत करो।” वह बोली।

हेरी उसके स्वर से कुछ चौंक-सा गया।

“तुम बहुत अच्छी लग रही हो जूली! क्या यह उसका ही गाउन है?”

“मैं तो इतने महंगे कपड़े बनाने से रही। अन्दर आ जाओ।” जूली उसे लाउंज में ले आयी।

हेरी को जीवन में पहली बार उससे प्यार होता हुआ महसूस हुआ। खुद हेरी का आत्म-विश्वास कम हो रहा था। जूली उसके दिल की हालत समझ गयी। वह अब इस बात का फायदा उठाना चाहती थी। उसने अपना चेहरा और भी कठोर कर लिया।

हेरी बोला—

“क्या बात है जूली? एक चुम्बन नहीं दोगी?”

“नहीं।” वह फुंफकारी—“मैं तुमसे बात करना चाहती हूं। मैं यहां से जा रही हूं। अब मैं यहां नहीं रह सकती।”

“क्यों? क्या हुआ?”

जूली ने ब्लेंच के बारे में सब कुछ बतया।

“वह पागल है।” अन्त में वह बोली—“वह मुझे मार ही डालती। अब मुझे इतना डर लग रहा है कि मैं आलमारी भी खोलते हुए डरती हूं। अब मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकती।”

“जूली, तुम कुछ मजाकों का बुरा मान रही हो।” हेरी बोला।

“मुझे उससे डर लगता है। यहां मैं आराम से नहीं रह सकती। अब मैं यहां नहीं रहूंगी।”

हेरी हड़बड़ा गया। उसने फैसला कर लिया कि अब वह उसे बता देगा कि उसे यहां क्यों भेजा गया था?

“सुनो जूली! मैं वह फर चाहता हूं। शायद तुमने अनुमान लगा भी लिया होगा।”

“बेशक! मैं इतनी मूर्ख नहीं हूं।”

"तुम्हारे लिये चिन्ता की कोई बात नहीं है। तुम पूरी तरह सुरक्षित हो। तुम यह पता लगाओ कि यह सेफ कैसे खुलती है? मैंने इसे खोलने का फैसला कर रखा है और केवल तुम ही मेरी मदद कर सकती हो।"

"तुम यह सेफ नहीं खोल सकते।" जूली बोली—"वह कहती है कि इसका अलार्म केनसिंग्टन पुलिस स्टेशन में बजता है।"

"यह बात है!" हेरी बोला—"मैं यही जानना चाहता था। इसके अलावा उसने क्या बताया?"

"यह कि इसे खोलने की कोशिश में आठ चोर पकड़े जा चुके हैं। क्या ख्याल है?"

"आठ नहीं...चार...।" हेरी बोला—"अगर तुम यहां कुछ दिन रहो तो मुझे काम की बातें बता सकती हो। क्या फर के अलावा तुमने जेवर भी देखे?"

"नहीं, लेकिन मुझे पता है कि वे सेफ के अन्दर एक स्टील केबिनेट में मौजूद हैं।"

हेरी सोच रहा था कि वह उसे वहां ठहरने के लिये कैसे तैयार कर सकता है? वह जूली की कोई कमजोरी तलाश कर रहा था।

"तुम कहती हो कि तुम्हारे अन्दर जाने के बाद दरवाजा अपने आप बन्द हो गया था।" हेरी बोला—"यह धीरे-धीरे बन्द हुआ था या तेजी से?"

"तेजी से। जैसे चूहेदान बन्द होता है। दरवाजा बन्द होने के बाद वहां हवा की कमी हो जाती है और दम घुटने लगता है। वहां देर तक रहने पर कोई मर भी सकता है।"

"यानि कोशिश यह करनी है कि अन्दर फंसना नहीं है। दरवाजा उसने बन्द किया था या यह अपने आप बन्द हो गया था?"

"पता नहीं। वैसे वह दरवाजे के पास नहीं थी।"

"मुझे उसके बेडरूम तक ले चलो।"

"ठीक है, लेकिन मैं यह फिर बताये देती हूं कि अब मैं तुम्हारा साथ नहीं दूंगी।"

हेरी उसके पीछे ब्लेंच के बेडरूम में पहुंच गया। जूली ने उसे वह दीवार दिखाई जिसके पीछे सेफ छिपी हुई थी।

"सेफ इसके पीछे है। इसे छूना मत, वर्ना पुलिस आ जायेगी।" जूली ने चेतावनी दी।

"ठीक है।" हेरी बोला—"यह दीवार आगे को खुलती है या एक तरफ को खिसक

जाती है?"

"खिसक जाती है।"

हेरी देर तक दीवार को देखता रहा, फिर उसने सिर हिलाकर 'ओह' कहा, और बोला—

"अभी तुम्हें कुछ और पता करना होगा, जूली! तभी इसे खोला जा सकता है। मेरे लिये तुम्हें यह काम करना होगा।"

"मैंने कहा न कि मैं अब यहां नहीं रहूंगी।"

हेरी ने उसे खींच लिया।

"कुछ दिन और रह जाओ, जूली, मैं तुम्हें पचास के बजाय सौ पौंड दे दूंगा। अक्ल से काम लो। अभी तक तुम्हारा काम बहुत अच्छा रहा है।"

जूली ने ऊपर देखा। उसके होंठ हेरी के होठों के पास ही थे।

"नहीं, हेरी! बहुत हो चुका! मैं पुलिस के चक्कर में फंसना नहीं चाहती....और इस औरत को भी बर्दाश्त नहीं कर सकती। तुम्हें पता नहीं है, उसने मुझे कितना डरा दिया है।"

हेरी ने उसका हाथ पकड़ लिया।

"बस, दो-तीन दिन की बात है जूली, फिर काम हो जायेगा। सुनो, काम खत्म होते ही हम शादी कर लेंगे, तब हमारे पास खूब पैसा होगा। हम अमेरिका चले जायेंगे।"

जूली ने उसे पीछे धकेल दिया। उसे यह उम्मीद नहीं थी। वह कुछ उत्तेजित-सी हो गयी।

"शादी? अमेरिका!"

"हां, हां।" हेरी बोला—"मैं सारी दुनिया तुम्हारे कदमों में डाल दूंगा। मुझे तुमसे प्यार है जूली!"

"अगर...यह झूठ हुआ...।"

"यह झूठ नहीं है। मान लो, तुम यहां से चली जाती हो और मुझसे अलग हो जाती हो, फिर तुम क्या करोगी? हेवार्ट के पास लौट जाओगी? वह तुम्हें काम पर नहीं रखेगा। क्या तुम चार पौंड प्रति सप्ताह पर किसी फैक्ट्री में काम करोगी? मैं तुम्हें सब कुछ दूंगा, जूली—कपड़े, मनोरंजन, पैसा और अगर तुम्हें मेरी जरूरत हो तो मैं खुद भी हाजिर होऊंगा। इससे बेहतर और क्या हो सकता है? अमेरिका में मेरे कुछ दोस्त हैं। हम वहां बहुत अच्छी जिन्दगी गुजारेंगे। अब बोलो।"

वह हेरी को कुछ देर देखती रही। वह देख रही थी कि हेरी अभिनय नहीं कर रहा है। उसे वाकई प्यार हो गया है।

"मुझे खुद भी तुमसे प्यार हो गया है हेरी!" जूली ने उसके गले में बाहें डालते हुए कहा—"लेकिन मैं यहां नहीं रहूंगी। मैं पेशेवर अपराधी नहीं हूं। ठीक है, मैंने कुछ ऐसे काम किये हैं, जो मुझे नहीं करने चाहिये थे, लेकिन फिर भी मैं कानून की हद में रही हूं। मैंने ऐसा कोई काम नहीं किया है और न करूंगी...जो मुझे जेल पहुंचा दे। कृपया हेरी तुम भी यह इरादा छोड़ दो। वह बहुत चालाक है। तुम पकड़े जाओगे, फिर मेरा क्या होगा?"

हेरी ने उसे गले से लगा लिया। वह सोच रहा था कि वह मिसेज फ्रेंन्च से कहेगा कि वह इस काम पर कोई दूसरी लड़की लगा दे।

"ठीक है, जूली!" हेरी ने उसे चूमते हुए कहा—"अगर तुम यह चाहती हो तो यही सही। इस सेफ में पहुंचने का तरीका मैं किसी और तरह से जान लूंगा। तुम यहां से काम छोड़ दो।"

"सच कह रहे हो?"

"हां।"

"लेकिन तुम यह इरादा भी क्यों नहीं छोड़ देते? हम अभी अमेरिका चलते हैं। यह खतरा मत मोल लो।"

"यह काम नहीं होगा तो पैसा कहां से आयेगा? सुनो जूली, इस काम से मुझे आठ हजार पौंड मिलेंगे। इस रकम के बिना काम नहीं चलेगा।"

"आठ हजार!"

एक क्षण के लिये जूली फिर से उसका साथ देने की बात सोचने लगी, लेकिन फिर उसने खुद को सम्भाला। हेरी उसके बिना भी यह काम कर सकता है।

"ठीक है, हेरी...।" उसने कुछ कहना चाहा।

"यह क्या था?" हेरी बीच में बोल पड़ा—"तुम्हें कोई आवाज सुनाई दी?"

जूली उससे अलग हो गई।

"मैंने तो कोई आवाज नहीं सुनी।"

हेरी ने दरवाजा खोला और फिर फौरन बन्द कर दिया।

"कोई फ्लैट में है।"

"ब्लेंच।" जूली ने सोचा।

वह बेहोश होते-होते बची। उसके कपड़े और उसका बेडरूम। वह क्या कहेगी?

तभी दरवाजा खुला और एक व्यक्ति अन्दर आ गया। उसने काले लैंसों का चश्मा लगा रखा था और वह सीधे उसे ही देख रहा था।

"कोई है?" वह बोला—"ब्लेंच, तुम यहीं हो?"

जूली को कुछ राहत महसूस हुई। वह हावर्ड वेजली था, जो उसे देख नहीं सकता था।

¶¶

हावर्ड वेजली बहुत लम्बा नहीं था, लेकिन मजबूत जरूर था। उसके कन्धे चौड़े थे और चेहरा सुन्दर था। उसके चौड़े माथे पर बाल बिखरे हुए थे, जो कनपटियों पर सफेद हो चले थे। बाद में जब जूली ने यह जाना कि उसकी उम्र केवल अड़तीस वर्ष है तो उसे बड़ा आश्चर्य हुआ।

जूली और हेरी उसे देखते रहे। वह आगे बढ़ा तो वे उसके रास्ते से हट गये।

"कोई है?" उसने फिर पूछा।

हेरी ने जूली को इशारा किया।

"हां मैं...।" जूली बोली।

वेजली उसकी ओर यूं देख रहा था, जैसे उसे पता हो कि वह वहीं है।

"और तुम कौन हो?" उसने हिप पॉकिट में से सोने का सिगरेट केस निकालते हुए पूछा।

"मैं जूली हालैंड हूं, नयी नौकरानी।"

"ओह!" उसने अपनी जेबें थपथपायीं और बोला—"तुम मुझे लाइटर दे सकती हो?"

जूली ने चारों तरफ देखा। हेरी ने अपना लाइटर निकाला और मेज पर रख दिया। हेरी को इतना शान्त देखकर उसे आश्चर्य हो रहा था। हेरी वेजली को ध्यान से देख रहा था।

जूली ने लाइटर उठाया और वेजली की ओर बढ़ गई। वेजली अब भी वहीं देख रहा था, जहां वह पहले खड़ी थी। जूली के लिये यह इस बात का सबूत था कि वह अन्धा है।

उसने लाइटर जलाना चाहा, लेकिन उसकी उंगलियां कांप रही थीं।

"लाओ, मुझे दो।" वेजली ने हाथ बढ़ाते हुए कहा।

जूली ने उसे लाइटर दे दिया।

"मिसेज वेजली कहां हैं?" उसने पूछा।

"वह सप्ताहांत के लिये कहीं गयी हैं।"

"ओह!" उसने सिगरेट सुलगाकर लाइटर आगे कर दिया—"धन्यवाद!" वह बोला।

जूली ने लाइटर ले लिया और मेज पर रख दिया। हेरी ने उसे लिया।

"वह कब लौटेंगी?"

"वह कह रही थीं कि आप सोमवार की रात को आयेंगे। तब तक वह आ जायेंगी।"

"तुम्हें भी मेरे आने की उम्मीद नहीं होगी।" वह मुस्कुराया—"तुम्हारी शाम बर्बाद तो नहीं हुई?"

"नहीं श्रीमान!" जूली ने जल्दी से कहा—"मैं...मैं तो मैडम के कमरे की सफाई कर रही थी।"

"अच्छा! मुझे ऐसा लग रहा है जैसे तुम किसी पार्टी में जा रही थीं।" फिर वह हंस पड़ा—"बुरा मत मानना। में सुगन्ध के आधार पर कह रहा था। तुमने बहुत अच्छा सैन्ट लगा रखा है। आजकल मुझे अपनी नाक और कानों पर भरोसा करना पड़ रहा है न।"

जूली शरमा गई। उसने ब्लेंच का सैन्ट इस्तेमाल कर लिया था।

"मैं...मैं कहीं नहीं जा रही थी।"

"मिस्टर गेरिज सामान ला रहे हैं।" वेजली आगे बोला—"वह मेरे सेक्रेटरी हैं। वह यहां आते ही होंगे। तुम हमारे लिये कॉफी ला सकती हो?"

"जी हां।" वह बोली। वह सोच रही थी कि अब कपड़े बदलने होंगे।

"स्टडीरूम में ले आना। हमें कुछ काम करना है।" फिर उसने हेरी की दिशा में देखा, " क्या इस कमरे में कोई और भी है?"

"नहीं श्रीमान!" जूली बोली।

"ठीक है। जल्दी से कॉफी ले आओ।" उसने कहा और फिर बाहर निकल गया।

दरवाजा बन्द होते ही हेरी फुसफुसाया—"कपड़े बदल लो ताकि दूसरा आदमी तुम्हें इन कपड़ों में न देख सके।"

जूली ने बाथरूम में जाकर जल्दी से कपड़े बदल लिये।"

"अब मैं जा रहा हूं।" हेरी बोला—"तुम उनकी कॉफी बनाओ।"

"फिर कब मिलेंगे?"

"कल दोपहर बाद। तब तक कहीं मत जाना। मैं तीन बजे सामने वाले पार्क में मिलूंगा। तुम बाहर निकल आना। हम बात कर लेंगे।"

"ठीक है, लेकिन मुझसे यहां काम करने के लिये मत कहना। मैं किसी कीमत पर नहीं रुकूंगी।"

फिर वह किचन में चली गई।

जब वह कॉफी लेकर स्टडीरूम में पहुंची, तो वेजली एक आरामकुर्सी पर बैठा हुआ सिगार पी रहा था और एक युवक एक मेज के पीछे बैठा हुआ कुछ कागजात देख रहा था। जूली को देखकर वह मुस्कुराने लगा। जूली ने अनुमान लगाया कि गेरिज वही होगा। उसने वेजली के पास रखी हुई मेज की ओर इशारा किया और अपने काम में लग गया।

जूली ने ट्रे मेज पर रख दी। वेजली बोला—

"शायद तुम हाल ही में आयी हो।"

"मैं कल ही आयी हूं श्रीमान।"

"उम्मीद है कि तुम यहां खुश होगी।" वेजली ने यूं कहा जैसे उसे इस बात पर शक हो—"अगर तुम कहीं जाना चाहती हो तो जा सकती हो। हम तुम्हारे मनोरंजन में बाधा नहीं बनना चाहते। फिलहाल हमें तुम्हारी जरूरत भी नहीं है। हम यह सप्ताहांत फैक्ट्री में गुजारेंगे। कल सुबह हम तुम्हें नाश्ते के लिये कष्ट जरूर देंगे। तुम हमारा ऑर्डर रेस्टोरेन्ट भेज देना। नौ बजे हम चले जायेंगे। नाश्ता आठ बजे मिल जायेगा न?"

"जी हां, श्रीमान।"

जूली सोच रही थी कि वह कितना अच्छा इन्सान है। इसने जानवर से शादी क्यों कर ली?

ब्लेंच के कमरे की सफाई करके वह किचन में चली गई। अभी सवेरा ही था और वह क्या करे? वह भविष्य के बारे में सोचती हुई चहलकदमी करने लगी।

वेजली के आने से पहले वह अमेरिका जाने की योजना बना रही थी, लेकिन अब

वह इस विषय पर दोबारा सोचना चाहती थी। वह हेरी की तुलना वेजली से कर रही थी। यह ऐसा था जैसे असली और नकली हीरे की तुलना करना। अचानक उसे लगा कि हेरी का कोई चरित्र नहीं और वह केवल दिखावा ही कर सकता है। उसे हेरी के कपड़ों से नफरत हो आयी। वेजली अमीर था। हेरी उसके बराबर अमीर कभी नहीं हो सकता था। अगर चोरी की योजना सफल भी हो जाये तो आठ हजार पौंड कब तक चलेंगे? अमेरिका जाकर यह सब रकम खर्च हो जायेगी। फिर...?

हेरी चोर है! वह सोचने लगी। डासन ने चेतावनी दी। हेवार्ट उससे नफरत करता था। यह मिसेज फ्रेंच का साथी था और फिर डाना, अगर शादी कर भी ली तो मुसीबत के अलावा क्या मिलेगा?

अगर शादी ही करनी है तो वेजली जैसे व्यक्ति से करे, तब उसे सब कुछ मिल जायेगा। बड़ा-सा मकान, कपड़े, नौकर, कार...सब कुछ! लेकिन वह उसे नहीं पायेगा। साथ ही वह पहले ही शादीशुदा है, लेकिन अगर चोरी की योजना के बारे में उसे बता दिया जाये, तब वेजली खुश हो सकता है और उसके लिये बहुत कुछ कर सकता है।

लेकिन ऐसा सोचना खतरनाक है। उसे ऐसा नहीं सोचना चाहिये। उसने खुद से कहा।

तभी दरवाजे पर हल्की-सी दस्तक हुई, फिर गेरिज कॉफी की ट्रे लिये हुए अन्दर आ गया।

"हैलो!" वह बोला—"मैंने सोचा कि ट्रे लेता चलूं। कॉफी बहुत बढ़िया थी।"

"धन्वाद!" वह खुश हो गई।

"मेरा नाम टॉम गेरिज है। मैं मिस्टर विजली की देखभाल करता हूं। मुझे तुम अक्सर मिला करोगी।"

"अच्छा!"

"हां। मैंने मिस्टर वेजली को बताया है कि तुम बहुत सुन्दर हो।"

जूली मुड़ गयी और कॉफी के बर्तन सिंक में रखने लगी।

"तुम्हें ऐतराज तो नहीं?" वहो बोला—"यह तो तुम भी जानती हो कि तुम बहुत सुन्दर हो।"

वह खिलखिला पड़ी।

"मिस्टर वेजली को इसमें क्या दिलचस्पी हो सकती है?"

"उन्होंने कुछ कहा तो नहीं, लेकिन ध्यान से मेरी बात सुनी। इससे बेशक है कि वह दिलचस्पी ले रहे हैं।"

जूली हंसने लगी।

"इस समय मिस्टर वेजली डिक्टाफोन का इस्तेमाल कर रहे हैं, इसलिये मैं यहां चला आया। तुम्हें ऐतराज तो नहीं?" गेरिज ने पूछा।

"नहीं।"

"यहां रहना कैसा लगा?"

"ज्यादा अच्छा नहीं।"

"शायद मिसेज वेजली ने अपनी हरकतें शुरू कर दी हैं।"

"हां।"

"वही पुराने मजाक! नकली सांप, सेफ में बन्द कर देना...।"

"तुम्हें कैसे पता?"

"वह हरेक के साथ यही करती है। मेरे साथ भी यह सब हो चुका है। मैं दस मिनट तक सेफ में रहा था। मुझे लग रहा था कि मैं मर जाऊंगा।।"

"मैं यहां ज्यादा नहीं रहूंगी।" जूली बोली—"वह बहुत खतरनाक है।"

"कुछ दिनों में तुम्हें आदत पड़ जायेगी, फिर वह भी तुम्हारा पीछा छोड़ देगी। मिस्टर वेजली अच्छे आदमी हैं।"

जूली सिंक का सहारा लेकर खड़ी हो गयी। अब वह गपशप के मूड में थी।

"पता नहीं मिस्टर वेजली ने यह शादी क्यों कर ली?" वह बोली।

"वह हमेशा ऐसी ही नहीं थी।" गेरिज बोला—"जब उनकी पहली मुलाकात हुई थी, तो ब्लेंच लन्दन की जान थी। उसने मिस्टर वेजली को फंसा लिया। उसे पता था कि मिस्टर वेजली के पास बहुत पैसा है। उसने शुरू से ही इस बात का फायदा उठाना शुरू कर दिया। न केवल उसने बड़ी रकमें ऐंठीं, बल्कि शादी भी इस शर्त पर तय की कि अगर यह टूटी तो मिस्टर वेजली को बहुत बड़ी रकम देनी होगी। अब मिस्टर वेजली को इस समझौते से खुशी नहीं है। उसमें जीत केवल मिसेज वेजली की ही है।"

"लेकिन वह यह रकम देकर पीछा क्यों नहीं छुड़ा लेते?"

"वह ऐसा नहीं कर सकते, वह एक नये आविष्कार में लगे हुए हैं। वह चालक रहित यान बनाना चाहते हैं। इसमें वह बहुत खर्च कर रहे हैं। मिसेज वेजली को भी पता है कि वह उसका भुगतान करने की स्थिति में नहीं है।"

"यह तो बहुत बुरी बात है।" जूली बोली—"और फिर वह अन्धे भी हैं।"

"हां। उन्हें इस सिलसिले में एक और निराशा हुई। फ्रांस के एक डॉक्टर का ख्याल था कि उनकी आंखों का सफल ऑपरेशन किया जा सकता है। हम इसलिये पेरिस गये थे।" उसने अपनी घड़ी देखी और सीटी बजाता हुआ मेज पर से उतर पड़ा—" अब चलना चाहिये। मैं पांच मिनट के लिये कह आया था, फिर मिलेंगे।"

बाद में जब जूली बेड पर थी, तो उसे गेरिज की आवाज आयी—"शुभ रात्रि!" पहले उसने सोचा कि वह उसे कहा गया है। वह मन ही मन मुस्कुराई, लेकिन बाद में उसने जाना कि वह वेजली से कहा गया था, फिर बाहर वाला दरवाजा बन्द हो गया। अब जूली ने समझा कि इस फ्लैट में वह और वेजली अकेले रह गये हैं।

लेकिन उसे डर नहीं लग रहा था। हां, अगर उसकी जगह बेन्टन होता तो बात और थी।

उसे नींद आने लगी थी, तभी कांच टूटने की आवाज आई और वह बेड पर से उतर पड़ी। ड्रेसिंग गाउन पहनकर वह बाहर आ गयी।

वेजली कमरे के बीचो-बीच खड़ा था। एक गिलास फर्श पर टूटा हुआ पड़ा था। उसने अब भी काले लैंसों वाला चश्मा लगा रखा था।

"हैलो जूली!" वह बोला—"क्या मुझे बचाने आयी हो?"

"मैंने आवाज सुनी थी।" जूली बोली। तभी उसकी नजर वेजली के हाथ पर पड़ी, जिससे खून बह रहा था—"अरे, आपके तो चोट लग गयी।"

"गिलास मेरे हाथ से छूट गया। मैंने कांच समेटने की कोशिश की तो एक टुकड़ा मेरी उंगली में घुस गया।"

"मैं पट्टी बांध देती हूं।"

"धन्यवाद!" वह बोला—"कुर्सी कहां है? आजकल मेरी याददाश्त खराब होती जा रही है।"

जूली ने उसका हाथ पकड़ा और उसे एक कुर्सी तक ले आयी। वेजली बोला—

"तुम नहीं आतीं तो पता नहीं क्या होता?"

जूली की समझ में नहीं आया कि क्या कहे? वह चुप हो गयी। उसने पट्टी बांध दी, फिर वह कांच के टुकड़े समेटने लगी। बाद में वह बोली—

"मैं आपकी कोई और सेवा कर सकती हूं?"

"तुम्हारी उम्र क्या है जूली?"

"इक्कीस वर्ष।"

"और तुम सुन्दर भी हो?"

वह शरमा गयी—"पता नहीं।"

"गेरिज तुम्हें सुन्दर बताता है। वह गलत नहीं हो सकता। मुझे तुम्हारे साथ अकेले नहीं रहना चाहिये था। यह मुझे पहले सोचना था। मेरी पत्नी यह पसन्द नहीं करेगी, लेकिन अब मैं फिर से कपड़ बदलकर क्लब नहीं जा सकता। फिर भी बेहतर यह रहेगा कि तुम मेरी पत्नी को यह न बताओ कि यह रात मैंने यहीं बिताई है।"

"ठीक है। मैं नहीं कहूंगी।"

"धन्यवाद!" वह बोला—"अब तुम जाओ।"

"आपको मेरी जरूरत तो नहीं है न?"

"जाने से पहले एक बात और बता दो।" वह बोला—"क्या मेरे पीछे मेरा पार्टनर ह्यू बेन्टन तो यहां नहीं आया था?"

जूली 'हां' कहने ही वाली थी कि उसकी मुख-मुद्रा देखकर उसने इरादा बदल दिया।

"नहीं।" वह बोली—"वह यहां नहीं आये।"

"ओह!" वह कुछ हल्का-फुल्का नजर आने लगा—"ठीक है जूली! शुभ रात्रि! लाइट बन्द कर दो और जाओ।"

उसे अंधेरे और एकांत में कुर्सी पर छोड़कर जाना जूली को अजीब-सा लगा और कष्टप्रद भी।

¶¶

हेरी ग्लेब ने सिगरेट सुलगाई और दियासलाई उछाल दी।

"मुझ पर चिल्लाने से कोई फायदा नहीं।" वह बोला—"वह हमारा साथ देने को तैयार नहीं है, जो मैं कर सकता था, मैंने कर दिया। कल को वह यहां से चली जायेगी।"

मिसेज फ्रेंच ने उसे देखा।

"उसे वहीं रहना है। वहां कोई और लड़की पहुंचाने का दूसरा मौका नहीं मिलेगा। मैं ब्लेंच को अच्छी तरह जानती हूं, अगर जूली वहां से आ गयी तो हमारी योजना खत्म हो जायेगी।"

हेरी ने कन्धे उचका दिये।

"मेरी पूरी कोशिश के बावजूद वह तैयार नहीं हुई।"

“तुम्हें चाहिये था कि उस कुतिया की पिटाई कर देते, लेकिन तुम बहुत गर्म हो।”

“मैं औरतों को पीटने का आदी नहीं हूं। हमें कुछ और सोचना होगा।”

“क्या तुम्हारी मोटी अक्ल में यह बात नहीं आ रही कि हम कुछ और नहीं कर सकते?” मिसेज फ्रेंच बोली—“मैं लड़की से बात करूंगी।”

“नहीं।” हेरी फुंफकारा—“इससे कोई फायदा नहीं है। उस लड़की का पीछा छोड़ दो।”

“तुम उसका इतना ख्याल क्यों कर रहे हो?”

हेरी नहीं चाहता था कि मिसेज फ्रेंच को कुछ शक हो। वह उससे डरता था। इसके अलावा वह चाहती थी कि उसकी बेटी ‘डाना’ की शादी हेरी से हो जाये। शक हो जाने पर वह कुछ भी कर सकती थी। हेरी को पुलिस के हवाले भी कर सकती थी।

“मैं उसका ख्याल नहीं कर रहा हूं। उससे मुझे कोई मतलब नहीं, लेकिन मैं मारपीट नहीं चाहता।”

“मारपीट की बात नहीं है। मैं खुद उससे बात करूंगी। शायद उसे धमकी देनी पड़े। इससे ज्यादा कुछ नहीं।”

“ठीक है, लेकिन उससे दूर ही रहना।”

“अब तुम जाओ। जब तुम्हारी जरूरत होगी, मैं तुम्हें बता दूंगी। अभी योजना खत्म नहीं हुई है। जूली वही करेगी, जो उससे कहा जायेगा।”

“लेकिन उसे हाथ मत लगाना।”

मिसेज फ्रेंच ने जवाब नहीं दिया। उसके जाने के बाद वह सोचने लगी, फिर उसने फोन उठाया और एक नम्बर डायल कर दिया।

“कौन?” उधर से थियो की आवाज आयी।

“यहां आ जाओ। तुम्हारे लिये कुछ काम है।”

“बहुत देर हो चुकी है। मैं सोने जा रहा हूं।” थियो बोला—“बात क्या है?”

“हेरी जूली से गर्मी से काम ले रहा है। वह हमारा साथ देने से इंकार कर रही है, तुम उससे बात कर आओ।”

“यह काम नहीं, मनोरंजन है। मैं अभी आ रहा हूं।” कहकर उसने फोन काट दिया।

नौ बजने में कुछ मिनट थे। थियो पार्क-वे के सामने पार्क में बैठा हुआ था। वह धूप का आनन्द ले रहा था। कुछ देर बाद गेरिज पार्क-वे से बाहर निकला और उसके कुछ देर बाद वेजली। पोर्टर उसे कार तक लाया और फिर कार का दरवाजा बन्द करके चला गया।

जब कार चली गयी तो थियो ने सिगरेट बुझायी और पार्क से बाहर निकलकर उस इमारत में प्रविष्ट हो गया।

तभी पोर्टर उसके सामने आ गया।

"क्या बात है?" उसने शक की नजर से उसे देखा।

"मैं अपनी बहन से मिलने ऊपर जा रहा हूं। वह 97 नम्बर वाले फ्लैट में काम करती है, कोई ऐतराज है?"

पोर्टर का शक अब भी कम नहीं हुआ था।

"अगर तुम्हें यकीन नहीं है तो उसे फोन कर लो।"

थियो ने आगे कहा—"उसे बता दो कि उसका भाई हेरी आया है।"

"मुझे सलाह मत दो।" पोर्टर बोला—"मैं समझता हूं कि मिसेज वेजली यह पसन्द नहीं करेंगी।"

"उन्हें भी बता दो।" थियो बोला—"हर आदमी को बता दो। अखबार में छपवा दो। मुझे कोई जल्दी नहीं है।"

"तुम बहुत बोलते हो।" पोर्टर बोला—"जाओ उससे मिल आओ, लेकिन ज्यादा देर मत लगाना।"

थियो स्वचालित लिफ्ट में पहुंचा और उसने पांचवीं मंजिल का बटन दबा दिया।

ऊपर पहुंचकर उसने 97 नम्बर वाले फ्लैट की कॉलबैल का बटन दबा दिया।

जूली ने दरवाजा खोला।

"हैलो जूली!" थियो बोला। उसने अपना हाथ आगे किया और उसे पीछे धकेल दिया। फिर अन्दर पहुंचकर उसने दरवाजा बन्द कर लिया और धमकी के अन्दाज में घूंसा बना लिया।

"चिल्लाना मत! मैं मैडम फ्रेंच के यहां से आया हूं।"

जूली पीछे हट गयी। थियो उसे गन्दा और खतरनाक लगा था।

"मैं तुमसे कुछ बात करना चाहता हूं। बैठ जाओ।"

जूली लाउंज में पहुंच गयी। थियो भी वहीं आ गया। उसने इधर-उधर देखा।

"बहुत अच्छी जगह है, फिर तुम क्यों जा रही हो?"

"मैं जा रही हूं—और मुझे कोई रोक नहीं सकता।"

"मैं रोक सकता हूं।" थियो बोला—"बैठ जाओ जूली! कुछ बात करनी है।" वह खुद भी बैठ गया।

जूली टेलीफोन की ओर लपकी, लेकिन थियो उससे पहले पहुंच गया। जूली ने चिल्लाने के लिये मुंह खोला तो उसने जूली के चेहरे पर थप्पड़ मार दिया। वह हाथों और घुटनों के बल गिर पड़ी।

"अगली बार घूंसा पड़ेगा।" थियो बोला। उसने जूली का हाथ पकड़कर खींचा और उसे एक कुर्सी पर बिठा दिया।

जूली रोने लगी।

थियो फिर से उसी कुर्सी पर आ बैठा।

"तुम यहां काम पूरा करोगी, वर्ना तुम्हें बहुत कष्ट होगा।" थियो बोला—"मैं बहस नहीं करना चाहता, अगर तुम हेरी का कहना नहीं मान सकतीं तो मेरा कहना मानो।"

"नहीं।" जूली बोली—"मैं पुलिस को बता दूंगी।"

थियो हंस पड़ा।

"यह तुम्हारा ख्याल है।" उसने जेब से तीन फोटो निकाले—"जरा इन्हें देखो।"

"मैं कुछ नहीं देखूंगी।"

"क्या मैं कुछ और पिटाई करूं?"

उसने फोटो जूली की गोद में डाल दिये।

जूली ने देखा—ये फोटो कुछ चेहरों के थे, जिनका हुलिया बिगड़ गया था। वह कांप-सी गयी। उसने फोटो फर्श पर डाल दिये।

"यह तेजाब का कमाल है।" थियो बोला—"इनमें से एक दुल्हन 'ऐमी पार्सन्स' है। यह एक वेश्या है। एक ने उसकी शक्ल बिगाड़ दी। इससे पहले यह दुल्हन इतनी बुरी नहीं थी। दूसरी दोनों दुल्हनों के साथ भी यही हुआ है।" उसने जेब से एक हरी शीशी निकाली—"यह है वह तेजाब, जिससे चेहरे की यह हालत हो जाती है। यह मत समझना

कि तुम फरार हो जाओगी और कहीं छिप जाओगी। हम लोगों को तलाश करना जानते हैं। अब से हम तुम पर नजर रखना शुरू कर रहे हैं। इधर तुमने कोई गलत हरकत की और उधर तुम्हारी शक्ल बिगड़ी। समझीं?"

"हां।" जूली बोली।

"हमें बुधवार तक पता चल जाना चाहिये कि सेफ कैसे खुलती है? कोई बहानेबाजी नहीं चलेगी। बुधवार को आठ बजे मैफेयर स्ट्रीट वाले ऑफिस में मिलो, अगर नहीं आयीं तो तुम्हें पछताना होगा। ठीक है?"

"हां।"

"बाथरूम कहां है?"

उसने इशारा कर दिया।

"चलो।"

वह चल पड़ी। इसके अलावा कोई चारा नहीं था।

दोनों बाथरूम में पहुंच गये तो थियो ने दरवाजा बन्द कर लिया।

"कृपया मुझे छोड़ दो।" जूली ने कहा—"मैं कुछ भी करने के लिये तैयार हूं....।"

"तुमने मुझे वक्त से तीन घण्टे पहले बेड से निकलने पर मजबूर कर दिया। तुमने मेरी सुबह बर्बाद कर दी। दुल्हनें मेरे साथ ऐसा नहीं करतीं। तुम...।" उसने एक भद्दी-सी गाली दी।

फिर उसने जूली के चेहरे पर एक घूंसा मारा और एक घूंसा पेट में।

"मैं वहां कालीन गन्दा नहीं करना चाहता था।" उसने कहा और बाहर निकल आया।

¶¶

दोपहर तीन बजे हेरी उसी पार्क में बैंच पर बैठा हुआ था, जिस पर सुबह थियो बैठा था। वह बड़ी बेचैनी से जूली का इन्तजार कर रहा था, लेकिन जूली नहीं आयी। सवा चार बजे वह कुछ नाराज हो गया और कुछ भयभीत भी।

उसे क्या हो गया? उसे मेरा इन्तजार करना चाहिये था। पांच मिनट और इन्तजार करने के बाद वह उठा और टेलीफोन बूथ की ओर चल पड़ा। उसने वेजली के फ्लैट का नम्बर डायल किया।

लेकिन उधर से कोई जवाब नहीं मिला।

अब उसे वाकई चिन्ता होने लगी।

“वह कहां चली गयी?”

फ्लैट में जाना खतरे से खाली नहीं था। कुछ देर तक उसकी समझ में नहीं आया कि वह क्या करे? कहीं ऐसा तो नहीं कि मां फ्रेंच ने उसके साथ कुछ किया हो? उसने एक टैक्सी रोक ली।

मिसेज फ्रेंच और डाना अपने छोटे-से फ्लैट में चाय बना रही थीं।

“हैलो हेरी!” डाना बोली—“हमें तुम्हारे आने की उम्मीद नहीं थी।”

हेरी ने उसे नजरअंदाज कर दिया। वह मिसेज फ्रेंच को गुस्से भरी नजरों से देख रहा था।

“जूली को क्या हुआ?” उसने पूछा—“वह आज मुझ से मिलने आने वाली थी, लेकिन नहीं आयी। मैंने उसके फ्लैट पर फोन किया तो उसका भी जवाब नहीं मिला।”

“तुम फिर मूर्खता कर रहे हो।” मिसेज फ्रेंच बोली—“तुम उसकी चिन्ता क्यों कर रहे हो?”

उसने मुश्किल से खुद को सम्भाला। वह सब भी यह शक नहीं होने देना चाहता था कि उसे जूली से प्यार है। काम खत्म होने और माल में हिस्सा मिलने के बाद ही उन्हें पता चलना चाहिये था।

“वह हमारे लिये काम कर रही है।” हेरी बोला—“मैं उस पर नजर रख रहा हूं।”

“कल तुम कह रहे थे कि वह काम करने के लिये तैयार नहीं है।” मिसेज फ्रेंच बोली—“तुम उसकी बहुत चिन्ता कर रहे हो। यह बात डाना के लिये अच्छी नहीं है।”

“क्या तुम वाकई उसकी चिन्ता कर रहे हो?” डाना बोली।

“नहीं। लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि उसे क्या हो गया है?”

“तो ठीक है।” मिसेज फ्रेंच ने हंसते हुए कहा—“आज सुबह मैंने थियो को उसके पास भेजा था। अब वह हमारा साथ देने के लिये तैयार है।”

“थियो? वह चूहा...!”

“वह तुम्हारा कहना नहीं मान रही थी, इसलिये यह करना पड़ा।” मिसेज फ्रेंच बोली।

“उसने जूली को हाथ लगाया?”

“इतनी दिलचस्पी क्यों ले रहे हो? तुम कहते हो कि उस लड़की से तुम्हारा कोई

वास्ता नहीं?"

हेरी उसे देखता रहा, फिर उसने डाना को देखा और फिर बाहर निकल गया।

"यह जल्दी ही जूली से उकता जायेगा।" मिसेज फरेंच बोली—"और अगर ऐसा नहीं हुआ तो काम के बाद मैं जूली को रास्ते से हटा दूंगी। चिन्ता मत करो।"

"चुप रहो।" डाना ने कहा और रोने लगी।

¶¶

सोमवार की सुबह को ब्लेंच भन्नायी हुई अपने फ्लैट में पहुंची। वह सप्ताहांत अच्छा नहीं गुजरा था। इस बीच बेन्टन जुआ खेलता रहा था और कर्जदार हो गया था। जिस होटल में वे ठहरे थे, उसकी सर्विस एकदम घटिया थी।

अब अपने फ्लैट पहुंचकर उसे कुछ राहत मिली।

पोर्टर ने जैसे ही उसे देखा, वह अपने छोटे-से कमरे से बाहर निकला और उसके सामने आ गया।

"हैलो हेरिस!" ब्लेंच बोली—"इस बीच फ्लेंट का क्या हुआ? कोई आया तो नहीं?"

"शनिवार की रात को मिस्टर वेजली और मिस्टर गेरिज लौट आये थे मैडम! और इतवार की सुबह को एक व्यक्ति आपकी नौकरानी से मिलने आया था।"

"क्या मिस्टर वेजली अब तक यहीं रहे?"

"नहीं मैडम! वह केवल शनिवार की रात को ही यहां रहे थे।"

"मिस्टर गेरिज उनके साथ ही थे?"

"नहीं मैडम!"

"और उनकी मदद के लिये मेरी नौकरानी होगी ही। वह तो कहीं नहीं गयी थी?"

"नहीं मैडम! वह फ्लैट में ही थी।"

ब्लेंच खुश हो गयी। एक झगड़े का मसाला मिल गया था।

"नौकरानी से कौन मिलने आया था?"

"वह खुद को उसका भाई बता रहा था, लेकिन वह देखने में भला आदमी नहीं लगता था।"

ब्लेंच की मुस्कुराहट गायब हो गयी।

“फिर तुमने उसे ऊपर क्यों जाने दिया? मैंने तुमसे लड़की पर नजर रखने के लिये नहीं कहा था? मैंने यह नहीं कहा था कि वह किसी मर्द को यहां न लाने पाये? क्या मेरा फ्लैट वेश्यालय है?”

पोर्टर को अब अपनी गलती का अहसास हुआ। उसने अपनी जुबान को धिक्कारा।

“वह सुबह नौ बजे आया था मैडम! वह पांच मिनट से ज्यादा फ्लैट में नहीं रहा, अगर वह देर तक रहता तो मैं उसे बाहर खींच लाता।”

“तुम मूर्ख हो, हेरिस। मुझे यकीन नहीं है कि उसका कोई भाई भी है। तुम कब्र में जाने तक मूर्ख ही रहोगे।”

“हां। मैडम!”

ब्लेंच अपने फ्लैट में पहुंच गयी। उसने जूली को ध्यान से देखा। जूली का चेहरा पीला पड़ा हुआ था और आंखों के बीच काले दायरे पड़ गये थे। ऐसा लगता था कि कल रात वह बिल्कुल नहीं सोयी थी।

“मुझे ब्रांडी दो।” ब्लेंच बोली—“जरा जल्दी करो।”

जूली ने कुछ कहे बिना ब्रांडी उसके सामने लाकर रख दी।

“इस बीच तुम क्या करती रहीं?”

“कुछ नहीं मैडम। मैं सफाई करती रही...।”

“छोड़ो इसे। कोई यहां आया?”

“नहीं मैडम!”

“तुम यह कहना चाहती हो कि सारे समय तुम यहां अकेली ही रहीं?”

“हां, मैडम! मैं भूल गयी थी। मेरा भाई आया था, लेकिन वह कुछ मिनट बाद ही चला गया था।”

“तुम झूठ बोल रही हो। तुमने उस आदमी को जानबूझकर बुलाया होगा। वह तुम्हारा भाई नहीं था।”

“वह मेरा भाई ही था, मैडम! वह शिप पर काम करता है। जाने से पहले वह मुझे ‘अलविदा’ कहने आया था।”

“हूं।” उसने ब्रांडी का घूंट लिया—“तुम्हारे भाई के अलावा यहां और कोई नहीं आया।”

"नहीं मैडम!"

ब्लेंच मुस्कुरायी।

"मिस्टर वेजली भी नहीं, जूली?"

इसका मतलब है कि वह जानती है...जूली ने सोचा।

ब्लेंच ने उसे बहाना बनाने का मौका नहीं दिया।

"तो यह बात है।" वह उठती हुई बोली—"अन्धा आदमी औरत में फर्क नहीं कर सकता, तो मेरे पीछे यहां यह होता रहा है।"

"आप गलत समझ रही हैं...।" जूली बोली।

"गलत?" ब्लेंच चिल्ला पड़ी—"तुमने मुझसे झूठ क्यों बोला?" उसने ब्रांडी का गिलास उठाया और जूली की ओर फेंका। यह जूली के सिर के ऊपर से होकर निकल गया और दीवार से जा लगा—"दफा हो जाओ, वेश्या!"

जूली दरवाजे की ओर लपक गयी। ब्लेंच कोई भारी चीज तलाश कर रही थी।

जूली दौड़-सी रही थी। वह वेजली से टकराते-टकराते बची, जो अन्दर आ रहा था।

"क्या हो रहा है?" वेजली बोला—"ब्लेंच! क्या है?"

"मैं तुम्हारी रखैल को बता रही थी कि उसे मैं क्या समझती हूं?"

जूली कमरे से बाहर रुक गई।

"तुम अपनी जुबान सम्भालो ब्लेंच!" वेजली बोला—"तुम्हें पता नहीं है कि तुम क्या कह रही हो?"

"शायद तुम भी यही कहोगे कि एक रात तुमने उस वेश्या के साथ नहीं गुजारी।"

"शनिवार की रात को मैं यहीं था।" वेजली बोला—"क्या तुम इस बात से परेशान हो?"

"तो फिर उसने यह क्यों कहा कि तुम यहां नहीं थे? कुछ गड़बड़ तो जरूर हुई होगी।"

"उसे मैंने मना किया था। मैं तुम्हारे दिमाग को जानता हूं।"

फिर एक थप्पड़ की आवाज आयी। फिर कांच टूटने की और फर्नीचर के उलट-

पुलट होने की।

जूली ने अन्दर झांका।

वेजली निश्चल खड़ा हुआ था। उसका हाथ उसके चेहरे पर था। ब्लेंच गुस्से में तमतमायी हुई उसके सामने खड़ी थी। तभी ब्लेंच ने उसके दूसरे गाल पर थप्पड़ मार दिया।

वेजली पीछे हट गया।

"बहुत हो चुका, ब्लेंच। तुम नशे में हो। जाकर सो जाओ।" वह बोला।

"मुझे तुमसे नफरत है।" ब्लेंच चिल्लाई। उसने इधर-उधर देखा और फिर आतिशदान में से आगे कुरेदने का लोहा उठा लिया। जैसे ही वह वेजली की ओर बढ़ी, जूली चिल्ला पड़ी—

"बचिये मिस्टर वेजली। उसके हाथ में लोहा है।"

वेजली ने ब्लेंच से बचने की कोई कोशिश नहीं की। जूली ने आगे बढ़कर ब्लेंच की कलाई पकड़ ली।

ब्लेंच ने अपना हाथ छुड़ाया और उसे देखा, फिर वह हंसने लगी।

"हावर्ड!" वह बोली—"यह मुझे बेवकूफ समझती है कि मैं वाकई तुम पर वार करने जा रही थी।"

जूली स्तब्ध रह गई।

"भाग जाओ जूली। तुम्हें बचाव करने की जरूरत नहीं है।" वह फिर बोली।

जूली बाहर निकल आयी।

तभी कॉलबैल बजने लगी।

¶¶

हेरी ग्लेब मिसेज फ्रेंच के फ्लैट से निकलकर अभी कुछ ही दूर चला था कि सड़क पर पहुंचकर उसने ऑटोरिक्शा की तलाश में इधर-उधर दृष्टि घुमाई।

अचानक एक चकराती हुई कार उसके निकट आकर रुकी। उसके दरवाजे तेजी से खुले, कई व्यक्ति विद्युत गति से उसमें से बाहर आये।

इससे पूर्व कि हेरी कुछ समझ पाता, अचानक ही किसी ने उसके सिर पर न जाने क्या चीज इतनी जोर से मारी कि पलभर के लिये उसकी आंखों में सितारे नाच गये।

लेकिन दूसरे ही पल जब वो सितारे अंधेरे में डूबे तो उसकी चेतना भी अंधेरे में

डूबती चली गयी।

होश में आने के बाद भी हेरी को कुछ दिखाई नहीं दिया। उसकी आंखों पर पट्टी बंधी हुई थी...साथ ही उसके दोनों हाथ भी उसकी पीठ पर कसकर बंधे हुए थे। एक पल के लिये तो वह समझ ही न पाया कि उसके साथ क्या हुआ है, लेकिन जैसे ही उसकी चेतना ने दोबारा कार्य करना आरम्भ किया, उसे अपने साथ बीती घटना याद आती चली गयी।

उसने महसूस किया कि वह किसी कार में बैठा हुआ है और वह कार तेजी से फर्राटे भर रही है।

उसे विचार आया कि शायद यह वही कार होगी, जिसमें से उतरने वाले चन्द आदमी उस पर झपटे थे और उनमें से एक ने उसके सिर पर किसी वस्तु से वार करके उसे मूर्च्छित कर दिया था।

अब दो आदमी उसके दायें-बायें बैठे थे। निश्चित रूप से यह कार की पिछली सीट ही होगी। अगली सीट पर भी शायद ड्राइवर के साथ कोई बैठा हो, लेकिन हेरी इनमें से किसी को देखने में असमर्थ था। साथ ही आंखों पर पट्टी बंधे होने के कारण वह यह भी नहीं जान सकता था कि कार किन मार्गों से होकर जा रही थी।

"त...तुम लोग कौन हो?"

हेरी के मुंह से निकला।

"काले चोर।" उत्तर मिला।

"मुझे कहां ले जा रहे हो?"

"खामोश बैठे रहो!" दायीं ओर बैठे आदमी ने कठोर स्वर में कहा—"वर्ना तुम्हारी कमर का छटांक भर मांस काटकर गाड़ी से बाहर फेंक दिया जायेगा।"

साथ ही हेरी ने अपनी कमर पर ऐसी चुभन महसूस की, जो चाकू जैसे किसी भी हथियार की हो सकती थी।

वह दोबारा कुछ नहीं बोला।

उसका स्वभाव ही कुछ ऐसा था। वह इस स्थिति से भयभीत तो नहीं था, लेकिन उलझन और परेशानी ने अवश्य ही उसके मस्तिष्क को अपनी गिरफ्त में ले लिया था।

उसे आश्चर्य था कि आखिर कौन उसका अपहरण कर सकता था।

"क्या मिसेज फ्रेंच?" उसने मन में सोचा।

क्योंकि अभी-अभी उसने मिसेज फ्रेंच से थियो के उस व्यवहार पर

अप्रसन्नता प्रकट की थी, वो उसने जूली के साथ किया था।

कहीं ऐसा तो नहीं कि मां फ्रेंच उसकी जूली में बढ़ती दिलचस्पी को भांप गयी हो, क्योंकि बहुत दिनों से वह ऐसी आशा लिये बैठी थी कि हेरी उसकी बेटी डाना से ही विवाह करेगा।

लेकिन अगले ही पल हेरी ने इस विचार को भी मस्तिष्क से झटक दिया। वह जानता था कि मां फ्रेंच उसके साथ ऐसा व्यवहार नहीं कर सकती थी, क्योंकि अभी वो जिस योजना पर कार्य कर रहे थे, वो अधूरी थी और जब तक वह योजना पूरी नहीं होती, तब तक मां फ्रेंच से किसी मूर्खता की आशा नहीं थी।

"तो फिर क्या यह थियो की हरकत हो सकती है?" उसके मन में दूसरा विचार उठा।

"नहीं। ऐसा भी नहीं हो सकता।"

उसने स्वयं ही अपने विचार का खंडन किया।

वह भली-भांति जानता था कि थियो एक अत्याचारी और थोड़ा मानसिक रोगी था, उसे लड़कियों और महिलाओं पर अत्याचार करते हुए बड़ा आनन्द आता था।

थियो किसी महिला के साथ तो यह व्यवहार कर सकता था, लेकिन उसके साथ कदापि नहीं।

"तो फिर क्या 'फिरौती' के लिये उन लोगों ने उसका अपहरण किया है?" एक अन्य विचार उसके मन में आया।

लेकिन इस विचार का भी उसने तुरन्त ही खंडन कर दिया। क्योंकि उसके पास इतनी सम्पत्ति नहीं थी कि फिरौती के नाम पर किसी को कुछ दे सके।

कार जब रुकी तो हेरी का अनुमान था कि वह होश में आने के लगभग आधा घन्टे तक अवश्य ही चलती रही है।

"उतरो।" कार रुकने के बाद एक व्यक्ति ने अपनी साइड का दरवाजा खोला, फिर हेरी का हाथ पकड़कर उसे उतरने का संकेत किया।

हेरी चुपचाप कार से उतर गया। फिर दो आदमियों ने उसे दोनों ओर से पकड़ा और पैदल ही एक दिशा में लेकर चल दिये।

जल्दी ही उसने महसूस किया कि वह उन लोगों के साथ किसी इमारत में प्रविष्ट हुआ था।

वह बदस्तूर खामोशी इख्तियार किये रहा।

कार में धमकी सुनने के बाद उसने बोलना व्यर्थ ही समझा था। वह उस समय तक प्रतीक्षा करना चाहता था, जब तक कि वस्तुस्थिति पूर्ण रूप से स्पष्ट न हो जाये।

दो-तीन मिनट बाद उसकी आंखों से पट्टी उतारकर उसे एक कुर्सी पर बैठा दिया गया।

उसकी आंखों में इतनी देर तक अंधेरे का वास रहा था, इसलिये प्रकाश में कुछ क्षणों के लिये उसकी आंखें चुंधियां गयीं।

फिर जब उसकी दृष्टि ने काम करना आरम्भ किया तो उसने देखा कि वह एक विशाल कमरे में एक बड़ी-सी अण्डाकार मेज के किनारे की कुर्सी पर बैठा हुआ था। उसके सामने मेज के दूसरे किनारे पर भी एक कुर्सी रखी हुई थी, जिस पर बैठे हुए व्यक्ति ने अपना चेहरा एक नकाब में छिपा रखा था। उसकी केवल आंखें खुली हुई थीं।

हेरी ने उन आंखों को ध्यान से देखा। उसकी पुतलियां भूरी थीं। उसके सामने मेज पर एक कार्डलैस फोन रखा था।

“शाबाश!”

वह भारी-भरकम आवाज में उन तीनों से बोला, जो हेरी को इस कमरे में लेकर आये थे, फिर उसने उन्हीं से पूछा—

“इसकी तलाशी ली।”

संकेत हेरी की ओर था।

“यस सर।” उत्तर दिया गया।

“क्या मिला?”

“एक रुमाल, एक पर्स और एक कन्घा।” उत्तर दिया गया।

“इसका सामान इसको लौटा दो।”

उन्होंने तुरन्त मेज पर हेरी का सामान रख दिया।

“ठीक है।” नकाबधारी ने कहा—“अब तुम इस कमरे से जाओ, तब ही आना, जब मैं बुलाऊं।”

वो तीनों कमरे से चले गये। हेरी ने अपने पीछे दरवाजा बन्द होने की आवाज सुनी। उसके विचार से अब नकाबधारी उसे सम्बोधित करेगा।

“नौजवान!” नकाबधारी ने उसे सम्बोधित करते हुए कहा—“मैं जानता हूं कि तुम एक माहिर चोर हो।”

नकाबधारी ने धमाका किया।

हेरी सम्भलकर बैठ गया और जल्दी से बोला—"सर, आपको गलतफहमी हुई है। मैं तो एक छोटा-सा बिजनेसमैन हूं।"

"बिजनेसमैन।" नाकबधारी के मुंह से सरसराता हुआ स्वर निकला। नि:सन्हेह उसकी आंखें मुस्कुरा रही थीं—"हम अच्छी तरह जानते हैं कि तुम कौन-सा बिजनेस करते हो?"

हेरी ने कुछ कहना चाहा तो वह तुरन्त हाथ उठाकर बोला—

"न-न, कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। हम तुम्हारे बारे में अच्छी तरह जानते हैं कि तुम क्या करते हो, लेकिन तुम्हें घबराने की आवश्यकता भी नहीं है। न तो हम स्वयं कानून के रक्षक हैं और न ही तुम्हें कानून के हवाले करने का हमारा कोई इरादा है। हमें तो तुम से एक काम लेना है।"

"कैसा काम?"

"काम तुम्हारी पसन्द के अनुसार ही है। हमें तुमसे एक चोरी करानी है।"

"चोरी?"

"यह बार-बार चौंकने का अभिनय मत करो।" नकाबधारी बुरा मानते हुए बोला—"हमने तुम्हारा चुनाव बहुत सोच-समझ कर किया है और सुनो, हम तुम्से पांच हजार पौंड इस काम के एडवांस देंगे और पांच हजार काम समाप्त होने के बाद मिलेंगे। ये रख लो पांच हजार।"

नकाबधारी ने मेज की दराज से हजार-हजार की पांच गड्डियां निकालीं और हेरी के सामने फेंक दीं।

हेरी एक बुद्धिमान युवक था। गड्डियां अपने सामने डाले जाने का उद्देश्य तुरन्त ही समझ गया। नकाबधारी चाहता था कि इतनी बड़ी धनराशि अपने सामने देखकर वह शीघ्र-अतिशीघ्र अपनी सहमति जता दे।

"पांच हजार पौंड तुम्हें उस दिन दिये जायेंगे, जिस दिन तुम चुराई हुई वस्तु लेकर हमारे पास आओगे।"

"क्या पूरे शहर में तुम्हें और आदमी नहीं मिला?" हेरी ने अर्ध-सहमति जतायी।

"यूं तो इस शहर में बहुत-से चोर हैं, लेकिन तुम जैसा शातिर चोर शायद ही कोई और हो। तुम अपना काम बहुत फुर्ती और चतुरता के साथ करते हो...साथ ही तुम फुर्ती से किसी के बेडरूम में पहुंचने के भी विशेषज्ञ हो। इसका एक नमूना यह रहा।"

यह कहकर नकाबधारी ने उसके सामने दो फोटोग्राफ डाल दिये, जिनमें वह

एक स्त्री के बेडरूम से अंगूठियां चुरा रहा था।

उस फोटोग्राफ को देखकर हेरी आश्चर्यचकित रह गया।

"ये...ये...ये...?" उसके मुंह से केवल इतना ही निकल सका।

"इसमें इतना हैरान होने की जरूरत नहीं है। हम चाहते तो तुम्हारे ये फोटोग्राफ पुलिस को देकर तुम्हें गिरफ्तार करा सकते थे, मगर हम ऐसा करेंगे नहीं। हम जानते हैं कि तुम जैसा शातिर चोर हमें ढूंढे से भी नहीं मिलेगा, मगर एक बात का ध्यान रखना...अपना यह शातिरपना हमें मत दिखाना, यह जान लो कि जो तुम्हें भरी-पूरी सड़क से दिन-दहाड़े उठा सकते हैं...वह तुम्हें गोली मारने में भी संकोच नहीं करेंगे।" नकाबधारी ने धमकी दी।

हेरी केवल गरदन हिलाकर रह गया।

"तो फिर क्या सोचा?"

"किस चीज की चोरी कराना चाहते हो?" हेरी ने गड्डियों की ओर हाथ बढ़ाते हुए पूछा—"क्या मैं इन्हें उठा लूं?"

"यह तुम्हारी ही हैं।" नकाबधारी ने उत्तर दिया—"चुराना क्या है, इसके बारे में तुम्हें कल बताया जायेगा।"

"कल कहां?"

"सैम हेवार्ट के होटल में।" नकाबधारी ने बताया—"समय का पता तुम्हें फोन करके बता दिया जायेगा।"

सैम हेवार्ट का नाम सुनकर हेरी के मस्तिष्क में धमाका-सा हुआ। अब उसे याद आया कि नकाबधारी की भूरी आंखों को देखकर क्यों उसे इस बात का एहसास बार-बार हो रहा था कि न जाने क्यों उसकी यह आंखें देखी-भाली हैं।

यदि वह सैम हेवार्ट ही था, तो वह आवाज बदलकर बोलने में भी निपुण था।

"तो फिर मेरे लिये क्या आज्ञा है अब?" हेरी ने पूर्ण सहमति जतायी।

"फिलहाल तुम जा सकते हो। कल तक खूब ऐश करो, लेकिन कल फोनकॉल पर तैयार मिलना।"

"ओ.के.।" यह कहकर हेरी वहां से उठ गया।

¶¶

टेलीफोन पर मिलने वाली सूचना ने हेरी ग्लेब को बुरी तरह बदहवास कर दिया था।

शाम के छः बज रहे थे। वह लगभग पन्द्रह मिनट पहले ही फ्लैट में आया था। आज का पूरा दिन ही उसका व्यस्त गुजरा था। वह पहले ही नकाबधारी और उसके साथियों में उलझा हुआ था। वह सोच भी नहीं सकता था कि कोई उसके विषय में इस सीमा तक भी जान सकता है। कोई उसकी गतिविधि पर पूरी तरह नजर रखे था, मगर उसे यह पता क्यों नहीं था कि आजकल वह मिसेज फ्रेंच की किस योजना पर कार्य कर रहा था।

यह ऐसा प्रश्न था, जो उसे बार-बार परेशान कर रहा था, फिर जिस प्रकार नकाबधारी ने उसे ब्लैकमेल करके, अपना काम करने पर राजी किया था, उसमें उसका दिमाग उलझा हुआ था।

पता नहीं उस ब्लैकमेलर को क्या चीज चोरी करानी थी...यह उसके लिये अभी तक रहस्य बनी हुई थी और रहस्य पर से कल ही परदा उठना था।

हेरी को कल का बड़ी बेसब्री से इन्तजार था। वह इन्हीं विचारों में खोया था कि फोन की घन्टी बज उठी थी। हेरी ने अभी अपने लिये कॉफी बनायी थी, उसने पहला ही घूंट भरा था कि टेलीफोन की बजती घन्टी ने उसे अपनी ओर आकर्षित कर लिया।

उसने कॉफी का एक और घूंट भरकर मेज पर रख दिया और आगे बढ़कर रिसीवर उठा लिया।

"मिस्टर हेरी!" दूसरी ओर से एक स्त्री स्वर सुनाई दिया—"हेरी ग्लेब?"

"यस! बोल रहा हूं।" हेरी ने उत्तर दिया।

"मैं फ्रेंकलिन हास्पिटल से बोल रही हूं। कुछ देर पहले एक महिला को घायलावस्था में यहां लाया गया है। उसके हैंडबैग से आपके नाम के क्रेडिट कार्ड और मिस डाना के नाम का ड्राइविंग लाइसेंस निकला है। आप तुरन्त हास्पिटल पहुंचिये।"

हेरी का दिल उछलकर हलक में आ गया। वह शीघ्रता से बोला—

"डाना कहां घायल हुई—और फ्रेंकलिन हास्पिटल कहां है। मैंने यह नाम पहली बार सुना है।"

"सॉरी मिस्टर हेरी।" रिसीवर पर महिला स्वर सुनाई दिया—"फ्रेंकलिन हास्पिटल नोर्थ साइड में है और मिस डाना की कार हाई-वे पर एक मेज रफ्तार ट्रक से टकरा गयी थी।"

"वह ठीक तो है?" हेरी ने डरते-डरते पूछा।

"उनकी हालत खतरे से बाहर है, लेकिन आपका यहां पहुंचना आवश्यक है।"

"ठीक है, मैं आ रहा हूं।" हेरी ने एक झटके से रिसीवर रख दिया और बाहरी द्वार की ओर लपका।

दरवाजे से बाहर निकलते ही वह किसी से टकरा गया।

वातावरण में एक महिला की चीख गूंजी और वो दोनों धड़ाम् से राहदारी में गिरे।

हेरी ने सम्भलकर उस स्त्री की ओर देखा, जो उससे टकराकर वहां गिरी थी। दूसरे क्षण वह मूर्खों की भांति खोपड़ी सहलाने लगा। उसके मुंह से आश्चर्य मिश्रित स्वर निकला—

"तुम?"

जी हां, वह डाना ही थी, जो भयभीत दृष्टि से उसे घूर रही थी।

"यह क्या बेहूदगी है?" वह चिल्लाई—"उठाओ मुझे!"

"ये तुम डाना ही हो ना?" उसने बदस्तूर खोपड़ी सहलाते हुए पूछा।

"ऐसे क्या देख रहे हो?" डाना ने अपना हाथ बढ़ाया।

"विश्वास नहीं हो रहा कि तुम्हारी आत्मा इतनी जल्दी मेरा पीछा करने लगेगी।"

"क्या बकते हो? उठाओ मुझे।" डाना गुर्रायी।

हेरी ने उसका हात पकड़कर एक झटके से ऊपर उठाया और उसके शरीर को टटोलकर देखने लगा। जैसे वास्तव में ही उसके जीवित होने का विश्वास कर लेना चाहता हो।

"ऐ, क्या करते हो? गुदगुदी हो रही है।" वह कुलबुलायी।

यह तो गनीमत थी कि उस समय राहदारी सुनसान पड़ी थी, वर्ना अच्छा-खासा तमाशा बन जाता।

"लगता है, तुम जीवित हो!"

"क्या मतलब?" वह चौंकी।

"मतलब तो मेरी समझ से भी बाहर है।"

"बात बताओ, बात क्या है?" डाना ने स्कर्ट झाड़ते हुए उसे घूरा—"इस प्रकार बदहवास होकर कहां भाग रहे थे?"

"अगर ये तुम ही हो तो फिर 'वह' कौन थी?" हेरी ने कहते हुए उसे एक बार फिर टटोला।

“हूं।” डाना की आंखों में उदासी छा गयी—“वह कौन है? तुम किसके पीछे भाग रहे थे?”

“वह टेलीफोन...वह नोर्थ साइड में...।” हेरी हकलाकर रह गया।

“बकवास बन्द करो और सच-सच बताओ, बात क्या है? तुम किसके पीछे भाग रहे थे?”

डाना उसे धकेलती हुई कमरे में ले आयी।

“मैं अब तक नहीं समझ सका कि किसी ने मुझसे मजाक किया था या कि मैं स्वप्न देख रहा हूं।” हेरी ने उसका अध्ययन करते हुए कहा।

“अब कुछ बताओगे भी या यूं ही ऊट-पटांग बके चले जाओगे?”

“मैं ऊट-पटांग नहीं बक रहा और न ही मैं पागल हूं।” वह अपने आपको सम्भालता हुआ बोला—“अभी-अभी नोर्थ साइड के हास्पिटल से फोन आया था कि वह कोई लड़की थी, जिसने बताया कि तुम हाई-वे पर सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गयी हो। मुझे तुरन्त हास्पिटल पहुंचने का आदेश था। मैं इसी बदहवासी में भागा था। तुम्हारा हैंडबैग कहां है?”

हेरी ने प्रश्नवाचक दृष्टि से उसे देखा।

“ओह माई गॉड!” अब बदहवास होने की बारी डाना की थी—“आज लगभग तीन बजे मारथा मेरे ऑफिस आयी थी। वह अपनी मां के पास जाने वाली थी। मुझे साथ लेकर वह शॉपिंग करना चाहती थी। शॉपिंग के बाद उसने मुझे दोबारा ऑफिस में ड्रॉप कर दिया था और स्वयं नोर्थ साइड की ओर अपनी मां के पास जाने के लिये रवाना हो गयी थी। उसके जाने के लगभग एक घन्टे बाद मुझे याद आया कि मेरा हैंडबैग उसकी गाड़ी की पिछली सीट पर रह गया था।”

“ इसका मतलब है कि तुम्हारी सहेली का कहीं एक्सीडेंट हो गया है और तुम्हारा हैंडबैग पुलिस के हाथ लग गया है, वो लोग उसे ही डाना समझ बैठे होंगे।” हेरी ने विचार प्रकट किया।

“हां, बिल्कुल यही हुआ होगा।” डाना ने एक गहरी सांस ली।

“तो फिर चलें?” हेरी ने पूछा—“क्या विचार है?”

“क्यों नहीं!” शीघ्रता से बोली डाना—“मैं जरा कपड़े बदल लूं।”

डाना यह कहते हुए दूसरे कमरे में चली गयी और हेरी ने आगे बढ़कर मेज पर रखा हुआ कॉफी का कप उठा लिया, जिसे छोड़कर वह बदहवासी में भागा था।

हेरी के इस फ्लैट पर अक्सर डाना अपना समय बिताया करती थी। यही कारण

था कि डाना अपने कुछ कपड़े यहां भी रखा करती थी। आज वह ऑफिस से सीधी यहीं चली आयी थी।

हेरी के कॉफी पीने तक डाना लिबास बदलकर आ गयी।

"चलें!" वह हेरी की ओर देखकर बोली।

हेरी ने सहमति में सिर हिलाया और मेज पर रखी कार की चाबियां उठा लीं।

यदि सड़कों पर ट्रेफिक ज्यादा न होता तो उन्हें नोर्थ साइड हास्पिटल पहुंचने में अधिक-से-अधिक डेढ़-दो घन्टे लगते, लेकिन शाम को सड़कों पर ट्रेफिक का एक सैलाब था, जिसके कारण उन्हें हास्पिटल पहुंचने में लगभग तीन घन्टे लग गये।

¶¶

वह मारथा ही थी।

मारथा को होश में देखकर डाना उसकी ओर लपकी।

"कैसी हो तुम मारथा?" उसने व्यग्रता से पूछा।

मारथा के सिर और कंधे पर पट्टियां बंधी थीं, इसके अतिरिक्त उसकी दायीं टांग पर प्लास्टर चढ़ा था।

डाना का प्रश्न सुनकर मारथा केवल सिर हिलाकर रह गयी, जबकि उसके पास खड़े बूढ़े सम्पत्ति तुरन्त आगे बढ़े।

"तुम डाना हो" बूढ़े ने पूछा।

डाना ने सहमति में सिर हिलाया।

"मैं मारथा का पिता हूं और यह उनकी माताजी हैं।" उसने बूढ़ी स्त्री की ओर संकेत करते हुए कहा—"हमें खेद है बेटी कि पुलिस मारथा की कार में तुम्हारा हैंडबैग देखकर भ्रम में पड़ गयी। वह इसे डाना समझ बैठी और तुम्हारे फोन नम्बर पर फोन कर दिया। यह तो अच्छा हुआ कि जल्दी ही मारथा को होश आ गया। तब उसने हास्पिटल वालों को अपना सही परिचय दिया। तब कहीं पुलिस वालों ने हमें फोन किया। हम भी अभी-अभी यहां पहुंचे हैं।"

"अंकल, कोई खतरे की बात तो नहीं है?" डाना ने चिंतित स्वर में पूछा।

"मारथा अब खतरे से बाहर है।" बूढ़े ने बताया—"लेकिन इस दुर्घटना में इसकी दायीं टांग की हड्डी टूट गयी है। डॉक्टरों का विचार है कि इसे कम से कम दो वर्ष व्हील चेयर पर व्यतीत करने होंगे।"

"ओह।" डामा ने सर्द आह भरी ओर मारथा की ओर देखा।

मारथा की आंखों में आंसू छलक उठे थे।

डाना एकदम तड़पकर उसके निकट हो गयी और अपनी उंगलियों की पोरों से उसकी आंखों से छलक आये आंसुओं को साफ करती हुई बोली—

"डियर, चिन्ता मत करो। तुम जल्दी ही अच्छी हो जाओगी।"

"डाना, मैं दो साल कैसे गुजारूंगी?" वह फूट पड़ी।

डाना ने उसका चेहरा अपने हाथों के प्यालों में लेकर उसे तसल्ली दी—"मारथा डियर, होनी को कौन टाल सकता है। अब जो हो चुका, वह रोने से तो अच्छा नहीं होगा। तुम्हें हिम्मत और साहस से काम लेना होगा। जितनी जल्दी अच्छा होने की कामना तुम्हारे मन में होगी, तुम उतनी ही जल्दी ठीक हो जाओगी। चिन्ता मत करो।"

इसी प्रकार की और बहुत-सी सांत्वनाएं देने में डाना को लगभग वहां एक घन्टा लग गया। एक घन्टे बाद जब उन्होंने मारथा से विदाई ली तो मारथा ने उन्हें हंसते-हंसते विदा किया।

तब तक साढ़े नौ बज चुके थे। अभी तक उन्होंने भोजन नहीं किया था। स्टेन होप होटल का साइन बोर्ड देखकर हेरी ने डाना की ओर देखा—

"क्या विचार है—डिनर यहीं कर लिया जाये?"

"विचार बुरा नहीं।" डाना ने सहमति जतायी—"वैसे भी अब पेट में चूहे घुड़दौड़ मचा रहे हैं।"

हेरी पहली बार इस होटल में आया था। यहां आकर उसे पछताना पड़ा था। यहां का भोजन इतना अस्वादिष्ट था कि उन दोनों को जबरदस्ती खाना पड़ा था।

"आओ चलो, तुम्हें तुम्हारे घर छोड़ दूं।" होटल से निकलकर कार में बैठते हुए हेरी ने डाना से कहा, जो कि दूसरी ओर का दरवाजा खोलकर सीट पर बैठने का उपक्रम कर रही थी।

"मैं तुम्हारे साथ तुम्हारे फ्लैट पर चल रही हूं।" डाना ने कहा।

"तुम्हारी मम्मी नाराज नहीं होंगी?"

"उन्हें पता है कि मैं तुम्हारे साथ हूं।" डाना ने यह कहते हुए उसके बराबर बैठकर उसके कन्धे पर सिर टिका लिया, फिर भावना में बहकर बोली—

"हेरी, तुम मुझसे शादी कब करोगे?"

" डियर डाना, तुम जानती हो कि मुझे शादी जैसे बन्धन में बंधना मंजूर नहीं है। मैं आजाद पंछी हूं...स्वतन्त्र रहना मुझे पसन्द है।"

यह कहते हुए हेरी जूली के विचारों में खो गया। वह जूली को पसन्द करता था, उससे ही विवाहित सम्बन्ध बनाना चाहता था, लेकिन स्पष्ट रूप से यह बात वह डाना से नहीं कह सकता था। इसलिये उसने बहाना बनाया।

"लेकिन ऐसे कब तक चलेगा?" डाना ने प्रतिरोध किया।

"जब तक चल सकता है, चला लो। उसके बाद सोचेंगे कि क्या करना है। फिर यह तो सोचो कि जब तक हम अपनी योजना में सफल नहीं हो जाते, तब तक इस सम्बन्ध में सोचना भी बेकार है। पहले हम अपने भविष्य के लिये कुछ धन तो इकट्ठा कर लें।"

डाना एक गहरी सांस लेकर चुप रह गयी।

जब वह घर पहुंचे तो ग्यारह बज चुके थे। इमारत के गेट में प्रविष्ट होते समय हेरी की दृष्टि एक शख्स की ओर उठ गयी, जो गेट के सामने सीढ़ियों पर खड़ा समाचार-पत्र पढ़ रहा था।

हेरी को उसका चेहरा जाना-पहचाना सा लगा, लेकिन वह उसकी ओर ध्यान दिये बिना आगे बढ़ गया।

फ्लैट में प्रवेश करने के केवल तीन मिनट बाद ही फोन की घन्टी बज उठी।

"जरा देखना तो डाना किसका फोन है?" हेरी ने डाना को फोन के निकट देखकर कहा।

डाना ने हाथ बढ़ाकर रिसीवर उठा लिया।

"क्या मिस्टर हेरी ग्लेब से बात हो सकती है?" रिसीवर पर एक स्त्री स्वर सुनाई दिया—"मेरी सूचना के अनुसार उन्होंने अभी-अभी फ्लैट में प्रवेश किया है।"

"क्या मतलब?" डाना की भवें सिकुड़ गयीं—"क्या तुम हमारी जासूसी करा रही थीं?"

"यह बात नहीं मिस डाना।" दूसरी ओर से हंसी की हल्की-सी आवाज सुनाई दी—"मेरा हेरी ग्लेब से मिलना बहुत जरूरी था। साढ़े छः बजे से ट्राई कर रही हूं। आखिर मैंने एक दोस्त को वहां भेज दिया कि जैसे ही मिस्टर ग्लेब वहां आयें, मुझे सूचित कर दिया जाये।"

"अच्छा लो, बात कर लो।" डाना ने मुंह बनाते हुए रिसीवर हेरी की ओर बढ़ा दिया।

"कौन है?" हेरी ने उत्सुकता से डाना से पूछा।

डाना ने कन्धे उचका दिये।

“यस।” हेरी रिसीवर लेते ही बोला।

“मिस्टर हेरी ग्लेब?” उधर से पुष्टि करनी चाही।

“यस।”

“मिस्टर हेरी, मैं स्टीला बोल रही हूं।” उधर से कहा गया।

“कौन स्टीला? मैं किसी स्टीला को नहीं जानता।” हेरी ने अपने मस्तिष्क पर जोर डालते हुए कहा।

“मैं स्टीला माइक। वुमैन लिबरेशन फ्रंट की चेयरमैन। मुझे विश्वास है कि मेरा नाम तुम्हारे लिए अजनबी नहीं होगा।”

“लेकिन हम आज तक शायद एक-दूसरे से कभी नहीं मिले हैं।” हेरी ने उलझन-युक्त स्वर में कहा।

“इससे क्या अन्तर पड़ता है?” जवाब में स्टीला की आवाज सुनाई दी—“जो काम आज तक नहीं हुआ, वह आज हो सकता है।”

“मैं समझा नहीं।”

“दरअसल मैं तुमसे मिलना चाहती हूं, अभी और इसी वक्त!”

“क्यों?”

“मुझे तुमसे एक बहुत जरूरी काम है। मुझे बताया गया है कि मेरा काम केवल तुम ही कर सकते हो।”

“तुम्हें शायद किसी ने गलत बताया है मिस स्टीला। मैं सोशल वर्कर नहीं हूं।”

“मैं जानती हूं कि तुम सोशल वर्कर नहीं हो। तुम क्या हो, मैं भली-भांति जानती हूं।” स्टीला के स्वर में हल्का-सा व्यंग था—“बिल्डिंग के गेट पर तुम्हारा पुराना दोस्त जैक्सन खड़ा है। उसके साथ चले आओ। मैं तुम्हारी प्रतीक्षा कर रही हूं।”

इससे पूर्व कि हेरी ग्लेब कुछ कह पाता, उधर से सम्बन्ध-विच्छेद कर दिया गया।

रिसीवर नीचे रखते हुए हेरी के दिमाग में झमाका-सा हुआ। उसकी आंखों में उस व्यक्ति का चेहरा उभर आया, जिसे उसने निचले दरवाजे के निकट खड़े समाचार-पत्र पढ़ते हुए देखा था। उस समय उसे उस व्यक्ति के जाने-पहचाने होने का अहसास हुआ था, लेकिन यह याद नहीं आया था कि उसने उसे कब और कहां देखा था, मगर स्टीला माइक के बताए हुए नाम से सब कुछ याद आ गया था।

वह जैक्सन था।

जैक्सन हेरी ही की भांति एक चोर था, जिससे कई वर्ष पूर्व एक बार उसकी मुठभेड़ हुई थी, फिर एक बार जैक्सन ने पुलिस को पकड़वाने की धमकी देकर उसे अपने साथ चोरी पर आमादा किया था। पुलिस की धमकी सुनकर उसे उसका साथ देना पड़ा था। उसके साथ चोरी करने पर हेरी को कोई विशेष लाभ नहीं हुआ था।

इस बार भी वस्तुस्थिति कुछ ऐसी ही थी। जैक्सन ने स्टीला को न केवल उसके विषय में सब कुछ बता दिया था, वरन् वह उसे साथ ले जाने के लिये भी तैयार था।

हेरी को विश्वास था कि वह इस बार भी इंकार नहीं कर सकेगा। वह अभी स्थिति पर गौर कर ही रहा था कि डाना कि आवाज ने चौंका दिया।

"कौन थी यह?"

"स्टीला माइक! वुमैन लिबरेशन फ्रंट की चेयरमैन।"

"स्टीला माइक!" डाना ने दोहराया—"वह तो बहुत खतरनाक औरत है, तुम उससे जरा बचके रहना। वैसे वह कह क्या रही थी?"

"कुछ काम है उसे मुझसे।"

"क्या?" डाना ने पूछा।

"यह तो मुलाकात होने पर ही पता चल सकेगा। अभी मैं क्या कह सकता हूं?"

"तुम उससे सावधान रहना, कहीं वह तुम्हें फंसा न दे।" डाना ने शंका प्रकट की।

"फंस तो मैं वैसे भी चुका हूं।" हेरी ने कुछ सोचते हुए कहा।

"क्या मतलब...? मैं समझी नहीं।"

"उसे मेरे बारे में बताने वाला जैक्सन है।" हेरी ने बताया—"और तुम जानती हो कि एक बार पहले भी जैक्सन मुझे फंसा चुका है। वह तो मेरा भाग्य सही था, जो मैं बच निकला था।"

"जैक्सन! वह यहां कैसे आ गया?"

"किसी के कहीं आने-जाने पर प्रतिबन्ध तो नहीं है। बहरहाल मैं जा रहा हूं। सम्भव है कि वापिसी में कुछ देर हो जाये।" हेरी यह कहता हुआ दरवाजे की ओर बढ़ गया।

आज के दिन की शुरुआत ही खराब हुई थी। पहले तो उसकी मां फ्रेंच से इस बात पर झड़प हुई थी कि उसने थियो को जूली के पास क्यों भेजा था? थियो ने अवश्य ही जूली को डराया-धमकाया होगा, तभी तो वह वादे के अनुसार उससे मिलने नहीं आयी

थी।

मां फ्रेंच से मिलकर लौट ही रहा था कि कुछ रहस्यमयी लोगों ने उसका अपहरण कर लिया। जहां उसकी भेंट एक नकाबपोश से हुई थी। नकाबपोश ने उसे मौत की धमकी देकर कुछ चुराने के लिये लगभग सहमत कर लिया था। नकाबपोश के अनुसार वह कल सैम हेवार्ट के होटल में इस सम्बन्ध में उससे कोई वार्ता करेगा। तब वह बतायेगा कि उसे क्या चीज चुरानी है?

और अब!

अब यह स्टीला माइक। पता नहीं उसे भी अचानक उससे क्या काम आ पड़ा कि उसने जैक्सन को उसकी तलाश में दौड़ा दिया।

सीढ़ियां उतरकर वह जैसे ही मेनगेट से बाहर निकला...एक तरफ खड़ा जैक्सन अखबार फोल्ड करके जेब में डालते हुए उसके निकट आ गया।

"हैलो हेरी।" वह मुस्कुराते हुए उसके निकट आकर बोला—"उस ओर! मेरी कार उस ओर खड़ी है।"

"क्या तुम मेरा पीछा नहीं छोड़ सकते?" हेरी ने उसके साथ चलते हुए नाराजगी भरे स्वर में पूछा।

"तुम्हारा तो कारोबार ही यही है। यदि मैं कभी-कभार तुम्हें कोई क्लाइंट सप्लाई कर देता हूं तो एतराज नहीं होना चाहिये। इस प्रकार मुझे भी थोड़ा-बहुत कमीशन मिल जाता है।" जैक्सन के होठों की मुस्कुराहट गहरी हो गयी।

"लेकिन मुझे किसी कमीशन एजेन्ट की आवश्यकता नहीं है। मुझे आशा है कि भविष्य में तुम मुझे इस सिलसिले से दूर ही रखोगे।" हेरी ने उत्तर दिया।

वो गाड़ी के निकट पहुंच चुके थे।

जैक्सन ने हेरी के लिये अगली सीट का दरवाजा खोला, फिर ऊपर से घूमता हुआ स्टेयरिंग के सामने बैठ गया। इंजन स्टार्ट हुआ और जैक्सन ने कार आगे बढ़ा दी।

"हम कहां जा रहे हैं?" हेरी ने पूछा।

"तुम्हारी क्लाइंट के पास।" जैक्सन ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया।

"यह तो मुझे भी मालूम है।" हेरी झल्ला गया—"मैं तुमसे स्थान के बारे में पूछ रहा हूं।"

"यहां की सड़कें तुम्हारे लिये अनजान तो नहीं हैं।" जैक्सन ने बदस्तूर मुस्कुराते हुए कहा—"वैसे बाई द वे, मैं तुम्हें बता दूं कि तुम्हारी क्लाइंट का प्रोग्राम कल किसी भी समय सैम हेवार्ट के होटल में तुमसे मुलाकात करने का था, लेकिन कुछ विशेष कारणों

के कारण तुमसे उसे आज ही मिलना पड़ रहा है और जब समय बदला है, तो स्थान भी निश्चित रूप से बदलना ही था।"

"ओह!" हेरी ने एक गहरी सांस ली। वह तो समझ रहा था कि सैम हेवार्ट के होटल में मिलने वाला कोई और क्लाइंट था, जबकि वह इस समय स्टीला माइक से मिलने जा रहा था। इसका मतलब था कि कल को सैम हेवार्ट के होटल में उसकी मुलाकात स्टीला माइक से ही होनी थी। जो कल न होकर आज हो रही है।

लगभग आधे घन्टे बाद गाड़ी विभिन्न सड़कों पर घूमती हुई पार्क एवेन्यू के क्षेत्र में एक दस मंजिला इमारत के सामने रुक गयी।

वो दोनों कार से उतरे।

इमारत में प्रवेश करने के बाद जैक्सन सर्व-साधारण लोगों के प्रयोग में आने वाली लिफ्ट का प्रयोग करने के बजाय उस लिफ्ट की ओर बढ़ गया जो पेंटहाउस के विशेषाधिकार में थी।

दसवीं मंजिल पर पेंटहाउस की राहदारी में वो लिफ्ट से बाहर आये। राहदरी में भी मोटा कालीन बिछा हुआ था। जैक्सन उसका मार्ग-दर्शन कराता हुआ एक कमरे के सामने ले गया।

"अन्दर कमरे में चले जाओ।" जैक्सन ने हेरी को बताया और स्वयं दूसरे कमरे में चला गया।

हेरी एक सोफे के करीब खड़ा होकर कमरे का अध्ययन करने लगा।

वुमैन लिबरेशन फ्रंट की चेयरमैन मिस स्टीला माइक के विषय में समाचार-पत्रों के माध्यम से वह थोड़ा बहुत जानता था, लेकिन यह तो उसने कभी सोचा भी न था कि वह इतने भव्य राजसी ठाठ-बाट के साथ जीवन-निर्वाह कर रही होगी।

कुछ मिनट के बाद अन्दरूनी द्वार से जब स्टीला माइक ने कमरे में प्रवेश किया तो वह अपने स्थान से लगभग उछल पड़ा। एक क्षण के लिये तो उसे यूं महसूस हुआ जैसे हृदय सीने में धड़कना भूल गया हो।

विशेष प्रकार की तराश-खराश के विशेष सुर्ख लिबास में स्टीला कयामत लग रही थी।

हेरी ग्लेब गहरी दृष्टि से स्टीला माइक का अध्ययन करने लगा। उसके अनुमानुसार स्टीला की आयु अट्ठाइस से अधिक नहीं थी। होठों पर नृत्य करने वाली दिलकश मुस्कुराहट किसी भी मर्द के होश उड़ा देने के लिये पर्याप्त थी।

"वैलकम मिस्टर ग्लेब!" स्टीला ने अन्दर आते हुए कहा था।

हेरी अवाक् खड़ा स्टीला को तक रहा था। तब स्टीला ने उसे देखा—

“तुम इस प्रकार हैरत से मुझे क्या देख रहे हो मिस्टर हेरी ग्लेब? कृपया बैठ जाइये।”

“ओह...क...कुछ नहीं।” हेरी सोफे में धंसते हुए बोला—“मैं सोच रहा था कि मुझे भी वुमैन लिबरेशन फ्रंट का मेंम्बर बन जाना चाहिये, जिसकी तुम चेयरमैन हो।”

“लेकिन यह मिशन केवल महिलाओं के लिये है।” स्टीला के होठों की मुस्कुराहट गहरी हो गयी—

“यह फ्रंट महिलाओं को पुरुषों से उनके अधिकार दिलाने के लिये स्थापित किया गया है और इसमें किसी पुरुष के प्रवेश करने का प्रश्न ही नहीं उठता।”

“यदि मैं इस पेंटहाउस तक पहुंच सकता हूं तो आगे भी जा सकता हूं।” हेरी ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया।

“आगे बढ़ने पर केवल असफलता ही हाथ लगेगी।” स्टीला मुस्कुराई।

“अपना-अपना भाग्य।” हेरी ने एक गहरी सांस ली और बोला—“बहरहाल यह बताइये कि आपने मुझे क्यों बुलाया है?”

“तुम्हारे विचार में तुम्हें यहां बुलाये जाने का क्या कारण हो सकता है?” स्टीला माइक ने अर्थपूर्ण दृष्टि से उसकी ओर देखा।

“मैं वही जानना चाहता हूं कि तुम क्या चीज चोरी कराना चाहती हो?” हेरी ने कहा—“मगर इसके लिये इतना स्वांग रचने की क्या आवश्यकता थी?”

“कैसा स्वांग?” स्टीला की मुस्कुराहट धीमी पड़ गयी।

“यही कि पहले मेरा किडनैप कराना, फिर एक नकाबपोश के द्वारा मौत की धमकी देना तथा साथ ही दस हजार पौंड का लालच भी, जिनमें से पांच हजार पौंड मुझे एडवांस भी मिल चुके हैं।”

“इसका मतलब यह हुआ कि तुम काम करने के लिये तैयार हो?”

“अब जब मैंने पांच हजार पौंड लिये हैं तो काम तो करना ही पड़ेगा—और तुम्हें मालूम होना चाहिए कि मैं उसूल का पक्का हूं। जब किसी काम के लिये हां कर देता हूं तो फिर कदम पीछे नहीं हटाता।”

“मुझे मालूम है।” स्टीला के होठों पर मुस्कुराहट तैर गयी।

“क्या जैक्सन को यह मालूम है कि तुम क्या चीज चोरी कराना चाहती हो?”

“नहीं।”

“यह नकाबपोश कौन है?” हेरी ने स्टीला की आंखों में झांकते हुए पूछा।

"यूं समझ लो कि वह एक काला चोर है, जो भूत की तरह हरदम तुम्हारे सिर पर सवार रहेगा।"

"यदि मैं तुम्हारा काम न करूं?" हेरी ने गम्भीरता का आवरण ओढ़ते हुए पूछा।

"मत करो। केवल एक गोली तुम्हारे लिये पर्याप्त होगी।" स्टीला ने शान्त स्वर में उत्तर दिया।

"मैं मरने से नहीं डरता।"

हेरी का खोखला स्वर सुनकर स्टीला माइक खिलखिलाकर हंस पड़ी।

"शायद आज का यह बेहतरीन लतीफा है। मिस्टर हेरी! यह हमारे काम करने का ढंग है। बहुत सोच-समझकर फैसला करना। तुम्हारा जरा-सा भी गलत निर्णय तुम्हारी जान पर भारी पड़ सकता है। कहना बहुत आसान है, लेकिन जब बुरी घड़ी आती है, तो अच्छे-अच्छों को पसीना छूट जाता है।"

हेरी टुकर-टुकर उसका मुंह देखने लगा, जो यकायक ही खतरनाक रूप धारण कर चुकी थी। उसकी आवाज में तलवार जैसी काट थी। वह कह रही थी—

"मिस्टर हेरी, जहां तक जैक्सन का सम्बन्ध है, आज के बाद तुम उसकी सूरत भी नहीं देखोगे। रही नकाबपोश की बात तो सुन लो—पहले हमने उसी के द्वारा तुमसे काम लेने का निर्णय किया था, लेकिन अचानक ही हमने निर्णय बदल दिया और तुमसे मित्रतापूर्ण व्यवहार करके मित्रतापूर्ण ही काम लेने की सोची। यही कारण है कि हम कल की बजाये आज ही तुमसे मिल रहे हैं। वह भी बिना भय और हिचक के। हम चाहते हैं कि जैसे हम तुम्हारे साथ व्यवहार कर रहे हैं, तुम भी हमसे वैसा ही व्यवहार करो।"

"ठीक है, अब यह पताओ कि क्या चीज चोरी करवाना चाहती हो?" हेरी ग्लेब ने प्रश्नवाचक दृष्टि से उसकी ओर देखा।

"कान्टेक्ट लैंसिज!" स्टीला ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया।

"कान्टेक्ट लैंसिज?" हेरी ने आश्चर्य से उसकी ओर देखा—"यह तो बाजार में बहुत मिल जाते हैं। इनकी कीमत चन्द डॉलर से अधिक नहीं होगी। तुम इनके लिये दस हजार पौंड क्यों खर्च कर रही हो?"

"मैं भी जानती हूं कि बाजार में यह वस्तु चन्द डॉलर के बदले मिल सकती है, लेकिन मैं इस सम्बन्ध में तुम्हें किसी प्रकार का प्रश्न करने की आज्ञा नहीं दूंगी।" स्टीला ने सपाट स्वर में उत्तर दिया।

"ठीक है, मैं कोई प्रश्न नहीं करूंगा, लेकिन यह कान्टेक्ट लैंसिज जिनकी तुम्हें आवश्यकता है, उनके विषय में कुछ विशेष बातें जानना चाहूंगा।" हेरी बोला।

स्टीला उठकर ड्रेसर की दराज से एक फोटोग्राफ निकाल लायी, फिर हेरी की

ओर बढ़ाते हुए बोली—

"इस फोटोग्राफ को गौर से देखो, तुम्हें इससे कान्टेक्ट लैंसिज के सम्बन्ध में पूर्ण विवरण मिल जायेगा।"

हेरी ने फोटोग्राफ ले लिया। गिलास पेपर के मध्य में दो बिन्दु दिखाई दे रहे थे। उनमें से प्रत्येक बिन्दु मसूर की दाल के दाने के बराबर था। यूं महसूस होता था जैसे आंखों से दो पुतलियां निकालकर कागज पर रख दी गयी हों।

हेरी को यह अनुमान लगाने में कठिनाई नहीं हुई कि जिन नेत्रों के लिये, वे कान्टेक्ट लैंसिज लिये गये थे या प्रयोग में लाये जा रहे थे, उनका रंग नीला था। उसके नीचे आई साइट नम्बर और डायग्राम भी रेखांकित था।

"इस आई साइट नम्बर और डायग्राम के कान्टेक्ट लैंसिज बाजार में आसानी से मिल सकते हैं, लेकिन मुझे यही चाहिये, जिसका फोटोग्राफ तुम्हारे हाथ में है।" स्टीला ने बताया।

"असली और नकली का तुम्हें कैसे पता चलेगा?" हेरी ने पूछा।

तब स्टीला के चेहरे पर मुस्कुराहट बिखर गयी। वह बोली—"मेरे पास ऐसे स्रोत उपलब्ध हैं, जिनसे मैं असली-नकली का पता सरलता से लगा सकती हूं।"

"मैं यह सब तुमसे इसलिये पूछ रहा था, ताकि तुम कल को यह न कह दो कि तुम्हारे इच्छित लैंसिज नहीं हैं। वैसे यदि तुम्हारे मस्तिष्क में यह बात है कि मैं तुमसे कोई धोखा करूंगा तो यह तुम्हारी गलतफहमी है।" हेरी ने उसके चेहरे पर दृष्टि गड़ाते हुए कहा—"मेरे कुछ उसूल हैं, कुछ नियम हैं। मैं धन्धे में कभी धोखेबाजी पसन्द नहीं करता। मैं तुम्हें वही चीज लाकर दूंगा, जिसके लिये तुम मुझे दस हजार पौंड दे रही हो। लेकिन एक बात कान खोलकर सुन लो, मैं कोई ऐसा काम नहीं कर सकता जिसमें राष्ट्र का अहित होता हो। फिर यदि मैं लैंसिज चोरी करते हुए पकड़ा गया तो क्या होगा?"

"इससे निश्चिंत रहो...हम तुम्हारी जमानत का प्रबन्ध कर देंगे, लेकिन किसी भी कीमत पर तुम्हें हमारा नाम नहीं लेना होगा।" स्टीला ने चेतावनी दी।

"तुम भी इस बात से निश्चिंत रहो, तुम्हारा नाम कहीं नहीं आयेगा।" हेरी ने आश्वासन दिया।

"मैं जानती हूं, तुम जो कह रहे हो, वही करोगे। तभी तो तुम्हारा चुनाव किया गया है।" स्टीला के होठों पर मुस्कुराहट बिखर गयी।

"ठीक है, अब यह भी बता दो कि कान्टेक्ट लैंसिज कहां मिल सकते हैं?" हेरी ने प्रश्नवाचक दृष्टि से उसकी ओर देखा।

"ये लैंसिज रबिका नामक एक लड़की की आंखों में लगे हुए हैं।"

"कहां रहती है वह?"

"वह ग्रेंड सैंट्रल रेलवे स्टेशन के निकट पेन एम एयर लाइंज की इमारत के पास ग्रे बिल्डिंग की तीसरी मंजिल के एक फ्लैट में रहती है।"

"फ्लैट नम्बर क्या है?"

स्टीला ने उसे फ्लैट नम्बर बताया, फिर बोली—"लेकिन वह कान्टेक्ट लैंसिज तुम्हें इस प्रकार चोरी करने हैं कि रबिका को इसका पता न चल सके।"

"जाहिर है।" हेरी मुस्कुराया—"अगर पता चल जाये तो उसे चोरी कौन कहेगा, लेकिन...ये कान्टेक्ट लैंसिज तुम्हें कब तक चाहियें?"

"इसके लिये तुम्हें अधिक-से-अधिक तीन सप्ताह की मौहलत दी जा सकती है।"

"ठीक है, अब मैं आज्ञा चाहूंगा।" हेरी यह कहते हुए उठ खड़ा हुआ।

"यदि तुम्हें और भी कुछ पूछना है तो वह भी मालूम कर लो। काम पूरी सफाई से होना चाहिये।"

"किस तरह होगा, यह सोचना अब तुम्हारा काम नहीं है। जो कुछ मुझे मालूम करना था, मैं पता कर चुका हूं।"

"यदि तुम पसन्द करो तो तुम्हें तुम्हारे फ्लैट के सामने ड्रॉप कर सकती हूं।" स्टीला ने पेशकश की।

"नो, थैंक्यू, मैं स्वयं चला जाऊंगा।" हेरी यह कहता हुआ द्वार की ओर बढ़ गया।

¶¶

हेरी ग्लेब प्रातः नौ बजे पेन एम की इमारत से संलग्न ग्रे बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर पहुंच गया था।

लेकिन तीसरी मंजिल पर पहुंचकर उसे घोर निराशा का सामना करना पड़ा। स्टीला ने जो फ्लैट नम्बर बताया था, उस पर ताला पड़ा हुआ था, जिसका अर्थ था कि रबिका उसके यहां पहुंचने से पहले ही जा चुकी थी।

उसने रबिका के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिये उसके बराबर वाले फ्लैट पर दस्तक देनी चाही, तो वहां भी दरवाजे में पड़ा ताला उसका मुंह चिढ़ा रहा था।

फिर तब उसकी निराशा की कोई सीमा न रही, जब उसने तीसरी मंजिल के शेष फ्लैट के दरवाजों में भी ताले पड़े देखे थे।

वह मुंह लटकाये वापस आ गया।

अब उसके पास इसके सिवा कोई चारा न था कि वह बिल्डिंग के चौकीदार के पास जाकर उससे रबिका के विषय में जानकारी प्राप्त करता।

वह बिल्डिंग के चौकीदार के पास पहुंचा। वह एक बूढ़ा नीग्रो था. हेरी के अनुमानानुसार उसकी आयु पिचहत्तर वर्ष से किसी भी प्रकार कम न थी। झुर्रियोंदार चेहरे को देखकर किसी मकड़ी के जाले का आभास होता था।

हेरी ने जब उसके दरवाजे पर दस्तक दी तो वह मोटे नम्बर के लैंसों वाले चश्में को ठीक से आंखों पर जमाता हुआ आ गया।

"यस यंगमैन! तुम कौन हो?" नीग्रो ने ध्यान से उसके चेहरे को देखकर पूछा।

"देखिये, मैं तीसरी मंजिल के फ्लैट सी-सत्तरह में रहने वाली मिस रबिका के बारे में कुछ मालूमात हासिल करना चाहता हूं।" हेरी ने उसे अपना नाम न बताकर सीधे-सीधे अपना उद्देश्य बताया।

"अरे जाओ बाबा! हम किसी रबिका को नहीं जानते।" बूढ़े नीग्रो को हेरी कोई दिलफेंक नौजवान लगा था, जो सुन्दर लड़कियों के पीछे मारे-मारे फिरते हैं। इसीलिये उसने उसे टाल दिया।

नीग्रो यह जवाब देकर वापस मुड़ना ही चाहता था कि हेरी ने तुरन्त अपनी जेब से पांच डॉलर का नोट निकाला और बोला—

"अब शायद तुम मेरी कोई सहायता कर सको।" यह कहते हुए उसने जबरदस्ती वो पांच डॉलर का नोट उसके हाथ में पकड़ दिया।

"मिस रबिका...सी सत्तरह...तीसरी मंजिल।" बूढ़े ने बड़बड़ाते हुए गौर से हेरी को देखा।

"हां-हां, मैं उसी की बात कर रहा हूं।" हेरी ने जल्दी से समर्थन में गरदन हिलाते हुए कहा।

"वह तो अब अपने फ्लैट में नहीं होगी।" बूढ़े ने बताया।

"यह तो मैं भी जानता हूं।" हेरी ने कहा—"कहां गयी है वह?"

"वह तो प्रातः सात बजे ही दफ्तर चली जाती है।"

"उसका दफ्तर कहां है?"

"मैं नहीं जानता।"

"वह वापिस किस समय आती है?"

“शाम को छः बजे के बाद उसकी वापिसी होती है।”

“उसे यहां आये दिन कितने दिन हो गये?”

“वह केवल बीस दिन पहले ही यहां आयी है, इसीलिये मैं नहीं जान सका कि वह किस दफ्तर में काम करती है।” बूढ़े ने सफाई पेश की।

“अच्छा चलो, तुम्हें पता होगा कि उसने यह फ्लैट कितने दिनों के लिये लिया है?”

“उसने दो महीने का किराया एडवांस देकर यह फ्लैट लिया है। अब पता नहीं वह कितने दिनों तक रहेगी।”

“उसके पड़ोस वाले फ्लैट में कौन रहता है?” हेरी ने पूछा।

“कोई नहीं।” बूढ़े ने उत्तर दिया।

“और उसके बराबर वाले में...।”

“इस बिल्डिंग को बने हुए अधिक समय नहीं हुआ है।” बूढ़े ने हेरी की बात पर कहा—“यही कारण है कि इसके अधिकतर फ्लैट खाली पड़े हैं। उसी मंजिल की कॉरीडोर के अन्तिम फ्लैट में अलबत्ता मेरी ही तरह के दो बूढ़े पति-पत्नी रहते हैं। उन दोनों का एक छोटा-सा बुक स्टाल है। वो प्रातः ही छः बजे यहां से निकल जाते हैं और उनकी वापिसी रात ग्यारह के लगभग होती है।”

“रबिका शाम को ऑफिस से आने के बाद कहीं जाती है।”

“मेरा विचार है कि वह कहीं नहीं जाती।”

“कोई उससे मिलने आता होगा?”

“मैंने किसी को उससे मिलने आते नहीं देखा। तुम पहले आदमी हो, जो उसके बारे में यूं पूछताछ कर रहा है। वह तो अपने कमरे में बन्द होकर मोटी-मोटी किताबों में उलझी रहती है।” नीग्रो ने उत्तर दिया।

हेरी ग्लेब ने उससे फिर दो-एक प्रश्न और पूछे और उसके बाद वह उसको धन्यवाद देता हुआ बिल्डिंग से निकल गया।

अब उसके पास बेकारी के अतिरिक्त कुछ काम नहीं था।

स्पष्ट था कि जब तक उसे रबिका के विषय में पूरी जानकारी प्राप्त न हो जाती, वह कुछ नहीं कर सकता था और रबिका का साथ वाला फ्लैट खाली था। उसके मस्तिष्क में एक योजना कुलबुलाने लगी।

वह कुछ देर तक योजना के ताने-बाने बुनता रहा, फिर उस पर अमल करने का

निर्णय ले लिया।

इसके साथ ही उसने गाड़ी का रुख मोड़ दिया। अब वह डाना की ओर जा रहा था। उसकी योजना में डाना ही मुख्य पात्र थी।

डाना के ऑफिस से कुछ दूरी पर एक रेस्टोरेन्ट के सामने उसने गाड़ी रोक ली और नीचे उतरकर रेस्टोरेन्ट में प्रविष्ट हो गया। हॉल में इक्का-दुक्का ही ग्राहक थे। वह उस ओर बढ़ गया, जिधर दो टेलीफोन बूथ दिखाई दे रहे थे।

एक बूथ में प्रवेश करके उसने रिसीवर उठाया और स्लाट में सिक्का डालकर डाना के ऑफिस का नम्बर मिलाने लगा।

दूसरी ओर तुरन्त ही कॉल रिसीव की गयी। वह ऑपरेटर थी।

"प्लीज डाना का नम्बर मिलाया जाये।"

यह कहकर वह प्रतीक्षा करने लगा। चन्द सैकिण्ड बाद ही डाना की रिसीवर पर आवाज सुनाई दी। तब वह बोला—

"हैलो डाना। मैं हेरी बोल रहा हूं। क्या तुम्हें ऑफिस से कुछ देर की छुट्टी मिल सकती है?"

"कुशल तो है।" डाना चौंक-सी गयी—"तुम कहां से बोल रहे हो?"

"तुम्हारे ऑफिस से केवल आधा ब्लॉक दूर एक रेस्टोरेन्ट से।" हेरी ने उत्तर दिया—"सब कुशल मंगल ही है।"

"कैसे याद किया आज तुमने?"

"इधर से गुजर रहा था, सोचा तुम्हारी मनमोहिनी सूरत ही देखता चलूं।" हेरी ने मक्खन लगाया।

"रहने दो।" डाना जल्दी से बोली—"अब तुम्हें मुझसे इतना भी प्रेम नहीं है कि शाम तक मेरी वापिसी का इन्तजार न कर सको।"

"तुम आ रही हो या नहीं?"

"कुछ मिनट इन्तजार करो, मैं आ रही हूं।"

"थैंक्यू डियर डाना।" वह शब्दों में मिठास घोलकर बोला—"मैं तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा हूं।"

हेरी ने यह कहते हुए रिसीवर हुक पर लटका दिया और बूथ से निकलकर उस मेज पर जाकर बैठ गया, जहां से शीशे से पार सड़क पर देखा जा सकता था।

उसी समय वेट्रेस भी पहुंच गयी—"यस प्लीज।"

"वेट सम टाइम।"

यह कहकर हेरी ने वेट्रेस को टाल दिया और अपनी नजरें फिर शीशे के पार जमा दीं।

ठीक पन्द्रह मिनट बाद उसे डाना सड़क पार करती दिखाई दी। उसने तुरन्त वेट्रेस को अपनी ओर आकर्षित किया और उसे दो कॉफी लाने का ऑर्डर दिया।

फिर वह डाना की ओर देखने लगा, जो इस बीच रेस्टोरेन्ट के दरवाजे तक पहुंच चुकी थी।

डाना ने हॉल में प्रवेश करके जैसे ही हेरी की तलाश में इधर-उधर नजर दौड़ाई, हेरी ने तुरन्त ही हाथ हिलाकर कहा—

"ऐ! इधर।"

हेरी को देखकर डाना के चेहरे पर मुस्कुराहट बिखर गयी।

जैसे ही डाना मेज पर पहुंची, वेट्रेस भी कॉफी ले आयी।

"हां। क्या बात थी?"

डाना ने कुर्सी पर बैठते हुये पूछा।

हेरी ने उत्तर देने के स्थान पर दोनों कप डाना की ओर बढ़ा दिये—"कॉफी बनाओ।"

"कॉफी तो मैं बना दूंगी। तुम वह बात बताओ, जिसके लिये तुमने मुझे यहां बुलाया है।" डाना ने उतावलेपन से पूछा।

"पहले कॉफी।" हेरी ने कहा।

डाना ने एक क्षण के लिये उसके चेहरे पर दृष्टि जमायी, फिर कॉफी बनाने में व्यस्त हो गयी।

"हां, अब बताओ।" वह कॉफी का कप उसकी ओर बढ़ाते हुए बोली।

हेरी ने डाना से कॉफी का कप ले लिया, फिर उसको सिप करते हुए बोली—

"रात को मैंने तुम्हें बताया था कि वुमैन लिबरेशन फ्रंट की चेयरमैन स्टीला माइक मुझसे कोई काम लेना चाहती है।" हेरी ने उसके चेहरे पर दृष्टि गाड़ते हुए कहा।

"और मैंने तुम्हें उससे सावधान किया था।" डाना ने टुकड़ा लगाया।

“आज प्रात: मैं उसी सम्बन्ध में घर से निकला था।” हेरी ने उसकी बात को नजरअंदाज करते हुए कहा—“लेकिन जल्दी ही मुझे इस बात का अहसास हो गया कि खेल का प्रथम चरण तुम्हारी सहायता के बिना पूरा नहीं हो सकता।”

“वह तुमसे चाहती क्या है?” डाना ने पूछा।

हेरी ने बताया।

हेरी की बात सुनकर वह चिंताजनक स्वर में बोली—“फिर मम्मी की योजना का क्या होगा? और उधर तुमने जो जूली को काम पर लगा रखा है, उसका क्या होगा?”

“अभी उसमें थोड़ा समय लगेगा।” हेरी ने बताया—“जूली अभी तक सेफ खोलने का तरीका नहीं जान पायी है। उसमें कुछ समय लग सकता है, यह उसका कहना है। तब मैंने सोचा कि क्यों न इस खाली समय का सदुपयोग किया जाये? इससे कुछ अतिरिक्त आमदनी भी हो जायेगी, फिर हम दोनों एक आदर्श जीवन व्यतीत कर सकते हैं।”

“हेरी, मैं तुम्हें बताऊं कि अधिक लालच करना हानिकारक सिद्ध होता है। ऐसा न हो कि तुम किसी मुसीबत में फंस जाओ।”

डाना ने चिंता व्यक्त की।

“ओह, कम ऑन, कुछ नहीं होगा।” हेरी ने बुरा-सा मुंह बनाकर कहा—“तुम जानती हो कि मेरे इंकार करने से कुछ नहीं होगा। मैं इस स्थिति में नहीं हूं कि उन्हें इंकार कर सकूं। मुझे हर-हाल में उनका काम करना ही होगा।” हेरी ने निर्णायक स्वर में कहा।

“मुझसे तुम किस प्रकार की सहायता चाहते हो?” डाना ने कॉफी का घूंट भरते हुए मरे हुए स्वर में पूछा।

“तुम्हें रबिका के पड़ौस वाला फ्लैट किराये पर लेना है, आज ही। हो सकता है कि कल यह अवसर निकल जाये।” हेरी ने कहा।

“ठीक है, मैं आज शाम को उधर से होती हुई आ जाऊंगी। वह फ्लैट कितने समय के लिये किराये पर लेना है?”

“एक माह के लिये।” हेरी ने बताया, फिर जेब से नोट निकालकर उसे देता हुआ बोला—“किराया पेशगी दे देना।”

“इमारत का पता और रबिका का फ्लैट नम्बर भी बता दो।” डाना ने नोटों को पर्स में रखते हुए कहा।

हेरी ने पता बताया और फिर पूछा—“तुम्हारी वापिसी शाम को कितने बजे तक होगी?”

“मेरा विचार है कि सात तो बज ही जायेंगे, लेकिन तुम यह क्यों पूछ रहे हो?” डाना ने प्रश्नवाचक दृष्टि से उसकी ओर देखा।

“ मैं चाहता हूं कि आज का डिनर तुम मेरे साथ मैकमिलन होटल में लो, फिर उसके बाद हम थियेटर भी जायेंगे।”

“ठीक है, मैं सात बजे से पहले ही घर पहुंच जाऊंगी।” डाना चहकी, फिर कॉफी की चुस्की भरने लगी।

“और सुनो, तुम अपनी मम्मी से इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहोगी।” हेरी ने उसके हाथ पर धीरे से हाथ रखते हुए कहा।

“किस सम्बन्ध में? क्या डिनर के बारे में?” डाना ने कुछ न समझते हुए पूछा।

“मेरा मतलब स्टीला माइक और रबिका से है। तुम उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं बताओगी।” हेरी ने सावधान किया।

“लेकिन यह तो गलत बात होगी हेरी। हमें उन्हें अन्धेरे में नहीं रखना चाहिये।” डाना ने हल्का-सा विरोध किया।

“नहीं डियर! हमने उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं बताना है। वो हमें हरगिज इसकी आज्ञा नहीं देंगी। मैं उन्हें बताने का रिस्क नहीं ले सकता।”

हेरी का निर्णायक स्वर सुनकर डाना ने कन्धे उचकाये—“ओ.के. हेरी! तुम जैसा कहोगे...मैं वैसा ही करूंगी। मैं तुम्हारे लिये कुछ भी कर सकती हूं।”

“ओह, थैंक्यू डियर!” वह उत्साहित स्वर में बोला—“मुझे तुमसे ऐसी ही आशा थी।”

“ओ.के. हेरी, अब मैं चलूंगी। मैं इतनी ही देर के लिये ऑफिस से आयी थी।” डाना ने रिस्टवॉच में समय देखा और वह वहां से उठकर चल दी।

डाना के दरवाजे से बाहर जाने के बाद हेरी ने भी अपनी सीट छोड़ दी।

¶¶

उसी शाम को ठीक सात बजे डाना घर वापस पहुंच गयी। उसने मुस्कुराती हुई निगाहों से हेरी की ओर देखा और हैंडबैग में से एक चाबी निकालकर उसकी ओर उछालती हुई बोली—

“यह लो उस फ्लैट की चाबी।”

“कौन-से फ्लैट की है...सोलह की या अठारह की?” हेरी ने चाबी को क्रिकेट की गेंद की भांति लपकते हुए पूछा।

"अठारह की।"

"रबिका से मिलीं?"

"हां, मुझे मालूम था कि तुम उसके विषय में अवश्य ही जानकारी प्राप्त करना चाहोगे।"

"गुड!" हेरी हर्षित स्वर में बोला—"यह वाकई शानदार काम किया है, तुम वाकई बहुत समझदार हो।"

"अच्छा जी!" वह मुस्कुरायी—"तुम्हें अब पता चला है।"

"पता तो मुझे पहले से है।" हेरी किसी कदर झेंपकर बोला—"यह और बात है कि आज उसका इजहार किया है।"

"हेरी, तुम शायद नहीं जानते कि मुझे तुम्हारा यह छोटा-सा काम करके कितनी प्रसन्नता हो रही है।" डाना ने भावुक स्वर में कहा।

"रबिका के विषय में तुमने क्या मालूम किया?"

"वह पुरातत्व विभाग में रिसर्च करने वाली एक कम्पनी में कार्यरत है। वह स्वयं भी पुरातत्व विभाग में स्कॉलर है। इस कम्पनी में मिस्री विज्ञान पर उसे ऑथर्टी समझा जाता है। वह वैली ऑफ किंग्स में प्रसिद्ध विद्वान डॉक्टर हेनरिक क्लासिज के साथ भी काम कर चुकी है। इरामिक, हेटी और इबरानी भाषाओं की वह पूर्ण ज्ञाता है।"

"गुड! ऑफिस से आने के बाद शाम को वह क्या करती है?" हेरी ने पूछा।

"उसकी कम्पनी इन दिनों तिलयास के एक स्थान पर खुदाई कर रही है, जहां से उन्हें कुछ वस्तुएं प्राप्त हुई हैं। आजकल रबिका, उन्हीं वस्तुओं पर रिसर्च कर रही है।"

"क्या यह काम वह घर पर भी करती है?" हेरी ने आश्चर्य से पूछा।

"नहीं, रिसर्च का काम तो वह ऑफिस में ही करती है। घर पर आने के बाद तो उन वस्तुओं से सम्बन्धित किताबों का अध्ययन करती है।"

"ठीक है, अब तुम जल्दी से तैयार हो जाओ...हमें आठ बजे तक होटल में पहुंचना है।"

"हेरी, क्या तुम स्टीला माइक के इस काम को छोड़ नहीं सकते? न जाने मुझे क्यों डर-सा लग रहा है?" डाना ने एक बार फिर हेरी को समझाना चाहा।

"ओह, कम ऑन बेबी! इसमें डरने जैसी कोई बात नहीं, तुम तुरन्त तैयार होकर आओ।" हेरी ने उसकी कमर में बाहें डालकर उसे सीने से सटाते हुए कहा।

डाना ने हेरी के मूक निमन्त्रण को स्वीकार करते हुए, अपने होंठ उसकी ओर

बढ़ा दिये।

¶¶

हेरी ने रात के दो बजे ग्रे बिल्डिंग में प्रवेश किया, तो वहां चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था।

बिल्डिंग का चौकीदार बूढ़ा नीग्रो अपने कमरे का दरवाजा बन्द किये गहरी नींद सो रहा था। उस बिल्डिंग के अधिकतर फ्लैट खाली होने के कारण अधिकतर खिड़कियां अंधकार में डूबी थीं।

वैसे भी इस समय रात के दो बजे थे, जो लोग इस बिल्डिंग के फ्लैटों में निवास करते थे, वे भी अपने फ्लैटों की लाइट बुझाये सो रहे थे।

एक होटल में डिनर लेने के बाद हेरी डाना को अपने साथ लेकर ब्राडवे चला गया था, जहां एक थियेटर में उसने पहले से ही सीटें बुक कर रखी थीं।

डेढ़ बजे शो समाप्त होने के बाद हेरी डाना को लेकर ग्रेंड सैंट्रल स्टेशन की ओर चल दिया था। स्टेशन के पिछली ओर पेन एम की बिल्डिंग के सामने हेरी को ड्रॉप करके डाना अपने घर चली गयी थी।

“हेरी, जरा देखभाल के काम करना।” जाने से पहले डाना ने उसे चेताया था।

हेरी ने सिर हिलाकर डाना को समर्थन दिया और फिर टहलता हुआ पेन एम से सम्बन्धित ग्रे बिल्डिंग में प्रविष्ट हो गया।

बिल्डिंग का गेट खुला था।

हेरी ने अन्दर प्रवेश करने के बाद लिफ्ट का प्रयोग करने के बजाये सीढ़ियों का प्रयोग करना उचित समझा।

वह दबे कदमों से सीढ़ियां चढ़ता हुआ तीसरी मंजिल पर पहुंच गया।

राहदारी अंधकार-युक्त और सुनसान पड़ी थी।

हेरी ने जेब से टार्च निकाली और उसके प्रकाश में चलता हुआ एक क्षण के लिये वह रबिका के फ्लैट के सामने रुका और फिर उससे सम्बन्धित फ्लैट के सामने पहुंच गया।

जेब से चाबी निकालकर ताला खोला और अन्दर प्रवेश करने के उपरान्त धीरे से दरवाजा बन्द कर दिया।

लाइट ऑन करने के बाद वह कुछ देर तक उस कमरे का निरीक्षण करता रहा। फिर दूसरे कमरे में दाखिल हो गया।

यह बेडरूम था, जिसकी खिड़कियां पिछली गली में खुलती थीं। हेरी ने खिड़की के सामने परदे खींच दिये और बत्ती जलाकर कमरे का अध्ययन करने लगा।

डाना ने इस कमरे का जो किराया अदा किया था, उस किराये में यह कमरा बुरा नहीं था।

फिर वह उस दीवार के निकट पहुंच गया, जिसके दूसरी ओर अनुमानतः रबिका का बेडरूम था। वह गहरी नजरों से दीवार को ताकता रहा।

सहसा ही उसकी आंखों में चमक उभर आयी। दीवार पर छत से लगभग एक फिट के नीचे लगभग एक इंच व्यास का प्लास्टिक का पाइप लगा हुआ था।

यह पाइप उसके ड्राइंगरूम से निकलता था और चन्द फुट आगे जाकर बेडरूम की दीवार में गायब हो गया था।

हेरी बेडरूम से निकलकर ड्राइंगरूम में पहुंच गया। दीवार के ऊपर से होता हुआ वही पाइप नीचे आकर एक सॉकिट से मिल गया था।

हेरी को वस्तुस्थिति का ज्ञान होने में देर न लगी। यह टेलीफोन की लाइन थी।

वह दोबारा बेडरूम में आ गया और एक बार फिर उस पाइप को देखने लगा, जो दूसरे फ्लैट में चला गया था। उसे आश्चर्य भी हुआ था कि दो फ्लैटों में टेलीफोन की एक ही लाइन किस प्रकार हो सकती थी।

फिर अचानक उसे विचार आया कि सम्भव है कि ये दोनों फ्लैट पहले किसी आदमी ने एक साथ ही किराये पर लिये हों और टेलीफोन की लाइन फ्लैट से दूसरे फ्लैट तक बढ़ा दी हो, लेकिन बाद में ये दोनों ही फ्लैट उसने छोड़ दिये हों और टेलीफोन की लाइन उसी प्रकार रहने दी गयी हो।

बहरहाल वास्तविकता कुछ भी रही हो, अब की स्थिति हेरी के लिये लाभकारी थी। उसने कोट उतारकर कुर्सी के हत्थे पर डाल दिया। जूते उतारे और बिस्तर पर लेटकर आंखें बन्द कर लीं।

उसे अब जो कुछ भी करना था, सुबह को ही करना था।

¶¶

खटके की आवाज से हेरी की आंख खुल गयी। उसने कलाई पर बंधी घड़ी में समय देखा। साढ़े छः बज रहे थे।

यह आवाज दूसरे फ्लैट से सुनाई दे रही थी। वह समझ गया कि बूढ़े दम्पति अपने बुक स्टाल की ओर जा रहे हैं। वह बिस्तर पर लेटकर इन आवाजों को सुनता रहा।

फिर ठीक सात बजे दरवाजा खुलने और बन्द होने की आवाज सुनाई दी। साथ

ही राहदारी में दूर होते कदमों की चाप सुनाई दी। कदमों की चाप से स्पष्ट था कि वह कोई महिला थी, जिसने ऊंची ऐड़ी के सैंडिल पहन रखे थे।

हेरी को समझने में देर न लगी कि रबिका ऑफिस जा चुकी है।

आधा घन्टे के बाद हेरी ने बिस्तर छोड़ दिया। बाथरूम में हाथ-मुंह धोने के बाद वह किचिन में घुस गया। इसके साथ ही उसके होठों पर हल्की-सी मुस्कुराहट आ गयी।

उसकी आशा के ठीक अनुसार डाना ने कल शाम फ्लैट की चाबी प्राप्त करने के बाद चाय कॉफी से सम्बन्धित जरूरी सामान भी किचिन में पहुंचा दिया था।

उसने चाय बनाई और कप लेकर ड्राइंगरूम में आ गया। चाय की चुस्कियां लेते समय वह रबिका के विषय में सोच रहा था। वो कान्टेक्ट लैंसिज रबिका की आंखों में फिट थे, जो उसे चोरी करने थे।

हेरी सोच रहा था कि यह उसके जीवन का अत्यधिक कठिन केस सिद्ध होगा। यह तो गोया आंखों से काजल चुराने वाली बात थी। अभी तक वह अपने मस्तिष्क में किसी योजना को सही रूप नहीं दे सका था, जिस पर अमल करके वह इन लैंसिज को चुरा सकता।

केवल एक ही क्षीण-सी आशा थी।

इतना तो वह भी जानता था कि कुछ लोग रात को सोते समय चश्मे की भांति कान्टेक्ट लैंसिज को भी उतारकर रख देते हैं। यदि रबिका भी रात को कान्टेक्ट लैंसिज उतारकर सोने की आदी थी, तो फिर उसे चुराने में कोई कठिनाई नहीं होती।

लेकिन यह आवश्यक तो नहीं था कि वह रात को सोते समय लैंसिज उतारकर रख देती हो। ऐसी स्थिति में उसे कोई तरकीब सोचनी थी, जो अभी तक उसके मस्तिष्क में नहीं आयी थी।

चाय समाप्त करने के बाद उसने खाली कप किचिन में रखा और कमरे में वापिस आकर पलंग के नीचे से कैनवास का वह थैला निकाल लिया, जिसके सम्बन्ध में कल उसने डाना को विशेष रूप से निर्देश दिया था।

उस थैले में एक छोटा-सा रिंच प्लास, कुछ स्क्रूड्राइवर और इसी प्रकार की वस्तुएं भरी थीं

वह थैला लेकर बेडरूम में आ गया और दीवार पर उस स्थान को देखने लगा जहां से टेलीफोन के तार वाला पाइप दूसरी ओर चला गया था।

वह काफी ऊंचा स्थान था।

उसने एक क्षण कुछ सोचा और दूसरे कमरे में पड़ी हुई राइटिंग टेबल उठाकर दीवार के निकट रख दी, फिर मेज पर चढ़कर पाइप को देखने लगा।

जिस स्थान से पाइप दीवार में अन्दर गया था, वहां एल्बो के द्वारा जोड़ लगा हुआ था। उसी प्रकार का जोड़ निश्चित रूप से दूसरी ओर भी था।

हेरी के अनुमानानुसार यह दीवार छः इंच मोटी थी, जिसका मतलब था कि पाइप के दोनों जोड़ों के मध्य पाइप का छः इंच का टुकड़ा लगा हुआ था।

वह कुछ क्षणों तक अपनी ओर वाले एल्बो के जोड़ का निरीक्षण करता रहा, फिर थैले में से रिंच निकालकर जोड़ को खोलने का प्रयास करने लगा।

उसका यह प्रयास निरर्थक नहीं गया। थोड़ी-सी कोशिश के बाद उसने जोड़ की एल्बो निकालकर नीचे रख दी। अब समस्या उस पाइप की थी, जो दूसरी ओर की एल्बो से जुड़ा था। वह छोटे पाइप को घुमाने लगा। घुमाने से जोड़ की चूड़ियां खुलती चली गयीं और चन्द सैकिण्ड के बाद छः इंच लम्बा पाइप का टुकड़ा दीवार और एल्बो से निकलकर उसके हाथ में आ गया।

दूसरी ओर के पाइप में एल्बो बदस्तूर फिट थी और हेरी को विश्वास था कि जब तक उसको बहुत ध्यान से न देखा जाये, तब तक दूसरी ओर से दीवार के अन्दर आने वाले पाइप के खुले जोड़ को नहीं देखा जा सकता था।

उसने पाइप का टुकड़ा नीचे रख दिया, फिर सुराख से दूसरी ओर झांकने लगा।

यह छिद्र लगभग सवा इंच व्यास का था, इससे केवल सामने वाली दीवार को देखा जा सकता था।

हेरी कुछ क्षणों तक छिद्र से झांकता रहा, फिर मेज पर से उतर कर नीचे आ गया।

दूसरे कमरे में आकर कुर्सी पर पड़े हुए कोट की जेब से कोई वस्तु निकाली, जो पेन से मिलती-जुलती थी। वह दोबारा बेडरूम में आकर मेज पर चढ़ गया।

वह स्नूपर था।

यह स्नूपर साधारण पेन से कुछ मोटा था, लेकिन उसे खींचकर आवश्यकतानुसार छोटा या बड़ा किया जा सकता था। स्नूपर के अगले भाग पर कैमरे की भांति लैंस लगा हुआ था और पिछली ओर आंख लगाकर कैमरे की ही भांति देखा जा सकता था।

इस स्नूपर में एक विशेष बात और थी, इसके अग्रभाग को हर ओर मोड़ा जा सकता था, जबकि पिछले भाग में एक स्थान पर लैंस को एडजस्ट किया जा सकता था।

हेरी ने स्नूपर को खींचकर उसे उसकी वास्तविक लम्बाई से दूना कर लिया और उसे दीवार में दाखिल करके आगे की ओर धकेलने लगा।

स्नूपर का लैंस वाला भाग दीवार के छिद्र से लगभग आधा इंच दूसरी ओर

निकल चुका था।

उसने पिछले भाग से आंख लगा दी और छोटा-सा बटन दबा दिया।

दीवार से दूसरी ओर निकला हुआ लैंस का भाग धीरे-धीरे घूमने लगा। रबिका के कमरे का दृश्य उसकी आंखों के सामने था।

सामने वाली दीवार के साथ राइटिंग टेबिल पड़ी हुई थी, जिस पर कुछ मोटी-मोटी पुस्तकें बिखरी पड़ी थीं। मेज के साथ ही एक बुक शेल्फ भी मौजूद था, जिसमें और भी बहुत-सी पुस्तकें भरी हुई थीं।

दूसरी दीवार के साथ एक बेड था, जिसके साथ एक आलमारी भी फिट थी। बेड पर भी दो-तीन पुस्तकें बिखरी दिखाई दे रही थीं। बेड के साथ ही काफी बड़ी टेबिल थी, जिस पर नाश्ते के बर्तन रखे दिखाई दे रहे थे, जिसका अर्थ था कि आज शायद रबिका को देर हो गयी थी, जिसके कारण वह झूठे बर्तन ज्यों-के-त्यों छोड़कर ऑफिस चली गयी थी।

हेरी कुछ देर तक स्नूपर की सहायता से कमरे का अध्ययन करता रहा। स्नूपर की एक विशेषता यह भी थी कि इसकी सहायता से रात के अंधकार में भी देखा जा सकता था। उसने स्नूपर दीवार के छिद्र से निकाल लिया और उसे फोल्ड करके मेज से उतरकर ड्राइंग रूम में आ गया।

उसने स्नूपर को कोट की पॉकिट में डाला और कोट पहनता हुआ बाहरी द्वार की ओर चल दिया।

जब वह बाहर निकला तो राहदारी सुनसान पड़ी थी। वह पिछले जीने की ओर चल दिया। लिफ्ट से सामने वाली सीढ़ियों का प्रयोग करना उसने उचित नहीं समझा था।

¶¶

ग्रे बिल्डिंग से निकलकर वह कुछ देर तक अकारण ही इधर-उधर घूमता रहा, फिर एक रेस्टोरेन्ट में बैठकर नाश्ता करने लगा। नाश्ते से निवृत्त होने के बाद उसने एक टैक्सी पकड़ी और पार्क एवेन्यू की ओर चल दिया।

रबिका का ऑफिस वहीं था।

वह रबिका के सम्बन्ध में कुछ और जानकारी प्राप्त करना चाहता था, लेकिन अचानक ही एक विचार उसके मस्तिष्क में कौंधा और उसने अपना इरादा बदल दिया।

वह स्वयं रबिका के सामने नहीं जाना चाहता था।

उसने सोच लिया था कि इस उद्देश्य के लिये वह एक बार फिर डाना की सेवाएं प्राप्त करेगा।

पार्क एवेन्यू पहुंचने से पूर्व ही उसने टैक्सी ड्राइवर को टैक्सी की दिशा बदलने का निर्देश दिया और अपना पता बताकर सीट की पुश्त से टेक लगा ली।

फ्लैट पर पहुंचने के बाद उसने बाथरूम का रुख किया और कपड़े चेंज करने के बाद वह बिस्तर पर गिर गया। कुछ ही देर बाद वह नींद की बाहों में झूला झूलने लगा।

यद्पि उसकी आंखें दोपहर के बाद चार बजे ही खुल गयी थीं, लेकिन डाना के कारण उसे शाम छः बजे तक इंतजार करना पड़ा।

उसने साढ़े पांच बजे ही डाना को ऑफिस से सीधे अपने घर आने के लिये टेलीफोन कह दिया था।

डाना ठीक छः बजकर पन्द्रह मिनट पर उसके फ्लैट पर पहुंच गयी।

"क्या बात है हेरी...तुम्हें तो आज रबिका के बराबर वाले फ्लैट में होना चाहिये था। तुम यहां कैसे दिखाई दे रहे हो?"

"रबिका शाम को छः बजे ऑफिस से अपने फ्लैट पर पहुंचती है। मैं अभी वहां जाकर क्या करता?"

"तो अब यह बताओ कि तुमने मुझे क्यों बुलाया है?"

"पहले तुम बाथरूम में जाकर फ्रेश हो लो। तब तक मैं तुम्हारे लिये कॉफी बनाकर लाता हूं।"

डाना मुस्कुराती हुई बाथरूम में चली गयी, जबकि हेरी किचिन की ओर बढ़ गया।

डाना फ्रेश होकर बाथरूम से बाहर आयी तो हेरी उसके लिये कॉफी बनाकर ले आया था। उसने एक कप डाना के आगे बढ़ाया। डाना ने कप लेकर उसमें सिप किया, फिर पूछा—

"हां, अब बताओ क्या बात है....जिसके लिये तुमने मुझे बुलाया है?"

"तुम्हें रबिका के ऑफिस जाना है।" हेरी ने अपने कप में घूंट भरते हुए कहा।

"वह क्यों?"

"वहां तुम्हें रबिका के विषय में जो कुछ भी मालूम हो, पता करना है। यह कि वह दफ्तर में किन-किन लोगों से मिलती है? उसकी व्यस्तता क्या है? ऑफिस में उसके सबसे निकट कौन-सा आदमी है...वगैरह-वगैरह...।"

"इस वगैरह-वगैरह में कौन-कौन से काम शामिल हैं...जरा वह भी बता दो तो अच्छा है?" डाना ने मुस्कुराते हुए कहा।

"तुम कितनी समझदार हो, मैं अच्छी तरह जानता हूं। इस वगैरह-वगैरह में वो बातें शामिल हैं, जो भविष्य में हमारे लिये सहायक सिद्ध हो सकें।" हेरी ने कहा।

"हमारे लिये नहीं, केवल तुम्हारे लिये।" डाना बोली—"इस चोरी में मैं तुम्हारा साथ नहीं दे रही हूं।"

"ओ.के...ओ.के...।" हेरी जल्दी से बोला—"नाराज होने की जरूरत नहीं है। मैं अपनी बात को ठीक करता हूं, जो कुछ भी मेरे लिये सहायक सिद्ध हो सके...तुम्हें वो सारी जानकारी प्राप्त करनी है रबिका के ऑफिस से।"

"ठीक है, कल तुम्हारा काम हो जायेगा। अब मैं जाऊं, मम्मी घर पर इन्तजार कर रही होगी।"

"हां, तुम जा सकती हो। तुम्हारे यहां रहने का भी कोई लाभ नहीं है, क्योंकि मुझे तो रात वहीं रबिका के बराबर वाले फ्लैट में बितानी है। तुम चाहो तो वहां आ सकती हो।"

"जी नहीं, तुम्हारे पीछे मारे-मारे फिरने से बेहतर तो यही है कि मैं अपनी मम्मी के पास आराम से सो जाऊं।"

यह कहकर वह उठकर खड़ी हो गयी, फिर दरवाजे से बाहर निकल गयी।

उसके जाने के बाद हेरी ने लिबास बदला और फ्लैट से निकल गया। ग्रे बिल्डिंग में जाने से पहले उसने रास्ते में ही खाने-पीने और नाश्ते के सामान को खरीद लिया था।

¶¶

शाम के समय चूंकि बिल्डिंग में लोगों की आमो-द-रफ्त रहती थी...इसलिये हेरी ने अन्दर प्रवेश करने के लिये इस बार भी पिछली सीढ़ियों का प्रयोग किया था।

जब वह तीसरी मंजिल पर पहुंचा तो रबिका के फ्लैट के दरवाजे के नीचे से प्रकाश की किरण दिखाई दे रही थी, जिसका मतलब था कि वह घर पर ही है।

हेरी ने समस्त सावधानी के साथ धीरे से दरवाजा खोला और अपने फ्लैट में दाखिल हो गया। वह ड्राइंगरूम में रुके बगैर सीधा बेडरूम में पहुंचा था। वहां मेज पर चढ़कर वह कुछ क्षण रबिका के कमरे की आहट लेने का प्रयास करता रहा।

किसी प्रकार की आहट न पाकर उसने कोट की जेब से स्नूपर निकाला, फिर दीवार के छिद्र में उसे धीरे-धीरे घुसेड़ना आरम्भ कर दिया। जब स्नूपर इच्छित लम्बाई तक पहुंच गया तो उसने अपनी ओर के छिद्र से आंख लगा दी और स्नूपर की सहायता से कमरे का अध्ययन करने लगा।

रबिका का बेडरूम खाली था, अलबत्ता दूसरे कमरे से बर्तनों की आवाजें सुनाई

दे रही थीं। रबिका वहां बैठी शायद भोजन कर रही थी।

हेरी मेज से नीचे उतर आया। स्नूपर उसने दीवार के छिद्र में रहने दिया था।

ड्राइंगरूम में पहुंचकर उसने अपने साथ लाया हुआ पैकेट खोला और वहीं बैठकर भोजन करने लगा। अवसर का लाभ उठाते हुए उसने भी भोजन से निवृत्त होना ही उचित समझा था। बाद में न जाने किस समय अवसर मिलता।

भोजन करने के उपरान्त उसने सिगरेट सुलगाया और वहीं बैठा हल्के-हल्के कश लेने लगा।

फिर अचानक वह कदमों की आहट सुनकर चौंक गया। उसने तुरन्त सिगरेट को ऐश-ट्रे में मसला और बैडरूम में आकर मेज पर चढ़ गया। स्नूपर से आंख लगाकर उसके फोकस और एंगल को एडजस्ट किया और धीरे-धीरे उसे घुमाने लगा।

जैसे ही रबिका स्नूपर के फोकस पर आयी, उसकी आंखों की चमक में वृद्धि हो गयी।

हेरी के अनुमानानुसार उसकी आयु अधिक-से-अधिक तीस वर्ष रही होगी। उसे 'ब्यूटी क्वीन' तो नहीं कहा जा सकता था, मगर वह इतनी सुन्दर अवश्य थी कि राह चलते लोग मुड़-मुड़ कर उसे देखने पर विवश हो जायें। वह राइटिंग टेबल के पास खड़ी विभिन्न पुस्तकें उठा-उठा कर देख रही थी। मेज पर चाय या कॉफी का कप रखा हुआ था, जिसमें से भाप उठ रही थी।

आखिरकार रबिका ने उन किताबों में से एक मोटी-सी किताब का चयन किया और कुर्सी पर बैठकर उसका अध्ययन करने लगी। साथ-ही-साथ वह थोड़ी-थोड़ी देर बाद कॉफी या चाय का घूंट भी लेती जा रही थी।

हेरी ग्लेब एक घंटे तक दीवार के साथ चिपका खड़ा रहा। उसने एक क्षण के लिये भी स्नूपर से आंख नहीं हटाई थी, जिसके कारण उसकी आंख दर्द करने लगी थी।

जब उसने देखा कि रबिका अपने स्थान और अपनी किताब से चिपककर रह गयी है तो उसने स्नूपर से आंख हटा ली और मेज पर से नीचे उतर आया।

वह पन्द्रह मिनट तक आंखें मलता रहा। उसे यूं महसूस हो रहा था जैसे कि उसकी देखने की क्षमता समाप्त होती जा रही है। प्रत्येक वस्तु धुंधली-धुधली सी दिखाई दे रही थी।

उसने इससे पूर्व भी कई बार स्नूपर का प्रयोग किया था, लेकिन यह उसके जीवन का पहला अवसर था, जबकि उसने लगातार एक घन्टे तक स्नूपर से आंखें नहीं हटायी थीं।

लगभग पन्द्रह-बीस मिनट तक आराम करने के बाद वह एक बार फिर मेज पर

चढ़ गया। रबिका की स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आया था। वह बदस्तूर कुर्सी पर बैठी पुस्तक का अध्ययन कर रही थी। उसके इत्मीनान को देखकर लगता था कि वह पूरी रात उसी कुर्सी पर बैठने का विचार रखती हो।

कुछ देर तक स्नूपर से आंख लगाये रखने के बाद वह फिर मेज से नीचे उतर आया।

और फिर तो यह उसका नियम-सा बन गया। हर पन्द्रह-बीस मिनट के बाद वह मेज पर चढ़कर स्नूपर से दूसरी ओर झांकता और हर बार रबिका को कुर्सी पर बैठे देखकर उसके जबड़े भिंच जाते।

राते के दो बज चुके थे।

मेज पर उतरने-चढ़ने से उसके घुटने दर्द करने लगे थे। इस बीच हालांकि वह दो बार अपने लिये कॉफी बना चुका था और उसे पीकर फिर मेज पर चढ़ जाता था, मगर हर बार परिणाम वही शून्य का शून्य। वह अपनी कुर्सी पर जमी बैठी थी। ऐसा लगता था, जैसे फैवीकोल से उसको कुर्सी के साथ चिपका दिया गया हो।

इस बार-बार की परेड ने न केवल हेरी को बुरी तरह से थका दिया था, वरन् अब तो उसकी आंखों में चुभन-सी होने लगी थी। वह केवल यह देखना चाहता था कि रबिका सोने से पहले कान्टेक्ट लैंसिज उतारकर कहां रखती है? वह रखती भी है या ऐसे ही उन्हें लगाये-लगाये सो जाती है। इसके बाद ही वह उन्हें चोरी करने की योजना बनाता।

पौने तीन बजे वह एक बार फिर मेज पर चढ़कर दूसरी ओर झांकने लगा। ठीक उसी क्षण रबिका ने भी किताब मेज पर रखकर कुर्सी छोड़ दी। इस बार हेरी के शरीर में एक नई स्फूर्ति का संचार होने लगा। आखिरकार जिसके लिये वह कई घंटों से परेशान था, वह घड़ी आ ही गयी।

कुर्सी छोड़ने के बाद रबिका ने एक तौबाशिकन अंगड़ाई ली। एक ऐसी अंगड़ाई जिसे देखकर देवताओं का भी ईमान डगमगा जाये। हेरी अपनी जगह हिलकर रह गया। उसके शरीर का रक्त उबाल खाकर कनपटियों पर ठोकरें मारने लगा।

अंगड़ाई लेने से रबिका के शरीर के सारे उतार-चढ़ाव स्पष्ट होकर निमन्त्रण देते लग रहे थे। हेरी ने जल्दी से उसकी गोलाइयों से निगाह हटा ली और अपना ध्यान एक बार फिर उसकी आंखों की ओर लगा लिया। जिनमें मदिरा छलकने को तैयार थी। उसकी आंखों में खुमार छाया हुआ था।

मगर न तो हेरी को उसकी आंखों के खुमार से मतलब था, न ही छलकती मदिरा से। वह तो केवल यह देखना चाहता था कि रबिका इन मदिरा भरी आंखों से कान्टेक्ट लैंस निकालकर कहां रखती है। उसे विश्वास था कि अब रबिका कान्टेक्ट लैंस उतारकर अवश्य रखेगी।

लेकिन उसकी आशाओं पर एक बार फिर पानी गया।

रबिका सोने की बजाये एक सूटकेस में अपने कपड़े पैक करने लगी। हेरी उसको कपड़े पैक करते देखकर आश्चर्य में पड़ गया। वह सोच रहा था कि रबिका इस समय कहीं जाने की तैयारी कर रही है या यूं ही अपने कपड़े सम्भालकर रख रही थी।

लेकिन जब अन्त में उसने रबिका को अपनी किताबें भी सूटकेस में रखते देखा तो उसे विश्वास हो गया कि वह कहीं जाने की तैयारी कर रही थी।

“लेकिन रात के तीन बजे तैयारी का क्या मतलब?” उसने मन में सोचा।

“शायद उसे सुबह ही कहीं जाना है।” उत्तर मिला।

हेरी को मन का दिया गया उत्तर सही लगा था।

तैयारी पूर्ण करने के बाद रबिका ने सूटकेस को दूसरे कमरे में ले जाकर रख दिया और वापिस आकर बिस्तर पर अधलेटी अवस्था में एक बार फिर वह उसी पुस्तक का अध्ययन करने लगी।

हेरी भी वापिस मेज से नीचे उतर आया था और सिगरेट सुलगाकर कुर्सी पर बैठकर धीरे-धीरे कश लगाने लगा। अब उसे विश्वास हो गया था कि रबिका रात भर नहीं सोयेगी।

सिगरेट का कश लगाते हुए वह सोचने लाग कि रबिका कहां जायेगी?

उसने अपने मन में निश्चय कर लिया था कि जैसे ही वह अपने फ्लैट से निकलेगी, वह उसका पीछा करेगा। ताकि उसे पता चल जाये कि वह कहां जायेगी, तब तक वह अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सकता था।

सिगरेट उसने फर्श पर मसल दिया और कुर्सी की पुश्त से टेक लगाकर वह उन कान्टेक्ट लैंसों के बारे में सोचने लगा, जिनकी चोरी करने के लिये पहले उसका भरी सड़क पर अपहरण किया गया, फिर उसे धमकी देकर उसे काम के बारे में बताने का अगले दिन का समय दिया गया।

फिर शायद उन लोगों ने अपनी योजना में परिवर्तन करते हुए वुमैन लिबरेशन फ्रंट की चेयरमैन स्टीला माइक को सामने लाकर उसे चोरी करने को बाध्य किया गया।

हेरी को न चाहते हुए भी उस चोरी पर सहमत होना पड़ा, फिर दस हजार पौंड का उसे लालच भी दिया गया था। हेरी यह सोचने पर विवश था कि आखिर उन कान्टेक्ट लैंसिज में ऐसी कौन-सी विशेष बात थी, जिनके लिये यह हथकंडे अपनाये जा रहे थे।

उसकी समझ में कोई बात नहीं आ रही थी।

चार बज रहे थे। हेरी ने एक बार फिर मेज पर चढ़कर स्नूपर स्कोप से अन्दर

झांका।

रबिका बदस्तूर बिस्तर पर अधलेटी अवस्था में पुस्तक के अध्ययन में मग्न थी।

वह दोबारा कुर्सी पर आकर बैठ गया। उसकी आंखों में बुरी तरह चुभन हो रही थी। उसने अपनी आंखों को रैस्ट देने के लिये कुर्सी की पुश्त से टेक लगाकर आंखें बन्द कर लीं। इस प्रकार उसे बहुत आराम का अनुभव हो रहा था।

नींद आंखों में पड़ाव डालने के लिये तैयार थी, लेकिन वह सो नहीं सकता था। उसके कान किसी भी आहट को सुनने को तैयार थे। उसने सोचा कि जैसे ही रबिका के कमरे से कोई आहट सुनाई देगी, वह तुरन्त उठ जायेगा।

लेकिन नींद बराबर उसकी आंखों में समाती जा रही थी। वह आंखें बन्द किये बैठा था, जिस कारण उसे बहुत आराम मिल रहा था। यह इसी आराम का जलवा था कि वह कुर्सी पर बैठे-बैठे ऊंघ गया।

आंख खुलते ही उसने कलाई पर बंधी हुई घड़ी में समय देखा। साढ़े छः बज रहे थे।

वह हड़बड़ाकर उठ बैठा।

मेज पर चढ़कर उसने स्नूपर स्कोप से दूसरी ओर झांका तो कमरा खाली पड़ा था।

उसने रबिका की तलाश में स्नूपर लैंस को घुमाया। वह पलंग पर मौजूद नहीं थी।

हेरी ने जल्दी से स्नूपर स्कोप को दीवार के छिद्र से खींच लिया, फिर उसे फोल्ड करके अपनी कोट की जेब में डालकर मेज से नीचे उतर आया।

वह बाहरी द्वार की ओर लपका।

चन्द सैकिण्ड बाद ही वह राहदारी में पहुंच चुका था। उसी क्षण उसे राहदारी के अन्तिम फ्लैट में रहने वाले पति-पत्नी तेज-तेज कदम उठाते हुए सीढ़ियों की ओर बढ़ते दिखाई दिये।

बिल्डिंग के बूढ़े चौकीदार के अनुसार वो दोनों बुक स्टाल के स्वामी थे और समाचार-पत्रों के कारण वो सवेरे छः बजे ही घर से निकल जाया करते थे, लेकिन आज शायद उन्हें देर हो गयी थी। इसी कारण वो बड़ी तेजी में दिखाई दे रहे थे।

वो दोनों पति-पत्नी जैसे ही सीढ़ियों पर गायब हुए...हेरी तुरन्त रबिका के फ्लैट के सामने पहुंच गया, लेकिन रबिका के फ्लैट का बन्द दरवाजा उसका मुंह चिढ़ा रहा था।

हेरी ग्लेब को अपनी मूर्खता पर क्रोध आ रहा था कि रात भर जागने के बाद वह अन्तिम क्षणों में सो क्यों गया था? अन्तिम बार जब उसने घड़ी देखी थी, तो चार बज रहे थे और इस समय साढ़े छः बजे थे।

यह अनुमान लगाना कठिन था कि रबिका किस समय फ्लैट से निकली होगी। साथ ही यह भी विश्वास पूर्वक नहीं कहा जा सकता था कि वह एयरपोर्ट गयी थी, रेलवे स्टेशन या बस स्टैण्ड गयी थी।

वह अपने फ्लैट का दरवाजा खुला छोड़कर सीढ़ियों की ओर भागा।

वो दोनों पति-पत्नी अभी रास्ते में ही थे। हेरी एक साथ दो-दो सीढ़ियां फलांगता हुआ उनसे आगे निकल गया।

बिल्डिंग का बूढ़ा चौकीदार उस समय दूध की बोतल लेकर अपने कमरे की ओर जा रहा था।

"ऐ ठहरो!" हेरी ने चौकीदार को अपने कमरे की ओर जाते देखकर हांक लगायी।

बूढ़ा नीग्रो रुककर उसे प्रश्नवाचक दृष्टि से देखने लगा।

दो-तीन छलांग में ही हेरी उसके पास पहुंच गया और उससे बोला—

"क्या तुम सुबह-ही-सुबह पांच डॉलर कमाना चाहोगे?"

बूढ़े की आंखों में हल्की-सी चमक उभर आयी। उसने एक बार फिर प्रश्नवाचक दृष्टि को हेरी के चेहरे पर गड़ा दिया।

"मैं तुमसे दो-एक बातें पूछना चाहता हूं।"

"ओह तुम...तुम वही हो ना।" बूढ़े नीग्रो ने अपना चश्मा ठीक करते हुए पूछा।

"हां।"

"तो आओ, मेरे कमरे में आ जाओ। मैं चाय बनाने जा रहा हूं। वहीं इत्मीनान से बातें करेंगे।" बूढ़े ने कहा।

हेरी ने उसके पीछे उसके कमरे में प्रवेश किया।

बूढ़े ने गैस हीटर जलाया और केतली में चाय का पानी रखने लगा। जैसे ही वह वापिस पलटा, हेरी तुरन्त बोला—

"मैं रबिका के बारे में जानना चाहता हूं।"

"क्या?"

"वह प्रातः चार बजे तक अपने कमरे में थी। उसके बाद वह अचानक गायब हो गयी।"

"क्या इसका यह मतलब नहीं है कि तुम सारी रात उसके फ्लैट की निगरानी करते रहे हो?" बूढ़े ने उसकी ओर देखते हुए अजीब-से स्वर में कहा।

"तुम्हें इससे कोई मतलब नहीं होना चाहिये।" हेरी ने यह कहते हुए पांच डॉलर का नोट उसके हाथ में थमा दिया।

"फिर...?" उसने नोट लेते हुए कहा।

"तुम सिर्फ यह बताओ कि वह यहां से कब गयी है और कहां गयी है? मेरे विचार में उसके पास एक सूटकेस भी था।"

"तुम्हारा विचार सही है।" बूढ़े ने नोट को जेब में रखते हुए कहा—"उसके पास वाकई एक सूटकेस भी था। वह ठीक पांच बजे यहां से गयी थी। उसके लिये टैक्सी मैं ही लेकर आया था।"

"टैक्सी लेकर वह कहां गयी थी?" हेरी ने शीघ्रता से पूछा।

"मैं वही बताने जा रहा था, मगर तुम बहुत उतावलेपन का प्रदर्शन कर रहे हो। वह यहां से सीधी एयरपोर्ट गयी थी। अब उसे किस जहाज पर जाना था, यह मैं कुछ नहीं जानता। अलबत्ता इतना बता सकता हूं कि वह देश से बाहर गयी है और उसकी वापिसी लगभग डेढ़ माह बाद होगी।"

"ओह!" हेरी ने एक गहरी सांस ली और बोला—"चाय बन गयी क्या?"

बूढ़ा उत्तर दिये बिना चाय कपों में उड़ेलने लगा। एक कप उसने हेरी की ओर बढ़ा दिया। हेरी इत्मीनान से बैठकर चाय पीता रहा।

अब उसे कोई जल्दी नहीं थी।

रबिका के सम्बन्ध में अब उसे ऑफिस से ही मालूम हो सकता था और ऑफिस नौ बजे से पहले नहीं खुलता था।

चाय पीने के बाद उसने कप बूढ़े नीग्रो को थमाया तो बूढ़े ने पूछा—

"बेटे, क्या बात है? तुम उसके बारे में इतने परेशान क्यों हो?"

"ऐसी कोई विशेष बात नहीं है।" हेरी ने बात बनायी।

"फिर भी?" बूढ़े ने जिरह की।

"बाबा, यह दिल का मामला है।" हेरी ने किसी नौजवान प्रेमी का अन्दाज इख्तियार करते हुए उत्तर दिया। उसके चेहरे पर हल्की-सी मुस्कान थी।

"ओह!" बूढ़े ने एक गहरी सांस ली—"यह आजकल के लड़के...!"

उसके बाद उस बूढ़े नीग्रो ने क्या कहा, यह हेरी ने नहीं सुना। वह उसके कमरे से बाहर आ गया था।

साढ़े आठ बजे के लगभग जब वह डाना के फ्लैट में पहुंचा तो उसकी हालत एक ऐसे जुआरी की भांति थी, जो जुए में अपना सब कुछ हार बैठा हो।

डाना उस समय नाश्ता तैयार कर रही थी। हेरी का पिटा हुआ चेहरा देखकर उसे भी परिस्थिति का अनुमान लगाने में कोई कठिनाई पेश नहीं आयी।

"क्या हुआ...इतने बदहवास क्यों दिखाई दे रहे हो?" उसने प्रश्नवाचक दृष्टि से हेरी की ओर देखा।

"रबिका देश छोड़कर फरार हो गयी—और मैं मूर्खों की भांति पड़ा सोता रहा।" यह कहता हुआ हेरी कुर्सी पर ढेर हो गया।

"आखिर हुआ क्या?"

"होना क्या था! बस यूं समझ लो कि चिड़िया उड़ गयी और शिकारी सोता रह गया।"

"बेकार की बातें मत करो। मुझ साफ-साफ बताओ कि हुआ क्या था, जो तुम पड़े सोते रह गये?"

उत्तर में हेरी ने उसे पूरा विवरण सुना दिया।

"तो गोया तुम अभी तक यह नहीं जान पाये कि वह कहां गयी है?" डाना ने पूछा।

"नहीं।"

"चलो अच्छा है। अब तुम्हें उसके पीछे मारे-मारे नहीं फिरना पड़ेगा। अब तुम जूली से मिलकर मम्मी की बताई योजना पर कार्य आरम्भ कर दो।" डाना ने संतोष की एक गहरी सांस ली।

"जितनी आसानी से तुमने यह सब कह दिया, उतनी सरलता से इस समस्या का समाधान नहीं हो सकेगा। उन्होंने मुझे पांच हजार पौंड एडवांस दिये हैं। मुझे कुछ तो करना ही होगा। कोई इतनी आसानी से इतना सब कुछ खर्च नहीं करता।"

"फिर तुम क्या चाहते हो?" डाना ने पूछा।

"नौ बजे ऑफिस खुलेगा, तब वहां से रबिका के बारे में पता करूंगा। उसके बाद ही सोचूंगा कि मुझे क्या करना है?" हेरी ने उत्तर दिया।

"तो सोचते रहना। यह मुंह पर अभी से बारह क्यों बजा रखे हैं। चलो, कुछ नाश्ता कर लो और अपने चेहरे से यह निराशा के भाव मिटा दो। तुम्हारा ऐसा चेहरा बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता।"

यह कहकर डाना उठ गयी और जल्दी-जल्दी मेज पर नाश्ता लगाने लगी।

उन दोनों ने साथ ही नाश्ता किया था। नाश्ते के बाद डाना ने हेरी से पूछा—

"जूली से दोबारा बात हुई?"

"नहीं।"

"क्यों?"

"शायद थियो ने उसे बहुत ज्यादा भयभीत कर दिया है। देखना....एक दिन थियो मेरे हाथों से मरेगा।" हेरी ने क्रोधित स्वर में कहा।

"तुम्हें जूली से इतनी हमदर्दी क्यों है?"

"क्या एक इन्सान होने के नाते उससे हमदर्दी नहीं होनी चाहिये? वह भी तब, जबकि वह हमारे काम में सहायता कर रही है।"

"सहायता वह मुफ्त में नहीं कर रही है। उसे उसका मुआवजा दिया जा रहा है और हमदर्दी केवल इन्सानियत के नाते तक सीमित रहे तो ठीक है, मगर उससे आगे नहीं बढ़नी चाहिये।" डाना ने बुरा मानते हुए कहा।

"तुम कहना क्या चाहती हो?" हेरी ने माथे पर बल डालकर पूछा।

"मैं केवल यह कहना चाहती हूं कि जूली को समझा देना वह अपनी सीमा में रहे।" डाना ने आंखें निकालीं।

"अब तुम सीमा से बाहर जा रही हो।" हेरी ने सुनकर कहा—"तुम मुझे अकारण ही धमकी दे रही हो।"

"मैं तुम्हें कुछ नहीं कह रही हूं, मगर मैं यह भी सहन नहीं कर सकती कि कोई अन्य लड़की तुमसे फ्री होने का प्रयास करे।"

"लगता है, तुम्हें आज ऑफिस नहीं जाना।" हेरी ने विषय बदलते हुए कहा—"समय हो चुका है।"

"ठीक है, मैं जा रही हूं।" वह अपना पर्स सम्भालती हुई बोली—"अब यह बताओ कि मुझे रबिका के ऑफिस जाना है या नहीं?"

"अब जब रबिका ही यहां नहीं रही तो तुम उसके ऑफिस जाकर क्या करोगी?" हेरी ने कहा।

"तुम यह तो जानना चाहोगे कि वह कहां गयी है?"

"इतना काम मैं स्वयं भी कर सकता हूं।"

"ओ.के....मैं अब चलती हूं। मुझे वाकई देर हो रही है।" यह कहकर डाना ऑफिस चली गयी।

¶¶

साढ़े नौ बजे के लगभग उसने रबिका के ऑफिस टेलीफोन किया। नम्बर उसने डायरेक्ट्री में पहले ही देख लिया था।

"हैलो ऑपरेटर!" हेरी ने दूसरी ओर से स्त्री स्वर सुनते ही कहा।

"यस!"

"मैं रबिका का एक दोस्त बोल रहा हूं। मेरे पास बहुत दिनों से उसकी एक अमानत रखी हुई थी। कुछ देर पहले मैं उसकी अमानत लेकर जब उसके फ्लैट पर पहुंचा तो पता चला कि वह देश से बाहर जा चुकी है। क्या तुम बता सकती हो कि वह कहां गयी है?" हेरी ने उचित बहाना बनाया।

"मिस रबिका इस्राइल गयी हैं, आज सुबह की फ्लाइट से।" उधर से जवाब दिया गया।

"उनकी वापिसी कब तक होगी?"

"लगभग डेढ़ महीने के बाद। सम्भव है कि इससे ज्यादा दिन भी लग जायें।"

"ओह!" हेरी ने चौंकने का अभिनय किया—"उन्हें तो बहुत दिन लग जायेंगे।"

"हां, यह तो है।"

"क्या मिस...?" हेरी ने बात अधूरी छोड़ी।

"मिस रोजी!" उसने अपना नाम बताया—"रोजी स्मिथ!"

"मिस रोजी, क्या हमें रबिका का एड्रेस मिल सकता है?"

"क्यों?" प्रत्युत्तर में पूछा गया।

“मैं रबिका की वह अमानत उसके पास वापिस भिजवाना चाहता हूं। किन्हीं कारणों से अब मैं उसे अपने पास नहीं रख सकता।”

“फिलहाल मिस रबिका के व्यक्तिगत एड्रेस के बारे में तो मैं कुछ नहीं बता सकती, लेकिन अगर आप चाहें तो ‘नासरा’ में डॉक्टर सैंडो के केयर ऑफ में पत्र लिख सकते हैं।”

“डॉक्टर सैंडो ‘नासरा’ में कहां मिलेंगे?”

“उनकी टीम इस समय नासरा के इलाके में ‘तिलयास’ के निकट खुदाई का काम कर रही है। वहां खुदाई में उन्हें कुछ महत्वपूर्ण वस्तुएं प्राप्त हुई हैं, जिन पर रिसर्च के लिये मिस रबिका को वहां बुलाया गया है।”

“थैंक्यू मिस रोजी! मैं आज ही मिस रबिका की अमानत डॉक्टर सैंडो के केयर ऑफ में भिजवा देता हूं।”

यह कहकर हेरी ने सम्बन्ध-विच्छेद कर दिया।

वह सोचने लगा कि यदि उसे उन कान्टेक्ट लैंसिज को प्राप्त करना है तो फिर उसे इस्राइल तक जाना पड़ेगा। वहां तक जाने में काफी खर्चा हो सकता था।

यही सोचकर उसने स्टीला माइक का फोन नम्बर मिलाया और उधर से रिसीवर उठाये जाने की प्रतीक्षा करने लगा।

“हैलो।” उधर से आवाज आयी।

“मैं स्टीला माइक से बात करना चाहता हूं।”

“नेम प्लीज!” उधर से पूछा गया।

“हेरी, हेरी ग्लेब।”

“ओह मिस्टर ग्लेब। प्लीज होल्ड ऑन, मिस अभी आती हैं।”

हेरी स्टीला माइक की प्रतीक्षा करने लगा।

यह प्रतीक्षा एक मिनट की साबित हुई।

“यस, स्टीला माइक दिस साइड।”

“मैं हेरी बोल रहा हूं मिस स्टीला!”

“क्या बात है हेरी...क्या तुम वो कान्टेक्ट लैंसिज प्राप्त करने में सफल हो गये?”

"नहीं मिस स्टीला!" हेरी ने बताया—"इससे पहले ही पंछी जाल तोड़कर उड़ गया।"

"क्या मतलब?" स्टीला के चौंकने का स्वर सुनाई दिया।

तब हेरी ने उसे पूरी वस्तुस्थिति से अवगत करा दिया।

"ओह! मिस्टर हेरी, यह तो तुम्हारे लिये बड़ी परेशानी की बात हो गयी। अब तुम्हें उन कान्टेक्ट लैंसिज को प्राप्त करने के लिये इस्राइल तक जाना होगा।"

"क्या?"

हालांकि हेरी पहले ही इस उत्तर की अपेक्षा कर रहा था, फिर भी उसने चौंकन्ने स्वर में कहा था।

"हां मिस्टर हेरी, तुम्हें हर-हाल में उन कान्टेक्ट लैंसिज को प्राप्त करना है।"

"ओह!" हेरी ने गहरी सांस ली।

"निराश होने की आवश्यकता नहीं है मिस्टर हेरी।" स्टीला ने कहा—"आप कल सुबह इस्राइल जाने के लिये तैयार रहिये। आपके लिए एयर लाइन्स के टिकट का प्रबन्ध आज ही करवा दिया जायेगा। आप निश्चिंत रहिये।"

"लेकिन....।"

"कोई लेकिन-वेकिन नहीं...आप तुरन्त ही अपना पासपोर्ट भेज दीजिये।"

यह कहकर स्टीला माइक ने सम्बन्ध-विच्छेद कर दिया।

¶¶

'नासरा' तक पहुंचने के लिये हेरी को खासी दुश्वारियों का सामना करना पड़ा था। ईसाई धर्म के जन्मदाता हजरत ईसा के शहर को देखकर उसे बड़ा दु:ख हुआ था। उसके मस्तिष्क में इस शहर की जो तस्वीर खिंची थी...यह शहर उसके बिल्कुल विपरीत निकला था।

शहर में जगह-जगह पर चर्च दिखाई दे रहे थे, लेकिन आबादी में ईसाईयों की अधिकता होने के बावजूद चर्च वीरान पड़े दिखाई दे रहे थे, जो कि हेरी के लिये आश्चर्य की बात थी।

इस्राइल का यह एकमात्र शहर था, जहां यहूदी अल्पसंख्यकों में थे। कुछ मुसलमान भी थे, जबकि यहूदी आस-पास के क्षेत्रों में फैले हुए थे। वह शहर की तंग गलियों में घूमने लगा।

यह शहर बिन किसी प्लानिंग के आबाद किया गया था। कुछ गलियां ऐसी थीं,

जो कि किसी मोड़ पर अचानक बन्द हो जाती थीं।

आखिरकार वह इन तंग गलियों से निकलकर एक विस्तृत सड़क पर पहुंच गया और पूर्व दिशा की ओर चलने लगा।

वह तिलयास जा रहा था, जहां डॉक्टर सैंडो की टीम खुदाई का काम कर रही थी। चन्द फर्लांग का फासला तय करते हुए उसे सामने आने वाली कई गाड़ियों से बचना पड़ा था।

अचानक पीछे से आने वाली एक जीप उसके निकट आकर रुक गयी। यदि हेरी सही समय पर एक ओर को न हट जाता तो निश्चय ही वह इस जीप के नीचे कुचला जाता।

गर्दो-गुब्बार का तूफानी बादल छंटा तो हेरी ने जीप से एक यहूदी पुलिस वाले को उतरते देखा। इस पुलिस वाले के चेहरे के हाव-भाव देखकर उसकी भवें तन गयीं।

पुलिस वाला तेजी से हेरी के निकट आया और माथे पर बल डालकर बोला—"मैंने तुम्हें शहर की गलियों में घूमते हुए देखा था, फिर यकायक गायब हो गये। अपना आइडेंटिटी कार्ड दिखाओ।"

पुलिस वाले का लहजा हेरी को जरा भी अच्छा न लगा था, फिर भी उसने बिना कुछ कहे अपनी जेब से पासपोर्ट निकालकर पुलिस वाले की ओर बढ़ा दिया।

हेरी को स्टीला माइक ने अमेरिकी नागरिकता वाला पासपोर्ट उपलब्ध कराया था।

पुलिस वाले ने पासपोर्ट के पृष्ठों को उलट-पलट कर देखा और उसे घूरता हुआ बोला—

"क्या मैं इस प्रकार आवारागर्दी का उद्देश्य पूछ सकता हूं?"

"मैं अमेरिकी नागरिक हूं और...।"

" अमेरिकी शहरियों को इस्राइली कानून से असम्बद्ध करार नहीं दिया जा सकता। इस ओर कहां जा रहे हो?" पुलिस वाले ने उसकी बात काटते हुए पूछा।

"तिलयास।"

"क्यों?"

"वहां पुरातत्व विभाग की एक अमेरिकी टीम खुदाई के कार्य में व्यस्त है।" हेरी ने उत्तर दिया।

"ओह, समझ गया।" पुलिस वाला उसका पासपोर्ट उसे लौटाते हुए

बोला—"शायद तुम भी खुदाई के सिलसिले में आये हो?"

"हां।"

"तब एक बात ध्यान में रखना।"

"क्या?"

" यही कि हम इस्राइली अपने कानून की पाबन्दी को बहुत महत्व देते हैं। किसी को भी कानून का उल्लंघन करने की आज्ञा नहीं दे सकते। चाहे उसके सम्बन्ध व्हाईट हाउस से ही क्यों न हों! समझ गये?"

"जी हां।"

पुलिस वाला जीप में बैठकर चला गया और हेरी यहूदियों की मानसिकता के विषय में सोचता हुआ आगे बढ़ने लगा।

कुछ दूर और चलने पर उसे महसूस हुआ कि उसके पेट में चूहे कलाबाजियां खा रहे हैं। शायद उसे वह विचार अपने सामने एक शानदार होटल देखकर आया था। हेरी ने होटल के अन्दर पहुंचकर खाने का ऑर्डर दिया। होटल की ही तरह भोजन भी शानदार था। उसने पेट भरकर भोजन किया।

भोजन के बाद वह टहलता हुआ होटल के लॉन में जा बैठा। यहीं पर उसकी मुलाकात नीला से हुई। नीला अजीब-सी तरो-ताजा चेहरे की मालिक, तेज और चमकदार आंखों वाली लड़की थी। यह मुलाकात भी उससे बड़े दिलचस्प अंदाज में हुई थी।

हेरी उस समय होटल के संलग्न बाग के एक कोने में शान्तिमय वातावरण में शान्त बैठा था। इस स्थान का माहौल बेहद सुनसान और शान्त था। वह अपनी आगे वाली योजना पर सोच-विचार करना चाहता था। उसके सामने सोच-विचार के लिये बहुत कुछ था। उसे बार-बार जूली का विचार आता था, जिसे झटककर वह फिर अगली योजना में खो जाना चाहता था।

जहां वह बैठा था, उसके सामने दूसरे लॉन पर स्वीमिंग पूल था, जहां बहुत-सी जलपरियां पानी में क्रीड़ा कर रही थीं। उन सुन्दरियों की ओर से ध्यान हटाकर ही उसने सुनसान स्थान का चयन किया था।

अचानक हेरी के कानों में एक आवाज उभरी—

"यूं लगता है कि जीवन में पहली बार हम अपने प्रयासों में असफल रहेंगे। कोई योजना समझ में नहीं आती।"

यह एक पुरुष का स्वर था। उत्तर में तुरन्त एक स्त्री स्वर उभरा था।

“मास्टर जोरो, यदि तुम यहां सफलता प्राप्त कर लो तो यह समझ लो कि बहुत समय तक हम लोगों को कोई काम करना नहीं पड़ेगा।”

“दिन-रात सोच रहा हूं। दिन-रात लगा रखे हैं मैंने, मगर क्या करूं, भाग्य मेरा साथ नहीं दे रहा। खैर, बकरे की मां कब तक खैर मनायेगी। मैंने भी यदि इस स्टोर में डाका नहीं डाला तो समझ लो कि मेरा अब तक का जीवन व्यर्थ गया।”

डाके का नाम सुनकर हेरी के कान खड़े हो गये। वह ध्यान से उनकी बातें सुनने लगा।

“कम से कम चार-पांच करोड़ का माल तो होगा उस स्टोर में?” स्त्री स्वर ने पूछा था।

“हां, वहां एक-से-एक शानदार हीरे-जवाहरात भरे पड़े हैं। एक-एक हीरे की कीमत लाखों में है। इससे भी क्या कम होंगे?”

“पांच करोड़...?” स्त्री के स्वर में आश्चर्य झलक रहा था—“हीरे जवाहरात...जब मैं पहनूंगी तो कितनी अच्छी लगूंगी।”

“तुम तो वैसे भी बहुत सुन्दर हो।” पुरुष ने उसे मक्खन लगाते हुए कहा—“तुम्हें हीरे-जवाहरात की क्या आवश्यकता है?”

“आवश्यकता क्यों नहीं...?” लड़की कह रही थी।

हेरी का दिल उनकी बातों को सुनकर बहुत तेजी से धड़क रहा था। करोड़ों का डाका! उसको अंदाजा हो गया कि ये लोग खतरनाक होंगे। यदि उन्हें पता चल गया कि मैंने उनकी बातें सुन ली हैं तो पता नहीं उनकी फिर क्या प्रतिक्रिया हो?

यही सोचकर वह अवसर मिलते ही उस झुण्ड के पीछे से उठा, जिसके पीछे यह सब बातें हो रही थीं। वह झुके-झुके बिल्ली की चाल से दबे कदमों पर चलता हुआ उस झुण्ड से दूर निकल आया।

एक अन्य स्थान पर बैठकर उसने उधर निगाहें जमा दीं, जहां वह स्त्री-पुरुष आपस में बातें कर रहे थे।

वह पुरुष जो निश्चित रूप से मास्टर जोरो था, किसी कदर छोटे कद और बहुत ही ठोस शरीर का स्वामी था। वह चेहरे से ही खतरनाक दिखाई दे रहा था।

लेकिन उसके साथ जो लड़की थी, वह बहुत ही सुन्दर और आकर्षक चेहरे की स्वामिनी थी।

उनकी बातें सुनकर हेरी की फितरत उस पर भारी पड़ने लगी। वह स्वयं एक माहिर चोर था। जब उसने किसी स्टोर में डाका डालने की बात सुनी तो उसके कान खड़े हो गये और वह स्वयं उन लोगों से मिलने को उत्सुक हो गया।

विशेष रूप से उस लड़की से, जो मास्टर जोरो जैसे खतरनाक आदमी की साथिन थी। वह उनसे मिलकर उसकी कार्य-प्रणाली के बारे में जानना और देखना चाहता था और यह तभी सम्भव था, जब वह उन लोगों में घुल-मिल जाता।

अगले ही पल हेरी ने उन लोगों से हाथ मिलाने का निश्चय कर लिया। वो दोनों चूंकि इसी होटल में ठहरे थे, इसीलिये हेरी ने भी उसी होटल में एक कमरा ले लिया और उन दोनों की गतिविधि पर नजर रखने लगा।

शाम के समय उसने लड़की को जुएखाने की ओर जाते देखा तो वह स्वयं भी उसका पीछा करता हुआ जुएखाने में पहुंच गया। क्योंकि हेरी स्वयं को 'लेडी किलर' समझता था, इसलिये उसे विश्वास था कि वह आसानी से लड़की को अपने जाल में फंसा लेगा।

लड़की एक मेज पर बैठकर ताश खेलने लगी। उस मेज पर पहले ही तीन आदमी बैठे थे, चौथी लड़की थी, अब भी एक कुर्सी उस मेज पर खाली थी। हेरी उसी पर जाकर बैठ गया।

हेरी वैसे भी ताश का माहिर खिलाड़ी था। पत्ते उसके हाथों में आकर जैसे स्वयं बोलते थे।

एक बार जो पत्ते हेरी के हाथ में आये तो उसने जीतना आरम्भ कर दिया। हेरी को जीतते देखकर वह लड़की उससे प्रभावित होने लगी। हेरी उसे प्रभावित करने के लिये ही उस मेज पर बैठा था। जब उसने देख लिया कि उसकी लगातार जीत से लड़की बुरी तरह प्रभावित हो गयी है तो उसने कुर्सी छोड़ दी और उठकर चल दिया।

लड़की ने भी तुरन्त अपनी सीट छोड़ दी और उसके पीछे-पीछे चल दी—

"सुनिये मिस्टर!" उसने पीछे से हेरी को आवाज दी।

"हरी...हेरी ग्लेब!" हेरी ने अपना परिचय कराया।

"मेरा नाम नीला है।" लड़की ने उसके पास आकर हाथ मिलाते हुए कहा—"मैं आपके खेल से बहुत प्रभावित हुई हूं।"

"थैंक्यू!" वह एक बार फिर चलने लगा।

"लेकिन एक बात मेरी समझ में नहीं आयी।" लड़की ने उसके साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए कहा।

"कौन-सी बात?" हेरी ने पूछा।

"यही कि जब आप लगातार जीत रहे थे, तो फिर आपने खेलना क्यों छोड़ा? आज तो भाग्य की देवी तुम पर मेहरबान थी और लोगों का कहना है कि जब भाग्य की देवी मेहरबान हो तो फिर उससे मुंह नहीं मोड़ना चाहिये।"

उत्तर में हेरी मुस्कुरा दिया, फिर उसने कहा—

"मिस नीला, मैं आपको कॉफी पिलाऊं?"

"अवश्य।"

"तो फिर आइये, डायनिंग हॉल में चलते हैं।"

वो दोनों हॉल में आकर बैठ गये। जब वेटर कॉफी ले आया तो नीला ने अपना प्रश्न फिर दोहराया।

"आपने उत्तर नहीं दिया मिस्टर हेरी?"

"किस बात का?"

"आप वहां से उठकर क्यों चले आये? भाग्य की देवी हर बार तो साथ नहीं देती। आपको अभी और खेलना चाहिये था।"

"बात यह है मिस नीला कि आदमी को संतुलित मानसिकता वाला होना चाहिये। जीतने की इच्छा एक बार नहीं, मन में बार-बार जन्म लेती है, वो लोग जिन्हें अपने आप पर विश्वास नहीं होता, जो स्वयं में संदिग्ध होते हैं, वही यह प्रयास करते हैं कि यदि उन्हें सफलता मिल रही है तो इस सफलता का जितना लाभ उठाया जा सके उठा लें, जबकि मैं इसके विपरीत विचार रखता हूं।"

"जैसे?" नीला और प्रभावित होते हुए बोली।

"जैसे यह कि यदि मैं जीतना चाहूं तो यूं समझ लो कि जब तक मेरा मन चाहेगा, जीतता रहूंगा।"

"इतना विश्वास है, आपको स्वयं पर?"

"हां, मिस नीला।"

"वैसे आप करते क्या हैं मिस्टर हेरी?"

"डाके डालता हूं।" हेरी ने शान्त भाव से उत्तर दिया।

"क्या?" नीला की आंखें आश्चर्य से फैलकर और बड़ी-बड़ी हो गयीं।

"आप मजाक अच्छा कर लेते हैं।"

"नहीं मिस नीला, यह मजाक नहीं है।" हेरी ने ठोस स्वर में कहा—"आपको इस बात पर आश्चर्य नहीं होना चाहिये।"

"क्यों नहीं होना चाहिये?" नीला ने पूर्ववत् स्वर में पूछा।

"मिस नीला, मैंने जो आपको अपने पेशे के बारे में बिना झिझक बताया है, वह अकारण नहीं है। इसका कारण है।"

"कौन-सा कारण?" नीला को अपने कानों पर विश्वास न हो रहा था।

"मेरा आपसे अकारण ही टकराव नहीं हुआ है मिस नीला। मैंने बहुत सोच-समझकर आपको अपने बारे में बताया है।"

नीला अब भी मुंह फाड़े उसे देख रही थी, फिर वह बोली—

"कुछ समझी नहीं मैं, आप मेरा विश्वास कीजिये कि मैं आपकी बात बिल्कुल नहीं समझी।"

"पहले तो आप यह समझ लीजिये मिस नीला कि मेरा सम्बन्ध किसी ऐसे सिक्योरिटी विभाग से नहीं है, जो आपकी तलाश में हो या मास्टर जोरो के विषय में कुछ जानना चाहता हो। नहीं मिस नीला, ऐसी कोई बात नहीं है।"

"फिर...?" नीला के हलक से यन्त्रचालित-सा शब्द निकला। जैसे-जैसे वह हेरी की बातें सुन रही थी, उसके आश्चर्य में बढ़ोत्तरी होती जा रही थी।

"मिस नीला, बस इसे संयोग मान लें कि मैं आपकी योजना में शामिल हो गया हूं... लेकिन इससे आप यह न समझ लें कि मैं आपसे अलग हटकर कोई काम करना चाहता हूं।"

"क...क...क्या?" नीला ने हकलाते हुए कहा। अब उसकी आंखों में भय की परछाइयां झलक रही थीं।

तब हेरी ने उसे इस प्रकार शीशे में उतारा कि उसका सारा भय दूर हो गया। वह उससे बुरी तरह प्रभावित दिखाई दे रही थी। फिर उसने हेरी का हाथ दबाते हुए उत्तेजित स्वर में कहा—

"मिस्टर हेरी, तुम अभी और इसी समय मेरे साथ चलो।"

"कहां?"

"मेरे साथ...मेरे कमरे में।"

"क्यों?"

"मैं अभी और इसी समय मास्टर जोरो से तुम्हें मिलाना चाहती हूं।"

यह कहते ही वह तुरन्त अपनी कुर्सी छोड़कर खड़ी हो गयी।

हेरी को उसका अनुसरण करना पड़ा।

नीला हेरी को ड्राइंगरूम में बिठाकर स्वयं अन्दर मास्टर जोरो के पास पहुंच गयी थी।

नीला को एक अजनबी के साथ कमरे में आते देखकर मास्टर जोरो ने कड़े तेवरों के साथ नीला को देखा था।

"मिस्टर हेरी! आप यहां सोफे पर बैठिये। मैं अभी आयी।"

यह कहते हुए वह मास्टर जोरो को साथ लेकर बराबर वाले कमरे में चली गयी।

थोड़ी देर बाद जब वह मास्टर जोरों के साथ वापस आयी तो उसने मास्टर जोरो को भी न जाने हेरी के विषय में क्या-क्या बताकर इतना प्रभावित कर लिया था कि वह आते ही हेरी के पैर पकड़कर बोला था—

"मिस्टर हेरी...मुझे अपने काम में आप जैसे मास्टर माइन्ड व्यक्ति की आवश्यकता है। मेरे जीवन का एक बहुत बड़ा उद्देश्य यहां होटल शंघाई के एक बड़े स्टोर में डाका डालना है। आप यूं समझ लीजिये की स्टोर के शो-रूम में सजे हुए जेवरात अपना मुंह चिढ़ाते हुए अनुभव होते हैं। मेरी हार्दिक इच्छा है कि मैं एक ऐसी डकैती डालूं, जिसे अपराधी जगत में हमेशा याद रखा जाये। बस मिस्टर हेरी, मैं हसरत में तड़प रहा हूं।"

"मैं इस सम्बन्ध में आपकी सहायता कर सकता हूं।" हेरी ने विश्वस्त स्वर में कहा।

"यदि आप हिस्से की बात करते हैं तो जो आप तय करेंगे, वही मुझे मंजूर होगा। बात असल में वही है कि बस मैं काम करना चाहता हूं।"

"तुम्हारी यह बात ठीक है। पहले ही सब कुछ तय हो जाये तो अच्छा है। बाद में यह उचित नहीं होगा। बोलो, तुम्हें कितना हिस्सा चाहिये।"

"प्राथमिकता आपकी होगी, क्योंकि हम तो आपकी योजनानुसार काम करेंगे।" मास्टर जोरो ने कहा।

"ठीक है, तो फिर आधे-आधे पर बात होगी।" हेरी ने निर्णय सुनाया।

"क्या मतलब?" मास्टर जोरो ने कहा—"तुम्हारे अतिरिक्त हम तीन और हैं। एक मैं, एक नीला और एक मेरा सहायक मिलर।"

"तुम चाहे तीन आदमी हो या दस, मुझे इससे कोई मतलब नहीं है। मैंने बता दिया है कि डकैती के माल में आधा मेरा होगा और आधा तुम सब का।" हेरी ने ठोस स्वर में कहा।

“ठीक है, मुझे मंजूर है।” मास्टर जोरो ने शीघ्रता से कहा—“तुम बस काम का श्रीगणेश करो।”

“ठीक है, तुम आज मुझे वह स्टोर दिखाओ, फिर मैं उसका भरपूर निरीक्षण करने के बाद ही कोई योजना बनाऊंगा।”

“तो चलो, मैं अभी तुम्हें दिखा देता हूं।” मास्टर जोरो तुरन्त अपने स्थान पर खड़ा हो गया। वह बहुत उतावलेपन का प्रदर्शन कर रहा था।

हेरी के होठों पर मुस्कुराहट फैल गयी।

¶¶

हेरी का शैतानी मस्तिष्क विद्युत गति से कार्य कर रहा था। आखिरकार एक योजना उसने अपने मस्तिष्क में बना डाली और उसी योजना के अनुसार सामान उपलब्ध करने में जुट गया।

मास्टर जोरो ने ड्रिल मशीन, फ्लैश लाइट और बहुत-सी कारआमद वस्तुओं को उसे उपलब्ध करा दिया।

सारी आवश्यक वस्तुओं के प्रबन्ध के साथ वह नीला को साथ लेकर उस स्टोर का अध्ययन करने के लिये चल पड़ा। क्योंकि नीला इसी होटल में ठहरी थी, इसलिये उन्हें स्टोर में और उसके आस-पास घूमने में कोई कठिनाई न हुई।

उन्होंने स्टोर के अन्दर और बाहर दोनों स्थानों का निरीक्षण करके उसके सुरक्षा-प्रबन्धों को देखा। स्टोर के बाहर जगह-जगह शार्ट सर्किट टी.वी. फिट थे, तो अन्दर स्टोर में सशस्त्र गार्डों का प्रबन्ध था।

स्टोर का पूर्ण रूप से अध्ययन करने के बाद हेरी एक स्थान का चयन करने में सफल हो गया। उसने स्टोर की छत पर जो कमरा था, उसका चयन किया था। वहीं से कामयाब डकैती डाली जा सकती थी। प्रवेश द्वार से डकैती डालना तो असम्भव-सा कार्य था।

“तुम्हें यह पता लगाना है कि इस स्टोर की छत वाले कमरे में कौन रहता है?” हेरी ने नीला के कान में कहा। वो दोनों इस समय किसी प्रेमी-प्रेमिका की भांति हाथों में हाथ डाले आस-पास का निरीक्षण कर रहे थे।

“वह तो मैं जानती हूं।” नीला ने बुदबुदाते हुए उत्तर दिया।

“कौन रहता है वहां?” हेरी ने पूछा।

“रहता है नहीं, रहती है।” नीला ने उत्तर देते हुए कहा—“मिस मार्टिना जिसूजा, जो कि फिल्म अभिनेत्री है।”

“क्या वह बेहद प्रसिद्ध अभिनेत्री है?”

“हां, वह इतनी प्रसिद्ध तो नहीं है। फिल्मों में वह छोटे-मोटे रोल करती है। वह अट्ठाइस वर्षीय सुन्दर युवती है, जो कि स्थाई रूप से इस होटल के कमरे में बड़े ठाठ-बाट के साथ रहती है।”

“यहां का किराया तो बहुत महंगा है, जबकि वह तुम्हारे कहने के अनुसार छोटी-मोटी कलाकार है, तो फिर क्या वह इतना कमा लेती है जो इस होटल का किराया वहन कर सके? साथ ही ठाठ-बाट के साथ भी रुके।”

नीला मुस्कुरायी और बोली—“दरअसल, अभिनय तो केवल उसके लिये एक आड़ है, उसका असल कारोबार तो कुछ और है।”

“क्या?”

“वह एक कॉलगर्ल है...इस होटल में रहकर वह बड़े-बड़े शिकारों को फांसती है।”

“इसका मतलब यह हुआ कि होटल वाले उसके बारे में जानते हैं और वह उनकी इच्छानुसार ही यह सब करती है।”

“यही तो कमाल की बात है।” नीला एक बार फिर मुस्कुरायी—“वह शिकार यहां जरूर फांसती है, मगर वह यह काम यहां नहीं करती। यहां वह साफ-सुथरा जीवन जीती है। यही कारण है कि यहां उसके पास बहुत कम लोग मिलने आते हैं।”

“मेरी गिनती भी आज उन्हीं कम लोगों में होगी।” हेरी ने अपने चेहरे पर रहस्यमयी मुस्कान सजाते हुए कहा।

“क्या मतलब?” नीला चौंककर बोली।

फिर हेरी उसको अपनी योजना समझाने लगा।

¶¶

हेरी ने एक शानदार सूट पहना और मास्टर जोरो के सहायक साथी टोनी मिलर के साथ मार्टिना के दरवाजे पर पहुंच गया।

उन्होंने यहां आने के लिये ऐसे समय का चयन किया था कि उन्हें कोई परेशानी न उठानी पड़े।

दरवाजे पर पहुंचकर हेरी ने दस्तक दी।

दस्तक के उत्तर में कमरे में उभरते चप्पलों की चाप सुनाई दी, फिर बोल्ट गिरने की आवाज सुनाई दी।

"यस।" दरवाजा खोलकर मार्टिना ने प्रश्नवाचक दृष्टि से उनकी ओर देखा।

"मिस मार्टिना, मेरा नाम हेरी है और मैं कम्बाइन फिल्म स्टूडियो की ओर से आया हूं।" हेरी ने अपना परिचय कराया।

फिल्म स्टूडियो का नाम सुनकर मार्टिना ने तुरन्त दरवाजा छोड़ दिया और जल्दी से बोली—

"आइये....आइये मिस्टर हेरी, अन्दर आ जाइये।"

हेरी के साथ-साथ टोनी मिलर ने भी अन्दर प्रवेश किया। अन्दर आते ही टोनी ने तुरन्त अपने पीछे दरवाजा बन्द कर दिया।

"ये...ये तुमने दरवाजा क्यों बन्द कर दिया?" टोनी को दरवाजा बन्द करते देखकर उसने हकलाते हुए संदिग्ध दृष्टि उन पर डाली।

तभी हेरी ने अपने कोट की जेब में हाथ डाले-डाले हिंसक स्वर में कहा—"मिस मार्टिना, हम कोई स्टूडियो वाले आदमी नहीं हैं। यदि तुमने हमारे साथ सहयोग नहीं किया तो यह तुम्हारे हक में अच्छा नहीं होगा।"

"क...क्या...क्या चाहते हो तुम लोग?" हेरी का हिंसक स्वर सुनकर उसकी हकलाहट और बढ़ गयी थी। वह भयभीत दिखाई दे रही थी।

"आराम से बैठो, इतनी भी जल्दी क्या है?" यह कहते हुए हेरी ने उसे सोफे पर धक्का दिया।

मार्टिना ने चिल्लाना चाहा।

हेरी ने चीते जैसी फुर्ती के साथ जम्प मारकर अपनी एक हथेली का ढक्कन उसके मुंह पर लगा दिया।

उसकी चीख घुटकर रह गयी।

"मिस मार्टिना, चिल्लाने की कोशिश मत करना, वर्ना तुम्हारी चीख हमेशा के लिये दबा दी जायेगी।" हेरी के स्वर में अचानक ही भयानक हिंसा उभर आयी थी।

मार्टिना ने फटी-फटी आंखों के साथ मुंह से गूं-गूं करके उसे ना चिल्लाने का आश्वासन दिया तो हेरी ने उसके मुंह से हाथ हटा लिया।

मार्टिना ने कई गहरी-गहरी सांसें लीं और फिर बोली—"सुनो, यदि तुम चोरी की नियत से यहां आये हो तो तुम्हारे हाथ निराशा ही लगेगी। मेरे पास इतना कुछ नहीं जो तुम्हारे कुछ दिनों के लिये काम आ सके। मेरे सारे गहने इमिटेशन के हैं।"

"तुम्हारा यह अनुमान तो किसी हद तक सही है कि हम यहां चोरी की नियत से

आये हैं, लेकिन तुम्हारे यहां नहीं।" हेरी ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ कहा।

"फिर?"

"बता देंगे! इतना भी उतावलापन किस काम का?" यह कहते हुए हेरी ने टोनी मिलर को सम्बोधित करते हुए कहा—

"टोनी, तुम कमरे की पिछली राहदारी में खुलने वाली खिड़की खोलकर, मेनगेट से बाहर चले जाओ और मास्टर जोरो और नीला को अन्दर भेज दो।"

टोनी मिलर बिना कुछ कहे खिड़की की तरफ वापिस पलटा और दरवाजा खोलकर बाहर निकल गया।

अगले ही पल कमरे में मास्टर जोरो और नीला ने प्रवेश किया। उसके बाद उन्होंने दरवाजा बन्द कर दिया। दरवाजे में बाहर से ताला लगने की आवाज सुनकर उन्होंने पलटकर देखा।

मार्टिना भयभीत चेहरे के साथ सोफे पर बैठी थी, जबकि हेरी कोट की जेबों में हाथ डाले शान्त खड़ा था। हां, उसके चेहरे पर एक खतरनाक जहरीली मुस्कुराहट अवश्य थी।

अन्दर का दृश्य देखकर जोरो और नीला के चेहरों पर संतुष्टि के भाव आ गये।

लगभग एक मिनट के बाद टोनी मिलर ने पिछली खिड़की से अन्दर प्रवेश किया।

"सब ठीक तो है!" टोनी को खिड़की बन्द करके वापस मुड़ते देखकर मास्टर जोरो ने व्यग्रता से पूछा।

"हां, मैंने मिस मार्टिना के कमरे का बाहर से ताला लगा दिया है। अब जो भी कोई देखेगा, वह यही समझेगा कि मिस मार्टिना बाहर गई हुई हैं।"

"शाबाश!" हेरी ने कहा और पूछा—"तुम्हें दरवाजे का ताला लगाते या खिड़की से अन्दर आते किसी ने देखा तो नहीं?"

"नहीं।" टोनी ने उत्तर दिया—"मैंने अपना कार्य पूरी सावधानी से किया है।"

"तुम लोग कौन हो और यहां क्या कर रहे हो?" मार्टिना ने अपना साहस समेटकर प्रश्न किया। वह मास्टर जोरो का भयानक चेहरा देखकर और भयभीत हो गयी थी।

"मिस मार्टिना, हम आपको यह पहले ही बता चुके हैं कि हम कौन हैं और यहां क्यों आये हैं!" यह कहते हुए हेरी ने उसकी ओर देखा और कहा—

"फिर भी अगर तुम स्पष्ट जानना ही चाहती हो तो सुनो, हम तुम्हारे फ्लैट की छत के नीचे वाले स्टोर रूम में डाका डालने आये हैं। यदि तुमने हमारे काम में किसी प्रकार की बाधा डालने या चीखने-चिल्लाने की कोशिश की तो तुम्हारे हक में बहुत बुरा होगा।"

मार्टिना भय से आंखें फाड़े उनकी ओर देखने लगी। उसके चेहरे का रंग पीला पड़ गया था। उसने घबराते हुए पूछा—

"मगर तुम यहां से चोरी कैसे करोगे?"

"हम तुम्हारी छत में ड्रिल मशीन से सुराख करके उसके बाद उतरेंगे और फिर स्टोर का सारा सामान समेटकर वापिस यहीं आकर रफू-चक्कर हो जायेंगे।"

"लेकिन इस प्रकार तो मैं भी फंस जाऊंगी।" उसने शंका प्रकट की।

"तुम फंसो या न फंसो...हमें इससे कोई मतलब नहीं। तुम हमें अपना काम करने दो।" हेरी ने यह कहकर जोरो की ओर देखा और बोला—

"मास्टर जोरो, तुम इसके मुंह पर टेप चिपकाकर इसके हाथ-पांव बांधकर बिस्तर पर डाल दो, ताकि इसकी ओर से कोई खतरा न रहे।"

मास्टर जोरो रस्सी और टेप लेकर आगे बढ़ा तो वह भयभीत स्वर में बोली—

"नहीं...नहीं, मेरे हाथ-पैर मत बांधो...मैं तुम्हारे काम में किसी प्रकार की बाधा नहीं पहुंचाऊंगी।"

"तुम्हारा कोई विश्वास नहीं है, तुम्हारे हाथ-पैर बांधने ही होंगे। शराफत से नहीं बंधवाओगी तो हम जबरदस्ती बांध देंगे।" जोरो ने अपनी भयानक आवाज में कहा।

वह तड़पकर बिस्तर से उठी और हेरी के आगे हाथ-पैर जोड़ने लगी—"मेरा विश्वास करो, मैं कुछ नहीं कहूंगी...प्लीज इससे मना कर दो, यह मेरे हाथ-पैर न बांधे।"

"ठीक है। तुम वापिस जाकर बिस्तर पर बैठ जाओ, लेकिन यह सोच लेना कि हम तुम्हारी ओर से असावधान नहीं रहेंगे। किसी भी प्रकार की चालाकी तुम्हारे लिये हानिकारक सिद्ध होगी।"

हेरी का आदेश मिलते ही वह चुपचाप बिस्तर पर जाकर बैठ गयी और उनके द्वारा होने वाली अगली कार्यवाही का निरीक्षण करने लगी।

उन लोगों ने सबसे पहले कमरे को साउण्ड प्रूफ बनाया। फिर बड़े ड्रिल लेकर कमरे के एक भाग का चयन करके ड्रिल से छत में होल बनाने का प्रयास करने लगे।

लेकिन इस सम्बन्ध में असफलता का सामना करना पड़ा था। ड्रिल मशीन कमरे के फर्श पर कामयाब नहीं हो पा रही थी। यदि उस पर अधिक शक्ति से प्रेशर डाला

जाता था, तो उसकी आवाज खौफनाक हो जाती थी और यह खतरा मोल नहीं लिया जा सकता था।

उन्होंने सोचा था कि रात को यह काम कर लेंगे, लेकिन जब रात आयी तो उन्हें अंदाजा हुआ कि रात में यह काम दिन से अधिक खतरनाक हो सकता है। प्रातः को जब जीवन की भाग-दौड़ आरम्भ हो जायेगी, तभी यह काम दोबारा आरम्भ किया जायेगा।

उधर मार्टिना बिस्तर पर लेटी भयभीत दृष्टि से उन लोगों को देख रही थी। वह अभी तक उन लोगों से सहयोग कर रही थी। उसे देखकर एक बार फिर जोरो ने चेतावनी दी—

"तुम इसी प्रकार शान्ति के साथ हमारे साथ सहयोग करती रहो। हम तुम्हें कोई हानि नहीं पहुंचायेंगे...हां, यदि तुमने चीखने-चिल्लाने की कोशिश की तो तुम्हारे जीवन की कोई गारण्टी नहीं दी जा सकती।"

"तो क्या रात तुम लोग यहीं गुजारोगे?"

"कहा ना, जब तक हमारा कार्य पूरा नहीं होगा, हम यहां से नहीं जाने वाले। तुम आराम से सो जाओ।"

मार्टिना रात को न जाने कब तक जागती रही थी, जबकि वो चारों एक बार फिर अपनी योजना पर नये सिरे से विचार-विमर्श करने में जुट गये।

उन्होंने इस बात का ख्याल रखा था कि रात के किसी भाग में मार्टिना किसी प्रकार की चालाकी दिखाने में सफल न हो जाये। रात को बारी-बारी से जागकर वो मार्टिना पर नजर रख रहे थे।

प्रातः वो सब जब बाथरूम से फ्रेश होकर वापिस ड्राइंगरूम में आये तो उन सब को नाश्ते की तलब महसूस हो रही थी। तब हेरी ने मार्टिना से कहा—

"सुनो, तुम फोन करके वेटर को भारी भरकम नाश्ते का ऑर्डर दो, जो हम सबके लिये पूरा पड़ जाये, लेकिन एक बात फिर कान खोलकर सुन लो...किसी भी प्रकार की चालाकी दिखाने की कोशिश मत करना। सिर्फ नाश्ते का ऑर्डर देना, किसी प्रकार की फालतू बात मत करना।"

मार्टिना ने असहाय भाव से उन चारों की ओर देखा और टेलीफोन की ओर हाथ बढ़ाया।

ऑर्डर देने के बाद जैसे ही मार्टिना ने रिसीवर नीचे रखा...हेरी ने टोनी मिलर को सम्बोधित करते हुए कहा—

"टोनी, तुम खिड़की खोलकर राहदारी में जाओ और घूमकर आकर दरवाजे का लॉक खोल दो।"

टोनी, गरदन हिलाता हुआ खिड़की से बाहर चला गया। एक मिनट बाद ही वह फ्लैट का दरवाजा खोलकर अन्दर आ गया।

"अब तुम तीनों दूसरे कमरे में चले जाओ। मैं इसकी निगरानी के लिये यहीं रहूंगा।"

जब वो तीनों दूसरे कमरे में चले गये तो हेरी ने मार्टिना से कहा—"सुनो! मुझे बार-बार चेतावनी देना अच्छा नहीं लगता, मगर वेटर के आने पर किसी प्रकार की चालाकी दिखाने की कोशिश मत करना, वर्ना...।"

शेष शब्द उसने बीच में ही छोड़ दिये थे।

थोड़ी देर के बाद वेटर ने नाश्ता लाकर लगाया तो मार्टिना ने रहम तलब नजरों से हेरी की ओर देखा।

लेकिन हेरी ने इस प्रकार जेब में हाथ डाल लिया था, जिससे उसे अंदाजा हो जाये कि वह खतरे में है, फिर वह सोफे पर इस प्रकार लेट गया जैसे मार्टिना का कोई दोस्त हो, जो सुबह-ही-सुबह उसका हाल-चाल मालूम करने के लिये आ गया था।

मगर उसकी नजरें मार्टिना के चेहरे पर केन्द्रित थीं। उसका अन्दाजा बता रहा था कि मार्टिना ने कोई गलत हरकत की या वेटर को कुछ बताने का प्रयास किया तो एक क्षण में उसकी जीवन-लीला समाप्त हो जायेगी।

वेटर के जाने के बाद वो तीनों भी ड्राइंगरूम में आ गये और उन्होंने मार्टिना को भी नाश्ते में शामिल कर लिया।

¶¶

जब होटल में चहल-पहल आरम्भ हो गयी तो उन्होंने अपना काम आरम्भ कर दिया।

लगभग दस बजे का समय था, जब दरवाजे पर दस्तक की आवाज सुनाई दी। दस्तक की आवाज सुनकर वो चारों यूं चौंके जैसे बिच्छू ने एक साथ सबके डंक मार दिया हो।

उन्होंने प्रश्नवाचक दृष्टि से एक-दूसरे की ओर देखा, फिर मास्टर जोरो आस्तीन चढ़ाता हुआ मार्टिना के पास आया और सरगोशी में बोला—

"कौन हो सकता है यह?"

"मुझे क्या पता?" मार्टिना ने अनभिज्ञता प्रकट की।

दस्तक की आवाज एक बार फिर सुनायी दी।

"पूछो कौन है यह?" जोरो ने फुंफकारती हुई आवाज में कहा।

“कमरा साउण्डप्रूफ है, यहां से उसे आवाज कैसे जायेगी?” मार्टिना ने पूछा।

“ओह।” हेरी ने माथे पर हाथ मारा और बोला—“तुम दरवाजे पर जाकर थोड़ा-सा दरवाजा खोलकर पूछो कि कौन है? वह जो भी हो, तुम उससे कह देना कि तुम्हारी तबियत ठीक नहीं है, इसलिये तुम्हें डिस्टर्ब न किया जाये।”

मार्टिना दरवाजे तक गयी और निर्देशानुसार थोड़ा-सा दरवाजा खोलकर आने वाले के बारे में पूछा।

आने वाला होटल का सफाई कर्मचारी था, जो कि कमरे की सफाई के लिये आया था।

मार्टिना ने एक नजर जोरो की ओर देखा, जो कि रिवाल्वर उसकी ओर ताने दरवाजे की ओट में खड़ा भयानक नजरों से घूर रहा था।

मार्टिना ने हेरी द्वारा कहे गये शब्द दोहराये और दरवाजा बन्द कर दिया।

सफाई कर्मचारी के जाने के बाद उन सभी ने एक गहरी सांस ली और अपने काम में व्यस्त हो गये।

इस बार बारी टोनी और जोरो की थी। फर्श पर अत्यधिक शक्तिशाली ड्रिल मशीन सही काम न कर रही थी। जोरो बार-बार गालियां बक रहा था।

एक बार जब वो चारों ड्रिल मशीन में लगे थे, तो मार्टिना ने अवसर का लाभ उठाने की सोची। वह अब तक उनसे हर प्रकार का सहयोग करती आयी थी। कुछ-कुछ उन्हें भी उस पर विश्वास हो गया था...इसीलिये वो उसकी ओर से निश्चिंत से हो गये थे।

मार्टिना ने उन्हें गाफिल जानकर अपने कदम दरवाजे की ओर बढ़ाये। इससे पूर्व कि उसके हाथ दरवाजा खोल पाते, अचानक नीला की नजर उस पर पड़ गयी। मार्टिना को भागते देखकर उसने शोर मचा दिया—

“वह भाग रही है—उसे रोको।”

जोरो और हेरी अपने स्थान से चीते जैसी फुर्ती के साथ उछले और मार्टिना की ओर दौड़े।

हेरी ने जबरदस्त फुर्ती के साथ लम्बी छलांग लगायी और मार्टिना की दरवाजे की कुंडी की ओर बढ़ती कलाई को झपट्टा मारकर रोक लिया।

“छोड़ दो...मुझे छोड़ दो...।” मार्टिना चिल्लायी।

हेरी ने उसे पीछे को धक्का दिया।

जोरो के हाथों में ड्रिल मशीन थी। उसने पागलपन की हद तक क्रोधित होकर

ड्रिल मशीन से मार्टिना के चेहरे पर हमला करना चाहा।

वह तो हेरी ने तुरन्त एक हाथ से जोरों की ड्रिल मशीन वाला हाथ पकड़ा और दूसरे हाथ से मार्टिना के मुंह पर हाथ रखकर उसके कंठ से भय के कारण निकलने वाली चीख को रोका।

यदि वह मार्टिना के मुंह पर समय पर हाथ न रखता, तो निश्चित रूप से उसकी चीख की आवाज बाहर चली जाती।

"मैं अब इसे नहीं छोड़ूंगा। इसका चेहरा बिगाड़कर रहूंगा।" जोरो ने क्रोध की अधिकता में फुंफकारते स्वर में कहा।

"पागल मत बनो।" हेरी ने उसे परे धकेलते हुए कहा—"तुम हमारी परेशानी मत बढ़ाओ।"

"और यह क्या कर रही थी?" जोरो ने ज्वलित स्वर में कहा—"यह भी तो हमारी परेशानी बढ़ा रही थी।"

"बोलो क्या कहती हो?" हेरी ने उसका मुंह दबाये-दबाये पूछा—"अब फिर करोगी ऐसी हरकत?"

मार्टिना ने भयभीत आंखों से जोरों को देखते हुए जोर-जोर से नकारात्मक ढंग से गरदन हिलायी।

"अबकी बार तुम्हें छोड़ रहा हूं, लेकिन अगर दोबारा कोई गलत हरकत की तो मेरी कोई गारण्टी नहीं होगी। जोरो को किसी को भी तड़पा-तड़पा कर किश्तों में मारने में बड़ा मजा आता है।"

यह कहकर उसने मार्टिना के मुंह से हाथ हटा लिया। वह भयभीत हिरणी की भांति गहरे-गहरे सांस लेने लगी, फिर वहां से स्वयं ही मरे-मरे कदमों से चलकर बेड तक आयी और बिस्तर पर गिर गयी।

उन लोगों ने फिर नीला को उसकी निगरानी पर लगाया और स्वयं अपने काम में व्यस्त हो गये।

दोपहर का भोजन भी रूम सर्विस के द्वारा मंगा लिया गया था। शाम के साये वातावरण में फैल रहे थे। कुछ दूर तामीर का काम हो रहा था। कंकरीट मिन्स करने वाली मशीन चल रही थी। उस समय जब यह मशीन असफल हो गयी तो हेरी के चेहरे पर परेशानी के भाव फैल गये। उसका चेहरा बिगड़ गया था।

सारी रात और सारा दिन गुजर चुका था, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ था।

"यह तो कुछ भी न हुआ।" मास्टर जोरो ने ड्रिल मशीन हाथ में से रखते हुए कहा—"पता नहीं हरामजादों ने फर्श में कितना सीमेंट मिलाया है कि फर्श कटने का नाम

ही नहीं ले रहा।"

"हां, मेरे तो हाथों में छाले पड़ गये।" टोनी मिलर ने अपनी विपदा बतायी।

"ड्रिल मशीन तो लगभग असफल हो ही गयी। अब तो कुछ और सोचना पड़ेगा।" हेरी ने चिन्ताजनक स्वर में कहा।

"तुम लोग बेकार में अपना और मेरा समय बर्बाद कर रहे हो। आज मुझे शूटिंग पर जाना था, उन लोगों ने मेरा रोल किसी और को दे दिया होगा। अब मेरा क्या होगा?" मार्टिना ने अपना दुखड़ा रोया।

"तुम तो बस अपनी चोंच बन्द ही रखो। तुमने अलग नाक में दम कर रखा है। लगता है, तुम्हारे मुंह पर टेप लगानी ही होगी।" मास्टर जोरो ने अपनी झल्लाहट मार्टिना पर उतारी।

हेरी ने किसी की बात पर कोई ध्यान न दिया। वह एक बार फिर बिल्डिंग का नक्शा लेकर बैठ गया।

होटल की पूरी इमारत पूर्ण रूप से एयरकंडीशंड थी। हेरी ने आखिरकार एक ऐसा एयरकंडीशन पाइप तलाश कर लिया जो इस माले से नीचे ज्वैलरी स्टोर तक जाता था।

हेरी उस पाइप के बारे में विचार करने लगा। उसके विचार में यदि नीला और टीना मिलर इस सम्बन्ध में कारआमद सिद्ध हो जायें तो मजा आ जायेगा।

नीला और टीना मिलकर दोनों स्मार्ट और दुबले-पतले शरीर के स्वामी थे और उस पाइप के अन्दर वो दोनों आसानी से रेंग सकते थे, लेकिन समस्या केवल रगों को जमा देने वाली ठण्डी सर्दी को सहन करने की थी।

चुनांचे इस सिलसिले में भी मार्टिना ही काम आयी। उसके समस्त स्वेटर और गर्म कपड़े निकलवा लिये गये। मार्टिना को हाथ-पैर बांधकर पलंग पर लिटा दिया गया। अब उसे खुला रखकर रिस्क नहीं लिया जा सकता था। उसके मुंह में कपड़ा भी ठूंस दिया गया।

मार्टिन ने उसका विरोध किया तो हेरी शान्त स्वर में बोला—"क्योंकि इस बीच तुमने अच्छी तरह से हमारे साथ सहयोग नहीं किया था। यदि हम थोड़े भी असावधान होते तो तुमने तो हमें पकड़वा ही दिया था। इसलिये मजबूरी है।"

बहरहाल, इसके बाद स्वयं हेरी पाइप का निरीक्षण करने के लिये राहदारी में बाहर निकल आया।

पाइप राहदारी की छत के साथ-साथ दीवार के एक सिरे से दूसरे सिरे तक चला गया था, लेकिन उसकी आशा के विपरीत पाइप का व्यास इतना अधिक नहीं था कि नीला

जैसी दुबली-पतली लड़की भी उसमें प्रवेश कर सकती।

एक बार फिर उसके मस्तिष्क में निराशा घिर आयी। वह अपने निराशाजनक चेहरे के साथ कमरे में वापस आया तो मास्टर जोरो ने व्यग्रता से पूछा—

“क्या हुआ? तुम चेहरा लटकाकर क्यों आये हो?”

हेरी ने बात बतायी।

उसकी बात सुनकर जोरो ने दोनों हाथों से अपना सिर थाम लिया, फिर उसने कहा—

“हम लोग अनाड़ी मुजरिमों की भांति बार-बार अपनी योजनाएं बदल रहे हैं। यह तो उचित नहीं होगा। या तो तुरन्त ही कोई कारआमद योजना बनायी जाये या फिर इस डकैती डालने वाली योजना से ही अलग हो जायें।”

हेरी को इस बात से अपने अपमान का एहसास हुआ। उसने कहा—

“केवल कुछ घन्टे और दो मुझे।”

“इन कुछ घन्टों में क्या होगा?” जोरो ने पूछा।

“इस बीच या तो कोई बेहतरीन योजना बना लूंगा या फिर यहां से असफल ही लौट जाऊंगा।”

हेरी अपना मस्तिष्क दौड़ाने लगा। धीरे-धीरे एक योजना उसके मस्तिष्क में परवान चढ़ने लगी। उसकी निगाहें अब मार्टिना का अध्ययन कर रही थीं।

हेरी को अपनी ओर टकटकी लगाये देखता पाकर मार्टिना ने भयभीत स्वर में पूछा—

“ऐसे क्या देख रहे हो?”

“यह ठीक है कि तुम सफल अभिनेत्री नहीं हो।” हेरी ने उस पर दृष्टि टिकाये-टिकाये कहा—“लेकिन मैं समझता हूं कि तुम्हारी अपनी एक हैसियत है, एक मुकाम है और तुम निश्चित रूप से उस हैसियत को दृढ़ करना चाहोगी—और यदि ऐसा न भी हो तो जीवन कितना मूल्यवान है, इसका तुम्हें पूरी तरह से अनुमान होगा। एक बार यदि जीवन खो जाये तो दोबारा नहीं मिलता। जीना अत्यावश्यक है।”

“आखिर तुम कहना क्या चाहते हो?”

“देखिये मिस मार्टिना! ये जो नीचे ज्वैलरी स्टोर है, हम इस ज्वैलरी स्टोर से कीमती जेवरात और बहुमूल्य हीरे प्राप्त करना चाहते हैं और हम हर स्थिति में उन्हें प्राप्त करके रहेंगे। इस सिलसिले में आप देख रही हैं कि हमारी कुछ कोशिशें नाकाम हो

गयी हैं, लेकिन हम इनमें सफलता के इच्छुक हैं और हमें विश्वास है कि हम सफलता प्राप्त कर लेंगे, अगर आप इस सम्बन्ध में हमारा साथ दें तो...।"

"मैं! मैं तो अब तक तुम्हारा साथ देती आ रही हूं।"

"आप किस प्रकार से हमारा साथ दे रही हैं, यह हम-तुम दोनों अच्छी तरह जानतें हैं। खैर, जो बीत गया उसे जाने दो। अब आगे की बात करते हैं। इस बार जो आप हमारा साथ देंगी तो हम उसके बदले में आपको भी बहुत कुछ देंगे।"

"जैसे?" इस बार मार्टिना के होठों पर व्यंग्यात्मक मुस्कान थी।

हेरी ने उसकी कुटिल मुस्कान को नजरअंदाज करते हुए कहा—

"हम आपको लूट में से बहुत-सी रकम देंगे। इतनी रकम जो आप आसानी से ना कमा सकें। वैसे तो जीवन भी लाखों से कम नहीं है, लेकिन जीवन के साथ-साथ दस लाख रुपये खामोशी के साथ आपके एकाउन्ट में जमा करा दिये जायेंगे, जिन्हें आप बाद में अपनी आवश्यकतानुसार खर्च कर सकेंगी।"

दस लाख की बात सुनकर मार्टिना के चेहरे के भाव बदल गये, लगा जैसे वह उसमें दिलचस्पी ले रही हो। उसने कहा—

"लेकिन मुझे करना क्या होगा?"

"पहले आप अपनी तैयारी का ऐलान करें। उसके बाद आपको इस सम्बन्ध में पूर्ण विवरण बता दिया जायेगा।"

"मैं तैयार हूं।"

पता नहीं मार्टिना ने अपनी जान छुड़ाने के लिये यह ऐलान किया था या फिर वास्तव में ही वह इस सम्बन्ध में लालच में आ गयी थी।

मास्टर जोरो, टोनी मिलर और नीला के चेहरों पर उदासी फैली हुई थी। नयी योजना अभी तक खुलकर उनके सामने नहीं आयी थी, लेकिन अब तक के प्रयासों से उनके अन्दर थकान-सी हो गयी थी।

मास्टर जोरो शायद यह सोच रहा था कि ऐसी कोशिश तो अब तक वह स्वयं भी करता रहा है, फिर शाम होने का इन्तजार किया गया। लगभग शाम के पांच बजे मार्टिना ने हेरी के निर्देशानुसार तैयारियां आरम्भ कर दीं। हेरी ने उसके कपड़ों में से उसके लिए एक अत्यधिक शानदार सूट का चयन किया, फिर स्वयं उसके चेहरे पर मेकअप करने लगा।

मेकअप देखकर मार्टिना बोली—"तुम तो जबरदस्त मेकअप आर्टिस्ट हो। आह...तुमने मुझे क्या-से-क्या बना दिया?"

“शायद तुम्हारे भाग्य के द्वार खुल रहे हैं, जो कुछ तुम अब तक न प्राप्त कर पायीं, वह धीरे-धीरे तुम्हारे निकट आ रहा है।”

“यानि...?” मार्टिना ने पूछा।

“दौलत।”

“काश! ऐसा ही हो।”

“तुम्हें विश्वास नहीं है?”

“तुम्हें है?” मार्टिना ने दिलचस्प सवाल पूछा।

“क्या नहीं होना चाहिये?”

“पता नहीं।”

“पता क्यों नहीं?”

“बहुत-सी बातें हैं।”

“मैं उन बातों को जानना चाहूंगा।”

“तुम जिस काम के लिये आये हो...घन्टों से उसके लिये मेहनत कर रहे हो और मुझे भी मुश्किल में डाल रखा है। क्या तुम आने वाले कुछ घन्टों में अपनी इस कोशिश में कामयाब हो जाओगे?”

“शायद!”

“और यदि तुम कामयाब हो गये तो क्या वाकई मुझे भी अपनी इस सफलता में से कुछ दोगे?”

“तुम्हें इसका विश्वास नहीं है?” हेरी ने प्रश्न किया।

“बिल्कुल नहीं।”

“ठीक। मुझे तुम्हारी स्पष्टवादिता पसन्द आयी, लेकिन बहरहाल, तुम मुश्किल में हो और जाहिर है, इस मुश्किल से निकलने का कोई आसान तरीका नहीं है। अब मैं जो कुछ तुम्हें बता रहा हूं, वह अपने मस्तिष्क में सुरक्षित कर लो। उसी के अनुसार कार्य करना। शेष सभी बातें भाग्य पर छोड़ दो, क्योंकि भाग्य ही उचित निर्णय करता है।”

मार्टिना के होठों पर एक कड़ुवी-सी मुस्कुराहट फैल गयी। उसने कहा—

“हां, भाग्य ही उचित निर्णय करता है, लेकिन तुमने मुझे मेकअप के द्वारा जो व्यक्तित्व दिया है, वह बेमिसाल है।”

मास्टर जोरो, टोनी मिलर और नीला इन सब बातों से बेपरवाह थे। उन्होंने निर्णय किया था कि वो कुछ समय और हेरी के साथ बितायेंगे, उसके बाद यहां से निकल जायेंगे, फिर देखेंगे कि आगे क्या किया जा सकता है? उन्होंने खामोशी को अपना लिया था।

हेरी की योजनानुसार आखिरकार मार्टिना ने ज्वैलरी स्टोर में टेलीफोन किया और बुदबुदाते स्वर में बोली—

"हैलो! ज्वैलरी स्टोर।"

"यस।" उधर से आवाज आयी।

"देखो, मैं कमरा नम्बर बासठ में रहती हूं। मेरा नाम मार्टिना है। तुम शायद मुझे जानते हो। अब से कुछ मिनट के अन्दर-अन्दर मेरा एक दोस्त मेरे पास आने वाला है। तुम यूं करो कि कुछ कीमती आभूषण लेकर मेरे पास आ जाओ। वह ये आभूषण खरीदना चाहते हैं। यदि तुम यहां आ सकते हो तो बता दो, वर्ना मैं कहीं और टेलीफोन करूंगी।"

"नहीं मैडम, हम आपको जानते हैं। आप जैसे पसन्द करें...हम अपने सेल्समैन को कीमती आभूषणों के साथ आपके पास भेज रहे है। यदि कुछ और आदेश हो तो बता दीजियेगा।"

"कुछ नहीं। मेरा वह नौजवान दोस्त आने ही वाला है। तुम्हारा सेल्समैन यहां आयेगा, तो यही प्रकट करेगा कि उसे पहले से ही आभूषण लाने का ऑर्डर दिया हुआ है। आभूषण पसन्द करके जब कीमत की पेमेंट होने लगे तो वही आदमी पेमेंट करेगा। सेल्समैन से कह दीजियेगा कि वह तकल्लुफ न करे। रकम जिस शक्ल में भी हो, कबूल कर ले।"

"बात समझ में आ गयी है मैडम! काम आपकी इच्छानुसार ही होगा। इत्मीनान रखिये।"

दूसरी ओर जिस व्यक्ति ने भी यह शब्द कहे होंगे, वह वस्तुस्थिति को समझकर मुस्कुरा दिया होगा।

मार्टिना का नाम उन लोगों के लिये अजनबी नहीं था। उसने सोचा होगा कि माहिर शिकारी, शिकार फांस रहा है।

सारा सैटअप तैयार कर लिया गया।

हेरी किसी फिल्मी हीरो की भांति तनकर सोफे पर बैठ गया। जबकि टोनी मिलर उसके सैक्रेटरी के रूप में उसके दायें हाथ पर खड़ा हो गया, जबकि नीला और मास्टर जोरो बाथरूम में चले गये थे।

थोड़ी ही देर बाद द्वार पर दस्तक हुई तो हेरी ने बुदबुदाते हुए स्वर में कहा—

"सुनो मिस मार्टिना, हालांकि तुमने मुझसे पूर्ण सहयोग का वचन दिया है, लेकिन फिर भी सावधानीवश मैं तुम्हें बता दूं कि सामने बाथरूम में से दो पिस्तौल की नालें तुम्हारी ओर उठी हुई हैं। उन दोनों से कहा गया है कि वो किसी ओर न देखें, केवल तुम्हारे चेहरे का अध्ययन करते रहें। चुनांचे तुम बहकने का प्रयास मत करना...क्या समझीं?"

मार्टिना कांपकर रह गयी।

फिर हेरी ने टोनी मिलर को संकेत किया।

टोनी मिलर ड्रामाई अन्दाज में आगे बढ़ा और उसने द्वार खोल दिया।

वह ज्वैलरी हाउस का सुपरवाइजर ही था जो अन्दर आया था। यह एक मनोवैज्ञानिक चाल थी, जो साधारण लोगों के बस की बात नहीं थी। हसीन चेहरे और आकर्षक व्यक्तित्व कुछ क्षणों के लिये इंसान से सोचने-समझने की शक्ति छीन लेते हैं और हेरी सबसे पहले ज्वैलरी हाउस के सेल्समैन पर यही प्रभाव डालना चाहता था।

अगले ही पल सेल्समैन सम्भल गया और सभ्यता के दायरे में सिमट गया।

मार्टिना ने उसे देखा तो बोली—"अरे, बड़े गलत समय पर आये हो तुम। मैंने तुमसे कहा तो था, लेकिन तुमने स्वयं भी आने में देर लगा दी।"

"क्या कहूं मैडम!" सेल्समैन विनीत स्वर में बोला—"बस यूं समझ लीजिये कि आपकी पसन्द का चुनाव करना भी आसान नहीं होता। आपकी इच्छानुसार कुछ चीजें लाया हूं, बस उन्हीं में देर हो गयी। आप उन्हें बस देख लीजिये, यदि अभी न खरीदना चाहें तो न सही...बाद में खरीद लेना।"

उसी समय हेरी ने अपनी भारी-भरकम आवाज में कहा—"नहीं मार्टिना! यदि तुमने इन्हें बुलाया है तो अपना काम जारी रखो।"

हेरी की योजनानुसार मार्टिना ने गरदन हिला दी और सेल्समैन ने ब्रीफकेस खोलकर उसके सामने रख दिया।

ब्रीफकेस में अत्यधिक मनभावन और बहुमूल्य अंगूठियां, ब्रेसलेट और नेकलेस रखे हुए थे। यह सब कीमती हीरों से जड़े हुए आभूषण थे। सेल्समैन ने कहा—

"यह हमारे ज्वैलरी हाउस की नायाब तरीन चीजें हैं।"

मार्टिना ने स्त्री भावना से विवश होकर एक अंगूठी उठायी। एक नेकलेस और ब्रेसलेट भी उठाया।

हेरी की ओर नजरें उठायीं तो हेरी ने तेज नजरों से उसे देखा। मार्टिना को पूरी

योजना याद आ गयी। उसने कहा—

"नहीं, इनमें से कोई भी जेवर मुझे पसन्द नहीं है। आप देखिये।" उसने हेरी की ओर रुख करके कहा था।

हेरी ने एक सरसरी निगाह उन आभूषणों पर डाली और मुंह बनाकर बोला—

"सेल्ममैन, मार्टिना की पसन्द और शान के योग्य यदि कोई आभूषण लाते तो तुम्हें निश्चित रूप से उसकी शानदार कीमत भी मिलती और तुम्हें व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार भी मिलता।"

"सर! आप यूं समझिये, जब तक सामने वाले का व्यक्तित्व न देख लें, तब तक कोई बात नहीं बनती, लेकिन आप थोड़ी देर रुकिये, मुझे एक बार फिर सेवा का अवसर दीजिये।"

उसने ब्रीफकेस समेटा और क्षमायाचना करके बाहर निकल गया। हेरी के संकेत पर टोनी ने आगे बढ़कर दरवाजा बन्द कर दिया।

जोरो और नीला बाथरूम से बाहर निकल आये। जोरो ने बुरा मानते हुए कहा—

"तुम अजीब आदमी हो, वह जो आभूषण लेकर आया था, वह कितने कीमती थे। मैंने इतनी दूर से ही उनके बारे में अनुमान लगा लिया था। ऐसी जगह हम अपनी किसी कोशिश में कामयाब नहीं हो सकते और इस औरत को राजदार बनाकर हमने अपने हाथ हमेशा के लिये काट डाले, अगर तुम...।"

"मिस्टर जोरो, मुझे थोड़ा-सा समय और दो।"

"अब क्या करोगे तुम?"

"दूसरे सीन की तैयारी।"

यह कहने के बाद उसने टोनी को सम्बोधित करते हुए कहा—"तुम वह कुर्सी उठाकर लाओ।"

टोनी झट कुर्सी उठा लाया तो अबकी बार हेरी ने मार्टिना से कहा—"मिस मार्टिना, आप इस कुर्सी पर बैठ जाइये।"

"तुम करना क्या चाहते हो?"

"मुझे तुम्हारी टांगें कुर्सी के साथ बांधनी हैं।" हेरी ने बताया।

"क्या?" वह चौंकी।

"हां मिस मार्टिना, यह बहुत जरूरी है।"

“लेकिन क्यों?”

“बात यह है मिस मार्टिना, हम यह दर्शाना चाहते हैं कि इस डकैती में तुम्हारा कोई हाथ नहीं है। तुम्हें तो डाकुओं ने जान की धमकी देकर इसमें भाग लेने पर विवश किया था। इस प्रकार तुम्हें कोई दोष नहीं देगा और तुम निर्दोष करार दे दी जाओगी।”

“क्या मेरी टांगें बंधी देखकर वह ज्वैलरी हाउस वाला सावधान नहीं हो जायेगा!” मार्टिना ने शंका प्रकट की।

“हम तुम्हारे पैरों पर इस प्रकार कम्बल डालेंगे कि वो कम्बल में छिप जायेंगे। जब हम अपने उद्देश्य में सफल हो जायेंगे तो कम्बल हटाकर उसे धमकी देंगे, तो वह वही करेगा जो हम कहेंगे।”

“ओह!” जोरो के मुंह से एक प्रफुल्लित गहरी सांस निकली—“शानदार! वाकई शानदार योजना है।”

अब जोरो उसकी पूरी योजना को समझ चुका था।

इस काम से निबटकर हेरी ने एक बार फिर कमरे का अध्ययन किया। सारा सैटअप उसकी इच्छानुसार तैयार था।

पन्द्रह बीस मिनट बाद दरवाजे पर दस्तक हुई तो जोरो और नीला बाथरूम में चले गये, हेरी अपनी सीट पर बैठ गया, जबकि टोनी द्वार खोलने के लिये चल दिया।

इस बार जो व्यक्ति अन्दर आया, वह पहले वाला नहीं था। मार्टिना कुर्सी पर उसी अंदाज में बैठी थी।

“गुड ईवनिंग मैडम!” आने वाले ने सिर के संकेत और स्वर से प्रणाम किया।

मार्टिना ने केवल सिर को हिलाकर उसके प्रणाम का उत्तर दिया। उस शख्स ने अपना परिचय कराते हुए कहा—

“मैं ज्वैलरी हाउस का मैनेजर हूं। मेरा सेल्समैन आपके पास आया था। उसने मुझे आपके व्यक्तित्व का परिचय दिया। वास्तव में ही बड़े लोगों की बड़ी बात होती है। आप जरा एक नजर मेरे लाये हुए जेवरात पर डाल लें।”

यह कहने के बाद जब उसने ब्रीफकेस खोला तो कमरे में झिलमिलाता प्रकाश फैल गया। आंखें बन्द-सी होने लगीं।

नेकलेस में रूबी जड़े हुए थे, तो ब्रोच जमरूद का था। नीलम और याकूत की बहुत-सी अंगूठियां थीं, तो शानदार हीरे जड़े हुए ब्रेसलेट अपनी चमक बिखेर रहे थे। हीरे-जवाहरात के बहुमूल्य आभूषण उनके सामने बिखरे पड़े थे।

मार्टिना की आंखें उन हसीन आभूषणों को देखकर फटी पड़ रही थीं। वह एक-

एक चीज को उठाकर ललचाई नजरों से उनका अध्ययन कर रही थी।

हेरी स्वयं भी प्रत्येक आभूषण की प्रशंसा कर रहा था।

चुनांचे ज्वैलरी हाउस का मैनेजर जल्दी ही उनसे बेतकल्लुफ हो गया। हेरी अपनी योजना का भरपूर निरीक्षण कर रहा था। जब उसने देखा कि स्थिति उसके अनुकूल है और किसी के हस्तक्षेप की कोई आशंका नहीं तो अचानक, उसने अपना पीछे रखा हुआ हाथ सामने कर दिया।

"खबरदार!" सांप की फुंफकार की मानिन्द हेरी ने जहरीले स्वर में कहा—"अपनी जगह से हिलने की कोशिश मत करना।"

उसकी पिस्तौल की नाल मैनेजर के माथे की ओर उठी हुई थी। उसी समय टोनी मिलर भी एक्शन में आया। उसने तुरन्त मार्टिना के पैरों पर पड़ा कम्बल हटा दिया।

तभी जोरो और नीला भी बाथरूम से हाथों में रिवाल्वर लेकर बाहर निकल आये।

ज्वैलरी हाउस के मैनेजर का मुंह खौफ से फैल गया था। उसने फटी-फटी आंखों के साथ अपने आस-पास फैले उन चारों का अध्ययन किया।

"मुझे खेद है मैनेजर, लेकिन क्या किया जाये? जिस व्यक्ति की जितनी जिन्दगी होती है, वह उतनी ही गुजारता है, फिर चला जाता है।"

"क...क...क्या मतलब?" मैनेजर की फटी-फटी आवाज उभरी।

"तुम्हें दुनिया से जाना होगा।" हेरी ने हिंसक स्वर में कहा।

"ल...लेकिन क्यों?"

"क्या यह बताना जरूरी है?" हेरी ने प्रश्न के बदले में प्रश्न किया।

"यदि तुम इन आभूषणों को लूटना चाहते हो तो, मैं इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करूंगा।"

"यह बात नहीं है।"

"फिर...? क्या चाहते हो तुम?"

"असल में हमारी योजना कुछ और है।"

"क्या?"

"हमारा एक आदमी तुम्हारे मेकअप में तुम्हारी दुकान पर जायेगा और वहां समस्त कार्यों की निगरानी करेगा, फिर जब दुकान बन्द हो जायेगी तो वह वहां रुका

रहेगा और फिर ज्वैलरी हाउस खाली हो जायेगा।"

मैनेजर का चेहरा पीला पड़ गया था, फिर उसने कहा—"यदि तुम यही करना चाहते हो तो इसका दूसरा तरीका भी हो सकता है।"

"क्या?"

"मेरी हत्या मत करो। मैं तुम्हें दुकान की चाबियां दे सकता हूं। हम नौ बजे दुकान बन्द करते हैं। एक चाबी सुपरवाइजर के पास होती है, दूसरी मेरे पास। नौ बजे का इन्तजार कर लें।"

"चाबी कहां है?"

"मेरे पास।"

"लाओ निकालो।"

मैनेजर ने कोट की एक जेब से चाबी निकालकर हेरी को दी तो हेरी ने कहा—

"ठीक है, मैनेजर, यदि भाग्य तुम्हें जीवन देना चाहता है तो भला हम कौन होते हैं, तुमसे जीवन छीनने वाले?"

यह कहकर हेरी ने चाबी अपनी जेब में रख ली और उसके बाद अपने साथियों से बोला—

"अब यह तुम्हारी जिम्मेदारी है कि तुम इस शख्स को काबू में रखो। तुम्हारी मामूली-सी गलती भी, इस बने-बनाये खेल का पासा पलट सकती है।"

यह कहकर हेरी ने ब्रीफकेस सम्भाला और उसे लेकर बाहर निकल गया।

हेरी के जाने के बाद मास्टर जोरो ने मैनेजर के हाथ-पांव बांधकर बाथरूम में पहुंचा दिया। इधर मार्टिना को भी तो सम्भालना था। चुनांचे वह पूरी सावधानी से अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने लगे।

मास्टर जोरो और नीला को कई घन्टे वहां गुजर चुके थे। इस बीच टोनी मिलर हेरी के कुछ देर बाद ही उसकी गतिविधि पर नजर रखने के लिये बाहर आ चुका था। जब वह ज्वैलरी शॉप पर पहुंचा था तो शॉप पर ताला लगाया जा रहा था। टोनी हेरी की तलाश में वहीं खड़ा हो गया।

उधर जब कई घन्टे बीतने के बाद भी हेरी वापस नहीं पहुंचा तो अचानक जोरो का चेहरा फक्क पड़ गया।

"नीला...।" वह खरखराती आवाज में बोला।

शायद नीला ने उसके सम्बोधन से ही अनुमान लगा लिया था कि वह कुछ

कहना चाहता है। उसने प्रश्नवाचक दृष्टि से उसकी ओर देखा।

"मेरा विचार है कि हमने अपने कैरियर का सबसे बड़ा धोखा खाया और महामूर्खता भी की है।"

"ल...लेकिन मास्टर जोरो...."

"हो गया, जो होना था। भला उसे क्या पड़ी है कि वह सफल होकर वापस आये। सुनो नीला, वह यहां से जा चुका है, अब कभी वापस नहीं आयेगा।"

उन दोनों के चेहरों पर निराशा के बादल छा गये, जबकि वस्तुस्थिति का आभास होते ही मार्टिना खिलखिलाकर हंस पड़ी। उसे न जाने क्यों उनकी मूर्खता पर हंसी आ गयी थी।

¶¶

ह्यू बेन्टन ने हैट और दस्ताने जूली को दिये और उसे ध्यान से देखा—

"मिस्टर और मिसेज वेजली यहीं हैं न?"

"यस...।" जूली ने कहा।

वह अन्दर आ गया। उसने बिखरे-बिखरे से कमरे का जायजा लिया और ब्लेंच को देखा।

"हैलो ह्यू!" वह चहकी—"अच्छा हुआ तुम आ गये। मुझे फिर गुस्सा आने लगा था।"

"यह जानकर दुःख हुआ।" बेन्टन बोला—"हैलो, हावर्ड! तुम्हें देखकर खुशी हुई। अफसोस है कि तुम्हारा स्वागत करने के लिये मैं ऑफिस में नहीं था। मैं सप्ताहांत बितरा के 'ब्राइटन' गया था।

"ऑफिस में तुम्हारे बारे में पता चल गया था।" वेजली बोला—"उम्मीद है, वक्त अच्छा गुजरा होगा।"

"हां।"

"ब्राइटन बहुत घटिया जगह है।" ब्लेंच बोली—"तुम किसी अच्छे होटल में तो ठहरे थे न?"

"हां, लेकिन... कभी-कभी परेशानी तो होती ही है।"

"अरे, यह जूली कहां गई?" ब्लेंच बोली—"जूली....जल्दी से यहां सफाई करो।"

जूली जल्दी से कमरे में पहुंच गयी और कांच के टुकड़े उठाने लगी। बेन्टन की तेज नजरें उसे देख रही थीं।

" कुछ पी लो, ह्यू!" अचानक वेजली बोला—"मैं आज रात कहीं नहीं जाऊंगा। कुछ काम करना है।"

"मैं सोच रहा ता कि तुम दोनों को आज रात का खाना क्लब में ही खिलाऊंगा। मुझे व्हिस्की देना।" बेन्टन बोला—"वैसे रात के बारे में तुम इरादा नहीं बदल सकते?"

"मुझे ब्रांडी देना, डार्लिंग!" ब्लेंच बोली।

वेजली शराब की आलमारी की ओर बढ़ता हुआ बोला—"मुझे काम करना है।"

"तुम्हारा क्लब बहुत अच्छा है।" ब्लेंच बोली—"हावर्ड, चलो भी।"

"नहीं!"

"फिर मैं तुम्हारे बिना ही चली जाऊंगी।" ब्लेंच बोली—"ठीक है।" वेजली दो गिलास ले आया।

ब्लेंच ने उसके हाथ से गिलास लिये और व्हिस्की का गिलास बेन्टन की ओर बढ़ा दिया। बेन्टन ने उसकी उंगलियां सहलायीं और तब गिलास पकड़ा।

"किसी और दिन चलेंगे।" बेन्टन बोला।

"मैं तुम्हारा क्लब देखना चाहती हूं। हावर्ड तो अब कहीं जाते ही नहीं।"

"ठीक है, अगर हावर्ड को कोई एतराज न हो तो।"

"मुझे क्यों ऐतराज होगा?" वेजली एक कुर्सी पर बैठता हुआ बोला।

तब तक जूली का काम निबट गया था। वह बाहर आ गयी, लेकिन दरवाजे के पास ही ठिठक गई।

बेन्टन कह रहा था—

"ब्लेंच, तुम्हारी सेफ देखने का कभी मौका नहीं मिला। अभी मैंने 'स्टैंडर्ड' में इसके बारे में पढ़ा। उसमें लिखा था कि दुनिया का आठवां अजूबा है। मुझे दिखाओगी नहीं। मैं कोई चोर तो नहीं हूं।"

"मुझे पता नहीं था कि तुम उसमें इतनी दिलचस्पी लोगे।" ब्लेंच बोली—"यह बहुत मजेदार चीज है। अभी मैंने इसमें जूली को बन्द कर दिया था।"

"तुमने ऐसा क्यों किया?" वेजली जल्दी से बोला।

“मनोरंजन के लिये। मैं उसकी प्रतिक्रिया देखना चाहती थी। वह बेहोश हो गयी।”

“यह बड़ा खतरनाक खेल है।” वेजली ने फिर कहा।

“लेकिन उसे तो कोई शिकायत नहीं, अगर उसे मेरे मजाक पसन्द नहीं हैं तो वह जा सकती है।”

“आजकल नौकरानियां बहुत कम मिलती हैं।” बेन्टन बोला—“तुम्हें उसका ख्याल रखना चाहिये।”

“वह सैक्सी है, इसलिये तुम दोनों उसका पक्ष ले रहे हो।” ब्लेंच बोली—“हद तो यह है कि हावर्ड ने उसके साथ ही रात गुजारी।”

अचानक सन्नाटा छा गया।

फिर बेन्टन बोला—

“अरे छोड़ो भी, ब्लेंच!” वह भी कुछ परेशान-सा लग रहा था।

“मैं यह नहीं कह रही हूं कि कुछ हुआ होगा।” ब्लेंच हंसती हुई बोली—“हावर्ड अब लड़कियों का पीछा करने के काबिल नहीं, लेकिन जूली तो पीछा कर ही सकती है।”

“क्या इस विषय को बदला नहीं जा सकता, ब्लेंच?” वेजली तीखे स्वर में बोला—“यह बकवास मैं पहले भी सुन चुका हूं।”

“फिर से सेफ पर आ जाओ।” बेन्टन जल्दी से बोला—“मैं किसी को नहीं बताऊंगा कि यह कैसे काम करती है?”

“यह ब्लेंच पर निर्भर है।” वेजली बोला—“हमने फैसला किया था कि इसे खोलने का तरीका किसी को नहीं बतायेंगे।”

“अगर ऐसा है तो...।” बेन्टन बोला।

“बकवास!” ब्लेंच बोली—“दिखा देने में हर्ज क्या है? ह्यू से कोई बात छिपी हुई तो है नहीं।”

“तो फिर दिखा दो।”

जूली ने अब रुकना बेकार समझा। उसे एक अवसर मिल रहा था। वह ब्लेंच के कमरे में दौड़ गई। वह बड़ी-सी खिड़की के परदे के पीछे छिप गयी।

कुछ मिनट बाद दरवाजा खुला और कमरे में प्रकाश हो गया। दो पर्दों के बीच की दरार में से जूली कमरे का दृश्य देखने लगी।

ब्लेंच और बेन्टन सामने वाली दीवार के पास खड़े थे। वेजली उनसे दूर एक कुर्सी पर बैठ गया।

"सेफ इस दीवार के पीछे छिपी हुई है।" ब्लेंच बोली—"यह दीवार एक स्प्रिंग को छूते ही खुल जाती है। यह हावर्ड का आविष्कार था, लेकिन यह स्प्रिंग तब तक काम नहीं करता, जब तक एक छिपे हुए पाइंटर में एक निश्चित नम्बर डायल नहीं किया जाता। मैं तुम्हें पाइंटर दिखाती हूं।"

"अलार्म बन्द कर दिया?" वेजली ने पूछा।

"यह तो मैं भूल ही गयी थी!" बेन्टन की ओर मुड़ती हुई वह बोली—"अगर अलार्म बन्द किये बिना पाइंटर को हाथ लगा दिया जाये तो यहां पलक झपकते ही पुलिस वाले आ जाते हैं।" उसने बेड के सिरहाने के नीचे हाथ डालकर एक स्विच दबाया। जूली को भी हल्की-सी आवाज आयी।

"अब अलार्म बन्द हो गया।" ब्लेंच फिर से बेन्टन के पास आती हुई बोली।

"तो इस तरह से तुमने बहुत से चोरों को पकड़ा है।" बेन्टन उसे बाहों में लेता हुआ बोला। ब्लेंच ने चौंककर वेजली की ओर देखा, जो निश्चल बैठा हुआ था। वह मुस्कुराई और उसने अपना चेहरा आगे कर दिया, ताकि बेन्टन उसे चूम सके।

"जानवर!" जूली ने मन ही मन में कहा—"वेजली की उपस्थिति में यह सब ये कैसे कर पा रहे हैं?"

फिर ब्लेंच ने बेन्टन को पीछे कर दिया और वेजली की ओर उंगली उठा दी।

"पाइंटर यहां है।" उसने कहा। उसने दीवार का एक हिस्सा पकड़कर खींच दिया, जो बाहर निकल आया—"मैं नम्बर तीन घुमाती हूं, पैर से यह बटन दबाती हूं और दरवाजा खुल जाता है।"

तभी दीवार हट गई और सेफ का चमकदार दरवाजा दिखाई देने लगा।

"स्टील के दरवाजे को छूने पर भी अलार्म बज जाता है। इस अलार्म को तुम बन्द करोगे हावर्ड?"

वेजली खड़ा हो गया।

ब्लेंच बेन्टन की ओर मुड़ी।

"यह बाथरूम में है और देखने में लाइट स्विच जैसा लगता है।"

जैसे ही वेजली बाथरूम में पहुंचा...बेन्टन ने उसे पकड़ लिया और उसके होठों पर अपने होंठ रख दिये। कुछ देर तक वे यूं ही खड़े रहे। उनकी आंखें बन्द थीं। यहां तक कि वेजली के लौटने का भी उन्हें पता नहीं चला। जूली ने देखा...वेजली की मुट्ठियां

भिंच गयी थीं। क्या उसे पता चल गया था कि वहां क्या हो रहा है?

तभी ब्लेंच ने महसूस किया कि वह लौट आया है। वह बेन्टन से अलग हो गयी।

"अलार्म बन्द हो गया है।" वेजली सपाट स्वर में बोला।

ब्लेंच कुछ देर तक कुछ नहीं बोल सकी, फिर वह बोली—"हावर्ड तुम्हें बतायेंगे कि यह बन्द कैसे हो जाती है? उसकी प्रक्रिया मेरी समझ में नहीं आती।"

"बताओ हावर्ड!" बेन्टन बोला।

"तुमने सेफ खोल दी?" वेजली बोला।

ब्लेंच ने स्टील के दरवाजे के पास लगा हुआ एक बटन दबाया। एक हल्की-सी आवाज हुई और दरवाजा खुल गया।

"अगर कोई चोर यहां तक पहुंच भी जाये, हालांकि अब तक कोई पहुंचा नहीं है, तो वह सेफ में बन्द हो सकता है।" वेजली बोला—"दीवार के एक तरफ एक बल्ब छिपा हुआ है, जिसका प्रकाश सामने दीवार में लगे हुए ऑटो-इलैक्ट्रिक सैल पर पड़ता है, अगर कोई सैल और उस बल्ब के बीच में आ जाता है तो सेफ में हो रहे करंट में रुकावट आ जाती है, जिससे 'ट्रायॉड बल्ब' हरकत में आ जाता है और सेफ का दरवाजा बन्द हो जाता है।"

"इसका मतलब है कि अगर मैं अन्दर जाऊं तो दरवाजा बन्द हो जायेगा और मैं फंस जाऊंगा?" बेन्टन बोला।

"हां।" वेजली बोला—"और अगर तुम्हें बाहर न निकाला जाये तो तुम्हारा दम घुट जायेगा।"

"फिर दरवाजे पर नियंत्रण कैसे होता है?"

"सैल पर पड़ने वाला प्रकाश बन्द कर दिया जाये तो फिर दरवाजा बन्द नहीं होता।"

"लेकिन इस तरह की सेफ की क्या जरूरत थी? इसे बनाने में तो बहुत कुछ खर्च हुआ होगा?"

"यह मात्र खिलौना नहीं है।" वेजली बोला—"मुझे बीमे की दर कम देनी पड़ती है। बीमा कम्पनी वाले इससे प्रभावित हैं, इसमें रखे हुए केवल फरों का ही तीस हजार पाउण्ड का बीमा करवाया गया है। इसके अलावा ब्लेंच के जेवरात भी हैं।"

"हां, मैंने बीमे की बात तो सोची ही नहीं थी।" बेन्टन बोला—"अच्छा, इसे दिखाने के लिये धन्यवाद!"

"और अब तुम्हारे क्लब चलते हैं।" ब्लेंच बोली—"तुम भी चलो, हावर्ड।"

"मुझे काम करना है। तुम जाओ।"

ब्लेंच ने सेफ में से एक फर का कोट निकाला और पहन लिया।

"तुम सेफ बन्द कर दोगे, हावर्ड?"

"हां।"

जूली परदे की दरार से अलग हट गयी। उसका दिल जोरों से धड़क रहा था।

जब फ्लैट का मुख्य दरवाजा बन्द होने की आवाज आयी तो जूली ने फिर कमरे में झांका। वेजली ने चश्मा उतार दिया था, फिर वह सेफ बन्द करने लगा। उसके अन्दाज से ऐसा लग रहा था जैसे वह अन्धा न हो।

"अब तुम बाहर आ सकती हो जूली।" वह बोला।

¶¶

हावर्ड वेजली अपने स्टडीरूम में आतिशदान के सामने खड़ा था। उसके सामने एक कुर्सी पर जूली बैठी थी।

जूली अभी इस आघात से सम्भल न पायी थी कि वह देख सकता है। वह बिना कोई बहाना किये खोयी-खोयी सी उसके पीछे यहां तक चली आयी थी।

"मैं तुमसे नाराज नहीं हूं।" अचानक वेजली बोला—"डरने की जरूरत नहीं है।"

जूली ने उसे देखा।

"तुम यह बात किसी से मत बताना कि मेरी आंखें ठीक हैं।" वह आगे बोला—"मैं चाहता हूं कि अभी यह बात किसी को पता न चले। मेरी पत्नी को भी नहीं। मैं तुम्हें कारण नहीं बताना चाहता। क्या मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूं?"

"मैं कुछ नहीं कहूंगी।" वह बोली। उसे आश्चर्य था कि वेजली ने एक बार भी नहीं पूछा था कि वह परदे के पीछे क्या कर रही थी?

"मैं इस रहस्य का फायदा उठा सकती हूं...।" जूली ने मन ही मन कहा।

"धन्यवाद!" वह बोला—"अब तुम्हारे बारे में कुछ बातें हो जायें। तुम किसी कठिनाई में हो?"

जूली ने नजरें हटा लीं।

"मैं तुम्हारे बारे में बहुत कुछ जानता हूं जूली। तुम यहां किसी उद्देश्य से आई हो। है न...?"

"उद्देश्य? क्या मतलब...?"

"लो, इसे पढ़ो। यह कल ही आया है।" उसने जेब से एक कागज निकाला और उसे दे दिया।

जूली हेवार्ट की हस्तलिपि पहचानती थी। इसे देखते ही वह सहम गई। हेवार्ट ने वेजली को पत्र लिखा था। जूली ने पढ़ा—

"श्रीमान,

मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं। हेरी ग्लेब फर-चोर है। जूली हालैंड और ग्लब दोस्त हैं, अगर ध्यान नहीं देंगे तो आपके फर चोरी हो जायेंगे। एक दोस्त!"

तो हेवार्ट ने बदला ले ही लिया... उसने सोचा।

वेजली बोला—"क्या यह सच है कि तुम और ग्लेब फर चोरी करना चाहते हो?"

जूली ने उसे सच बताने का फैसला कर लिया। वह थियो के व्यवहार से क्षुब्ध थी ही। इन लोगों से बचने का अब यही तरीका था।

उसने रुमाल निकाला और आंखों पर रखती हुई बोली—

"उन्होंने मुजे तेजाब की धमकी देकर इस काम के लिये तैयार किया है।"

वेजली बैठ गया।

"मुझे शुरू से सब बातें बताओ। पहले यह कि यह पत्र किसने लिखा है?"

"सैम हेवार्ट ने। मैं उसके लिए काम करती थी। मुझे पैसे की जरूरत थी, इसलिये मैंने ऐसी जगह काम कर लेना मंजूर कर लिया था।"

फिर उसने कैफे में काम करने, हेरी से मुलाकात होने और अपने यहां आने तक की सारी कहानी कह सुनाई। थियो सहित उसने कुछ भी नहीं छिपाया।

"मुझे यहां नहीं आना चाहिए था।" अन्त में बोली—"लेकिन यहां आकर सेफ देखने तक मुझे पता नहीं था कि वे मुझसे क्या चाहते थे? फिर जब मैं पीछे हटने लगी तो थियो मुझे धमकी देने आ गया।"

वेजली ने बिना उसे टोके उसकी कहानी सुनी और फिर सिगरेट सुलगा ली।

"चिन्ता की कोई बात नहीं है।" वह मुस्कुराया—"कोई रास्ता निकल आयेगा। तब काफी वक्त गुजर चुका है। मैं तुम्हारी बात नहीं जानता, लेकिन मुझे भूख लग रही है। तुम कुछ खाने का आर्डर दे आओ। इस बीच मैं इस समस्या पर सोचता हूं। पहले कुछ खा-पी लो।"

वह उठकर पैग बनाने लगा।

"क्या ग्लेब वही था, जो उस दिन तुम्हारे साथ था?"

"म...मुझे पता नहीं था कि आप मुझे देख सकते हैं। मैं शर्मिंदा हूं कि उस दिन मैंने दूसरे कपड़े पहन रखे थे।"

वह हंस पड़ा।

"तुम उन कपड़ों में बहुत सुन्दर लग रही थीं। जल्दी ही तुम इसी तरह के कपड़े पहनोगी। इस बार मेरे लिये।"

जूली चौंक पड़ी। उसे यह उम्मीद नहीं थी।

"ग्लेब वही था?"

"हां।"

"ठीक है। अब जाओ। खाने के लिए फोन कर दो। मैं इस पर सोचूंगा।"

जूली रेस्टोरेंट फोन करने लगी। उसका सिर चकरा रहा था। फिर उसने शराब पी ली। अब वह बेहतर महसूस कर रही थी। सब कुछ उससे कहीं बेहतर हो गया था, जैसा उसने सोचा था। वह सोच रही थी कि वेजली ही इस गिरोह को खत्म कर सकता है। उसे हेरी की चिन्ता भी नहीं थी। वह उसे इस बात के लिये कभी माफ नहीं कर सकती थी कि उसने अपनी बात मनवाने के लिये थियो को भेज दिया था।

जब खाना आ गया तो जूली उसे लेकर वेजली के कमरे में पहुंच गई। वह कमरे में चहलकदमी कर रहा था।

वे मेज के दो तरफ आमने-सामने बैठ गये।

"अच्छा हुआ इस घर में तुम आ गयीं, जूली।" वेजली बोला—"मैं एकान्त जीवन गुजार रहा था। वर्षों से मैंने किसी सुन्दर लड़की के साथ खाना नहीं खाया था।"

जूली स्तब्ध थी। उसे यह उम्मीद नहीं थी कि वह इतनी जल्दी मतलब की बात पर आ जायेगा।

"मैं तुम्हारे बारे में सोच रहा था।" वेजली फिर बोला—"यह बताओ कि तुम अच्छी जिन्दगी किसे कहती हो?"

"खूब पैसा हो, अच्छे कपड़े हों। एक कार, मंहगी जगहों की सैर आदि।"

वह हंस पड़ा।

"देखेंगे कि तुम्हारे लिए क्या किया जा सकता है!" वह बोला, फिर वह उसके

पिछले जीवन के बारे में पूछताछ करने लगा।

खाना खत्म होने तक वे दोनों घुल-मिल गये थे। बाद में वह बोला—

"अब केवल एक ही रास्ता रह गया है। हमें पुलिस को खबर करनी होगी।"

"नहीं।" वह हड़बड़ा-सी गयी—"यह ठीक नहीं है।"

"तुम इस गिरोह से डरी हुई हो, इसलिये? मैं यह बात समझता हूं जूली, लेकिन इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। हम उनके लिये जाल बिछा देंगे। फिर जब वे पकड़े जायेंगे तो तुम सुरक्षित हो जाओगी। पुलिस की मदद के बिना यह सम्भव नहीं है।"

"लेकिन अगर उन्हें पता चल गया तो....?" जूली कांपती हुई-सी बोली—"अगर थियो बचकर निकल गया?"

"हम कोशिश करेंगे कि ऐसा न हो। बुधवार को उनसे मिलो और बताओ कि सेफ कैसे खुलती है? मैं तुम्हें और अच्छी तरह समझा दूंगा। मैं पुलिस वालों से मिल लूंगा। हम उन्हें रंगेहाथों पकड़ना चाहते हैं। हेरी ग्लेब को जरा भी शक नहीं होना चाहिए कि हम उसके लिए क्या कर रहे हैं?"

"लेकिन अगर वे पकड़े नहीं गये तो उन्हें पता चल जायेगा कि पुलिस को मैंने खबर की है।"

"इतनी हिम्मत तो करनी ही होगी, जूली! तुम खुद को केवल इसी तरह बचा सकती हो। है न?"

"हां।"

"तो ठीक है! तुम ऐसा प्रकट करती रहो जैसे कुछ नहीं हुआ है। ग्लेब से बुधवार को मिलो और उससे पूछो कि वह चोरी कब करना चाहता है? हम उसके लिए तैयारी कर लेंगे। तुम ऐसा कर लोगी न?"

"मैं यही समझती हूं।" वह बोली। उसके मन से थियो का डर निकल नहीं रहा था।

वेजली ने उसे देखा।

"शायद तुम सोच रही हो कि बाद में तुम्हारा क्या होगा?"

"हां।"

"चिंता की कोई बात नहीं है, जूली।" वह बोला—"अगर तुम इजाजत दोगी तो मैं तुम्हारे लिए कुछ करूंगा। मेरी शादी को छः वर्ष हो गये हैं। तीन वर्ष पहले मैं अंधा हो गया था। शादी से लेकर अब तक मुझे प्यार जैसी चीज नहीं मिली। अब जबकि मेरी

आंखें ठीक हो गई हैं, मैं सब कुछ बदल देना चाहता हूं। तुम बहुत सुन्दर हो और मुझे तुम जैसी औरत की जरूरत है। स्पष्ट कहने के लिए मैं माफी चाहता हूं। तुम मेरा मतलब समझ रही हो न?"

जूली को अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा था। वह उसे यूं ही देखती रही।

"मैं दोबारा शादी नहीं कर सकता।" उसने आगे कहा—"लेकिन मैं तुम्हें सुरक्षा दे सकता हूं, तुम्हें अपना अलग घर दे सकता हूं और खर्च के लिए एक हजार पाउंड वार्षिक दे सकता हूं। मैं तुम्हें कोई कष्ट नहीं दूंगा। मेरा ख्याल है कि हम एक-दूसरे को खुश रख सकते हैं।"

जूली ने पाया कि वह पूरी तरह गम्भीर है। वह मुश्किल से अपनी खुशी छिपा सकी।

"इस पर सोच लो, जूली।" वह बोला—"अभी जल्दी नहीं है। पहले हमें बहुत कुछ करना है।"

जूली सोच रही थी कि वह उसकी खामोशी की कीमत दे रहा है कि वह किसी को उसकी आंखों के बारे में न बताये।

"समझ में नहीं आता...क्या कहूं...?"

"कुछ मत कहो। इस पर सोचो। इस काम के बाद मैं तुमसे फिर बातें करूंगा। अब जाओ, मुझे काम करना है।"

अगर वह उससे प्यार करना शुरू कर देता तो जूली के लिये बहुत आसान हो जाता, लेकिन वह एकदम शांत था, जैसे वह जानता हो कि जूली समझ गयी है कि वह उसकी खामोशी खरीद रहा है।

कमरे से बाहर निकलकर उसने राहत महसूस की।

¶¶

होटल से रवाना होने के थोड़ी देर बाद तक तो हेरी बड़ी तरंग में रहा। फिर अचानक उसे एहसास हुआ कि एक नीले रंग की शेवरलेट गाड़ी उसका पीछा कर रही है। उसके मन में प्रसन्नता और चंचलता के जितने भाव थे, वह सभी दम तोड़ने लगे।

वह अनुमान लगाने का प्रयास करने लगा कि नीली शेवरलेट में कौन हो सकता है? क्या वह मास्टर जोरो या उसका कोई साथी टोनी मिलर है या फिर ज्वैलरी हाउस का ही कोई सिक्योरिटी गार्ड है। उसकी कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि पीछा करने वाला कौन है?

मिस मार्टिना का कमरा छोड़ने के बाद वह सीधा अपने कमरे में पहुंचा था। वहां से उसने अपना सूटकेस लिया था, फिर उस सूटकेस में से कपड़े निकालकर उसने एक कूड़े

के ढेर पर फैंक दिये थे तथा सूटकेस में ज्वैलरी हाउस के मैनेजर से प्राप्त बहुमूल्य आभूषणों से युक्त ब्रीफकेस को रख लिया था। फिर वह एक कार डीलर के पास पहुंचा था, जहां से उसने एक सैकिन्डहैंड कार खरीदी थी।

कार को खरीदने के लिए वह पहले ही मिस मार्टिना के कमरे से उसके रुपये साफ कर चुका था। उसका विचार था कि तिलयास तक पहुंचने के लिये उसके पास अपनी कार होनी चाहिए। पता नहीं तिलयास में मिस रबिका से लैंसिज प्राप्त करने में कितना समय लगे। यदि उसके पास अपनी सवारी होगी तो वह अधिक फायदे में रहेगा। यहां से वापिसी पर वह कार को औने-पौने दामों में बेचकर वापिस जा सकता था।

अब तक तो हेरी बड़ा खुश था, लेकिन जैसे ही उसे आभास हुआ कि नीली शेवरलेट उसका पीछा कर रही है, उसकी खुशी हवा हो गयी।

पहले तो उसने अपने आपको तसल्ली दी कि नीली शेवरलेट उसका पीछा नहीं कर रही थी। वह व्यर्थ में ही वहम का शिकार हो रहा था। फिर जल्दी ही उसे पता लग गया कि नीली शेवरलेट उसी के पीछे आ रही थी। इस हाई-वे पर ट्रेफिक बहुत तेज रहता था, यदि कोई अपनी गाड़ी की रफ्तार कम करता था तो दूसरी गाड़ी जन्नाटे में उसे टक्कर मार सकती थी। पर उसके साथ ऐसा नहीं हुआ था। हेरी ने कई बार अपनी कार की रफ्तार कम की थी तो शेवरलेट की रफ्तार भी कम हो गयी थी।

नीली शेवरलेट में कौन हो सकता है?

यही प्रश्न बार-बार उसके मस्तिष्क में उठ रहा था, लेकिन उत्तर नदारद था। जो भी होगा, देखा जायेगा। यही सोचकर उसने अपने सिर को झटक दिया। व्यर्थ में दिमाग लड़ाने से क्या लाभ?

फिर उसका पेट भी पटपट कर रहा था, जहां चूहे अब घुड़दौड़ मचा रहे थे। शीघ्र-अति-शीघ्र कुछ खाना जरूरी था।

उसने निर्णय लिया कि जहां कहीं भी हाई-वे से निकलने का रास्ता दिखायी दिया और वहां रेस्टोरेंट भी हुआ तो वह गाड़ी उसकी ओर मोड़ लेगा और रुक जायेगा। इससे स्पष्ट पता चल जायेगा कि नीली शेवरलेट उसके पीछे थी भी या नहीं।

उसका अनुमान गलत सिद्ध हुआ। नीली शेवरलेट उसके पीछे हाई-वे से उतर तो आयी, लेकिन उसके पीछे-पीछे रेस्टोरेंट तक नहीं आय, बल्कि सीधी सड़क पर आगे बढ़ती चली गयी। यह देखकर हेरी ने सुकून का गहरा सांस लिया।

रेस्टोरेंट में पहुंचकर उसने दो व्यक्तियों जितना खाने का आर्डर दिया, स्वीट डिश भी उसने दुगनी मंगायी थी। खूब अच्छी तरह पेट भरकर वह इस समय जश्न मनाना चाहता था। आखिर तो उसने मास्टर जोरो, टोनी मिलर, नीला और मिस मार्टिना को मूर्ख बनाकर ज्वैलरी हाउस के मैनेजर से करोड़ों की कीमत का ब्रीफकेस प्राप्त करने में सफलता जो प्राप्त की थी!

लेकिन उसकी यह खुशी ज्यादा देर तक स्थायी न रह सकी। वह हाई-वे पर पहुंचा तो देखा, नीली शेवरलेट एक बार फिर उसके पीछे थी। नीली शेवरलेट को देखकर उसके पेट में जलन-सी होने लगी। उसे लगा जैसे सारा खाया-पिया बाहर आना चाहता है।

उसने जल्दी ही इन्टरनेशनल हाई-वे छोड़ दिया और दूसरी सड़क पर सफर करने लगा। एक स्थान पर उसे 'हैंसी मोटेल' का न्यून साइन दिखायी दिया तो उसने वहीं ठहरने का निश्चय कर लिया। उस समय तक उसने नीली शेवरलेट से पीछा छुड़ा लिया था।

जिसके ड्राइवर की शक्ल वह अब तक नहीं देख पाया था।

कमरे में पहुंचकर उसने अपने पीछे दरवाजा बंद करने के बाद इत्मीनान के साथ अंगड़ाई ली। उसे आशा थी कि वह अब आराम से सो सकेगा।

सुबह उठकर उसे तिलयास पहुंचना था, मगर इससे पहले ही वह इस ब्रीफकेस को किसी सुरक्षित स्थान पर रखना चाहता था।

दूसरी सुबह उसने बराबर वाले रेस्टोरेंट में जोकि मोटेल का ही एक भाग था, में ब्रेकफास्ट किया, जोकि जबरदस्ती उसने हलक से उतारा था। हेरी का अंदाजा था कि शाम तक भी यह नाश्ता उसे हजम नहीं होगा।

वह दोबारा हाई-वे पर पहुंचा तो यह देखकर उसका दिल डूब-सा गया कि नीली शेवरलेट वहां पहले से मौजूद थी। गोया उसके ड्राइवर को विश्वास था कि हेरी की कार यहां से अवश्य ही गुजरेगी।

नीली शेवरलेट पर दृष्टि पड़ने से पहले हेरी आसपास के सुन्दर वातावरण में इतना तल्लीन था कि उसकी गाड़ी एक और गाड़ी से टकराते-टकराते बची, जो अचानक ही एक छोटी सड़क से निकलकर हाई-वे पर आ गयी थी।

हेरी ने अपनी गाड़ी को तो दुर्घटना से बचा लिया, लेकिन दूसरी गाड़ी सड़क पार करती हुई एक बिल्ली को कुचलती हुई तेजी से निकल गयी। उसके ड्राइवर ने बिल्ली को देखने के लिए रुकने का कष्ट नहीं किया था।

हेरी के मन में दया की भावना उभर आयी। उसने गाड़ी एक तरफ ले जाकर रोक ली और बिल्ली को उठाकर देखा।

वह जीवित थी।

हेरी ने रास्ते में जानवरों के अस्पताल का बोर्ड देखा था। उसने बिल्ली को वहां ले जाने का निर्णय किया। जानवरों के प्रति उसके मन में सदा से दया की भावना थी। उसे बचपन से ही जानवरों से लगाव था। यह और बात थी कि उसके माता-पिता ने कभी उसे जानवर पालने की आज्ञा नहीं दी थी।

उसने बिल्ली को धीरे से नर्मी से पिछली सीट पर डाला और बगल वाली सड़क के द्वारा उसी ओर वापस चल दिया, जहां उसने जानवरों के अस्पताल का बोर्ड देखा था।

जब वह वहां पहुंचा तो जानवरों के डॉक्टर ने बिल्ली का निरीक्षण करने के बाद खेद व्यक्त करते हुए उसे बताया कि अब उसे किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता नहीं है।

हेरी की आंखों में आंसू आ गये।

"मैं तुम्हारी भावनाओं को समझता हूं।" जानवरों के डॉक्टर ने सद्भावना से कहा—"पालतू जानवरों के स्वामियों के लिये उनकी मृत्यु बड़ा कष्ट देती है। यहां से कुछ फर्लांग की दूरी पर एक पालतू जानवरों का कब्रिस्तान है। तुम चाहो तो अपनी बिल्ली को वहां आराम से दफन कर सकते हो। इस प्रकार शायद तुम्हारा सदमा कुछ कम हो जाये।"

डॉक्टर ने मुर्दा बिल्ली को लपेटने के लिए हेरी को एक तौलिया भी दिया। हेरी बिल्ली की लाश को लेकर आगे बढ़ गया।

मार्ग में वह एक स्टोर के सामने रुक गया। वह जरा सोच-विचार करना चाहता था। अब उसे एहसास हो रहा था कि बिल्ली की लाश को अस्पताल में ही छोड़ आता तो अच्छा था। डॉक्टर उसे हेरी की पालतू बिल्ली समझ रहा था। हेरी ने भी उसके विचार का खंडन नहीं किया था।

कुछ देर सोच-विचार करने के बाद उसने निर्णय लिया कि वह बिल्ली को सम्मानपूर्वक कब्रिस्तान में दफन करके आयेगा। जब यह जिम्मेदारी उसके कंधों पर आ ही गयी थी तो वह पूरी तरह से उसे निभायेगा।

उसे अंदाजा नहीं था कि बिल्ली को दफनाने में कितना खर्च आयेगा! उसने अपने बटुए में पड़ी रकम को देखा। उसे कुछ कम रुपये दिखायी दिये और कुछ रुपये उसके सूटकेस में ब्रीफकेस के साथ रखे थे, जो वह मार्टिना के रूम से लेकर आया था।

जब वह उसमें से कुछ रुपये निकालकर अपने बटुए में रख रहा था तो अचानक एक विचार उसके मस्तिष्क में लपका।

उसे फिलहाल उस ब्रीफकेस को छिपाने की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। क्या यह अच्छा नहीं था कि बिल्ली के साथ वह ब्रीफकेस सुरक्षित हो जाता। ब्रीफकेस छुपाने के लिए भला उससे उत्तम स्थान और कौन-सा हो सकता था।

फिलहाल तो उस नीली शेवरलेट में कोई उसके पीछे था। जब उसे विश्वास हो जाता कि अब कोई उसके पीछे नहीं है तो वह वापिस आकर अपना ब्रीफकेस निकालकर ले जाता। कब्र खोदकर ब्रीफकेस निकालना उसके लिए कठिन नहीं था।

यह सोचकर उसने संतुष्टि की गहरी सांस ली। प्रकृति के हर काम में कोई-न-

कोई अच्छाई छिपी होती है।

जानवरों के कब्रिस्तान पर एक बोर्ड टंगा था, जिसके अनुसार उसका नाम 'वेटिंग रूम' था। वह एक प्राइवेट कब्रिस्तान था। हेरी जब उस कब्रिस्तान के ऑफिस में पहुंचा तो एक ऐसे शख्स से उसकी मुलाकात हुई, जो आदमी कम चूहा ज्यादा दिखायी देता था। वह कब्रिस्तान का स्वामी था। हेरी से अपना परिचय कराते हुए उसने कहा—

"मुझे मिस्टर ओवन कहते हैं। आप जैसे दु:खी व्यक्ति जब मेरे पास आते हैं तो मुझे उनकी सेवा का अवसर मिलता है।"

"म...मैं मिस्टर हेराल्ड हूं।" हेरी ने जल्दी से अपना नाम बदला—"यह आपने अपने कब्रिस्तान का नाम 'वेटिंग रूम' क्यों रखा है?"

"बहुत से लोग मुझसे यही प्रश्न करते हैं...।" ओवन बोला—"इस नाम के पीछे मेरा तात्पर्य यह है कि यह कब्रिस्तान एक तरह का प्रतीक्षागृह है, जहां पालतू जानवर इतने समय तक प्रतीक्षा करते हैं जब तक दूसरे जहान में उनकी अपने स्वामी से मुलाकात नहीं होती।"

"बहुत खूब।" हेरी ने सिर हिलाया—"मुझे आशा है कि मेरी बिल्ली की आत्मा इस बात पर बहुत खुशी होगी।"

"बिल्ली...?" ओवन ने आश्चर्य से दोहराया—"लेकिन जो लाश आपने मेरे हवाले की है, वह तो बिल्ले की है।"

"ओह...हां...हा...मेरे मुंह से गलती से निकल गया था।" हेरी ने जल्दी से कहा।

दरअसल उसने इस बात पर ध्यान नहीं दिया था कि वह बिल्ली थी या बिल्ला। जानवरों के डॉक्टर ने उसके लिए 'कैट' का शब्द प्रयोग किया था और कैट मेल और फीमेल दोनों के लिए प्रयोग होता है।

"आप निश्चय ही अपने बिल्ले के सिरहाने एक कुतबा भी लगवाना चाहेंगे। सब अपने पालतू जानवरों के सिरहाने उसे जरूर लगवाते हैं। आपके बिल्ले का क्या नाम था?"

"नाम...।" हेरी ने आंखें मिचमिचाते हुए उसकी ओर देखा, तुरन्त ही उसको कोई नाम समझ में न आया, फिर वह बिना सोचे-समझे बोल उठा—

"हेरी।"

"बहुत खूब...।" ओवन ने प्रशंसक स्वर में कहा—"आपने अपने बिल्ले का नाम अच्छा रखा है।"

हेरी को अपना चेहरा तपता हुआ महसूस हुआ। उसने मन-ही-मन में स्वयं को गाली दी। अक्सर ऐसी ही कोई गलत बात उसके मुंह से निकल जाती थी।

ओवन ने कागजात की ओर आकर्षित होते हुए कहा—“मैं आपको यहां खर्च होने वाली रकम की रसीद बना देता हूं।”

¶¶

हेरी दूसरे दिन बिल्ले को दफनाने के लिए ‘वेटिंग रूम’ पहुंचा। बिल्ले को बड़ी सुन्दरता के साथ तैयार करके छोटे से ताबूत में लिटाया गया था। ताबूत पिछली रात को हेरी ने स्वयं ही पसंद किया था।

“मैं कुछ मिनट के लिए बाहर चला जाता हूं, ताकि आप एकान्त में अपने बिल्ले के अन्तिम दर्शन कर सकें... और यदि आप किसी प्रकार अपने मन का बोझ हल्का करना चाहें तो वह भी कर सकें।” ओवन ने कहा।

“बहुत-बहुत धन्यवाद...यह तो आपने बड़ी समझदारी की बात की है।” हेरी ने कहा—“वैसे मैं कुछ और भी सोच रहा था।”

“क्या?”

“क्या ही अच्छा होता...यदि आप मुझे ताबूत का ढक्कन बंद करने की आज्ञा दे दें...मैं स्वयं एकान्त में ताबूत के ढकने में कीलें ठोंककर उसे बंद कर दूंगा।”

ओवन ने अजीब नजरों से उसकी ओर देखा। कंधे उचकाये, फिर कहा—

“आज तक किसी ने मुझसे ऐसी फरमाइश की तो नहीं थी...पहली बार आप ऐसा कर रहे हैं। बहरहाल मिस्टर हेराल्ड, आप ऐसा कर सकते हैं, इसमें कोई हर्ज नहीं है।”

हेरी ने दस मिनट से कम समय में वह जेवरात बिल्ले के ताबूत में छिपा दिये थे। वह उन आभूषणों को वाटर प्रूफ थैले में रखकर लाया था। कीलें ठोंककर उसने ढकना बंद कर दिया और उस समय तक ताबूत के साथ रहा जब तक उसे कब्र में उतार कर मिट्टी भरी गयी। कब्र पहले ही गोरकन (कब्र खोदने वाला) ने तैयार कर रखी थी।

इस कार्य से निवृत होने के बाद उसने स्वयं को बहुत हल्का-फुल्का महसूस किया। एक बार फिर उसका हल्का-फुल्का जश्न मनाने को जी चाहा।

कब्रिस्तान से निकलकर उसने गांव के रेस्टोरेंट में डटकर भोजन किया। वहां वह इकलौता ही रेस्टोरेंट था। उसने फैसला किया कि अब वह कमरे में लेटकर इत्मीनान से टी.वी. देखेगा और सुबह उठकर तिलयास चला जायेगा।

उसके आभूषण अब सुरक्षित थे। उसका मस्तिष्क शान्त था। एक प्रकार से वह बहुत संतुष्ट था।

मोटेल में अपने कमरे में पहुंचकर उसने लाइट का स्विच ऑन किया तो एक आवाज ने उसका स्वागत किया—

"वेलकम मिस्टर हेरी।"

हेरी इस प्रकार उछल पड़ा जैसे उसे बिच्छू ने डंक मार दिया हो। उसने पलटकर देखा।

कमरे में मौजूद दो आराम कुर्सियों में से एक पर टोनी मिलर बैठा था। हेरी ने बेइख्तियार दरवाजे से टेक लगा ली। उसे यूं लगा जैसे उसका शरीर कुछ सिकुड़-सा गया था।

"टोनी...तुम...?" उसने आश्चर्य मिश्रित स्वर में कहा।

वास्तविकता यह थी कि उसे टोनी को पहचानने में कुछ क्षणों के लिए कठिनाई हुई थी। वह मरियल से टोनी के बारे में कल्पना भी नहीं कर सकता था कि वह उसका पीछा करेगा।

"तुम यहां क्या कर रहे हो?" हेरी ने आगे कहा।

"अपने आपको मुबारकबाद दे रहा हूं।" टोनी का स्वर शान्त था।

"मुबारकबाद?" हेरी ने न समझने वाले भाव से पूछा।

"हां, तुम्हें नहीं मालूम कि तुम्हें दोबारा तलाश करने के सम्बन्ध में मुझे कितनी परेशानी उठानी पड़ी है। तुम तो मुझे धोखा देने में सफल हो गये थे और मैं तुम्हारा सुराग खो चुका था।"

"फिर तुम यहां कैसे पहुंचे?"

"मुझे समय पर हाई-वे से उतरने के लिए रास्ता नहीं मिला और मैं मीलों जाकर वापस आया। मार्ग में मुझे हर गांव में मोटेल को चैक करना पड़ा। आखिरकार इस मोटेल में तुम्हारी गाड़ी दिखायी दे गयी। अच्छा हुआ तुमने उसे पिछली ओर खड़ा नहीं किया था।" टोनी ने विवरण दिया।

हेरी ने अपनी असावधानी पर खुद को कोसा, फिर बड़ी मासूमियत से पूछा—

"मुझे खेद है तुम्हें कष्ट हुआ...लेकिन टोनी, तुम मेरा पीछा क्यों कर रहे थे?"

"समझ में नहीं आता तुम्हारे भोलेपन की दाद कैसे दूं! तुम हमें मार्टिना के कमरे में मूर्ख बनाकर ज्वैलर्स हाउस के मैनेजर के सारे कीमती आभूषण ले उड़े, अब पूछ रहे हो मेरा पीछा क्यों कर रहे हो?" टोनी मिलर ने बुरा-सा मुंह बनाते हुए कहा।

"अरे, तुम उस ब्रीफकेस की बात कर रहे हो। वहां स्टोर में जब मैं पहुंचा तो तभी पुलिस आ गयी थी। मैं तो उसे वहीं छोड़कर भाग आया था।" हेरी ने बात बनायी।

"झूठ मत बोलो।" टोनी गुर्राया—"वहां कोई पुलिस नहीं आयी थी। तुम उस

ब्रीफकेस को हमारा उल्लू बनाकर ले उड़े थे। मैं ऐसे ही तुम्हारा पीछा छोड़ने वाला नहीं हूं।”

“फिर कैसे मेरा पीछा छोड़ोगे?” हेरी ने हथियार डालते हुए पूछा।

“आधा...आधा।” टोनी बोला—“वादे के अनुसार तुम्हें हमें लूट के माल में से आधा हिस्सा देना होगा।”

“मास्टर जोरो और नीला कहां हैं?” हेरी ने पूछा।

“पुलिस कस्टडी में।”

“तुम कैसे बच गये?”

“यह मेरा सौभाग्य था, मैं तुम्हें देखने के लिए पहले ही मार्टिना के कमरे से निकल आया था।”

हेरी बेड पर जा बैठा। उसका रात का खाना हलक में ही अटका हुआ महसूस हो रहा था। उसे कुछ अजीब-सा लग रहा था।

“टोनी! मुझे इस बात की खुशी है कि तुम गुस्से में नहीं हो और सभ्यता से वार्तालाप कर रहे हो। मैं तो समझ रहा था कि तुम मिलते ही लड़ाई-झगड़ा आरम्भ कर दोगे।”

“क्रोध तो मुझे बहुत आया था।” टोनी ने स्वीकार किया—“लेकिन इस भाग-दौड़ में ठन्डा पड़ गया। यदि मैं हिंसक प्रवृत्ति का होता तो तुम्हारी हत्या के विषय में सोच रहा होता, लेकिन समस्या यह है कि मेरे लिए लाश को ठिकाने लगाना भी कठिन है। विशेषकर तुम जैसे हृष्ट-पुष्ट व्यक्ति की।”

हेरी मन-ही-मन मुस्कुराया। वह जानता था कि टोनी जैसे मरियल से दुबले-पतले आदमी के लिए वह तर निवाल नहीं है। फिर भी उसने शान्त स्वर में कहा—

“तुम्हें किसी को स्वस्थ देखकर जलना नहीं चाहिये।”

“वह तो ठीक है, लेकिन तुम्हें भी ऐसा धोखा नहीं देना चाहिए।”

“ठीक है, भविष्य में ख्याल रखूंगा।”

“तो लाओ, मुझे आधे आभूषण दो, ताकि मैं अपने घर वापस चला जाऊं।”

“मैं तुम्हें कोई आभूषण नहीं दे रहा टोनी।”

टोनी ने ठंडी सांस ली और बोला—“लगता है आसानी से तुम्हारे दिमाग में कोई बात नहीं आयेगी।”

"देखो टोनी। मेरी बात समझने की कोशिश करो।" हेरी ने गम्भीरता से उसे समझाया—"वो कोई धन तो है नहीं जिसका कि आसानी से बंटवारा किया जा सके। वो जेवरात हैं। बंटवारा उनका हो सकता है, लेकिन मैं तुम्हें फिलहाल कुछ नहीं दे सकता।"

"फिलहाल से क्या मतलब है तुम्हारा?"

"मैं जानता हूं, तुम बहुत उतावले आदमी हो, यदि मैंने तुम्हें अभी आभूषण दे दिये तो तुम उन्हें बेचने का तुरन्त प्रयास करोगे और इस प्रयास में तुम पकड़े भी जा सकते हो। फिर तुम मेरे बारे में भी सब कुछ उगल दोगे। इस प्रकार मेरे लिये खतरे बढ़ जायेंगे और फिलहाल मैं किसी प्रकार का रिस्क लेने के मूड में नहीं हूं।"

"मुझे बातों से मत बहलाओ। तुम्हें मुझे आधे आभूषण देने ही होंगे।" टोनी ने कहा।

"तुम जबरदस्ती तो मुझसे वो आभूषण नहीं ले सकते।" हेरी ने उसकी आंखों में आंखें डालकर कहा।

"शायद तुम ठीक कह रहे हो।" टोनी ने उसकी कद-काठी पर एक बार फिर नजर डाली और कहा—"जानते हो, फिर मैं क्या करूंगा?"

"क्या करोगे?" हेरी ने व्यंगात्मक मुस्कान होठों पर सजाकर पूछा।

"मैं यहां से वापस चला जाऊंगा। उसके बाद सीधे जेल जाकर मास्टर जोरो से मुलाकात करूंगा। तुम्हें मालूम होना चाहिए कि मास्टर जोरो के दोस्त हर जगह मौजूद हैं। यदि एक बार उन्हें स्पष्ट सुराग मिल जाये तो फिर एक आदमी को उन्हें तलाश कर लेना ज्यादा मुश्किल नहीं है।"

हेरी ने दोनों हाथों से सिर थाम लिया। उसकी हथेलियों से पसीना फूट पड़ा था। कुछ देर बाद वह सिर उठाकर बोला—

"ऐसा करो...आज रात मुझे आराम से सोचने दो। कल मैं तुमसे मुलाकात करूंगा। फिर हम कोई रास्ता निकाल लेंगे।"

"ठीक है हेरी।" टोनी उठकर खड़ा हो गया—"मुझे कोई जल्दी नहीं है। जाने से पहले मैं तुम्हें बता दूं कि मेरा कमरा इसी लाइन में आखिर वाला है।"

होठों पर धीमी-सी मुस्कुराहट लिये वह रुख्सत हो गया।

¶¶

टोनी के जाने के बाद हेरी ने अपने आपको कोसा कि वह व्यर्थ में ही प्रसन्न हो रहा था कि भाग्य की देवी उस पर मेहरबान है। वह तो सदा का अभागा है। जब भी उसने कोई लम्बा हाथ मारा था, तभी कोई-न-कोई ऐसा फड्डा फंसा था कि वह जहां का तहां रह गया था।

अपने पीछे टोनी को देखकर एक प्रकार से उसने सुकून का सांस लिया था कि यह मरियल-सा डेढ़ पसली का आदमी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता था, लेकिन यदि वह मुखबरी पर उतर आया तो उसके लिये जबरदस्त परेशानी खड़ी हो सकती है। अभी हालांकि टोनी ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया था। अभी तो उसने केवल जेल में जाकर मास्टर जोरो से मिलने की धमकी दी थी, लेकिन सारा माल हाथ से जाता देखकर वह कुछ भी कर सकता था।

हेरी ने उससे पीछा छुड़ाने के लिये सोच-विचार आरम्भ कर दिया। वह किसी की हत्या के फेवर में कतई न था। वह कोई ऐसी तरकीब सोच रहा था जिससे सांप भी मर जाये और लाठी भी न टूटे।

बहुत सोच-विचार करने पर भी उसके मस्तिष्क में कोई तरकीब नहीं आ रही थी। यदि आभूषण उसके पास होते हो वह अभी यहां से जा सकता था। ऐसी स्थिति में दोबारा उसका पीछा आरम्भ हो जाता। लेकिन इस बीच वह कोई-न-कोई तरकीब सोच ही लेता। कुछ करने के लिए उसे कुछ समय की आवश्यकता थी।

अचानक वह उठकर बैठ गया।

आभूषण यदि उसके पास नहीं थे तो इतनी ज्यादा दूरी पर भी नहीं थे। एक-न-एक दिन तो उसे खोदकर निकालने ही थे। यह काम अभी भी तो हो सकता था।

यही वह विचार था, जिसने उसे उठकर बैठने पर विवश कर दिया था।

'वेटिंग रूम' उसके मोटल से अधिक दूरी पर नहीं था। वह पैदल भी वहां जा सकता था।

कुछ देर बाद वह फोल्ड होने वाला एक छोटा-सा बेलचा बगल में दबाये जानवरों के कब्रिस्तान चला जा रहा था।

वह एक उमस भरी रात थी। कब्रिस्तान पहुंचने तक उसके कपड़े पसीने से भीग चुके थे। कम-से-कम एक चीज तो ऐसी थी जो उसके हक में थी। वह था चन्द्रमा।

चन्द्रमा बादलों की ओट में छिप चुका था। वह आसानी के साथ कब्रिस्तान में पहुंच गया। कब्रिस्तान पहुंचने पर उसे एहसास हुआ कि जिस चन्द्रमा को बादलों की ओट में देखकर जितना वह प्रसन्न था, अब वह उतना ही दुःखी था। क्योंकि चारों ओर अंधकार फैला हुआ था। अंधेरे में कुछ दिखायी नहीं दे रहा था। चंद कदम चलने के बाद ही वह एक कब्र के कुतबे से टकरा कर गिरते-गिरते बचा था।

एक मूर्खता उससे और भी हुई थी—वह अपने साथ टार्च लाना भूल गया था। अब उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि वह अपने बिल्ले की कब्र कैसे तलाश करे?

खुदी हुई मिट्टी के ढेर से उसका पता चल सकता था, लेकिन वह ढेर दिखायी देता, तब की बात थी। फिलहाल तो उसे अपने से तीन-चार कदम दूर का भी दिखायी नहीं

दे रहा था।

उसने याद करने का प्रयास किया कि वह पहले बिल्ले की कब्र तक जाने के लिये किस-किस ओर मुड़ा था, लेकिन अंधेरे और अपने अन्दर की बेचैनी के कारण उसे ठीक से याद नहीं आ रहा था, जो याद आया उस पर भरोसा नहीं था।

आखिर उसने भाग्य के भरोसे एक ओर चलना आरम्भ कर दिया। जिधर उसका मन करता वह उधर मुड़ जाता था। फिर भी वह अपने कदम गिनता जा रहा था और याद रखने का प्रयास कर रहा था कि कितने कदम चलकर किस ओर मुड़ा था।

उस मानसिक कार्य में वह बहुत उलझा हुआ था और उसके साथ प्रत्येक कदम सावधानी से रखने का प्रय़ास भी कर रहा था। उसके बावजूद भी वह अचानक किसी नरम चीज से टकरा गया।

अनायास ही उसके कंठ से चीख उबल पड़ी।

आश्चर्य तो उसे तब हुआ जब वह 'नरम चीज' भी चीख उठी थी। दूसरे ही क्षण वह फ्लैश लाइट के तेज प्रकाश में नहा गया।

"ओह माई गॉड...तुम कौन हो?" फ्लैश लाइट के पीछे से आवाज उभरी।

"वह...वह...वह...।" हेरी की समझ में नहीं आया कि वह क्या उत्तर दे। उसकी सांसें तेज-तेज चल रहीं थीं।

"और ये तुम बगल में बेलचा दबाये क्या करते फिर रहे हो?" फ्लैश लाइट के पीछे से दूसरा प्रश्न दागा गया। हालांकि अभी हेरी पहले ही प्रश्न का जवाब नहीं दे पाया था।

"वह...वह...वह...।" हेरी एक बार फिर इतना ही कहकर रह गया।

"तुम जानवरों के कफन-चोर हो?" एक और प्रश्न किया गया।

उत्तर फिर नदारद।

"साधारणतया मनोविकारी और मानसिक रोगी ही रातों को कब्र खोदकर कुछ चुराने का प्रयास करते हैं, लेकिन तुम तो शक्ल सूरत से मानसिक रोगी नहीं दिखायी देते।"

"नहीं...नहीं...मैं किसी प्रकार का मरीज नहीं हूं। मैं तो केवल इसलिये आया था कि...।" हेरी जल्दी से बोला।

दूसरे शख्स ने गोया उसकी बात सुनी ही नहीं। वह कह रहा था—

"वैसे चेहरा देखकर किसी के भी सम्बन्ध में विश्वासपूर्वक कुछ कहा भी नहीं

जा सकता कि मानसिक रोगी है भी या नहीं। पिछले कुछ वर्षों से हमारा कुछ ऐसे मानसिक रोगियों से पाला पड़ चुका है। उन सबको हमने पुलिस के हवाले कर दिया था।"

उसके स्वर में गर्व झलक रहा था कि मानो मानसिक रोगियों को पुलिस के हवाले करना एक गर्वीला कार्य ही नहीं, वरन बहुत बड़ा कारनामा भी हो।

"पु...पु...पुलिस?" पुलिस का नाम सुनकर हेरी हकलाया। वैसे भी पहले ही उसके हवास गुम हो रहे थे। पुलिस का नाम सुनकर तो वह लगभग कांप गया था।

"हां, हम मानसिक रोगियों को पुलिस के हवाले कर देते हैं।" उसने मानो स्पष्ट किया।

"देखो...मैं यहां किसी कब्र से कुछ चुराने नहीं आया हूं।" हेरी ने कहा, लेकिन मन-ही-मन वह सोचे बिना न रह सका कि वास्तव में ही वह इसी काम के लिये तो आया था।

"अब तुम पुलिस को विश्वास दिलाने का प्रयास करना, पागल के बच्चे।" वह शख्स बोला।

"जरा यह तो बताओ कि तुम हो कौन?" हेरी ने पूछा। उसे लगा कि यह प्रश्न उसे पहले ही पूछना चाहिये था।

"लो, देख लो।"

यह कहकर उस व्यक्ति ने फ्लैश का प्रकाश अपने चेहरे पर डाला।

तब हेरी ने पहचान लिया कि वह गोरकन (कब्र खोदने वाला) था।

"मैंने यहां काम करता हूं।" उसने अपना परिचय कराया।

"तुम यहां रात के समय भी काम करते हो?" हेरी ने आश्चर्य से पूछा।

"रात के समय में काम तो नहीं करता, लेकिन मैं रहता यहीं हूं।" उसने बताया।

"यहां इन कब्रों के बीच?" हेरी ने आश्चर्य से कहा।

"नहीं, मेरी कुटिया कब्रिस्तान के पिछले भाग में है।"

"तो फिर यहां क्या कर रहे थे?"

"कभी-कभी जब मुझे नींद नहीं आती तो चहलकदमी के लिए इधर-उधर निकल आता हूं।"

अच्छा ही था कि उसने बता दिया कि वह कुटिया में रहता है, वर्ना हेरी तो यही समझ रहा था कि वह किसी खाली कब्र में रहता होगा और रात को उठकर किसी अतृप्त

आत्मा की भांति इधर-उधर भटकता फिरता होगा।

"अनिद्रा भी बड़ा कष्टदायक रोग है।" हेरी ने अपना स्वर सामान्य बनाने का प्रयास करते हुए कहा—"अच्छा, अब मैं चलता हूं।"

वह जाने के लिए मुड़ा।

"ठहरो मिस्टर, कहां चल दिये?" गोरकन जल्दी से बोला।

"घर, और कहां!"

"तुम इतनी आसानी से नहीं जा सकते।"

"फिर?"

"तुम्हें कुछ स्पष्टीकरण देने होंगे?"

"कैसे?"

"तुम शायद भूल रहे हो कि तुम बिना आज्ञा लिये यहां घुसे हो, फिर तुम्हारे इरादे भी निश्चय ही ठीक नहीं थे।"

"ऐसी कोई बात नहीं है।" हेरी ने अपने स्वर में लापरवाही का पुट भरते हुए कहा।

"फिर कैसी बात है?"

"मुझे भी कभी-कभी रात को जब नींद नहीं आती तो चहलकदमी के लिए निकल खड़ा होता हूं।"

"बगल में बेलचा दबाकर...?" गोरकन ने व्यंगात्मक स्वर में पूछा।

"वह...वह...।"

हेरी ने कुछ कहना चाहा तो गोरकन ने उसे तुरन्त झिड़क दिया—

"व्यर्थ की बकवास मत करो। चहलकदमी के लिए तुम्हें कब्रिस्तान ही मिला था! चलो मेरे साथ, मैं टहला के लाऊं।"

"क...कहां...?"

"तुम चलो तो सही, सब पता चल जायेगा।" यह कहकर गोरकन ने उसकी बांह पकड़ ली और उसे एक ओर को धकेलकर ले जाने लगा।

¶¶

हेरी शैरफ के सामने सिकुड़ा-सिमटा बैठा था।

शैरफ के कमरे में कब्रिस्तान का स्वामी ओवन और गोरकन भी मौजूद थे। दोनों कठोर दृष्टि से हेरी को घूर रहे थे।

हेरी को हैरत थी कि वह गोरकन कब्रें कैसे खोदता होगा? उसमें इतनी शक्ति कहां से आ जाती थी?

उसकी आयु सत्तर वर्ष से कम नहीं थी और वजन सत्तर पौंड से अधिक नहीं था। यानि एक साल में एक पौंड।

जानवरों के लिये खोदी जाने वाली कब्रें निःसन्देह छोटी होती थीं। उसके बावजूद ऐसे सूखे-सड़े और वृद्ध व्यक्ति के लिए ऐसी कब्रें खोदना भी कुछ कम आश्चर्यजनक नहीं था। उसे निश्चय ही कोई और काम नहीं मिल सका होगा, तभी तो उसने यह नौकरी अपनायी थी।

"मैं एक फोन कर सकता हूं?" हेरी ने पूछा।

"हां...केवल एक फोन।" शैरफ ने उत्तर दिया—"और इसके लिये तुम्हें पचास सेंट देने होंगे।"

"पचास सेंट।" हेरी आश्चर्य से बोला—"पब्लिक फोन से तो इससे आधे में बात हो जाती है।"

"यह एक छोटा-सा गांव है प्यारे।" शैरफ ने उत्तर दिया—"हमें अपने खर्च पूरे करने के लिए हर समय अपनी आमदनी बढ़ाने के स्रोतों पर नजर रखनी पड़ती है।"

"फोन कहां है?" हेरी ने पूछा।

"तुम्हारे सामने मेज पर ही तो रखा है।" शैरफ ने किसी कदर आश्चर्य से उत्तर दिया।

"ओह...हां....।" हेरी ने जल्दी से कहा। फिर स्थानीय डायरेक्ट्री में से मोटेल का फोन नम्बर देखकर मिलाया और टोनी से सम्बन्ध स्थापित किया।

"टोनी। मैं हेरी बोल रहा हूं। मेरा मतलब है, मैं हेराल्ड बोल रहा हूं।" हेरी ने जल्दी से अपनी गलती सुधारी—"मुझे तुम्हारी सहायता की आवश्यकता आन पड़ी है।"

वह खामोश होकर दूसरी ओर से कुछ सुनने लगा। उस बीच कमरे में मौजूद तीनों व्यक्ति एक-दूसरे को देखकर मुस्कुरा रहे थे।

कुछ देर के बाद वह बोला—

"तुम्हें मुझे जेल पहुंचाने के लिए कुछ करने की जरूरत नहीं है। मैं लगभग जेल में ही हूं। यदि तुम अपना भला चाहते हो तो मेरी जमानत का प्रबन्ध करो।"

"....।"

"जुर्म...? मुझे कफन चुराने के जुर्म में पकड़ा गया है।"

दूसरी ओर से टोनी ने जो कुछ कहा, उसे सुनकर वह कुर्सी पर कसमसाता रहा। वह इस बात पर मन-ही-मन में भगवान को धन्यवाद दे रहा था कि टोनी की आवाज कमरे में उपस्तिथ अन्य लोग नहीं सुन रहे थे। आखिर में वह बोला—

"मैं यहां शैरफ के ऑफिस में तुम्हारी प्रतीक्षा करूंगा।"

"हां...प्रतीक्षा तो तुम्हें करनी ही पड़ेगी।" शैरफ सिर हिलाते हुए बड़बड़ाया।

¶¶

टोनी जब हेरी को गाड़ी में अपने साथ वापस मोटेल की ओर ले जा रहा था तो हेरी सोच रहा था कि इससे तो वह हवालात में ही रह जाता तो अच्छा था।

तमाम रास्ते टोनी उस पर लानत भेजता और बुरा-भला कहता आया था। फिर वह बोला—

"मुझे तो विश्वास नहीं होता कि मैं यह सब कुछ अपनी आंखों के सामने होता देख रहा हूं।"

"तो मत देखो, आंखें मींच लो।" हेरी ने जलकर कहा।

"पहली बात तो यह कि इस मामूली शैरफ को नकद रकम के बदले जमानत लेने का इख्तियार किसने दिया है?" उसने जैसे हेरी की बात सुनी ही नहीं थी। वह झल्लाते हुए बोला था।

"यह एक छोटा-सा गांव है टोनी।" हैरी ने शैरफ के शब्द दोहराये—"यहां की प्रबन्ध कमेटी को अपनी आमदनी के स्रोंत बढ़ाने के प्रयास जारी रखने होते हैं।"

"दूसरी बात यह कि तुम्हें जानवरों के कब्रिस्तान में जाकर कब्र खोदने और कफन चुराने की क्या आवश्यकता थी?" टोनी ने झल्लाते हुए जानना चाहा।

हेरी खामोशी लगा गया।

"बोलते क्यों नहीं? खामोश क्यों हो गये?" टोनी ने तुरन्त उसे टोका।

हेरी ने मन-ही-मन निर्णय लिया कि सत्यता के अतिरिक्त इसका कोई संतुष्टिपूर्ण उत्तर नहीं हो सकता। हालांकि वह सच बोलते हुए भी प्रथम श्रेणी का मूर्ख बल्कि पागल दिखाई देगा, मगर इसके अतिरिक्त और कोई चारा भी नहीं था।

मोटेल पहुंचने तक वह टोनी को सब कुछ बता चुका था।

"फिर तो तुम्हारे साथ जो हुआ अच्छा ही हुआ।" टोनी बोला—"तुम एक बार फिर दोस्त को चक्कर देने का प्रयास कर रहे थे।"

"और तुम तो जैसे दूध के धुले हो।" हेरी ने जलकर कहा।

"मैंने यह तो नहीं कहा। तुम मुझे ही चक्कर दे रहे थे, जबकि मैं तुम्हें मास्टर जोरो और पुलिस से बचा रहा हूं।" टोनी ने जख्मी लहजे में कहा।

"तुम जो कुछ कर रहे हो, अपने लाभ के लिए कर रहे हो।"

"और तुम...? तुम कब्र खोदकर आभूषण निकालकर एक बार फिर फरार होने का इरादा कर रहे हो। इन हालात में मैं भविष्य में तुम पर कैसे विश्वास कर सकता हूं?"

हेरी ने कंधे उचकाये—"मेरा विचार है कि भरोसा करने के अतिरिक्त तुम्हारे पास चारा भी क्या है?"

"चलो...ठीक है।" एक क्षण की खामोशी के बाद टोनी ने कहा—"माल तो सुरक्षित है...लेकिन वह कुछ ज्यादा ही सुरक्षित है। हमें उसको वापस लाने का तरीका सोचना होगा।"

कुछ देर की खामाशी के बाद टोनी उठकर दरवाजे की ओर बढ़ते हुए बोला—"इस समस्या पर गौर करते हुए सो जाओ। मैं भी ऐसा ही करता हूं। सम्भव है कि सुबह तक हम दोनों में से किसी के मस्तिष्क में कोई तरकीब आ जाये।"

सुबह तक हेरी के मस्तिष्क में कोई तरकीब तो नहीं आयी। हां, इतना जरूर हुआ कि जब वह सोकर उठा तो उसके सिर में बेपनाह दर्द था।

उसने जो तरीका अपनाया था, अब उसे उस पर अफसोस हो रहा था। वह सोच रहा था कि उसे उस थैले को कब्र में बिल्ले के साथ नहीं दफनाना चाहिए था। उसे सारे लूट के माल सहित तिलयास जाकर पहले अपना काम करना चाहिए था, उसके बाद कुछ सोचना चाहिए था। ज्यादा होशियार बनने के चक्कर में उसने ख्वामखाह अपने को जंजाल में फंसा लिया था।

नाश्ते की मेज पर आमने-सामने बैठते हुए टोनी ने उससे पूछा—"कोई तरकीब समझ में आयी हेरी?"

उस समय तक एक तरकीब हेरी को समझ में आ तो गयी थी, लेकिन वह उसे टोनी के सामने ब्यान नहीं कर सकता था। यही कारण था कि वह भोली-सी सूरत बनाकर बोला—

"नहीं...मेरे मस्तिष्क में तो कोई तरकीब नहीं आयी। तुम सुनाओ?"

"मेरा हाल भी तुम्हारे जैसा है।" टोनी ने उत्तर दिया—"लेकिन हमें ऐसी कुछ जल्दी भी नहीं है। उस कब्रिस्तान में लूटा हुआ सारा माल इसी प्रकार सुरक्षित है, जिस

प्रकार किसी बैंक में हो सकता है।"

"हां, यह तो है।" हेरी ने ठंडी सांस ली—"बैंक से भी कहीं अधिक सुरक्षित है वहां वह माल।"

"मेरे विचार में कुछ इंतजार कर लेना ही उचित है—ताकि वो लोग रात वाली घटना को भूल जायें। इस प्रकार यदि फिर वहां कोई बात हुई तो उनका ध्यान तुम्हारी ओर नहीं जायेगा।"

"बात ठीक ही है।" हेरी बोला—"लेकिन ध्यान मेरी ओर ही क्यों, तुम्हारी ओर भी तो जा सकता है?"

"मेरी बात और है।" टोनी बोला—"मैं तुम्हें बताऊं कि मुझे जासूसी नाविल पढ़ने का बहुत शौक है। मेरे पास जासूसी किताबों का ढेर लगा पड़ा है। इसी कारण मेरा दिमाग बहुत तेज है, मैं कोई-न-कोई तरकीब सोचकर बच निकलूंगा।"

"मैंने भले ही नाविन न पढ़े हों, लेकिन मैं तुमसे ज्यादा तेज हूं और उसका परिचय मैं तुम्हें दे ही चुका हूं।" हेरी ने कहा।

"तुम्हारा नम्बर आया तो तुम करिश्मा दिखा गये। बेफिक्र रहो, मैं भी तुम्हें चमत्कार ही दिखाऊंगा।"

"तुम कौन-सा चमत्कार दिखाने का इरादा रखते हो?" हेरी ने पूछा।

"अब यह तो समय के गर्भ में छुपा है। मैं अभी से क्या बताऊं! जब समय आयेगा तो मेरा चमत्कार देखकर आश्चर्यचकित रह जाओगे।"

"तो तुम मुझे चमत्कृत करने का इरादा रखते हो?"

"फिलहाल तो मेरा लूट के माल में से आधा हिस्सा लेने का इरादा है। मुझे यह गांव बहुत पसंद है। हो सकता है कि मैं लूट के माल सहित यहीं बस जाऊं। नाश्ते के बाद इसीलिए मैं जरा यहां की लोकेशन देखने जाऊंगा।"

¶¶

नाश्ते के तुरन्त बाद टोनी वहां से लोकेशन देखने निकल गया।

हेरी ने उस अवसर को अपने लिए शुभ माना। इसीलिए वह तुरन्त कब्रिस्तान की ओर चल दिया।

मौसम मनभावन था। हेरी को पैदल चलने में आनन्द आ रहा था। अभी दोपहर भी नहीं हुई थी। हेरी को आशा थी कि इतनी जल्दी कब्रिस्तान में कोई अपने जानवर को दफनाने नहीं आया होगा।

जब वह कब्रिस्तान में अपने बिल्ले की कब्र के पास पहुंचा तो उसने बड़े जोर-

शोर से गोरकन को एक नई कब्र खोदते देखा। शायद किसी का मरा हुआ पालतू जानवर यहां दफन होने के लिए आने वाला था।

"गुड मार्निंग।" हेरी ने गोरकन के निकट पहुंचकर प्रसन्नचित्त मुद्रा में कहा। वह गोरकन पर यह प्रभाव डालना चाहता था कि वह मन में किसी प्रकार की बदले की भावना नहीं रखता और जो हुआ सो हुआ के नियम पर चलता है।

सूखे-सड़े गोरकन ने सिर उठाकर उसकी ओर देखा और मरियल से हाथ से माथे का पसीना पोंछते हुए सीधा होकर बोला।

"अच्छा...यह तुम हो?"

"तुमने मुझे पहचान लिया?" हेरी ने उससे व्यर्थ-सा प्रश्न किया।

"हां...इस बार तुम दिन-दहाड़े ही अपना धंधा करने आ गये।" बूढ़े ने कहा—"तुम तो कोई बहुत ही ढीठ किस्म के कफन-चोर मालूम होते हो।"

हेरी संयम से मुस्कुराया।

हालांकि एक क्षण के लिए उसके मन में भावना जागी थी कि उसके हाथ से बेलचा लेकर उसकी लम्बोत्तरी खोपड़ी पर दे मारे। अपनी मनोभावना को कुचलते हुए वह मुस्कुराकर बोला—

"वह सब गलतफहमी का नतीजा था।"

"यकीनन।" गोरकन ने शान्त स्वर में कहा—"तुम्हें गलतफहमी हुई होगी कि तुम्हें कोई पकड़ नहीं सकता।"

"तुम कुछ सुस्ता क्यों नहीं लेते?" हेरी ने विषय बदला—"बेलचा रख दो और कुछ देर आराम कर लो।"

यह कहते हुए हेरी घास पर बैठ चुका था। गोरकन उसके बराबर बैठते हुए बोला—

"हां...कुछ देर सुस्ताने में कोई हर्ज नहीं है। तुम यहां नए मालूम होते हो?"

"तुमने कैसे जाना?"

"कल रात से पहले मैंने तुम्हें यहां नहीं देखा।"

उसने बिल्ले की कब्र हेरी की अनुपस्थिति में खोदी थी, हालांकि उसे दफनाते समय वह मौजूद था, लेकिन उस समय न तो हेरी ने उस पर ध्यान दिया था, न ही उसने हेरी को ध्यान से देखा था।

"मैं यात्री हूं।" हेरी ने बताया—"इस इलाके से गुजर रहा था कि एक जरूरी

काम से मुझे यहां रुकना पड़ गया।"

"कफन चुराने के लिए?" गोरकन ने सादगी ने पूछा।

यद्दपि यह एक व्यंग था, जो हेरी ने नजरअंदाज कर दिया व मित्रतापूर्ण स्वर में अपनी बात जारी रखी। उसने बूढ़े से पूछा—

"तुम सुनाओ...तुम कितने समय से इस इलाके में हो?"

"मेरा सारा जीवन यहीं व्यतीत हुआ है।" गोरकन ने उत्तर दिया।

"रिटायर कब होओगे?"

"रिटायर...?" गोरकन ने आश्चर्य से उसकी ओर देखा—"तुम वास्तव में ही जोकर हो। भला हम जैसे लोगों के जीवन में रिटायरमेंट का क्या प्रश्न...? यदि मैं दो वक्त खाना खाना चाहता हूं तो मुझे जीवन भर काम जारी रखना पड़ेगा।"

"कुछ अलग से धन कमाने के बारे में क्या विचार है...जिस पर तुम्हें टैक्स भी नहीं देना पड़ेगा?" हेरी ने पूछा।

"एक्स्ट्रा मनी।" गोरकन कुछ पीड़ायुक्त अंदाज में हंसा—"ओह माई गॉड...कुछ तो ख्याल करो...मेरी आयु पिच्छत्तर वर्ष है। अब इस आयु में तुम मुझे किसी धोखाधड़ी के धंधे पर लगाना चाहते हो?"

"इसमें धोखाधड़ी वाली कोई बात नहीं है। छोटा-सा और आसान-सा काम है। तुमने जिंदगी में कभी इतनी मनी नहीं कमाई होगी।" हेरी ने कहा।

"तुम कितनी मनी की बात कर रहे हो?" गोरकन ने संदिग्ध स्वर में पूछा।

हेरी के मन में थोड़ी-बहुत भावना पहले ही थी, फिर इस मरियल से बूढ़े को देखकर तो उसके मन में दया का समुन्दर उमड़ पड़ा था। उसने मन-ही-मन अनुमान लगाया कि इस समय उसके पास अभिनेत्री मार्टिना की दराज से निकाले हुए कितने नोट शेष थे। उसी अनुमान के आधार पर वह बोला—

"मैं तुम्हें दो हजार डॉलर दे सकता हूं।"

गोरकन कुछ क्षणों तक एकटक उसकी ओर देखता रहा। फिर बैठी-बैठी आवाज में बोला—"इसके लिए मुझे क्या करना पड़ेगा? क्या राष्ट्रपति की हत्या करनी होगी?"

"नहीं...नहीं।" हेरी मुस्कुराया—"काम तुम्हारी आशा से अधिक आसान है।"

"क्या है?" वह खोये-खोये स्वर में बोला। उसके चेहरे के भावों से लग रहा था कि उसे अभी तक अपने कानों पर विश्वास न हुआ था। वह अभी भी दो हजार डॉलर में खोया हुआ था।

"यह जो तुम सामने कब्र देख रहे हो न?" हेरी ने पूछा।

"वही जिसमें कल तुमने अपना बिल्ला दफन किया था?" बूढ़े ने हेरी की बतायी दिशा की ओर देखते हुए पूछा।

"हां, वही।"

"इसका क्या करना है?" बूढ़े ने पूछा—"क्या तुम चाहते हो कि मैं प्रतिदिन उसकी देख-रेख करूं? शायद तुम्हें अपने बिल्ले से कुछ ज्यादा ही स्नेह था?"

"स्नेह तो था, लेकिन मेरी समस्या दूसरी है।"

"वह भी बता दो।"

"समस्या यह है कि मैंने अपनी एक वस्तु कल बिल्ले के साथ ही दफन कर दी थी....और अब मैं उसे वापिस प्राप्त करना चाहता हूं। इसीलिए कल मैं यहां आया था, लेकिन तुमने मुझे पकड़ लिया।"

"तुम चाहते हो कि मैं कब्र खोदकर वह चीज तुम्हें निकाल दूं?" गोरकन ने पूछा।

"नहीं...तुम मत निकालो...मैं स्वयं ही निकाल लूंगा। मैं चाहता हूं कि आज रात गये मैं यहां आऊं तो इस काम के सिलसिले में मुझे कोई परेशानी न हो।" हेरी ने बताया।

बूढ़े ने ठोड़ी खुजाई—"वह निश्चय ही कोई मूल्यवान वस्तु होगी।"

"केवल मेरे लिये।" हेरी जल्दी से बोला—"वास्तविकता यह है कि उसका कोई मूल्य नहीं है। बस मेरा उससे भावनात्मक लगाव है, यही कारण है कि वह मेरे लिये मूल्यवान है।"

"किस प्रकार का भावनात्मक लगाव है?" बूढ़े ने स्पष्टीकरण मांगा।

"अगर तुम जानना ही चाहते हो तो मैं तुम्हें पूरी बात बता देता हूं।" हेरी गहरी सांस लेकर बोला—"मेरी मां ने एक बिल्ला पाला हुआ है। मां को जितना मुझसे स्नेह था, शायद उससे भी अधिक उस बिल्ले से था। वह उसे एक नन्हें बच्चे की भांति ही सम्भाल कर रखती थी। उसके नखरे उठाती थी। कैमरे से उसके चित्र उतारती थी। इनमें कुछ को तो इन्लार्ज कराकर फ्रेम में जड़वाकर दीवारों पर टांग देती थी। एक दिन बिल्ला न जाने कहां चला गया और फिर कभी लौटकर नहीं आया। मां कई सप्ताह तक उसे तलाश करती रही, मगर वह नहीं आया। इसके बाद न तो स्वयं ही उसने कोई जानवर पाला और न ही मुझे पालने दिया।"

उसने एक ठण्डी सांस लेकर फिर अपनी बात जारी रखते हुए कहा—"तुमि विश्वास नहीं करोगे कि वह बिल्ले के खाने-पीने के बर्तन इसी प्रकार कॉर्नर पर सजाकर रखती थी, जैसे यादगार और बहुत ही मूल्यवान वस्तुएं हों या फिर उसके प्यारों और

चहेतों की तस्वीरें हों, फिर उस पर बुरा समय आ गया। गरीबी ने मां को आन घेरा और जब उनकी मृत्यु हुई तो उसने घर के सामान के अतिरिक्त कुछ नहीं छोड़ा था। मैंने उस बिल्ले के बर्तनों के सिवा सभी कुछ बेच दिया। उन बर्तनों को बेचने का मैं साहस ही नहीं कर सका।"

हेरी को स्वयं अपने आप पर विश्वास नहीं हो रहा था कि वह इतनी सरलता से झूठ बोलता चला जा रहा था। उसे तो पता ही नहीं था कि उसके अन्दर यह योग्यता भी है, फिर उसने एक और ठण्डी सांस ली। उसके विचारानुसार कहानी सुनाते समय ठण्डी सांसें लेने से कहानी में प्रभाव पड़ता था। अपनी कहानी का प्रभाव देखने के लिये उसने बूढ़े की ओर देखा। बूढ़ा वास्तव में ही प्रभावित दिखाई दे रहा था। तभी तो उसका उत्साह और बढ़ गया और वह और जोर-शोर से अपनी कहानी सुनाने लगा—

"फिर मुझे यह बिल्ला मिल गया, जिसे मैंने कल यहां दफन किया था।" उसने कब्र की ओर संकेत किया—"मैंने जब उसे पहली बार देखा था, मुझे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं आया था, क्योंकि यह हू-ब-हू उस बिल्ले की जीरोक्स कापी था, जो मेरी मां ने पाला हुआ था। मुझे तो यूं लगा, वही बिल्ला दूसरा जन्म लेकर वापस आ गया है। मैंने उसे बड़े प्रेम से अपने पास रख लिया और उसके साथ मेरा लगाव ऐसा हो गया जैसा भावनात्मक लगाव मेरी मां के साथ था। जब यह कार के नीचे आकर मर गया तो मुझे यूं लगा जैसे मेरी मां दुर्घटनाग्रस्त होकर दोबारा मर गयी हो। तुम्हें शायद मेरी बातें मूर्खतापूर्ण लगें, लेकिन भावनात्मक लगाव ऐसे ही तमाशे दिखाता है और ऐसे ही सदमों में डालता है। मैंने बिल्ले को दफनाते समय भावना में बहकर उसके बर्तन भी उसके साथ ही दफन कर दिये थे, जो मेरी मां अपने बिल्ले को खिलाने-पिलाने के लिये प्रयोग करती थी। इस प्रकार मैंने अपनी मां की आत्मा को प्रसन्न करने का प्रयास किया था, लेकिन जब सदमें का प्रभाव कम हुआ और मुझे सही सोच-विचार करने का समय मिला तो मैंने महसूस किया कि वह मेरी गलती थी। वह बर्तन एक प्रकार से मेरी मां की निशानी थे। मुझे उन्हें कब्र में दफन नहीं करने चाहिये थे। मुझे अब उनकी कमी महसूस हो रही है। अब मैं चाहता हूं कि वो मुझे वापस मिल जायें और मैं घर में उन्हें पहले की भांति उन्हीं स्थानों पर सजाकर रखूं जहां मेरी मां रखती थी।"

वह कहकर हेरी खामोश होकर गहरी-सांसें लेने लगा।

"कहानी तो तुमने बड़ी जबरदस्त सुनायी है।" गोरकन बोला। यदि ठीक उसी समय उसने अपनी एक आंख न पोंछी होती तो हेरी यही समझता कि वह उस पर व्यंग कस रहा है, लेकिन उसका अंदाज बता रहा था कि उसकी एक आंख कम-से-कम एक क्षण के लिए अवश्य ही नम हुई थी।

एक क्षण के विलम्ब के बाद वह बोला—"वह बर्तन तुम्हारे लिए इतने ही महत्वपूर्ण हैं कि तुम उनके लिए दो हजार डॉलर खर्च करने के लिए तैयार हो?"

"हां...।" हेरी ने खोये-खोये, हताशा में डूबे स्वर में कहा और अपनी दृष्टि दूर किसी अन्य स्थान पर केन्द्रित कर दी।

"ठीक है...तुम आधी रात को यहां आ जाना। मैं तुम्हारे लिए बिल्ले की कब्र दोबारा खोदकर खुली रखूंगा।" गोरकन ने वचन दिया।

हेरी उठकर खड़ा हो गया और शेकहैंड के लिए हाथ बढ़ाते हुए बोला—

"तुम बहुत अच्छे आदमी हो। मैं तुम्हारे स्वभाव से इतना प्रभावित हुआ हूं कि सोच रहा हूं कि वसीयत कर जाऊं कि यदि तुमसे पहले मैं मर जाऊं तो मेरी कब्र तुम ही खोदो।"

"मुझे तो कोई एतराज नहीं है।" गोरकन सिर को खुजाते हुए बोला—"लेकिन समस्या यह है कि मैं केवल जानवरों की कब्रें खोदता हूं।"

"खैर! फिलहाल इस समस्या को यहीं छोड़ते।" हैरी जल्दी से बोला—"बहरहाल...तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद।"

¶¶

हेरी ने पूरी दोपहर आस-पास के क्षेत्रों में घूमते-फिरते गुजारी। उस का अपने मोटेल रूम में आकर और अकेला बैठकर इंतजार की घड़ियां काटने को मन नहीं चाह रहा था। आखिरकार जब घूमते-घूमते वह थक गया और उसकी समझ में नहीं आया कि आगे क्या करे, तो एक सिनेमाघर में जाकर बैठ गया। जहां उसने फिल्म के दौरान ढेर सारे पॉपकार्न खा डाले और दो सोडा वाटर की बोतलें पी डालीं।

आखिरकार वह मोटेल वापस आ गया। उसने देखा कि टोनी की गाड़ी उसके कमरे के सामने मौजूद नहीं थी। इसका मतलब था कि वह अभी तक वापिस नहीं आया था।

अचानक एक शंका से हेरी के दिल की धड़कनें तेज हो गयीं। कहीं टोनी भी दिन के प्रकाश की परवाह किये बिना कब्रिस्तान तो नहीं चला गया, फिर वह थैला निकालकर कहीं भागने का प्रयास तो नहीं कर रहा था।

हेरी अपने आपको कोसने लगा। यह विचार उसे पहले क्यों नहीं आया था। अभी वह किसी निर्णय पर पहुंचने का प्रयास कर ही रहा था कि टोनी की तलाश में जाये या नहीं...कि टोनी की कार कमरे के आगे रुकती दिखायी दी।

हेरी लपककर उसके पास पहुंचा।

"आशा है तुम्हारा दिन अच्छी तरह से गुजरा होगा।" टोनी कार से उतरते हुए प्रसन्न मुद्रा में बोला। वह बहुत खुश दिखायी दे रहा था।

"हां...बहुत ही अच्छा।" हेरी बोला—"और तुम्हारा दिन कैसे बीता?"

"बहुत ही अच्छा।" टोनी बोला—"मैंने अपने निवास के लिए एक कोठी का भी चयन कर लिया है। साथ ही एक दुकान भी देख डाली है, जो मेरी पुस्तकों के लिए अच्छी

सिद्ध होगी। मैंने एक रेस्टोरेंट भी देखा है, जहां इस बराबर वाले बूचड़खाने से अधिक स्वादिष्ट भोजन मिलता है। क्यों न आज रात का भोज वहीं करें?"

"क्या हम किसी बात का जश्न मना रहे हैं?" हेरी ने पूछा।

"यही समझ लो। यहां का मौसम इतना खूबसूरत है, हम दोनों जिंदा हैं और दुनिया की प्रत्येक वस्तु का आनन्द ले रहे हैं। क्या जश्न मनाने के लिए ये कारण पर्याप्त नहीं हैं?" टोनी बोला।

"हां...यह तो तुम ठीक कह रहे हो।" हेरी ने सिर हिलाया।

कुछ देर बाद दोनों हेरी की कार में दूसरे गांव के रेस्टोरेंट में डिनर के लिए पहुंचे। भोजन वास्तव में ही स्वादिष्ट था। भोजन के उपरान्त हेरी ने धैर्य का प्रदर्शन करते हुए केवल एक ही स्वीट डिश पर हाथ रोक लिया। आज रात उसे महत्वपूर्ण कार्य जो करना था। वह नहीं चाहता था कि अधिक भोजन करने से उसकी तबियत में बोझिलपन और सुस्ती छा जाये।

भोजन के बाद टोनी ने फिल्म देखने का प्रस्ताव रखा। हेरी वह फिल्म देख चुका था, लेकिन उसने इंकार नहीं किया। एक ही फिल्म को दोबारा देखने की पीड़ा सहना महंगा सौदा नहीं था। इस प्रकार वह कम-से-कम टोनी पर नजर तो रख सकता था। इसके अतिरिक्त सिनेमाहॉल में बैठने का एक लाभ यह भी था कि वहां टोनी की जबान बंद रहती। अधिक बातें होतीं तो फिर बातों में से बातें निकलतीं और कुछ बातों के उत्तर देना हेरी के लिए कठिन हो जाता, कोई-न-कोई उल्टी-सीधी बात मुंह से निकल सकती थी।

आखिरकार हेरी के लिए आजमाइश के क्षण समाप्त हुए, वो सिनेमा हॉल से निकले तो टोनी बोला—

"इस फिल्म को देखकर तो मेरे सिर में दर्द हो गया।"

हेरी ने कोई टिप्पणी नहीं की।

फिर मोटेल पहुंचकर वह बोला—"अब इस सिरदर्द को दूर करने के लिए मैं तो एस्प्रीन की मुट्ठी भर गोलियां खाकर सोऊंगा।"

अपने कमरे में पहुंचकर हेरी को कुछ और प्रतीक्षा करनी पड़ी। जो उसके लिए बड़ी कठिन सिद्ध हुई। अभी आधी रात नहीं हुई थी। उसका बैग तैयार रखा था वह स्वयं भी तैयार था।

बारह बजने से जरा पहले उसने अपने कमरे की लाइट ऑफ की और अत्यधिक सावधानी से दरवाजा खोलकर बाहर झांका।

इस लाइन के अन्तिम कमरे के सामने उसे टोनी की कार खड़ी दिखायी दी।

इसका मतलब टोनी अपने कमरे में मौजूद था।

उसने संतुष्टि की गहरी सांस ली।

अपनी गाड़ी में बैठकर उसने अत्यधिक सावधानी से उसे स्टार्ट किया। यह तो गनीमत थी कि उसके और टोनी के कमरों के मध्य काफी फासला था। उससे भी अच्छी बात यह थी कि खिड़कियों में लगे हुए पुराने एयर कन्डीशनर काफी शोर कर रहे थे।

टोनी उसकी कार के स्टार्ट होने की आवाज नहीं सुन सकता था।

पांच मिनट के बाद वह कब्रिस्तान जा पहुंचा।

इस बार उस पर कल वाली घबराहट का प्रभाव नहीं था। आज वह फ्लैश लाइट भी लेकर आया था। उसके प्रकाश में वह बड़े आत्मविश्वास के साथ रास्ता तलाश करता हुआ बिल्ले की कब्र तक पहुंचा।

उसकी मांस-पेशियों में जबरदस्त रक्त का दबाव था। वह प्रार्थना कर रहा था कि यदि उसके भाग्य में हार्ट अटैक से मरना है तो कम-से-कम वह इस समय न हो। जानवरों के कब्रिस्तान में हार्ट अटैक से मरना कुछ अच्छा नहीं था।

उसे यह देखकर संतोष हुआ कि बिल्ले की कब्र के निकट ताजा खुदी हुई मिट्टी का ढेर मौजूद था।

इसका मतलब था कि गोरकन ने अपना वचन निभाया था।

वह लपक कर उस ढेर के निकट पहुंचा और झांककर देखा।

ताबूत कब्र में मौजूद था। उसके ऊपर छोटे से पत्थर के नीचे एक पत्र दबा रखा था। हेरी ने जल्दी से उसे उठाकर पढ़ा। लिखा था—

"तुम्हारी सुनायी हुई कहानी लाजवाब थी। यदि जीवन में भविष्य में कभी तुमसे मुलाकात हुई तो मैं भी तुम्हें इस प्रकार की एक कथा सुनाऊंगा, जिससे तुम्हें पता चलेगा कि मैंने किस प्रकार व्हाइट हाउस खरीदा था और फिर एक किसान को बेच दिया था।"

इस पत्र में कोई नाम या हस्ताक्षर नहीं थे, लेकिन यह अनुमान लगाना कठिन नहीं था कि बूढ़ा मरियल उसे चोट दे गया।

¶¶

अत्यधिक सुस्त गति से कार चलाते हुए वह वापस मोटेल पहुंचा। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि लूट का माल हाथ से निकल जाने के सम्बन्ध में वह टोनी को क्या स्पष्टीकरण देगा?

इससे भी गम्भीर समस्या यह थी कि वह अब टोनी से पीछा कैसे छुड़ायेगा? भला वह लूट के माल में से आधा भाग लिये बिना उसका पीछा कैसे छोड़ सकता था?

हेरी को विश्वास था कि अब वह स्थायी रूप से उसके लिए दर्देसिर बनने वाला था।

इसके बावजूद वह फरार होने का साहस नहीं जुटा सका। अपने आप को घसीटता हुआ कार से उतरा। लगभग मरे हुए हाथों से उसने टोनी के द्वार पर दस्तक दी।

टोनी ने आंखें मलते हुए दरवाजा खोला।

"हेरी...तुम...?" वह उसे देखकर हैरान रह गया।

"तुम्हारा सिरदर्द ठीक हुआ?" हेरी ने हमदर्दी से पूछा।

"आधी रात को तुमने यह पूछने के लिए मुझे जगाया है कि मेरा सिरदर्द ठीक हुआ या नहीं?"

"नहीं...यह बात तो नहीं है।" हेरी हकलाया।

"फिर किसलिए जगाया है?"

"मुझे स्वयं तुम्हें इस समय कष्ट देते हुए ग्लानि हो रही है....मगर तुम्हें एक बात बतानी थी।"

"तुम सुबह तक इंतजार नहीं कर सकते थे?" टोनी ने आंखें निकालीं।

"हां...इंतजार तो कर सकता हूं...अच्छा ठीक है। सुबह बात होगी।" कहकर हेरी जाने के लिए मुड़ा।

उसे अचानक अहसास हुआ कि वह एक बार फिर मूर्खता करने जा रहा था। जब टोनी उसे भागने का अवसर दे रहा था तो उसे उस अवसर का लाभ उठा लेना चाहिये था।

और उसने लाभ उठाने का इरादा कर लिया।

"ठहरो...।" अचानक टोनी ने पीछे से पुकारा।

हेरी ने पलटकर उसे देखा।

"मैंने अभी-अभी सोचा है कि तुम्हारी बात सुन ही लूं।" अब टोनी की आवाज में नींद का भारीपन गायब हो चुका था।

हेरी ने मन-ही-मन में स्वयं को कोसा। वह वापस घूमा और टोनी के पास पहुंचा।

"हां, बताओ, क्या बात है?"

हेरी ने उसकी आंखों में झांकते हुए कहा—"जिस बैंक में हमने पैसा रखा था, वह

दिवालिया हो गया।”

टोनी एक पल तक उसे घूरता रहा, फिर एक तरफ हटते हुए बोला—“अंदर आ जाओ।”

अन्दर पहुंचकर हेरी एक कुर्सी पर ढेर हो गया और कालीन को घूरने लगा।

“मुझे आरम्भ से पूरी बात बताओ।” टोनी उसके सामने दूसरी कुर्सी पर बैठ गया।

हेरी ने गोरकन का छोड़ा हुआ पत्र उसके हाथ में थमा लिया। टोनी उसे पढ़ने के बाद बोला—

“इसका मतलब क्या है?”

हेरी मुर्दा-सी आवाज में बोला—“मुझे स्वीकार है कि मैं एक बार फिर तुम्हें चक्कर देने की कोशिश कर रहा था...मुझे इसका अधिकार भी है। तुम तो जानते हो कि तुम, तुम्हारा वह मास्टर और लड़की नीला बहुत दिनों से उस ज्वैलरी हाउस को लूटने का प्रोग्राम बना रहे थे, लेकिन सफल न हो पा रहे थे। मैंने अपनी बुद्धिमता और चालाकी से उसमें सफलता प्राप्त की थी, इसीलिए मेरा उस पर अधिक अधिकार था।”

“बिना हमारी सहायता के तुम कभी सफल नहीं हो सकते थे। तुमने आधा-आधा माल देने का वचन भी दिया था।” टोनी ने उसे याद दिलाया।

“यदि तुम्हें अवसर मिलता तो तुम भी उस सारे माल को हड़प करने में देर नहीं लगाते। अब अगर मैंने ऐसा कर लिया था तो तुम्हें बुरा नहीं लगना चाहिए था।”

“बकवास मत करो।” टोनी ने उसे झिड़क—“अब मुझे असल बात बताओ।”

“असल बात यह है कि मैंने उस गोरकन को कुछ धन का लालच दिया था कि वह मुझे कब्र खोदने का अवसर दे, लेकिन मेरा विचार है कि मैंने उसे जो कहानी सुनायी थी, वह उससे कुछ अधिक प्रभावित नहीं हुआ था। उसने कब्र खोद कर मुझसे पहले उसका सफाया कर दिया।”

“ओह...हेरी।” टोनी मानो सिर थामते-थामते रह गया—“मेरी समझ में नहीं आता कि मैं तुम्हारे साथ क्या सुलूक करूं...? आखिर तुमने यह क्यों नहीं सोचा कि अब हम पार्टनर हैं।”

“तुम अपने आपको पार्टनर समझते रहो, मैं तो ऐसा नहीं समझता था।”

“तुम उस सारे माल को अकेले हड़प करना चाहते थे?”

“चाहता था, लेकिन ऐसा नहीं कर सका।”

“तुम्हारे मन में खोट था, तभी तो वह सूखा-सड़ा मरियल-सा आदमी सारा माल लेकर फरार हो गया।”

“अब क्या करें?” हेरी ने पूछा।

“हमें उसे तलाश करना होगा।”

“कैसे?” हेरी ने जानना चाहा।

“सुबह से तुम उसकी तलाश का सिलसिला आरम्भ कर दो। सबसे पहले तो कब्रिस्तान जाओ और देखो कि वह अपनी डाक इत्यादि भिजवाने के लिये अपना कोई एड्रेस छोड़ गया है या नहीं। इस सम्बन्ध में तुम पोस्ट ऑफिस से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हो।” टोनी ने उसे पेशेवर जासूसों की मानिन्द निर्देश दिये।

“और तुम इस बीच क्या करोगे?” हेरी ने पूछा।

“तुम्हें याद नहीं....मैंने तुम्हें बताया था कि मुझे एक मकान और दुकान यहां मिल गयी है। मेरा आज इस सिलसिले में प्रापर्टी डीलर से मिलना बहुत जरूरी है। मैं कल उसे समय दे आया था।”

“जब तुम्हें उस लूट के माल में से कुछ नहीं मिल रहा है तो तुम मकान या दुकान का क्या करोगे?”

“मकान की मुझे इतनी परवाह नहीं है, लेकिन वह दुकान बहुत मौके की है। मेरे पास पहले की किताबों का ढेर है, मैं उन्हें ही लाकर दुकान को चालू कर दूंगा। प्रापर्टी डीलर को एडवांस देने के लिए तो मेरे पास इतने रुपये हैं। मैं उस दुकान को नहीं छोड़ सकता।”

“ठीक है, तुम अपने हिस्से का काम करो, मैं यहां का काम सम्भालता हूं। शायद तुम्हारी वापसी तक मैं उसे ढूंढ निकालूं।”

“एक बात याद रखना।” टोनी ने उसे खबरदार करते हुए कहा—“जब तुम उसे तलाश करने में सफल हो जाओ तो सारा माल खुद ही हड़प मत कर जाना। उसमें से आधा मेरा होगा।”

“निश्चिंत रहो।” हेरी ने उसे तसल्ली दी।

अपने कमरे में पहुंचकर हेरी को बहुत मुश्किल से नींद आयी। उसे ऐसा लग रहा था जैसे अचानक ही उसके मस्तिष्क को जंग लग गया हो और उसकी सारी योग्यताएं नष्ट हो गयी हों। इतना मूर्ख तो वह कभी न था, जितना अब अपने आपको महसूस कर रहा था। उसे लग रहा था कि उसकी सारी ज्ञानेन्द्रियां निष्क्रिय होकर रह गयी हैं। उसने कितनी बुद्धिमत्ता से उन सब लोगों को मूर्ख बनाकर करोड़ों का माल हासिल किया था और अब उसे न जाने क्या हो गया था कि वह मरियल से टोनी से उस

माल को छिपाता फिर रहा था, यहां तक कि माल से ही हाथ धो बैठा।

वह चाहता तो आसानी से टोनी को धोखा दे सकता था, उसका कोई और उपाय सोच सकता था। पर पता नहीं क्यों वह सोच नहीं पा रहा था।

यह शायद उसकी आत्मा का अन्तर्द्व्द था, जो बार-बार टोनी के प्रति उकसाता था तो दूसरी ओर उसके मन का लालच उसे सारा माल हड़प कर जाने को कहता था। इसी उहापोह में फंसकर उसकी सारी योग्यताएं निष्क्रिय होकर रह गयी थीं।

वह सोच रहा था कि यदि दोनों मिलकर उस बूढ़े को तलाश करते तो ज्यादा अच्छा था। अब कुछ भी था, उसने पक्का इरादा कर लिया था कि यदि अब की बार उसे वह माल मिल गया तो वह आधा माल टोनी को देने में जरा भी न हिचकेगा। वह स्वयं आधे पर ही संतुष्ट हो जायेगा। यही विचार कर वह सो गया था।

¶¶

सुबह सवेरे ही जब तैयार होकर वह नाश्ते के लिए निकला तो टोनी की कार गायब थी। इसका मतलब था कि वह प्रातः ही चला गया था। उसने सोचा कि वह जल्दी से गोरकन को तलाश करके उससे पहले माल प्राप्त करके जब आधा टोनी को देगा तो उसे कितनी प्रसन्नता होगी। यही सोचकर उसने जल्दी से नाश्ता किया और गोरकन की तलाश में चल दिया।

वह कब्रिस्तान पहुंचा तो ओवन का ऑफिस अभी खुला भी नहीं था। उसने निर्णय लिया कि इंतजार के पल बिल्ले की कब्र पर जाकर गुजारे जायें। वह सोच रहा था कि कब्र से निकाली गयी मिट्टी को दोबारा कब्र में कौन भरेगा? गोरकन तो जा चुका था। शायद यह कष्ट मिस्टर ओवन को ही करना पड़े।

लेकिन कब्र के निकट पहुंचा तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास न हुआ।

वह गोरकन था।

जो खुदी हुई कब्र में दोबारा मिट्टी डाल रहा था।

“ऐ... तुम यहां क्या कर रहे हो?” हेरी ने आश्चर्य से पूछा।

“वही जो सदैव करता हूं। शायद तुम भूल गये हो कि मैं यहां का गोरकन हूं।”

“लेकिन...तुम तो चले गये थे...?”

“क्या मैं तुम्हें पागल लग रहा हूं?” वह कराहकर सीधा होते हुए बोला—“एक तो मैं इस बिल्ले को दफन करते और कब्र से निकालते-निकालते थकने लगा हूं। मैंने उस व्यक्ति के लिये जो कुछ किया, उसके बदले में वह इतना तो कर ही सकता था कि कब्र में मिट्टी खुद ही भर जाता।”

"तुम किसकी बात कर रहे हो? तुमने किसके लिए काम किया?" हेरी ने व्यग्रता से पूछा।

"मैं पिछली रात की बात कर रहा हूं।" वह बोला।

"मैं भी तुमसे पिछली रात की ही बात करने आया हूं। मेरा माल कहां है?"

गोरकन बेलचा एक ओर रखते हुए बोला—"हम दोनों ही की समझ में एक-दूसरे की बात नहीं आ रही। आओ....जरा आराम से बैठकर बातें करते हैं। मुझे तुमसे कुछ हिसाब-किताब भी करना है।"

वह घास पर बैठ गया।

हेरी ने जेब से वह कागज निकाल कर उसे थमाते हुए कहा—"इससे सिद्ध होता है कि माल तुमने निकाला है।"

गोरकन ने इत्मीनान से वह पत्र पढ़ा और बोला—"यह तो मैंने नहीं लिखा।"

"तो फिर किसने लिखा है?" हेरी एकटक उसकी ओर देखता रह गया।

"यह उसी चूहे के बच्चे ने लिखा होगा—उसने यह लिखकर मुझे फंसाने की कोशिश की है।" गोरकन मुंह बनाकर बोला।

हेरी का सिर घूमने लगा। उसके लिए यह निर्णय करना कठिन था कि उसका ब्लडप्रेशर घट रहा था या बढ़ रहा था।

"तुम किस चूहे की बात कर रहे हो?" उसने पूछा।

"वही तुम्हारा भाई!" बूढ़े ने उत्तर दिया।

"मेरा तो कोई भाई नहीं है।"

"क्या तुम सच कह रहे हो?"

"हां, बिल्कुल सच कह रहा हूं। मैं अपने मां-बाप की इकलौती संतान हूं। ओनली वन पीस।"

"अच्छा...शक तो मुझे भी हो रहा था। उसमें तुम्हारी जरा-सी भी छवि नहीं थी, लेकिन कहानी तो उसने वही सुनायी थी, जो तुमने सुनायी थी। उसने कहा था कि तुम्हारी जगह बिल्ले के बर्तन लेने आया था। तुमने ही उसे भेजा था, तुम्हारी तबियत ठीक नहीं थी।"

हेरी का सिर कुछ और तेजी से घूमने लगा। उसके लिए अनुमान लगाना कठिन नहीं था कि वह टोनी होगा, जो उसके भाई होने का दावा करके गोरकन को धोखा देकर गया होगा। कल जब हेरी उस बूढ़े को अपनी मां और उस बिल्ले की कहानी सुना रहा था

तो टोनी यहीं आसपास ही छुपा था। वह गढ़ी हुई कहानी सुन रहा होगा। वह शायद किसी पेड़ की आड़ में छिपा होगा। वह इधर-उधर जाने का बहाना करके उस पर नजर रख रहा होगा।

बूढ़ा कह रहा था—"कल रात अंधेरा फैलते ही मैंने उस कब्र के आस-पास टहलना शुरू कर दिया था, कहीं तुम मुझे चक्कर न दे जाओ और अपनी रकम बचाने के लिए स्वयं ही आकर कब्र खोदकर बर्तन निकालकर धोने की कोशिश करो। मेरी शंका निर्मूल नहीं थी। तुम तो नहीं आये, लेकिन तुम्हारा भाई आ गया। उसने बताया था कि तुम्हारी तबियत ठीक नहीं है, इसलिये तुम्हारी जगह वह आया था।"

फिर वह नाक चढ़ाकर बोला—"यह मत समझना कि मैंने बर्तनों वाली तुम्हारी कहानी पर विश्वास कर लिया था। मैंने जीवन में कभी ऐसी बेहूदा कहानी नहीं सुनी। मैं समझ गया था कि ताबूत में बर्तनों से कहीं अधिक मूल्यवान वस्तु मौजूद थी और मैं उसमें से अपना हिस्सा प्राप्त करने का निश्चय किये हुए था। चुनांचे मैंने उससे कह दिया था कि या तो मेरा हिस्सा दो या मैं पुलिस को सूचित कर दूंगा।"

"वह आसानी से भयभीत नहीं होता। उसके अलावा वह तुमसे अधिक स्वस्थ भी था।" हेरी बोला।

"यह बेलचा किसलिये है?" उसने संकेत किया—"इससे मैं केवल कब्रें खोदने का काम ही थोड़े लेता हूं!"

"बहरहाल...तुमने उसे माल ले जाने दिया?"

"हां, अपना हिस्सा वसूल करने के बाद।" गोरकन ने गर्व से अपनी उंगली में पड़ी हीरे की अंगूठी दिखायी—"यह तो केवल नमूना है, शेष जेवर मैंने मिस्टर ओवन के पास अमानत के तौर पर रख दिये हैं।"

"उसने इस बात की शंका प्रकट नहीं की थी कि तुम यह बात मुझे बता दोगे तो मैं उसका पीछा करूंगा।" हेरी ने पूछा।

"मैंने उसे बताया था कि मैं जेवरात लेकर अपनी बेटी के पास चला जाऊंगा। अभी मुझे उसकी शादी भी तो करनी है। दहेज के चक्कर में वह तीस वर्ष की हो चुकी है और कोई उससे शादी के लिए तैयार नहीं है। सब दहेज मांगते हैं। अब मैं अपनी बेटी की शादी धूमधाम से करूंगा। साथ ही उनके मुंह पर दहेज का जूता भी मारूंगा।" गोरकन ने बताया।

"मुझे नहीं पता था कि तुम्हारी कोई बेटी भी है।"

"कहानियां गढ़ना तुम्हें ही तो नहीं आता।" बूढ़ा मुस्कुराया।

हेरी ने उससे यह नहीं पूछा कि उसने टोनी से कितने मूल्य के जेवरात ठगे थे। वह उठते हुए बोला—

“तुमने उससे जो कुछ भी प्राप्त किया, उस पर तुम्हारा ही अधिकार बनता है। जाओ, ऐश करो।”

वह मोटेल वापस आ गया। उसे अंदाजा था कि टोनी का घर जाने का तो प्रश्न ही नहीं उठता। आभूषण लेकर वह नयी मंजिलों की ओर निकल गया होगा।

उसने अपना बैग उठाया और मोटेल छोड़कर वह भी अपनी नई मंजिल की ओर चल दिया।

उसकी नई मंजिल थी मिस रबिका।

रबिका से उसे कांटेक्ट लौंसिज प्राप्त करने थे। अभी वह मोटेल से थोड़ी दूर ही गया था कि उसकी गाड़ी का इंजन घर्रर-घर्रर करके बंद हो गया। उसने कार के इंजन को एक मोटी-सी गाली दी और बोनट उठाकर इंजन चैक किया।

इंजन निष्क्रिय हो चुका था। उसमें कोई बारीक खराबी आ गयी थी। आज का दिन ही खराब था। उसने बोनट को वापस पटका और क्रोध से कार के एक लात मारी।

यह और बात थी कि चोट उसे ही लगी। वह नाचकर रह गया। अभी उसका नाच थमा भी न था कि उसे एक सुरीली आवाज सुनाई दी।

“हे! क्या हुआ? क्या गाड़ी खराब हो गयी?”

हेरी ने नाचना बंद करके उस सुरीली आवाज की ओर देखा तो बस देखता ही रह गया। वह इतनी ही सुन्दर थी।

यदि वह ब्यूटी कॉन्टेस्ट में पहुंच जाती तो पहला नहीं तो द्वितीय स्थान तो अवश्य ही प्राप्त कर लेती।

“अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें तिलयास तक लिफ्ट दे सकती हूं।” मर्सिडीज की स्टेयरिंग के सामने बैठी उस ब्यूटी क्वीन ने हेरी से कोई उत्तर न पाकर स्वयं ही अगला प्रश्न किया।

हेरी अपनी स्तब्धता से चौंका। इतनी सुन्दर लड़की उसे लिफ्ट की पेशकश कर रही थी, फिर वह भला कैसे न मानता। वह भी इसलिए कि वह स्वयं उसे अपनी मंजिल तक ले जा रही थी। वह आगे बढ़ा और बोला—

“मिस...।”

“मिस नहीं, मिसेज ग्रेटा।” लड़की ने उसकी गलती सुधारी।

“मिसेज ग्रेटा, मेरी कार खराब हो गयी है...और मुझ वाकई में ही तिलयास तक जाना है।”

"तो आओ, मेरी कार में बैठ जाओ। मार्ग में किसी वर्कशॉप पर कार के सम्बन्ध में बता देंगे। वह खराबी ठीक करके तिलयास तुम्हारे पास पहुंचा देगा।" कहने के साथ ही उसने कार का दरवाजा खोल दिया।

वह तुरन्त अन्दर बैठ गया।

उसने एक झटके में गाड़ी आगे बढ़ा दी।

"यदि मैं गलती पर नहीं हूं तो तुम अमरीकी हो?" लड़की ने कार की गति तेज करते हुए प्रश्नवाचक दृष्टि से उसकी ओर देखा।

"तुम्हारा विचार सही है। मैं अमरीका से ही आया हूं।"

"क्या सैरो-तफरीह के लिए?"

"नहीं, काम की तलाश में यहां आया हूं।"

"काम? कैसा काम?"

"सुना है तिलयास के निकट खुदाई करने वाले विशेषज्ञ टीम के इंचार्ज डॉक्टर सैंडो को एक ऐसे आदमी की जरूरत है, जो पुरानी भाषाओं का थोड़ा बहुत ज्ञान रखता हो।" हेरी ने बताया।

"ओह...।" लड़की चौंक-सी गयी—"मैं डॉक्टर सैंडो की पत्नी ग्रेटा हूं।"

"ओह नो!" हेरी ने आश्चर्य प्रकट किया। वह वास्तव में ही इस हसीन संयोग पर चमत्कृत रह गया था—"मुझे विश्वास नहीं हो रहा...।"

आज यह दूसरा अवसर था जब कि वह चमत्कृत रह गया था। पहले तो उसे टोनी ने चमत्कृत किया था। उसने अपना कहा सच कर दिया था। उसने कहा था कि उसे लोगों को चमत्कार दिखाने में बड़ा आनन्द आता है। उसके कद-काठी और चेहरे के भोलेपन को देखकर हेरी ने उसकी बात को हवा में उड़ा दिया था। उसे और उसकी बात को कोई महत्व नहीं दिया था।

लेकिन!

अन्त में वह वास्तव में ही अपनी जादूगरी का चमत्कार दिखाने में सफल हो गया था। वह हेरी को मूर्ख बनाकर उसके करोड़ों मूल्य के आभूषण ले उड़ा था और हेरी अन्त में हाथ मलता रह गया था।

अब दूसरा चमत्कार उसके पास बैठी यह लड़की थी, जो कि संयोग से उसे मिल गयी थी और अब उसे उसकी मंजिल की ओर ले जा रही थी। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि इतनी हसीन और सुन्दर लड़की डॉक्टर सैंडो जैसे पुरातत्व विभाग के इंचार्ज की पत्नी हो सकती है। इसका मतलब था कि उसकी आशा के विपरीत डॉक्टर सैंडो एक जवान

आदमी था, न कि बूढ़ा खूसट।

एक ही पल में हेरी न जाने कितनी बातें सोच गया।

"क्या मतलब?" लड़की ने चौंककर उसे देखा था—"तुम्हें किस बात पर विश्वास नहीं हो रहा?"

"यही कि मैं इतना सौभाग्यशाली भी हो सकता हूं।" हेरी ने ठंडी सांस लेकर कहा।

"मैं कुछ समझी नहीं....?"

"मैडम! कई दिन से मेरे भाग्य के सितारे गर्दिश में चल रहे थे, आज सुबह तक जो कुछ भी हुआ था, वह सब मेरी सोच मेरी आशा के उल्टा हुआ, लेकिन अभी-अभी मेरे भाग्य ने करवट बदली और एक साथ दो बातें मेरे सौभाग्य का कारण बनीं।"

"जैसे?" हेरी के चुप होते ही ग्रेटा ने पूछा।

"पहला तो मेरा सौभाग्य यही है कि तुम जैसी हसीन और सुन्दर लड़की से मुलाकात हुई और दूसरा यह कि संयोग से तुम उसी की पत्नी निकलीं, जिससे मिलने की इच्छा लेकर मैं घर से चला था।"

"तुम कौन-कौन-सी भाषाएं समझ सकते हो?" ग्रेटा ने विषय बदला। वह किसी राह चलते आदमी को ज्यादा फ्री होने का अवसर नहीं देना चाहती थी।

"बहुत-सी।"

"जैसे?"

"जैसे डरामिक भाषा पर मुझे पूर्ण ज्ञान प्राप्त है, साथ ही प्राचीन डबरानी भाषा का भी विशेषज्ञ हूं।" हेरी ने उत्तर दिया।

"ऐसी स्थिति में तुम्हें निराश नहीं होना चाहिये।" ग्रेटा मुस्कुराते हुए बोली—"डॉक्टर सैंडो को वास्तव में ही एक ऐसे आदमी की आवश्यकता है।"

"इसका मतलब मुझे काम मिल सकता है?" हेरी ने उत्सुकता से पूछा।

"हां, अगर मैं सिफारिश करूं तो....।" कहकर उसने विंडस्क्रीन से नजर उठाकर देखा।

"मैं समझा नहीं?"

"बात यह है मिस्टर हेरी, डॉक्टर सैंडो ने अभी दो दिन पहले ही अमरीका से एक ऐसा आदमी बुलाया है, जो इन भाषाओं का विशेषज्ञ है।"

"इसका मतलब है उन्हें मेरी आवश्यकता नहीं होगी।" हेरी ने निराशाजनक स्वर में कहा।

"मैंने यह तो नहीं कहा।" ग्रेटा बोली—"काम एक से अधिक आदमियों का है। तुम्हें वहां काम मिल सकता है, लेकिन...।"

वह बात अधूरी छोड़कर चुप हो गयी। हेरी को उसका चुप होना बुरा लगा। वह जल्दी से बोला—

"लेकिन क्या?"

"डॉक्टर सैंडो अपनी टीम में किसी अजनबी आदमी को शामिल नहीं करते, लेकिन तुम चिंता मत करो, मैं उनसे तुम्हारी सिफारिश करूंगी। वह मेरी बात नहीं टालेंगे।"

"अजनबी तो मैं तुम्हारे लिए भी हूं। तुम मेरी सिफारिश क्यों करोगी?" हेरी ने पूछा।

"बस ऐसे ही!" वह बोली—"न जाने क्यों तुम मुझे अच्छे लगे हो।"

हेरी जरा सीट पर तनकर बैठ गया। वह जानता था कि उसके शानदार व्यक्तित्व को देखकर अक्सर लड़कियों का उसके प्रति यही व्यवहार होता था। वह उसे अपना समझने लगती थीं। हेरी स्वयं भी सुन्दर लड़कियों का रसिया था। जरा-सी देर में वह उससे इस प्रकार घुल-मिल गया जैसे बहुत पुरानी जान-पहचान हो।

कुछ देर बाद ग्रेटा ने गाड़ी एक कच्चे रास्ते की ओर मोड़ ली, जो एक शुष्क वादी को ओर चला गया था। लगभग दो घंटे के बाद उन्हें वह स्थान दिखायी दे गया जहां खुदाई का कार्य हो रहा था।

वहां एक ओर छोलदारियां लगी हुई थीं और उनसे जरा हटकर कुछ कच्चे भवन थे। उनसे जरा आगे खंडहर थे, जहां खुदाई का कार्य हो रहा था।

ग्रेटा ने कच्चे भवनों के निकट गाड़ी रोक ली।

"डॉक्टर सैंडो इस समय खुदाई की निगरानी कर रहा होगा। तुम चाहो तो उससे वहीं मिल सकते हो।" ग्रेटा ने कार से उतरते हुए एक ओर संकेत किया।

"थैंक्यू मिसेज सैंडो।" हेरी ने अपना हाथ आगे बढ़ाया।

ग्रेटा ने अपने नाजुक हाथों में हेरी का मजबूत हाथ थामते हुए कहा—"इट्स ओ.के.। डॉक्टर सैंडो से बता देना कि तुम्हें मैंने भेजा है।"

यह कहकर वह कच्चे भवनों की ओर मुड़ गयी। जबकि हेरी उस ओर मुड़ गया, जहां खुदाई हो रही थी।

हेरी जब वहां पहुंचा तो उसने देखा कि वहां लगभग पचास व्यक्ति थे। जिनमें से छः तो अमरीकी थे, जो काम की निगरानी कर रहे थे और शेष स्थानीय मजदूर थे, जो कुदालें और फावड़े चला रहे थे।

हेरी को डॉक्टर सैंडो को पहचानने में कठिनाई नहीं हुई। वह दुबला-पतला-सा अधेड़ावस्था वाला आदमी था। सिर पर नाममात्र को ही बाल थे और उसने अपनी आंखों पर मोटे लैंसों वाला चश्मा लगा रखा था।

हेरी उसके पास पहुंचा और बोला—"हैलो डॉक्टर सैंडो। मैं हेरी...हेरी ग्लेब फ्रॉम अमरीका।"

हेरी का पासपोर्ट क्योंकि अमरीकी नागरिकता वाला था, इसलिये वह स्वयं को अमरीकी नागरिक कहकर परिचय कराता था।

"कहिए, मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं?" डॉक्टर सैंडो ने प्रश्नवाचक दृष्टि उस पर डालते हुए उसका अध्ययन किया।

"मैं डरामिक सहित अन्य कुछ और मुर्दा भाषाओं को समझने की योग्यता रखता हूं। सुना है, आपको उन भाषाओं का ज्ञान रखने वाले व्यक्ति की आवश्यकता है?" हेरी ने कहा।

"लेकिन हमारे पास तो पहले ही अमरीका से एक आदमी आ चुका है, जो इन भाषाओं का ज्ञान रखता है।" डॉक्टर ने कहा।

"इसका मतलब आपको मेरी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है?" हेरी ने निराश भाव से पूछा।

"मैंने ऐसा तो नहीं कहा....।"

"क्या मतलब?" हेरी न समझने वाले भाव में बोला।

"आओ मेरे साथ, ऑफिस में आओ। मुझे तुम्हारी भी जरूरत है। हो सकता है कि तुम उस आदमी से अधिक लाभकारी सिद्ध होओ। मैं तुम्हें सेवा का अवसर अवश्य ही दूंगा।"

यह कहकर डॉक्टर सैंडो ने अपने सैक्रेटरी को खुदाई के सम्बन्ध में कुछ निर्देश दिये और उसके बाद हेरी को उन कच्चे भवनों की ओर लेकर चल पड़ा।

उन भवनों में से दो-तीन भवनों को वो लोग ऑफिस के रूप में प्रयोग करते थे। जबकि शेष भवनों में उन लोगों के रहने का प्रबन्ध था।

वो एक ऐसे भवन में प्रविष्ट हुए, जिसमें डॉक्टर सैंडो ने अपना दफ्तर बना

रखा था।

“बैठो।” अन्दर पहुंचकर डॉक्टर ने एक कुर्सी की ओर संकेत करके हेरी को बैठने को कहा और स्वयं मेज के ऊपर से घूमकर अपनी कुर्सी पर विराजमान हो गया।

मेज पर खुदाई से मिलने वाली बहुत सारी वस्तुएं रखी हुई थीं। मिट्टी के टूटे हुए बर्तन, पत्थर और घास के बहुत से टुकड़े। उनमें से कुछ वस्तुओं पर चित्रकारी भी बनी हुई थी।

वहां पहुंचने के बाद कुछ क्षणों तक तो खामोशी रही, फिर इस खामोशी को डॉक्टर सैंडो ने ही भंग किया।

“तो आपको कौन-कौन-सी भाषाओं का ज्ञान है ?” उसने पूछा।

हेरी ने बताया।

फिर डॉक्टर सैंडो चित्रकारी बने बर्तनों को उठाकर उन पर चित्रित भाषा पर विचार-विमर्श करने लगा।

हेरी किसी विशेषज्ञ की भांति ही उसकी बातों का जवाब देता रहा, उसने अपना अब तक का समय यूं ही बरबाद नहीं किया था। शिक्षा प्राप्त करते समय उसे मुर्दा भाषाओं को सीखने का बहुत शौक था। उसने कुछ भाषाएं सीखी भी थीं। आज वही शिक्षा उसके काम आ रही थी। वह डॉक्टर सैंडो को अपने ज्ञान से प्रभावित करने में सफल रहा था।

“ठीक है मिस्टर हेरी।” डॉक्टर सैंडो ने कहा—“मुझे खुशी है कि आप यहां हमें अपनी सेवाओं से लाभान्वित करने चले आये। अब आप ऐसा कीजिए इस साथ वाले कमरे में चले जाइये।” उन्होंने एक कमरे की ओर संकेत किया।

“उस कमरे में क्या है?” हेरी ने पूछा।

“वहां मिस रबिका मौजूद हैं। वह भी इन भाषाओं की जानकार हैं। अब तुम दोनों को मिलकर काम करना होगा।”

“आप कहीं जा रहे हैं क्या?”

“हां, मैं थोड़ी देर में आ रहा हूं। फिर मैं रबिका को तुम्हारे विषय में पूरी जानकारी दे दूंगा।”

“धन्यवाद डॉक्टर।” यह कहते हुए हेरी उठ गया।

दूसरे कमरे में जाने के लिए उसे डॉक्टर सैंडो के कमरे से बाहर जाना पड़ा था।

उस कमरे में प्रवेश करते ही हेरी के चेहरे पर मुस्कुराहट फैल गयी। आखिरकार

वह रबिका के पास पहुंच ही गया था।

रबिका इस समय एक स्टूल पर बैठी थी। उसके सामने लम्बी-सी मेज पर खुदाई से बरामद होने वाला विभिन्न प्रकार का सामान रखा हुआ था। अपने कमरे में किसी को प्रवेश करते देखकर उसकी आंखों में उलझन-सी तैर गयी।

हेरी ने मुस्कुराते हुए अपना परिचय कराया। साथ ही उसने कहा—

"अब हम दोनों को एक साथ काम करना है।" वह उसके चेहरे पर दृष्टि जमाते हुए बोला—"लेकिन देखना यह है कि हमारा साथ कितना लम्बा चलता है।"

रबिका ने उसे अपना परिचय दिया। हालांकि उसकी आवश्यकता नहीं थी, लेकिन वह रबिका को यह बताना नहीं चाहता था कि वह उसे पहले से जानता है। उसने केवल वह बताया था, जो उसे डॉक्टर सैंडो से मालूम हुआ था।

मिस रबिका जितनी सुन्दर थी, उसका व्यवहार भी उतना ही अच्छा था। वह एक अच्छी दोस्त साबित हुई थी। जल्दी ही वो दोनों आपस में घुल-मिल गये थे। वो मेज पर रखी वस्तुओं को उठा-उठा कर या इशारा कर-कर के हेरी को उनके विषय में बताने लगी। साथ ही उसे उसके काम के बारे में भी बता रही थी कि उसे क्या करना है?

हेरी बहुत ध्यान और दिलचस्पी से उसकी बातें सुन रहा था। वह अपने आपको मिस रबिका से भी अधिक सभ्य दिखाने में तुला था।

कुछ देर बाद मिस रबिका उससे आज्ञा लेकर स्टूल से उठकर उस कमरे के एक कोने में चली गयी।

उसने स्प्रे वाला डिब्बा उठाया था, जिससे कांटेक्ट लैंसों को साफ किया जाता है।

हेरी अपने स्थान पर बैठ रबिका की ओर देख रहा था। रबिका आंखों से कांटेक्ट लैंस निकालकर स्प्रे करने लगी और उन्हें सुखाने के बाद दोबारा अपनी आंखों पर लगा लिया। उसके बाद वह अपनी सीट पर आकर बैठ गयी।

"यह तुम क्या कर रही थीं?" हेरी ने भोलेपन से पूछा।

"मैंने आंखों में जो कांटेक्ट लैंसिज लगा रखे हैं, उन्हें साफ कर रही थी।" रबिका ने बताया।

"ये कांटेक्ट लैंसिज तुमने क्यों लगा रखे हैं? क्या आई साइट वीक है? या वैसे ही?" हेरी ने पूछा।

"आई साइट वीक है मेरी, जिस कारण यह लैंसिज लगा रखे हैं।" रबिका ने बताया।

"क्या उन्हें बार-बार साफ करना पड़ता है?"

"मैं जब से यहां आयी हूं, इसी समस्या से जूझ रही हूं।" रबिका उसकी ओर देखते हुए बोली—"धूल-मिट्टी के कारण कांटेक्ट लैंसिज को बार-बार साफ करना पड़ता है।"

"इससे पहले आप कहां थीं?"

"न्यूयार्क में।"

"क्या न्यूयार्क में ऐसा नहीं होता था?" हेरी ने प्रश्नवाचक दृष्टि से उसकी ओर देखा।

"मुझे इन कांटेक्ट लैंसिज को लगाये अधिक समय नहीं हुआ है, लेकिन याद पड़ता है कि वहां भी ऐसी ही परिस्थिति का सामना करना पड़ता था। दिन में कई-कई बार उन्हें साफ करना पड़ता था। कभी-कभी तो यूं लगता है जैसे आंखों के सामने धुंध-सी छा गयी हो, जिसमें मकड़ी के जालों की तरह लकीरों का-सा एहसास होता है। मुझे संदेह है कि आप्टीशियन ने गलत नम्बर के लैंस लगा दिये हैं। बहरहाल वापस जाकर चैक कराऊंगी।"

हेरी ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञों के इस कैंप में विद्युत प्रकाश का प्रबन्ध नहीं था। इस कमी को पैट्रोमेक्स लैम्पों के द्वारा पूरा किया जा रहा था।

हेरी का उस कमरे में रहने-सोने का प्रबन्ध किया गया था, जिसमें पहले ही रैंडल नामक अमरीकी रह रहा था।

रात का भोजन करने के बाद वह अपने कमरे में आया ही था कि रबिका उसके कमरे में पहुंच गयी।

"चलो....तुम्हें तिबरयास की सैर करा लाऊं।" रबिका बोली।

"तिबरयास।" हेरी की निगाहों में उलझन-सी तैर गयी।

"हां।"

"यह कहां है?"

"यहां से बारह किलोमीटर की दूरी पर एक कस्बा है। वहां एक छोटा-सा नाइट क्लब है, वहीं चलेंगे।"

"क्या तुम रोजाना जाती हो?"

"नहीं। जब से मैं यहां आयी हूं, आज पहली बार जा रही हूं। हां, एक साल पहले

जब यहां खुदाई आरम्भ हुई थी तो मैं उस समय भी यहीं थी—तब कभी-कभी वहां जाया करती थी। यहां आस-पास में मनोरंजन के लिये तिबरयास से उत्तम जगह और कोई नहीं है।"

"लेकिन हम वहां पहुंचेंगे कैसे? मेरा मतलब है कोई सवारी का प्रबन्ध है क्या?"

"हां।"

"क्या तुम्हारे पास गाड़ी है?"

"नहीं, लेकिन मैंने डॉक्टर सैंडो से एक गाड़ी ले ली है, जो अब उस समय तक मेरे प्रयोग में रहेगी जब तक कि मैं यहां हूं।" रबिका ने उसे बताया।

"तो फिर चलो।" हेरी ने उत्साहजनक स्वर में सहमति जतायी।

वो दोनों बाहर निकल आये। मकान के पिछली ओर तीन-चार गाड़ियां खड़ी थीं। रबिका एक मर्सिडीज का दरवाजा खोलकर स्टेयरिंग के सामने बैठ गयी।

हेरी दूसरी ओर का दरवाजा खोलकर कार में अन्दर बैठ गया। गाड़ी हरकत में आयी और कच्चे रास्ते पर दौड़ने लगी। पक्की सड़क पर पहुंचने से पहले हेरी ने अचानक ही पीछे मुड़कर देखा था। न जाने उसे क्यों यह अहसास हो रहा था कि कोई और गाड़ी भी उनके पीछे आ रही थी।

लेकिन गहन अंधकार के कारण उसे कुछ दिखायी नहीं दे रहा था। उसके पीछे यदि कोई गाड़ी भी थी तो उसने निश्चय ही अपनी गाड़ी की समस्त लाइटें ऑफ कर रखी थीं।

कुछ ही देर बाद वो हाई-वे पर पहुंच गये, जहां बहुत-सा ट्रेफिक चल रहा था। हाई-वे पर पहुंचकर हेरी पीछे मुड़-मुड़ कर देखता रहा था, लेकिन उनके पीछे अब सड़क पर कई गाड़ियां थीं और यह अनुमान लगाना कठिन था कि उनका पीछा करने वाली गाड़ी कौन-सी थी।

"तुम बार-बार पीछे मुड़कर क्या देख रहे हो?" रबिका ने उन लोगों के बीच छाई खामोशी को भंग करते हुए पूछा।

"क...कुछ नहीं।" हेरी रबिका के इस अचानक प्रश्न से गड़बड़ा गया था। उसे लगा कि जैसे वह चोरी करते पकड़ा गया है।

"शायद रास्ता याद रखने का प्रयास कर रहे हो?" रबिका ने स्वयं ही उसकी मुश्किल हल की।

"हां। मैं यहां पहली बार आया हूं न। इसीलिए आस-पास के वातावरण को ध्यान से देख रहा हूं।"

"बेफिक्र रहो, यदि तुम अकेले भी आये तो रास्ते में खोओगे नहीं। बिल्कुल सीधा रास्ता है।" रबिका ने बताया।

इसी प्रकार की बातें करते वो तिबरयास पहुंच गये। जोकि पुरानी तर्ज का कस्बा था। तंग-सी सड़कें और प्राचीन इमारतें, लेकिन यहां विद्धुत के प्रकाश का प्रबन्ध था। जिसका भरपूर लाभ उठाया जा रहा था।

विभिन्न सड़कों पर घूमने के बाद रबिका ने एक प्राचीन तर्ज की इमारत के सामने गाड़ी रोक ली। जिसके ललाट पर 'सैमसन एण्ड सैमसन' का न्यून साइन जगमगा रहा था।

हॉल अधिक बड़ा नहीं था, लेकिन उसमें इतनी गुंजाइश अवश्य थी कि लगभग सौ आदमी वहां आ सकते थे। एक ओर स्टेज बना हुआ था जिसकी जगमगाती रोशनी में एक नृतकी अपने अर्द्धनग्न वस्त्रों में अपने नृत्य का प्रदर्शन कर रही थी। नृत्यांगना यहूदिन थी।

हेरी और रबिका स्टेज के निकट ही एक मेज पर बैठ गये। तुरन्त ही वेटर उनके पास आया तो रबिका ने हेरी से पूछा—

"क्या लोगे?"

"जो तुम्हारी इच्छा।"

"शैम्पियन?"

"मंगा लो।"

रबिका ने वेटर को शैम्पियन का आर्डर नोट कराया।

शराब सर्व होने पर वो हल्की-हल्की चुस्कियां लेते हुए नृत्यागना को देखने लगे, जो अब स्टेज से उतरकर मेजों के मध्य थिरक रही थी।

वह नृत्यांगना चली गयी तो उसके स्थान पर इस बार दो नृत्यांगनाएं आयी थीं। वो भी इसी प्रकार मेजों के दरमियान थिरकती रही थीं।

विभिन्न मेजों पर बैठे हुए मर्द उनसे गंदा मजाक कर रहे थे, लेकिन नृत्याँगनाओं के होठों की मुस्कुराहट एक क्षण के लिए भी क्षीण नहीं पड़ी थी। वो उसी जोर-शोर के साथ अपने नृत्य का प्रदर्शन करने में जुटी हुई थीं।

ग्यारह बज गये थे। हेरी उठने के बारे में सोच ही रहा था कि एक भारी-भरकम आदमी उनकी मेज के निकट आकर खड़ा हो गया। उसके शरीर पर अरबी वस्त्र थे, जिसमें से उसकी बाहर को निकली हुई तोंद स्पष्ट दिखायी दे रही थी। उसका शरीर जितना बड़ा था सिर उतना ही छोटा था और अजीब-सा लग रहा था।

“यदि मैं गलती पर नहीं हूं तो तुम हेरी ग्लोब हो।” वह आदमी हेरी के चेहरे पर दृष्टि गड़ाकर बोला।

“तुम्हारा विचार सही है, लेकिन मैं तुम्हें नहीं जानता।” हेरी ने उलझी हुई निगाहों से उसकी ओर देखा।

“मैं इस क्लब का मालिक कैमरोन कफी हूं।” उसने अपना परिचय कराया।

“मुझसे क्या चाहते हो?” हेरी ने पूछा।

“क्या तुम एक मिनट के लिए मेरे ऑफिस में आने का कष्ट करोगे?”

“क्यों?”

“मैं तुमसे कुछ जरूरी बातें करना चाहता हूं।”

हेरी ने उलझी हुई निगाहों से रबिका की ओर देखा, रबिका उसकी नजरों का अर्थ समझकर उठकर खड़ी हो गयी तो कैमरोन जल्दी से बोला—

“नहीं मिस...! प्लीज, आप यहीं बैठी रहिये। हमें काम केवल हेरी से है। कुछ देर बाद वह वापस आ जायेगा। तब तक आप यहीं इंतजार कीजिये।”

तब तक हेरी अपने कुर्सी से खड़ हो चुका था। कैमरोन उसकी ओर देखकर बोला—“आओ मेरे साथ।”

हेरी अपने मन में ढेर सारे प्रश्न लिये उसके साथ चल दिया। उसे हैरत हो रही थीं कि यहां उसको जानने वाला कहां से आ गया। वह तो यहां पहली बार आया है। फिर उसे मुझसे कौन-सा काम पड़ गया जो जरूरी बातें करने के लिये अलग कमरे में जा रहा है।

जिस कमरे में उन्होंने प्रवेश किया वह एक छोटा-सा कमरा था, जिसमें यूरोपियन नृत्यांगनाओं के अर्धनग्न चित्र लगे हुए थे। मेज पर कागजात बिखरे थे, एक गुलदान भी था, जिसमें प्लास्टिक के फूल सजे हुए थे।

कमरे में तीन कुर्सियां थीं, एक मेज के पीछे, दो सामने। मेज के दायीं ओर वाली दीवार में एक दरवाजा भी दिखायी दे रहा था, उस पर मोटा पर्दा लटका हुआ था। उसके विपरीत वाली दीवार में एक खिड़की थी, जो बंद थी। अन्दर प्रवेश करते ही कैमरोन ने दरवाजा बंद कर दिया और एक कुर्सी की ओर संकेत करता हुआ बोला—

“बैठो हेरी।”

और स्वयं सामने वाली मेज पर बैठ गया।

“मिस्टर हेरी।” कैमरोन उसे घूरते हुए बोला—“क्या मैं तुम्हारे यहां आने का

उद्देश्य जान सकता हूं?"

"यही प्रश्न मुझसे एक पुलिस वाले ने भी किया था।" हेरी ने लापरवाही का प्रदर्शन करते हुए कहा—"लेकिन यहां किसी विदेशी का प्रवेश निषेध तो नहीं है।"

"मैंने तुम्हें इसलिए नहीं बुलाया कि तुम मुझसे बहस करो। मैं तो केवल तुम्हारे यहां आने का उद्देश्य जानना चाहता हूं।"

"मेरा विचार है कि यहां अमरीकियों को सम्मानजनक दृष्टि से देखा जाता होगा। क्योंकि इस देश का अस्तित्व ही अमरीका के दम से है। अमरीका इसके अस्तित्व के लिए हर वर्ष अरबों डॉलर खर्च करता है। इस कारण उसने दुनिया के अधिकतर देशों से दुश्मनी मोल ली है, लेकिन यहां की परिस्थितियों ने मुझे बहुत निराश किया है। यहां अमरीका वासियों को कुछ अच्छी नजर से नहीं देखा जाता।"

"अमरीका यदि इस्राइल की सहायता करता है तो यह हम पर उपकार नहीं है।" कैमरोन बड़े तेवरों के साथ बोला—"यहां अमरीका का अपना भी लाभ है। तुम भूल रहे हो कि अमरीका को सुपरपावर बनाने में हम यहूदियों का बड़ा हाथ है। यदि यहूदी अमरीका से अपनी सम्पत्ति समेटकर निकल जायें तो जानते हो अमरीका का क्या हश्र होगा?"

"मैं इस बहस में नहीं पड़ना चाहता। केवल यह जानना चाहता हूं कि तुम मुझे यहां लेकर क्यों आये हो?" हेरी ने नागवारी का प्रदर्शन करते हुए पूछा।

"मैं केवल यह कहना चाहता हूं कि तुम इस लड़की से दूर रहो और तुम्हारी भलाई इसी में है कि कल शाम से पहले-पहले यहां से अपना बिस्तर-बोरिया बांधकर चलते-फिरते नजर आओ।" कैमरोन बोला।

"तुम ऐसा क्यों चाहते हो?"

"इसलिए कि वह लड़की हमारे लिए बहुत महत्व रखती है।"

"ऐसा क्या है उसमें?" हेरी ने आश्चर्य से पूछा—"क्या वह यहां की होने वाली राष्ट्रपति है?"

"बकवास मत करो।" कैमरोन बिगड़ गया—"मैं तुम्हें कल शाम तक की मोहलत दे रहा हूं। उसके बाद जो कुछ भी होगा, उसका उत्तरदायित्व तुम पर होगा, हम पर नहीं।"

"यदि मैं तुम्हारा निर्देश न मानूं तो?" हेरी ने शान्त स्वर में पूछा।

कैमरोन कुछ लम्हों तक उसे घूरता रहा। फिर मेज पर लगा हुआ एक बटन दबा दिया।

कुछ सेकिन्ड बाद ही भीतरी दरवाजे पर टंगा भारी पर्दा हिला और एक लम्बे-

तड़ंगे हृस्ट-पुष्ट शरीर वाले व्यक्ति ने अन्दर प्रवेश किया। वह किसी दैत्य के समान ही कद्दावर था। उसने केवल पतलून पहन रखी थी। उसके ऊपरी शरीर की मांस-पेशियां उभरी हुईं थीं, जो उसके बलिष्ठ होने का पर्याप्त सुबूत थीं। उसका सिर अंडे के छिलके की मानिन्द था, और आंखों में अंगारे के समान सुर्खी थी।

"डेविड।" कैमरोन ने उसकी ओर देखते हुए कहा—"मिस्टर हेरी को बता दो कि हम किस प्रकार अपने निर्देशों पर अमल कराना जानते हैं।"

दैत्याकार डेविड नपे-तुले कदम उठाता हुआ आगे बढ़ने लगा।

हेरी शान्तिपूर्ण अंदाज में डेविड को अपनी ओर बढ़ते देखता रहा। फिर उसने कैमरोन की ओर कनखियों से देखा। कैमरोन के हाथ में अब रिवाल्वर दिखायी दे रहा था।

हेरी ने दोनों हाथ अपनी गोद में रख रखे थे।

"अपने हाथ ऊपर मेज पर रख लो।" कैमरोन ने अपना रिवाल्वर वाला हाथ लहराते हुए हेरी को आदेश दिया।

हेरी के हाथों में हरकत हुई। फिर अचानक ही उसने मेज उलट दी। इसके साथ ही वह कुर्सी को पीछे धकेलता हुआ स्वयं भी उठ खड़ा हुआ था।

परिणाम हेरी की आशा के अनुरूप था।

मेज कैमरोन से टकरायी और वह कुर्सी सहित पीछे की ओर उलट गया था। उसके मुंह से गालियां निकल रही थीं।

सम्भलने की कोशिश के साथ ही उसने हेरी पर फायर झोंक दिया, लेकिन गोली सामने वाली दीवार में लगी थी।

हेरी तो इस बीच उस दैत्याकार डेविड पर छलांग लगा चुका था। डेविड इस अप्रत्याशित हमले के लिए तैयार न था।

पिंडली पर पड़ने वाली हेरी की जबरदस्त ठोकर ने उसे बिलबिलाते हुए नीचे झुकने पर विवश कर दिया था।

हेरी भला उस अवसर से कहां चूकने वाला था। उसे पता था कि यदि उस दैत्य को सम्भलने का अवसर मिल गया तो वह उस पर भारी पड़ सकता था। यही सोचकर उसे सम्भलने का अवसर दिये बिना उसके झुके हुए सिर पर एक और जोरदार ठोकर मारी।

इसी बीच वह देख चुका था कि कैमरोन भी सम्भलकर अपने रिवाल्वर से फायर करने के लिए तैयार है। उसने डकराते हुए डेविड पर जूडो का एक दांव आजमाया और लगभग सम्भल चुके कैमरोन पर दे मारा।

दोनों के मुंह से एक साथ चीख निकली। फिर कैमरोन के मुंह से निकलने वाली

गालियों को सुनने के लिए वह कमरे में नहीं रुका। उसने तुरन्त ही दरवाजे की ओर छलांग लगा दी थी।

हेरी को भागते देखकर कैमरोन ने अपने रिवाल्वर वाले हाथ को सीधा करके फिर फायर झोंक दिया।

क्योंकि फायर जल्दबाजी में किया गया था इसलिये गोली दिशा भटककर एक बार फिर दीवार में जा समायी थी और तब तक हेरी दरवाजे से बाहर निकल चुका था। हॉल में पहुंचकर हेरी उस देशा में दौड़ा था, जहां वह रबिका को छोड़कर गया था।

मगर मेज खाली थी और रबिका गायब थी।

ऑफिस में फायरिंग और हेरी के दौड़ने के कारण हॉल में खलबली-सी मच गयी थी। हेरी लोगों को धकेलता हुआ मुख्यद्वार की ओर लपका।

इस बीच कैमरोन चीखता हुआ ऑफिस से बाहर आ चुका था, उसके पीछे दैत्याकार डेविड भी था।

“पकड़ो...पकड़ो...भागने न पाये...।” कैमरोन चीखा।

डेविल लोगों को धकेलता हुआ हेरी के पीछे लपका।

लेकिन हेरी इस बीच दरवाजे तक पहुंच चुका था। उसने आगे वाले आदमी को एक ओर धक्का दिया और दरवाजे के बाहर छलांग लगा दी। साथ ही पलटकर दरवाजे को एक झटके के साथ बंद किया।

दरवाजे का पट पूरी तीव्रता के साथ डेविड के शरीर से टकराया। डेविड के मुंह से उबलने वाली चीख इस बार बड़ी भयानक थी, लेकिन उस टकराव का अंजाम देखने के लिए हेरी रुका नहीं। वह भागता हुए एक अंधेरी गली में घुसता चला गया।

उसे अपने पीछे भागते भारी कदमों की आवाज सुनायी दी थी, लेकिन अब हेरी के पास पलटकर पीछे देखने का समय न था। वह उस अंधेरी गली में जल्द-से-जल्द अंधेरे का ही भाग बन जाना चाहता था।

¶¶

हेरी ग्लेब तिलयास के खंडहरात तक किस प्रकार पहुंचा, यह एक अलग दास्तान थी। उसने अपने कमरे में जाने के बजाये रात्रि का शेष भाग उन खंडहरों में छिपकर गुजार दिया था।

उसका मस्तिष्क बुरी तरह उलझा हुआ था। विभिन्न प्रकार के प्रश्न उसके दिमाग में कुलबुला रहे थे।

सबसे पहला प्रश्न तो यह था कि रबिका नाइट क्लब से कहां चली गयी थी?

क्या उसका अपहरण कर लिया गया था? हेरी ने मन में सोचा।

यदि उसका अपहरण कर लिया गया था तो वह इस समय कहां हो सकती थी?

सबसे बड़ी बात तो उसे यह परेशान कर रही थी कि जब सुबह को वह कैम्प में मौजूद न होगी तो लोग उसके विषय में क्या सोचेंगे?

सबसे पहले उसी से पूछताछ की जायेगी। क्योंकि रात्रि-भोज के बाद रबिका को उसी के साथ जाते हुए देखा गया था।

उसके मस्तिष्क में दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न यह था कि कैमरोन उसे कैसे जानता था? क्या वह इतना मशहूर चोर था कि देश-विदेश में उसकी चोरी के डंके बजते थे?

फिर वह स्वयं ही अपनी सोच पर हंस दिया। अवश्य ही कोई दूसरी बात थी, तभी तो कैमरोन उसे वहां से भगा देना चाहता था।

कैमरोन ने कहा था कि रबिका यहूदियों के लिए बहुत महत्व रखती थी। अब वह सोच रहा था कि रबिका का महत्व किस कारण था।

क्या उन कांटेक्ट लैंसिज के कारण, जो रबिका की आंखों में लगे हुए थे?

महत्वपूर्ण प्रश्न तो यही था कि उन कांटेक्ट लैंसिज में ऐसी क्या विशेष बात थी, जिनके लिये वुमेंज लिबरेशन फ्रंट की स्टीला माइक ने उसके लिए इतना खर्चा स्वीकार किया था।

हेरी का यह भी विचार था कि कैमरोन उसके विरुद्ध पुलिस में रिपोर्ट करेगा। वह कोई भी इल्जाम लगा सकता था। इस प्रकार हेरी को पुलिस की हिरासत में देकर उसे रबिका से दूर रखा जा सकता था।

लेकिन उसका यह विचार गलत निकला।

दिन चढ़ चुका था। धूप फैल रही थी। स्थानीय मजदूर प्रतिदिन की भांति अपना कार्य प्रारम्भ कर चुके थे। उनके साथ कुछ अमरीकी विशेषज्ञ भी थे।

हेरी ने अपने छिपने के स्थान से बाहर झांका। उसे वहां कोई असाधारण बात न दिखायी दी। साइट पर और कैम्प में हर ओर शान्ति छाई हुई थी। किसी प्रकार की कोई असाधारण हलचल नहीं थी।

वह कुछ देर तक और अपने स्थान पर दुबका रहा।

आखिरकार उसका धैर्य जवाब दे गया और वह उठ खड़ा हुआ। फिर धीरे-धीरे वह कैम्प की ओर चलने लगा। उसके मन में विभिन्न प्रकार के प्रश्न उथल-पुथल मचा रहे थे।

वह कैम्प से कुछ कदम दूर ही था कि ऑफिस वाले कमरे से रबिका को निकलते देखकर उछल पड़ा। कुछ क्षण के लिये तो उसे विश्वास ही न हुआ कि वह जो कुछ देख रहा है, वह स्वप्न नहीं है। फिर वह तेज-तेज कदम उठाता हुआ उसके निकट पहुंच गया।

"अरे...।" रबिका उसकी ओर देखते हुए बोली—"रात नाइट क्लब से कहां गायब हो गये थे तुम?"

"यही प्रश्न मैं तुमसे भी कर सकता हूं।" हेरी ने उसे घूरा।

"यही भी खूब रही।" रबिका बोली—"तुम ही तो मुझे छोड़कर अपने किसी दोस्त के साथ चले गये थे।"

"दोस्त? कैसा दोस्त?"

"यह तो तुम जानो कि कैसा दोस्त...।" रबिका बुरा मानते हुए बोली—"मुझे तो तुम्हारे कैमरोन के दफ्तर में जाने के बाद ही एक संदेश मिला था कि तुम अपने किसी दोस्त के साथ ऑफिस के पिछले दरवाजे से बाहर चले गये हो, इसलिए मैं तुम्हारी प्रतीक्षा न करूं। बताओ, तुम्हारा ऐसा कौन-सा दोस्त था जिसके लिए तुम मुझे नाइट क्लब में छोड़कर चले गये थे?"

हेरी के होठों पर एक क्षीण-सी रहस्यमय मुस्कुराहट दौड़ गयी। वह बात बनाते हुए बोला—"अरे हां, मैं तो भूल गया...रात अचानक ही मेरा एक पुराना दोस्त कैमरोन के ऑफिस में मिल गया था। उसने मुझे अब छोड़ा है।"

हेरी ने बात बनायी। वह उसे नाइट क्लब में घटने वाली घटना के बारे में नहीं बताना चाहता था। इसीलिए बात टाल गया।

"तुम सीधी यहीं चली आयी थीं?" हेरी ने पूछा—"कोई और बात तो नहीं हुई थी?"

"कैसी बात?" रबिका बोली—"मैं तो सीधी घर चली आयी थी।"

हेरी ने एक गहरी सांस ली और पूछा—"अब तुम कहां जा रही हो?"

"मैं जरा साइट पर जा रही हूं। तुम दफ्तर में अपना काम सम्भालो।"

यह कहकर रबिका वहां से चली गयी।

उसके जाने के बाद हेरी ने कैम्प की गतिविधि पर कड़ी नजर रखना आरम्भ कर दिया। वह कुछ अनहोनी घटनाओं की प्रतीक्षा कर रहा था। उसे कैमरोन दारा भेजी गयी पुलिस का भी इंतजार था। उसका विचार था कि कैमरोन चुप बैठने वाला नहीं था। वह कुछ-न-कुछ गड़बड़ अवश्य करने वाला था।

और दोपहर तक उसे गड़बड़ी का एहसास हो गया।

उसने देखा कि कैम्प में दो व्यक्तियों की बढ़ोत्तरी हो चुकी थी। एक तो उनमें से खुदाई करने वाला मजदूर था तथा दूसरा एक क्लर्क था। उन दोनों यहूदी की गतिविधि रहस्यमयी दिखायी दी थी।

शायद कैमरोन ने पुलिस में रिपोर्ट न करके अपने तौर से हेरी से निपटने के लिए अपने दो आदमी उस कैम्प पर भेज दिये थे। ये आने वाले दोनों नये आदमी इसी सिलसिले की एक कड़ी थे।

हेरी सदैव से लड़ाई-झगड़ों से बचने वाला आदमी था। वह हरसम्भव प्रयास कर झगड़े से बचना चाहता था, लेकिन परिस्थिति उसे विवश कर देती थी तो फिर वह पीठ दिखाकर भागता भी न था। डटकर कठिन परिस्थितियों का सामना करता था।

उसे हर हाल में वो कांटेक्ट लैंसिज चाहिए थे, उनके बिना वह वापस जाने की सोच भी नहीं सकता था।

रात का भोजन करने के बाद हेरी अपने कमरे में आ गया। उस कमरे में रहने वाला अमरीकी रैंडल वहां मौजूद नहीं था। वह प्रातः से ही नासिरा गया हुआ था।

हेरी कुर्सी पर बैठा अभी तक की परिस्थिति का अध्ययन कर रहा था, अचानक वह दूसरे कमरे में कदमों की आहट सुनकर चौंक-सा गया। अभी तक उसने अपने कमरे की लाइट नहीं जलायी थी।

वह धीरे से अपनी कुर्सी से उठा और दरवाजा बंद करके दीवार के निकट आकर खड़ा हो गया। वह जानता था कि उस दीवार के दूसरी ओर रबिका का निवास था। उस दीवार में एक छोटा-सा रोशनदान था, जिसमें से प्रकाश झलक रहा था।

हेरी ने कुर्सी उठाकर उस रोशनदान के नीचे रखी और दूसरी ओर कमरे में झांकने लगा।

मेज पर पैट्रोमेक्स जल रहा था। उसके प्रकाश में रबिका और उसकी साथी लड़की स्पष्ट दिखायी दे रही थीं।

अभी तक हेरी की समझ में नहीं आ रहा था कि कांटेक्ट लैंसिज किस प्रकार प्राप्त किये जायें। यहां आते ही उसने रबिका से सम्बन्ध बढ़ाकर उस सिलसिले में कदम बढ़ा भी दिया था कि बीच में कैमरोन कूद पड़ा। वह जानता था कि यदि वह रबिका को कहीं बाहर लेकर जायेगा तो कैमरोन उसका पीछा करेगा।

बात अगर यहीं तक होती तो वह निपट लेता, लेकिन कैमरोन तो मरने-मारने पर उतारू था। वह किसी हाल में भी हेरी को रबिका के साथ नहीं देखना चाहता था। इसीलिए वह रबिका को कहीं लेकर भी नहीं जा सकता था।

बारह बजे के लगभग रैंडल भी आ गया। उस समय हेरी अपने बिस्तर पर लेटा रबिका के बारे में ही सोच रहा था। वह शराब के नशे में धुत्त था। वह आते ही नशे में बक-

बक करने लगा—

“तुम अभी तक सोये नहीं....।” उसने लड़खड़ाते हुए कदमों से बिस्तर पर लगभग गिरते हुए हेरी से पूछा।

“नहीं।” हेरी ने संक्षिप्त-सा उत्तर दिया।

“क्यों?” उसने बहकते हुए पूछा।

“मैं यह देखना चाहता था कि तुम कितनी पीकर आते हो।” हेरी ने तपकर उत्तर दिया।

“बहुत पी...मैंने आज बहुत पी। मेरा दोस्त कहता था कि मैं ज्यादा न पियूं....वर्ना बहक जाऊंगा। मैं कहीं बहकता दिखायी दे रहा हूं तुम्हें।” उसने व्यर्थ की बकवास की।

“तुम बिल्कुल नहीं बहक रहे, मगर तुम्हारी खैर इसी में है कि चुपचाप सो जाओ, वर्ना फिर मैं बहक जाऊंगा।” हेरी ने जलते हुए स्वर में कहा।

“तुम क्यों बहकोगे? क्या तुमने भी पी रखी है?” उसने आंखें पिटपिटाते हुए भोलेपन से हेरी से पूछा।

“तुम सोते हो या नहीं...?” हेरी ने इस बार जरा जोर से डांटा था।

“सोता हूं, भाई, तुम नाराज क्यों होते हो, मैं सो जाता हूं।” यह कहते हुए वह बिस्तर पर पीछे की ओर लुढ़क गया और जल्दी ही खर्राटे भी लेने लगा।

हेरी ने चैन की सांस ली और फिर स्वयं भी सोने का प्रयास करने लगा।

¶¶

अचानक होने वाले फायर की आवाज सुनकर हेरी की आंख खुल गयी। अभी वह कुछ समझ पाता कि उसे एक महिला की चीख भी सुनायी दी।

हेरी को यह अनुमान नहीं था कि वह कितनी देर सोया होगा। वह उठकर दरवाजे की ओर भागा, मगर बदहवासी में रैंडल के पलंग से टकरा कर उसके ऊपर गिरा।

रैंडल गहरी नींद में था। उसे पता भी न चला, वह केवल कसमसा कर रह गया था। हेरी अंधेरे में टटोलता हुआ दरवाजे की ओर बढ़ा।

बाहर से भी अब दौड़ते कदमों की आवाज और शोर सुनायी दे रहा था।

सुरीली चीख एक बार फिर सुनायी दी, लेकिन इस बार यह चीख जरा दूर से आती महसूस हुई थी।

कैम्प में हंगामा-सा मचा हुआ था। हर शख्स चीख-चीख कर दूसरे से पूछ रहा था।

हेरी बाहर खड़ा यह अनुमान लगाने की कोशिश कर रहा था कि वह चीख कहां से और किस दिशा से आयी थी।

इसी बीच वह सुरीली चीख एक बार फिर सुनायी दी। इस बार हेरी चीख की दिशा का अनुमान लगाने में सफल हो गया था। वह चीख उस दिशा से उभरी थी, जहां खुदाई हो रही थी।

"उधर है।" उसके पास आकर एक व्यक्ति ने उत्तेजित स्वर में कहा था—"जिधर खुदाई हो रही है।"

हेरी ने उसकी बात का कोई उत्तर न दिया और चीख की दिशा में दौड़ लगा दी। उसे एहसास हुआ कि उसे चीख की दिशा बताने वाला आदमी भी उसके साथ दौड़ रहा था। उन दोनों में होड़-सी लग गयी थी, दोनों एक-दूसरे से पहले उस स्थान पर पहुंचना चाहते थे, जहां से चीख उभरी थी।

अभी वो दोनों खुदाई वाले स्थान से पचास गज की दूरी पर थे कि वातावरण में फायर की आवाज गूंज उठी।

फायर की आवाज ने उन दोनों की रफ्तार पर प्रभाव न डाला था। वो पूर्व की भांति निडर होकर दौड़ते रहे। वो दोनों एक गड्ढे में उतर गये।

उसी क्षण गड्ढे के दूसरी ओर से दौड़ते हुए कदमों की आवाज सुनायी दी।

हेरी अंधकार में गड्ढे के अन्दर दौड़ता हुआ किसी वस्तु से टकराकर मुंह के बल गिरकर कई कलाबाजियां खा गया। वह तो अच्छा हुआ कि गिरते समय धरती से उसकी हथेलियां और पंजे टकराये थे, वर्ना तो उसके मुंह का भुर्ता बन जाता।

उसने सम्भलते हुए वापस पलट कर उस चीज को टटोला, जिससे टकराकर वह गिरा था।

अगले ही पल उसके शरीर में सिहरन-सी दौड़ गयी। उसके हाथ में किसी की टांग थी। उसने जल्दी-जल्दी पूरे शरीर को टटोला तो उसे अनुमान लगाते देर न लगी कि यह किसी स्त्री का शरीर था।

इस बीच कैम्प की ओर से दौड़ते हुए कुछ आदमी वहां पहुंच गए। हेरी ने चीखकर उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया—

"ऐ....तुम लोग उधर आओ। यहां कोई स्त्री नीचे धरती पर पड़ी हुई है।"

"तुम कहां हो?" डॉक्टर सैंडो की आवाज वातावरण में गूंजी, साथ ही उनके हाथ में पकड़ी टार्च का प्रकाश भी घूमने लगा।

जल्दी ही हेरी टार्च के प्रकाश में आ गया। डॉक्टर सैंडो अपने कुछ सहयोगियों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गया। उसने टार्च का प्रकाश औंधे मुंह पड़ी स्त्री की कमर पर डालकर हेरी से कहा—

"जरा इसको सीधा तो करो। देखें तो यह कौन है?"

हेरी ने औंधे पड़े शरीर को सीधा किया।

डॉक्टर सैंडो ने पड़े हुए शरीर के चेहरे पर टार्च का प्रकाश डाला।

महिला चा चेहरा देखते ही हेरी उछल पड़ा।

वह रबिका थी।

उसके सिर में गोली लगी थी और उसकी सांसों की डोरी टूट चुकी थी।

"ओह माई गॉड। यह किसने इसके गोली मारी है?" डॉक्टर सैंडो ने हैरत और उदासी भरे स्वर में कहा।

"चारों तरफ दौड़ो और हत्यारे को तलाश करो।" डॉक्टर सैंडो ने किसी से अपनी बात का उत्तर न पाकर अपने मातहतों से कहा।

उसका आदेश पाते ही डॉक्टर के मातहत हत्यारे की तलाश में दौड़ पड़े थे।

लेकिन हत्यारा रात के अंधकार का लाभ उठाते हुए रेगिस्तान की ओर फरार होने में सफल हो गया था।

हेरी जानता था कि अब हत्यारा उनके हाथ नहीं आने वाला था। इसीलिए वह कहीं नहीं गया था।

उसे तो अपनी ही चिंता सता रही थी। उसका काम अब और भी कठिन हो गया था। तभी उसने डॉक्टर सैंडो की आवाज सुनी, जिसने अपने एक सहायक को आवाज देकर कहा था—

"क्लाइव, तुम जल्दी से नासिरा जाकर पुलिस को यहां होने वाली हत्या की सूचना दो।"

"ठीक है सर।" यह कहकर उसका सहायक चला गया।

लगभग एक घंटे के बाद पुलिस आयी। पुलिस ने कैम्प में मौजूद सभी लोगों को वहां उपस्थित होने का आदेश दिया।

धीरे-धीरे करके वहां सभी लोग आ गये। जब डॉक्टर सैंडो ने उनकी गिनती की तो उनमें से दो आदमी गायब थे। अब प्रश्न यह था कि वो दो आदमी कौन थे, जो गायब हैं?

पता करने पर मालूम हुआ कि आज दिन में भरती किया जाने वाला नया मजदूर और क्लर्क दोनों गायब थे। वो दोनों स्थानीय यहूदी थे।

अब हेरी को परिस्थिति का अनुमान लगाने में देर न लगी कि वो दोनों यहूदी रबिका को अपने साथ ले जाना चाहते थे, लेकिन जब वो इसमें सफल न हुए तो उन्होंने उसको गोली मार दी। गोली जानलेवा सिद्ध हुई थी।

यह रात्रि का अन्तिम पड़ाव था। पुलिस रबिका की लाश को नासिरा ले गयी। रबिका की लाश के साथ हेरी और डॉक्टर सैंडो का सहायक क्लाइव दोनों गये थे।

पुलिस स्टेशन पर जरूरी कार्यवाही के बाद रबिका की लाश को शवगृह भिजना दिया गया। हेरी क्लाइव के साथ वापस कैम्प की ओर चल पड़ा। कार क्लाइव चला रहा था।

"अब तुम क्या करोगे?" क्लाइव ने हेरी की ओर देखते हुए पूछा।

"क्या मतलब?" हेरी चौंका।

"मेरा मतलब है कि रबिका तो मर गयी, अब वो कांटेक्ट लैंसिज कैसे प्राप्त करोगे?" क्लाइव ने शान्त स्वर में पूछा।

"त...त...तुम स्टीला माइक के आदमी हो?" हेरी ने अपनी हैरत पर काबू पाते हुए पूछा। उसके सारे शरीर में चींटियां-सी रेंग रही थीं और रक्तचाप अचानक ही बढ़ गया था।

"नहीं।" क्लाइव के शान्त स्वर में कोई परिवर्तन नहीं आया था।

"फिर?"

"तुम शायद नकाबपोश को भूल गये हो?" क्लाइव ने कनखियों से उसकी ओर देखते हुए पूछा।

"तो तुमे सैम हेवार्ट के आदमी हो।" हेरी ने हवा में तीर फैंका।

"हां...नहीं...तुम किस की बात कर रहे हो?" क्लाइव जैसे अचानक ही गड़बड़ा गया। वह पहले तो हां कर बैठा, फिर जैसे ही उसे याद आया, वह मुस्कराने लगा।

मगर अब क्या हो सकता था। हेरी के मन में जो आशंका थी, वह प्रबल हो उठी। वह होंठ चबाते हुए क्रोधित स्वर में बोला—

"मैं उसी सैम हेवार्ट की बात कर रहा हूं, जो छोटे से रेस्टोरेंट का मालिक होकर फिल्मी अंदाज में बड़ा बदमाश बनने का प्रयास कर रहा है।"

"मैं कुछ नहीं जानता, तुम किसकी बात कर रहे हो।" क्लाइव सम्भल कर

बोला—"मुझे तो तुम यह बताओ कि इस्राइल तो तुम छः-सात दिन पहले पहुंच गये थे, तुम बीच में चार-पांच दिन कहां गायब रहे?"

"तुम अपने उस चूहे बॉस से कह देना कि वह मेरी निगरानी न कराये। मैं अपनी मर्जी का मालिक हूं, चाहे जहां भी रहूं।"

हेरी ने बुरा मान जानेवाले अंदाज में कहा। वह भला कैसे बता सकता था कि बीच में उसने कैसा मूर्खतापूर्ण जीवन बिताया था। वह इस बीच करोड़ों के आभूषणों का स्वामी बनकर फिर से फकीर बन चुका था।

"शायद तुम ठीक कह रहे हो।" क्लाइव ने कंधे उचकाये—"लेकिन यह याद रखना कि यदि तुम खाली हाथ गये तो नकाबपोश बॉस को जरा भी अच्छा नहीं लगेगा।"

"ऐसी तैसी तुम्हारे नकाबपोश बॉस की।" हेरी ने झल्लाकर नकाबपोश को मोटी-सी गाली दी। उसके बाद का सफर उनका शान्त ही बीता था, दोनों में से कोई कुछ न बोला था।

¶¶

रात्रि के ठीक एक बजे हेरी ग्लेब ने बिस्तर छोड़ दिया। कमरे में गहन अंधकार छाया हुआ था। उसने जेब से पैंसिल टार्च निकालकर उसके प्रकाश में रैंडल के बेड की ओर देखा।

प्रतिदिन की भांति रैंडल आज भी नशे में धुत्त लौटा था और इस समय गहरी नींद सो रहा था।

हेरी ने टार्च बुझाकर जेब में डाल ली और अत्यधिक सावधानी के साथ दरवाजा खोलकर बाहर निकल आया।

चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था।

हेरी को मालूम था कि रात को कैम्प की निगरानी के लिए एक चौकीदार का प्रबन्ध था, मगर वह चौकीदार भी इस समय कहीं दुबका सो रहा होगा।

वह दबे कदमों से खंडहरों की ओर चलता रहा। कैम्प से दूर निकलकर उसकी रफ्तार तेज हो गयी और वह एक लम्बा चक्कर काटकर उस कच्चे रास्ते की ओर निकल आया, जो टीलों में बलखाता हुआ हाई-वे तक चला गया था।

यद्यपि आधी रात से अधिक बीत चुकी थी, लेकिन हाई-वे पर इक्का-दुक्का गाड़ियों का आवागमन जारी था। हेरी सड़क से हटकर तेज-तेज कदमों से नासिरा की ओर चलता रहा। कभी वह सड़क के निकट आ जाता था और कभी किसी गाड़ी की लाइट देखकर वृक्षों और झाड़ियों की ओट में छुप जाता था।

तिलयास से नासिरा का फासला आठ किलोमीटर से अधिक नहीं था और यह

दूरी तय करने में हेरी को लगभग एक घंटा लग गया।

शहर के निकट पहुंचकर वह और सावधान हो गया। वह जानता था कि यदि मार्ग में किसी पुलिस वाले की उस पर नजर पड़ गयी तो फिर उसका जान छुड़ाना मुश्किल हो जाता।

वह तेज-तेज कदम उठाता हुआ अंधेरी गलियों में चलता रहा। उसका रुख उस शवगृह की ओर था, जहां पिछली रात रबिका की लाश रखी गयी थी।

हेरी आज दिन में भी इस सम्बन्ध में मालूमात हासिल कर चुका था। रबिका की लाश का पोस्टमार्टम हो चुका था, लेकिन पुलिस या अस्पताल में पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर को यह पता नहीं लग सका था कि उसकी आंखों में कांटेक्ट लैंसिज भी थे।

यदि पोस्टमार्टम करते समय डॉक्टर को पता लग जाता तो वह अवश्य ही उन लैंसिज को निकाल लेता या फिर पुलिस वाले भी ऐसा ही कर सकते थे, लेकिन हेरी की अन्तिम सूचना के अनुसार कांटेक्ट लैंसिज अभी तक रबिका की आंखों में ही थे।

हेरी चलते-चलते रुक गया।

वह जिस गली में चला जा रहा था, वह अचानक ही खत्म हो गयी थी। उसके सामने किसी मकान की पिछली दीवार थी और आगे जाने का मार्ग बन्द था।

हेरी को वापिस आकर दूसरी गली का मार्ग अपनाना पड़ा। दो-तीन गलियां घूमकर वह सड़क पर निकल आया। सड़क के दूसरी ओर कुछ मीटर की दूरी पर शवगृह था।

सड़क पार करने से पहले उसने दाएं-बाएं सतर्कता से देखा और तीव्र गति से चलता हुआ दूसरी ओर पहुंच गया।

म्यूनिस्पिलटी का यह शवगृह एक मकान में बनाया गया था। जिसके सामने एक छोटा-सा दालान भी था। चारदीवारी ज्यादा ऊंची नहीं थी।

दालान के दूसरी ओर लगभग दस फीट चौड़ा बरामदा था। किसी समय में यहां साथ-साथ तीन कमरे रहे होंगे। लेकिन शवगृह को बनाने के लिये बीच की दीवारें तोड़कर तीनों कमरों को मिलाकर एक हॉल बनाया गया था। बरामदे के सिरे पर शवगृह के इंचार्ज का छोटा-सा कमरा था और शवगृह में प्रवेश करने का दरवाजा भी उसके निकट था।

हेरी कुछ क्षणों तक मकान की पुश्त पर खड़ा आस-पास का निरीक्षण करता रहा। सब कुछ शान्त देखकर वह ऊपर से घूमकर दालान की दीवार के निकट आ गया। दीवार लगभग आठ फुट ऊंची थी। हेरी का कद छः फिट से निकलता हुआ था।

आस-पास एक बार फिर चौंकन्नी नजरों से देखने के बाद उसने उचककर दीवार पर हाथ जमा दिये। फिर धीरे-धीरे उसने अपने हाथों पर बोझ डालकर शरीर को ऊपर

उठाना आरम्भ कर दिया।

चंद सैंकिंड बाद ही वह दीवार पर पहुंच चुका था। दूसरी ओर कूदने में भी उसने सतर्कता से काम लिया था।

दबे कदमों से दालान को पार करने के बाद वह बरामदे के अन्तिम सिरे पर स्थित इंचार्ज के ऑफिस के दूसरी ओर चला गया। कमरे में प्रकाश हो रहा था।

हेरी धीरे से इंचार्ज के कमरे की खिड़की के पास पहुंचा और अन्दर झांककर देखा।

शवगृह का अधेड़ आयु वाला इंचार्ज लकड़ी की बेंच पर लेटा सो रहा था। बेंच के साथ एक मेज थी, जिस पर मोटे से रजिस्टर के निकट ही चाबियों का एक गुच्छा, सिगरेट का पैकिट, माचिस और शराब की बोतल गिलास के साथ रखी थी। मेज के दूसरे सिरे पर टेलीफोन रखा हुआ था।

हेरी की नजरें रेंगती हुई दरवाजे पर जम गयीं। इंचार्ज ने सोने से पहले दरवाजे का बोल्ट चढ़ा दिया था।

हेरी कुछ क्षणों तक कमरे का अध्ययन करता रहा, फिर ऊपर से घूमकर बरामदे में आ गया। उसने एक बार फिर ऑफिस के द्वार की ओर देखा। फिर जेब से मुड़ा-तुड़ा तार निकालकर शवगृह के दरवाजे की ओर बढ़ गया।

इस तार की सहायता से ताला खोलने में हेरी को चंद सैकिन्ड से अधिक नहीं लगे थे। उसने धीरे से शवगृह का दरवाजा खोला और फुर्ती से अन्दर घुस गया।

अन्दर प्रवेश करते ही हेरी को झुरझुरी-सी आ गयी। सर्दी की एक लहर उसके पूरे शरीर में दौड़ गयी थी। हॉल का टेम्प्रेचर जीरो डिग्री से कई पाइंट नीचे था।

उसने सावधानी के साथ दरवाजा बंद किया और जिज्ञासापूर्ण दृष्टि से हॉल को देखने लगा।

हॉल के दोनों सिरों पर मध्य से छत पर नीली रोशनी वाले बल्ब जल रहे थे, जिससे वातावरण काफी हद तक रहस्यमयी हो गया था। एक दीवार के निकट लम्बी-सी मेज रखी हुई थी, जिस पर सफेद रबर क्लाथ रखा हुआ था। हेरी ने दीवारों की ओर देखा।

तीन दीवारों के साथ एक सिरे से दूसरे सिरे तक लम्बी आलमारियां बनी हुई थीं। यह आलमारियां पृथ्वी की सतह से छः फीट ऊंची थीं और उचित फासलों पर ऊपर-नीचे दराजों की तरह दो-दो फीट के खाने बने हुए थे। हर दराज की लम्बाई अन्दर की ओर आठ फुट और ऊंचाई-चौड़ाई तीन फुट थी। दरवाजे को बाहर खींचने के लिए हैंडिल भी लगे हुए थे।

दरवाजे के साथ ही हालांकि स्विच बोर्ड भी लगा हुआ था, मगर हेरी ने तेज

रोशनी का बल्ब जलाना उचित नहीं समझा। फिर जेब से टार्च निकालकर उसके सीमित प्रकाश में आगे बढ़ने लगा। उसने कुछ दराजें खींचकर भी देखी थीं।

पूरे हॉल में केवल ग्यारह दराजें ऐसी थीं, जिनमें लाशें रखी हुई थीं। जबकि बाकी दराजें खाली थीं। पहली सात दराजों में पुरुषों की लाशें थीं तो चार दराजों में महिलाओं की।

लाशें रखने के लिये दराजों का क्रमवार प्रयोग नहीं किया गया था। यदि एक दराज में लाश थी तो फिर दो-तीन दराज छोड़कर अगली दराज में किसी की लाश थी। बीच की दराज खाली थी।

हेरी को रबिका की लाश की तलाश थी। वह दराजों पर लगे स्टीकरों पर लिखे हुए नाम पढ़ता हुआ आगे बढ़ने लगा। रबिका की लाश सामने वाली दीवार की दराज में रखी थी। स्टीकर देखकर हेरी ने दराज को बाहर खींचा तो सबसे पहले उसे रबिका के पैर दिखाई दिये। उसके एक पैर के अंगूठे के साथ भी स्टीकर बंधा हुआ थी, जिस पर रबिका का नाम, शवगृह के रजिस्टर का नम्बर और लाश लाये जाने का समय और तिथि लिखी हुई थी।

हेरी को रबिका की आंखों तक पहुंचने के लिए इस दराज को पूरी तरह से बाहर खींचना पड़ा था। उसने रबिका के चेहरे पर नजर डाली। कल तक जो एक हंसती-मुस्कुराती लड़की थी, आज वह मुर्दा हालत में पड़ी थी। हेरी को उसे इस हाल में देखकर अफसोस हुआ। वह अफसोस के सिवा कर भी क्या सकता था।

उसने देखा कि रबिका का चेहरा उसी कपड़े की भांति सफेद था, जिसमें उसका शरीर लिपटा था। मुंह बंद रखने के लिए ठोड़ी से सिर तक पट्टी बंधी हुई थी।

हेरी कुछ क्षणों तक उसे देखता रहा, फिर टार्च का प्रकाश उसकी आंखों पर केन्द्रित हो गया जो बंद थीं। हेरी ने दूसरे हाथ के अंगूठे की सहायता से रबिका की आंख का पपोटा ऊपर उठाना चाहा, लेकिन रबिका को मरे हुए लगभग चौबीस घंटे हो चुके थे। यूं भी इस कमरे का टेम्प्रेचर फ्रीजिंग पाइंट से कई पाइंट नीचे था। उसका शरीर अकड़ चुका था और आंखों के पपोटे भी सख्ती से जमें हुए थे।

हेरी बिना दोनों हाथों की सहायता के रबिका की आंखों से लैंसिज नहीं निकाल सकता था, जबकि उसके एक हाथ में टार्च थी। तब उसने टार्च को लाश पर लिपटे कपड़े पर इस प्रकार सैट किया कि उसका प्रकाश रबिका की आंखों पर केन्द्रित रहे।

फिर उसने जेब से दो छोटी-छोटी चिमटियां और प्लास्टिक की एक थैली निकाली। थैली को उसने कपड़े पर रखा और चिमटी की नोंक से रबिका की एक आंख का पपोटा पकड़कर उसे उठाने का प्रयास करने लगा।

एक तो कमरे में शिद्दत की सर्दी, ऊपर से एक अजीब से भय का वातावरण। उसके हाथ कंपकपाने लगे। उसने अपने दांतों को दांतों पर जमाया, शरीर को कड़ा किया

और एक बार फिर चिमटी की सहायता से उसकी एक आंख के पपोटे को उठाने का प्रयास करने लगा।

इस बार उसे सफलता मिली।

वह आंख का पपोटा उठाने में सफल हो गया। टार्च की रोशनी में शीशा चमक उठा। इसका मतलब था कि आंख में कांटेक्ट लैंस मौजूद था और वह चमक उसी शीशे की थी।

हेरी ने एक चिमटी से पपोटा पकड़े रखा और दूसरी चिमटी की सहायता से उस लैंस की ओर आकर्षित हो गया। चंद ही सैकिन्ड बाद वह लैंस को चिमटी से उठाने में सफल हो गया। उसने उस लैंस को अत्यधिक सावधानी के साथ प्लास्टिक की थैली में डाल दिया।

एक आंख से लैंस निकालने के बाद वह दूसरी आंख के पपोटे को उठाने लगा। अभी वह पपोटे को उठाकर दूसरे हाथ की चिमटी से कांटेक्ट लैंस उठा ही रहा था कि बाहर घंटी बजने की आवाज सुनकर वह बुरी तरह चौंक गया। वह ऐसे उछल पड़ा जैसे विद्युत ने करन्ट मारा हो। चिमटी उसके हाथ से छूट गयी। उसके शरीर ने इतनी ठंड में भी पसीना छोड़ दिया।

घंटी की आवाज के कुछ सैकिन्ड बाद ही दफ्तर का दरवाजा खुलने की आवाज सुनायी दी थी।

हेरी को अपनी हालत पर काबू पाने में एक सैकिंड लगा था। उसने शीघ्रता से अपने हाथ से छूटी चिमटी की ओर हाथ बढ़ाया जो रबिका के कान के पास पड़ी थी। चिमटी को सम्भालकर रबिका की दूसरी आंख से लैंस निकालने लगा।

उस लैंस को निकालकर प्लास्टिक की थैली में डालकर अत्यधिक सावधानी के साथ उसने जेब में डाल लिया, साथ ही दोनों चिमटियों को भी कोट की जेब में डाल लिया।

फिर उसने जल्दी से अपनी टार्च उठायी और रबिका की दराज को बंद कर दिया।

कमरे के बाहर पक्के दालान में अब कदमों की आवाज सुनायी दे रही थी, वो एक से अधिक आदमियों के कदमों की आवाजें थीं।

शायद तीन या चार।

आने वालों के कदम बरामदे में आकर रुक गये थे।

अत्यधिक ठंड के बावजूद उसके जिस्म के मसामों ने पसीना उगलना जारी रखा था। वह अब अपने छिपने के लिए किसी स्थान की खोज में इधर-उधर दृष्टि दौड़ाने लगा।

लेकिन वहां छिपने के लिए कोई स्थान न था। केवल दराजें थीं। तब हेरी ने दराजों में छिपने का मन बना लिया।

लेकिन अनायास ही एक विचार बिजली की चमक की भांति उसके मस्तिष्क में लपका।

यदि कोई नई लाश लाई गयी थी तो उसे रखने के लिए भी वो लोग उसी दराज को खोल सकते थे जिसमें हेरी छिपा हुआ था। ऐसी स्थिति में उसके बचने की कोई सूरत नहीं थी।

अब ज्यादा सोच-विचार का समय नहीं था, वो लोग किसी भी समय अन्दर आ सकते थे। इसीलिये हेरी फुर्ती के साथ उस दराज की ओर बढ़ गया जिसमें पहले ही एक लाश मौजूद थी।

सम्भव तो यह भी था कि वो लोग लाश लेने आये हों और उन्हें वही लाश निकालनी हो, जिसमें वह छिपा हुआ हो, लेकिन इसके चांस जरा कम ही थे, फिर भी उसे रिस्क तो लेना ही पड़ता। वह जानता था कि शवगृहों से साधारणतया लाशों को दिन के समय ही ले जाया जाता था, लेकिन उन्हें लाने के लिए कोई समय निश्चित नहीं था। बहरहाल उसके पास रिस्क लिये बिना कोई चारा न था।

और उसने रिस्क लेने की ठान ली।

हॉल के दरवाजे पर चाबी घुमायी जाने की आवाज सुनायी दे रही थी। हेरी ने तार से ताला खोलने के बाद अन्दर से दरवाजा बंद किया था तो ऑटोमैटिक लॉक स्वयं ही लग गया था।

दरवाजे में चाबी घूमने की आवाज के साथ ही हेरी ने दराज को बाहर खींच लिया। उसमें मौजूद लाश का जिस्म कपड़े में ढका हुआ था, लेकिन यह देखने का अवसर नहीं था कि वह लाश किसकी थी?

हेरी एक पल नष्ट किये बगैर ही दराज में घुस गया। तीन फुट चौड़ी और तीन फुट गहरी दराज में इतनी गुंजाइश थी कि वह लाश के साथ उसमें आसानी से समा गया।

उसका सिर लाश के पैरों के निकट था।

उसने एक हाथ से दराज के अन्दर एक छोटे से हुक को पकड़ लिया, दूसरे हाथ से छत पर दबाव डालकर दराज को बंद करने का प्रयास करने लगा।

प्रयास सफल रहा।

दराज धीरे-धीरे बंद होने लगी। ठीक उस समय जबकि शवगृह का दरवाजा खुला, दराज बंद हो चुकी थी।

हॉल में कदमों की आवाज निकट आती गयी और फिर हेरी की दराज के ठीक सामने पदचाप की आवाज ठहर गयी। हेरी का दिल बुरी तरह धड़क उठा। उसने अपनी सांसें तक रोक ली थीं।

दराज के अंदर लाश पर लगे हुए कैमिकल, अंधकार और अत्यधिक ठंड हेरी को यह एहसान दिलाने के लिए पर्याप्त थे कि वह जिंदा है। वह लाश के साथ लगभग चिपका हुआ था और लाश से मन-ही-मन में उसे डिस्टर्ब करने के लिए क्षमायाचना कर रहा था।

हेरी का मस्तिष्क उन लोगों के वार्तालाप की ओर आकर्षित हो गया, जो निकट ही कहीं खड़े आपस में बात कर रहे थे। दराज बंद होने के कारण आवाज हालांकि मद्धिम थी, लेकिन फिर भी उन लोगों की सारी बातें उसकी समझ में आ रही थीं।

"टेरी! लाश कहां है, जो कल रात तिलयास के खंडहरों से यहां लाई गयी थी?" एक आवाज सुनायी दी।

"वह अमरीकी लड़की?" यह आवाज शवगृह के इंचार्ज की थी, जिसका नाम शायद टेरी था।

"हां...वही।"

"दराज नम्बर सत्तरह में है।" टेरी ने कहा।

"ये लोग उस लाश को लेने तेल अबीब से आये हैं।"

"लेकिन कैप्टन, लाश तो सुबह ही जायेगी।"

"नहीं, ये लोग सुबह तक नहीं रुक सकते। ये अभी लाश को लेकर जायेंगे।" शायद यह वही था, जिसे टेरी ने कैप्टन कहकर पुकारा था।

"लेकिन इस समय लाश ले जाने वाली बात मेरी समझ में नहीं आयी। कल सुबह तक इंतजार नहीं किया जा सकता था?"

"तुम्हें इससे कोई मतलब नहीं होना चाहिये।" कैप्टन बोला—"ये अभी लाश लेकर जायेंगे।"

"जैसी आपकी इच्छा।" टेरी ने मरे मन से कहा।

"सुनो टेरी!" टेरी को आगे बढ़ते देखकर शायद कैप्टन ने टोका था, क्योंकि टेरी के एक-दो कदम चलने की आवाज सुनायी दी थी।

"यस कैप्टन?"

"आज दिन में कोई इस लड़की की लाश के बारे में पूछने तो नहीं आया था?"

"पता नहीं सर।"

“क्यों? तुम्हें क्यों पता नहीं। तुम्हें तो मालूम होना चाहिए था।” कैप्टन की आवाज अचानक ही भारी हो गयी थी।

“दरअसल मेरी डयूटी रात आठ बजे से आरम्भ होती है। इसीलिए दिन में कोई आया था या नहीं, मुझे कैसे पता हो सकता है सर?”

“ओह।” आवाज धीमी हुई—“तुम्हें पहले बताना चाहिए था।”

“सर, इस लड़की की लाश क्या इतनी महत्वपूर्ण है, जो ये लोग रात को लाश लेने आये हैं?”

“तुम्हें इससे कोई मतलब नहीं होना चाहिए। फिर भी मैं तुम्हें बता दूं कि यदि इन लोगों के लिए लाश का महत्व न होता तो ये लोग विशेष विमान लेकर यहां न आते। बहरहाल, तुम दराज खोलो।”

“आइये सर।”

पता नहीं, ये शब्द उसने किससे कह थे, हेरी को पता न चल सका। कैप्टन से या विशेष विमान लाने वालों से?

दराज खुल गयी।

फिर शायद रबिका की लाश को दराज से निकालकर स्ट्रेचर पर डाला जाने लगा था।

हेरी के लिए यह रहस्योदघाटन अत्यधिक खौफनाक था कि रबिका की लाश को इस्राइली इंटेलीजेंस के एजेंट अपनी निगरानी में तेल अबीब ले जा रहे थे।

इसका मतलब था कि नाइट क्लब के स्वामी कैमरोन ने ठीक ही कहा था कि रबिका यहूदियों के लिए बड़ा महत्व रखती थी। न केवल जीवित, वरन् मुर्दा भी।

हेरी सोच रहा था कि यदि रबिका का महत्व केवल उसकी आंखों में लगे कांटेक्ट लैंसिज के कारण था तो तेल अबीब पहुंचने के बाद यहूदी निश्चय ही सिर पकड़कर रह जायेंगे।

एक-एक क्षण हेरी के लिए एक-एक युग के समान लग रहा था। उसको यूं महसूस हो रहा था मानो उसका शरीर अकड़ रहा हो। सर्दी असहनीय होती जा रही थी।

उन लोगों को वहां से जाने में लगभग बीस मिनट का समय लग गया था। फिर हेरी को दरवाजा बंद होने की आवाज सुनायी दी थी। उसने एक गहरी सांस ली, मगर उसमें दराज से निकलने का उतावलापन न था, वह कुछ मिनट और उसी प्रकार लाश के साथ चिपका शान्त पड़ रहा।

जब उसने देखा कि आस-पास किसी प्रकार की गतिविधि की आवाज नहीं आ

रही है तो उसने फिर दराज की छत पर अपने हाथ का दबाव डाला।

दराज धीरे-धीरे खुलने लगी।

हेरी पूरी सावधानी बरत रहा था कि दराज खुलते समय किसी प्रकार की आवाज न हो।

दराज पूरी खुल गयी तो वह सतर्कता से उसमें से बाहर निकल आया।

दराज को बंद करते समय अनायास ही उसकी निगाह दराज में रखी लाश के चेहरे पर जा पड़ी। दूसरे ही क्षण हेरी के पूरे शरीर में असंख्य चींटियां सी रेंगने लगीं। वह कांप उठा।

वह किसी बूढ़ी महिला की लाश थी।

दराज बंद करने के बाद उसने अपने शरीर की सुकड़ाहट को दूर करने के लिए थोड़ी देर हल्का-सा योगाभ्यास किया। जब उसके शरीर में रक्त का सुचारू रूप से चालू हो गया तो वह उस प्लास्टिक की थैली की ओर आकर्षित हुआ, जिसमें उसने कांटेक्ट लैंस डालकर अपनी जेब में रखा था।

उसने उस थैली को जेब से निकाला और अपना एक पैर ऊपर उठाया, फिर जूते तक अपना हाथ पहुंचाकर उसने धीरे से जूते की ऐड़ी को एक ओर को घुमाया।

ऐड़ी आसानी से घूम गयी तो जूते में उसे एक खाली स्थान दिखायी दिया, उसने उस थैली को उस खाली स्थान में रखकर फिर से उस ऐड़ी को यथास्थान फिट कर दिया।

अब उसका सारा ध्यान शवगृह के बंद द्वार की ओर आकर्षित था।

¶¶

शवगृह से निकलने के बाद हेरी तेज-तेज कदमों से चलता हुआ एक गली में मुड़ गया। अब उसका इरादा वापिस तिलयास के खंडहरों में जाने का न था, वह तो जल्द-से-जल्द अपने शहर वापस चला जाना चाहता था। जहां मैडम फ्रेंच, डाना और जूली उसकी प्रतीक्षा कर रही होंगी।

अभी वह उस गली से निकलकर दूसरी गली में कदम रखना ही चाहता था कि अचानक एक साया उस गली से निकलकर उसके सामने आ गया।

हेरी के बढ़ते कदमों को ब्रेक लगा और वह अपने स्थान पर जड़ होकर रह गया। उसके शरीर में एक बार फिर चींटियां-सी रेंगने लगीं। वह सतर्क हो गया।

अंधकार में साया आगे बढ़ा और धीरे-से फुसफुसा कर बोला—"कम ऑन हेरी! रुक क्यों गये?"

इस आवाज को सुनकर हेरी ने अपने तने हुए शरीर को ढीला छोड़ा और रुकी

हुई सांस को खारिज किया।

"ओह! क्लाइव तुम?" वह आवाज से उसे पहचान गया था।

"हां, चले आओ।" क्लाइव ने आगे बढ़कर उसकी बांह थाम ली—"मेरी गाड़ी उस तरफ खड़ी है।"

"तुम यहां क्या कर रहे हो?" हेरी ने आश्चर्य से पूछा।

"तुम्हारा इंतजार।" क्लाइव ने कदम आगे बढ़ाते हुए उत्तर दिया।

"इसका मतलब है कि तुम मेरा पीछा करते हुए यहां तक आये हो?"

हेरी ने उसके साथ कदम बढ़ाते हुए पूछा था

"हां।"

"तुम मेरा पीछा क्यों कर रहे थे?"

"मैं तुम्हें किसी अप्रत्याशित घटना से बचाने के लिए पीछा कर रहा था।"

तब तक वो दोनों गली पार करके सड़क पर खड़ी अपनी कार के पास पहुंच गये थे।

"आओ बैठो।" क्लाइव ने कार का दरवाजा खोलते हुए हेरी को संकेत किया।

हेरी यंत्रचलित-सा कार के अन्दर बैठ गया। उसे हैरत हो रही थी कि वह इतना बड़ा धोखा कैसे खा गया। वह तो मार्ग में पूरी सावधानी बरतता हुआ शवगृह तक पहुंचा था। क्लाइव कब और कहां उसके पीछे लगा था, उसे पता न चल सका था।

"उन लोगों ने तुम्हें देखा तो नहीं था?" क्लाइव ने कार स्टार्ट करते हुए उससे पूछा।

"तुम किन की बातें कर रहे हो?"

"अरे, वही इस्राइली एजेंट जो रबिका की लाश को लेकर गये हैं।"

"अगर वो लोग मुझे देख लेते तो क्या मुझे छोड़ जाते?" हेरी ने हंसते हुए पूछा।

"हां। यह तो है। एक बार को तो मैं डर ही गया था। वो लैंसिज तो तुम्हारे पास सुरक्षित हैं ना?" क्लाइव ने विंडस्क्रीन से नजर हटाकर कनखियों से उसकी ओर देखते हुए पूछा।

"कौन से लैंसिज?" हेरी ने अनजान बनकर पूछा।

“मैं रबिका की आंखों में लगे कांटेक्ट लैंसिज की बात कर रहा हूं। वो तो तुमने निकाल लिये होंगे?” क्लाइव ने शान्त स्वर में पूछा।

“इतना अवसर ही नहीं मिला।” हेरी ने झूठ बोला।

“क्या...?” क्लाइव के मस्तिष्क को जोर का झटका लगा और उसके पैर अनायास ही ब्रेक पर दबाव बढ़ा गये।

गाड़ी के पहिये बुरी तरह चरमराये।

हेरी अच्छी तरह जानता था कि क्लाइव नकाबपोश का साथी है। इसलिए वह किसी भी हाल में उसे सच्चाई नहीं बता सकता था। वह उसके साथ कार में बैठ तो गया था, लेकिन अब बुरी तरह पछता रहा था। उसने अपनी गलती सुधारने के लिए गाड़ी से उतरने के लिए हैंडिल की ओर हाथ बढ़ाये।

लेकिन इससे पहले कि वह कार के दरवाजे को खोल पाता, रिवाल्वर की एक सर्द नाल उसकी कनपटी से आकर लगी, फिर एक फुंफकारती आवाज उसे पीछे से सुनायी दी—

“चुपचाप शान्त बैठे रहो। उतरने की कोशिश की तो खोपड़ी में सूराख कर दूंगा।”

पिछली सीट से एक अजनबी आवाज को सुनकर हेरी बुरी तरह चौंका था।

गाड़ी में बैठते समय अंधेरे के कारण, वह पिछली सीट की ओर ध्यान से न देख सका था। वह यही समझा था कि केवल क्लाइव ही अकेला गाड़ी में उसके साथ बैठा था।

“तुम कहां छिपे बैठे थे भाई?” हेरी ने हथियार डालते हुए पूछा।

“सीट के पीछे वाली खाली जगह में।” क्लाइव ने बताया और एक बार फिर एक्सीलेटर पर दबाव बढ़ा दिया।

गाड़ी तिलयास के खंडहरों की ओर न जाकर किसी अन्य सड़क पर मुड़ गयी थी।

“तुम मुझे कहां ले जा रहे हो क्लाइव?” हेरी ने उससे पूछा।

“चुपचाप बैठे रहो।” क्लाइव ने डांटा।

“आखिर बताने में हर्ज ही क्या है?” हेरी ने उसे छेड़ा।

“यह ऐसे चुप नहीं बैठेगा। इसका इलाज करना पड़ेगा।” पीछे वाले अजनबी ने फुंफकारती आवाज में कहा और फिर उसने उसका इलाज भी कर दिया।

उसने अपने हाथ में पकड़ी रिवाल्वर का दस्ता पूरी तीव्रता से उसकी कनपटी

पर मारा था।

हेरी की आंखों के आगे फुलझड़ियां-सी फूट पड़ीं। कुछ लम्हें उन फूटती फुलझड़ियों का प्रदर्शन करने के बाद उसकी चेतना लुप्त होती चली गयी।

वह मूर्च्छित हो गया था।

¶¶

हेरी को होश आया तो उसने स्वयं को बड़ी अजीब स्थिति में पाया। उसके दोनों हाथ रस्सियों से कलाई पर से बंधे हुए थे और रस्सियों के अगले सिरे छत में कड़े से बंधे हुए थे। वह नंगे पैर और नंगे शरीर फर्श पर खड़ा था। उसके शरीर पर केवल अन्डरवियर था और उसके मुंह पर पानी के छींटे मारे जा रहे थे। शायद वह उन्हीं छींटों के कारण होश में आया था।

उसके सिर में धमाके से हो रहे थे। कम्बख्त ने बहुत बुरी तरह से उसके सिर पर रिवाल्वर का दस्ता मारा था। उसने आंखें मिचमिचाते हुए सामने देखना चाहा, लेकिन यह सब उसके लिए इतना सहज नहीं था। उसने एक बार फिर अपनी आंखों को मींचकर अपनी शक्ति को समेटा और पूरी तरह से आंखें खोलकर कमरे का निरीक्षण किया।

कमरे के सामने खड़ा क्लाइव एक मग में पानी भरकर उसके मुंह पर छींटे मार रहा था। कमरे में एक कुर्सी के अतिरिक्त और ऐसा कुछ न था जिसे विशेष कहा जा सके। केवल एक क्लाइव था, जिसके एक हाथ में मग और दूसरे हाथ में पानी से भरी बाल्टी थी।

हेरी को होश में आता देखकर वह धूर्तता से मुस्कुराया—“तो तुम्हें होश आ गया?”

हेरी की समझ में न आया कि वह उससे सवाल कर रहा था या स्थिति का अवलोकन। वह तो केवल उसे खूनी आंखों से घूर कर देखता रह गया।

क्लाइव ने उसके घूरने की कोई परवाह न की और वापिस मुड़कर दरवाजे के पास पहुंचा और बुलंद आवाज में बोला—

“टॉम! बॉस से कहो, हेरी को होश आ गया है।”

यह कहकर वह वापिस पलटा। उसने पानी से भरी बाल्टी और मग दरवाजे के पास ही छोड़ दी थी।

“तुम मुझे कहां लाये हो?” हेरी ने उसको खूनी नजरों से घूरते हुए पूछा।

“वहां, जहां तुम्हें होना चाहिए था?” उसने गोल-मोल उत्तर दिया।

“मैं कुछ समझा नहीं। मेरे कपड़े क्यों उतारे हैं तुमने? और मेरे हाथ-पैर बांधकर क्या करना चाहते हो?”

"इतने सारे सवाल एक साथ!" क्लाइव की मुस्कान और गहरी हो गयी, "निश्चिंत रहो, सबका उत्तर मिलेगा, मगर...।"

इससे पहले कि वह आगे कुछ कह पाता, कदमों की चाप दरवाजे तक पहुंच गयी थी। हेरी का मुंह क्योंकि दरवाजे की ओर ही था इसलिए वह नजरें उठाकर दरवाजे की ओर देखने लगा, जबकि क्लाइव को दरवाजे में देखने के लिए पीछे मुड़ना पड़ा था।

दरवाजा पहले ही खुला था। खुले दरवाजे से आगे-पीछे दो आदमियों ने प्रवेश किया। इनमें से एक वही नकाबपोश था, जिसने उसका अपहरण कराया था और जान से मारने की धमकी देकर चोरी पर आमादा किया था, लेकिन बाद में शायद उनकी योजना बदल गयी थी, तभी से स्टीला माइक ने उससे सीधा सम्पर्क कर कांटेक्ट लैंसिज चुराने का प्रस्ताव रखा था, जिसे हेरी को कुबूल करना पड़ा था।

हेरी पहले दिन ही नकाबपोश को पहचान गया था। उसे पहचानने में उसकी आंखें हेरी की सहायक बनी थीं। वह सैम हेवार्ट की विशेष आंखों को पहचान सकता था।

नकाबपोश ने अपने साथी के साथ अन्दर कदम रखा, जिसके हाथ में एक हंटर था।

नकाबपोश धीरे-धीरे कदम उठाता हुआ हेरी के पास पहुंचा।

हेरी उसको निकट आता देखता रहा। वह बोलने में पहल नहीं करना चाहता था। वह चाहता था कि नकाबपोश स्वयं ही मकसद ब्यान करे।

हेरी को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा।

नकाबपोश उसकी आंखों में झांकता हुआ बोला—"लैंसिज कहां हैं हेरी?"

हेरी इसी प्रश्न की अपेक्षा कर रहा था। उसने अंजान बनते हुए पूछा—"कैसे लैंसिज?"

"बकवास मत करो।" नकाबपोश गुर्राया—"तुम अच्छी तरह जानते हो मैं किन लैंसिज की बात कर रहा हूं। मुझे वो कांटेक्ट लैंसिज चाहियें, जो रबिका की आंखों में थे।"

"वह तो उसकी आंखों में ही होंगे।" हेरी ने शान्त स्वर में उत्तर दिया।

"झूठ बोलते हो तुम।" वह फिर गुर्राया—"लैंसिज तुम्हारे पास ही हैं।"

"कहां हैं?" हेरी ने व्यंग से मुस्कुराते हुए पूछा—"मेरे शरीर के सारे कपड़े तो तुम उतरवाकर देख ही चुके हो, फिर भी कहते हो कि लैंसिज मेरे पास हैं।"

हेरी को इस बात का संतोष था कि उसने सही समय पर सावधानी बरतकर लैंसिज को सही स्थान पर छिपा दिया था। इसका मतलब था कि कमरे के कोने में पड़े जूते की ऐड़ी की ओर उनका ध्यान नहीं गया था। वर्ना लैंसिज उन्हें मिल चुके होते।

"मैं तुम्हारी खाल खींच लूंगा।" नकाबपोश अपने साथी के हाथ से हंटर छीनता हुआ बोला—"वर्ना सीधी तरह बता दो कि वो लैंसिज तुमने कहां छिपाये हैं?"

"मेरी समझ में नहीं आता तुम कहना क्या चाहते हो? कभी कहते हो लैंसिज मेरे पास हैं, कभी कहते हो मैंने उन्हें कहीं छिपा दिया है।" हेरी ने शान्त स्वर में कहा, फिर वह नकाबपोश को घूरते हुए बोला—

"तुमने जो ये नकाबपोश का ढोंग रच रखा है, इस नकाब को उतार फैंको मिस्टर सैम हेवार्ट! मैं तुम्हें पहचान चुका हूं। हमारे बीच यह नकाब बेकार है।"

"क्या...?" नकाबपोश बुरी तरह चौंका।

"मैं ठीक कह रहा हूं मिस्टर हेवार्ट। बेहतर यही है कि मेरे हाथ-पैर खुलवा दो, ताकि हम पास-पास बैठकर आराम से बात कर सकें।"

"पहले मुझे लैंसिज का पता बताओ।" अब हेवार्ट की आवाज में पहले वाली घनगरज नहीं थी। उसके स्वर से पता चलता था कि वह स्वीकार कर चुका था कि वह सैम हेवार्ट ही है।

"तुम्हारा लैंसिज से क्या मतलब? लैंसों पर तो वुमैंज लिबरेशन फ्रन्ट की चेयरमैन स्टीला माइक का अधिकार है।" हेरी ने बताया।

"नाम मत लो उस कुतिया का।" सैम हेवार्ट अपने चेहरे से नकाब नोंचता हुए बोला—"उस कुतिया ने मुझे डबल क्रास किया है। पहले उसने मुझे तुम्हारे अपहरण को उत्प्रेरित किया, तब उसने मुझसे भागीदारी का वचन दिया था, लेकिन बाद में मुझसे पल्ला झाड़कर स्वयं अकेली ही तुमसे मिलकर उन लैंसिज पर अधिकार करने में जुट गयी। मैं किसी भी कीमत पर हरामजादी को अपने उद्देश्य में सफल नहीं होने दूंगा।"

"आखिर ऐसा क्या है उन लैंसिज में, जो तुम दोनों उनके पीछे पागल हो रहे हो?" हेरी ने अच्छा अवसर देखकर उससे पूछा।

"तुम्हें इससे कोई मतलब नहीं होना चाहिये। तुम केवल इतना बताओ कि तुमने उन्हें छिपाया कहां है?" हेवार्ट ने पूछा।

"यदि तुम्हें लैंसिज चाहिये तो उनके महत्व के बारे में बताना ही होगा।" हेरी ने उसे लालच दिया।

"सुनो हेरी, क्यों न हम एक समझौता कर लें।" हेवार्ट ने उसकी ओर देखते हुए कहा. इस बार उसका स्वर एकदम बदला हुआ था।

"कैसा समझौता?" हेरी ने पूछा। फिर अपनी हालत को देखते हुए पूछा—"भला इस हाल में कोई समझौता कैसे हो सकता है?"

"तुम पहले मुझसे वादा करो समझौता करने का?" अचानक ही हेवार्ट की आंखों

की चमक बढ़ गयी थी।

"तुम कैसा समझौता चाहते हो?"

"मैं चाहता हूं कि जो समझौता मुझसे पहले स्टीला ने किया था, वह समझौता क्यों न अब हम दोनों मिलकर कर लें, यानि आधा-आधा। हमें उन लैंसिज के बदले जो कुछ भी मिलेगा, उसे हम आपस में आधा-आधा बांट लेंगे। बोलो, क्या कहते हो?"

"मेरा सवाल फिर वही है कि आखिर उन लैंसिज में ऐसा क्या है, जो तुम आधा-आधा करना चाहते हो?"

"तुम तैयार तो हो न?" बदले में हेवार्ट ने प्रश्न किया।

"जब तक मुझे लैंसिज के महत्व का पता न चले, मैं क्या कह सकता हूं?"

"ठीक है।" यह कहने के साथ हेवार्ट ने अचानक एक निर्णय लिया और अपने साथी से बोला—"मिस्टर क्लाइव, हेरी को उसके कपड़े वापिस करो और उसे लेकर सम्मानपूर्वक मेरे कमरे में आओ।"

यह कहकर वह वापस मुड़ गया।

¶¶

पन्द्रह मिनट बाद वो दोनों आमने-सामने बैठे थे। उनके सामने मेज पर बोतल और गिलास रखे थे। गिलासों में शराब भरी हुई थी। हेरी इस समय अपनी पूरी ड्रेस में हेवार्ट के सामने बैठा था। वह अपने गिलास से दो घूंट पीने के बाद बोला—

"हां तो मिस्टर हेवार्ट, अब बताओ, उन लैंसिज के बारे में? आखिर उन कांटेक्ट लैंसिज में ऐसी क्या बात है?"

"इस्राइल में बनने वाले एटोमिक हथियारों के विभिन्न स्थानों का नक्शा है।" हेवार्ट ने मुस्कुराते हुए मानो धमाका किया।

"क्या?" हेरी बुरी तरह चौंका—"तुम्हारा दिमाग तो ठीक है! कांटेक्ट लैंसिज में नक्शा?"

"यह आधुनिक विज्ञान का दौर है मिस्टर हैरी।" हेवार्ट बोला—"वो कांटेक्ट लैंसिज तो बहुत बड़े है। विज्ञान की सहायता से इसके हजारवें भाग पर पूरी दुनिया का नक्शा बनाया जा सकता है।"

"लेकिन कांटेक्ट लैंसिज पर वह नक्शा क्यों बनाया गया था?" हेरी ने प्रश्नवाचक दृष्टि से हेवार्ट को देखा।

"गद्दार तो हर कौम और हर दौर में होते हैं।" हेवार्ट ने कहा—"एक यहूदी वैज्ञानिक को इस बात का बहुत दुःख था कि इस्राइल ने इराक का एटमी रियेक्टर क्यों

तबाह किया था। वह इस्राइल को एक दहशतगर्द (आतंकवादी) देश समझता है, जो पूरी दुनिया में आतंक फैला रहे है। उसके विचार में यदि उसे अभी रोका न गया तो वह न केवल पूरी दुनिया के लिए बल्कि अमरीका के लिए भी खतरा साबित हो सकता है। बस इसी बात को सोचकर उसने अमरीका को सूचना दी कि वह उसे इस्राइल की महत्वपूर्ण गुप्त बातों की जानकारी देने वाला है।"

हेवार्ट ने एक क्षण चुप होकर सिगरेट सुलगायी और कश लगाकर धुंआ उगलते हुए बोला—

"उसने एक अत्याधिक बहुमूल्य माइक्रोस्कोप कैमरे से कांटेक्ट लैंसिज पर नक्शा उतारा। यह नक्शा इस प्रकार उतारा कि कांटेक्ट लैंसिज जरा भी प्रभावित न हों। उन्हें प्रयोग करने वाले की आंखों पर भी प्रभाव न पड़े। उसने यह लैंसिज एक आप्टीशियन के द्वारा रबिका की आंखों तक पहुंचा दिये। फिर उसने उस एजेंट को खबर कर दी, लेकिन उसे यह नहीं बताया था कि उन लैंसिज में किस प्रकार के गुप्त राज हैं। इसका पता रबिका के इस्राइल आने पर चला। यदि पहले ही पता चला जाता तो उसे वहीं खत्म कर दिया जाता। तुम्हारा चयन इसीलिए केवल उन लैंसिज को चुराने के लिये किया गया था। यह राज बाद में खुला था।"

"स्टीला माइक को इस राज का पता कैसे चला?" हेरी ने पूछा।

"स्टीला माइक के उस वैज्ञानिक से सम्बन्ध हैं। उसने उसे अपने रूपजाल में फांस रखा है। बस किसी प्रकार उसे लैंसिज के महत्व का पता चला तो उसने मुझसे सम्बन्ध स्थापित किया। मैंने तुम्हारा अपहरण कराया, तुम्हें इस काम को सहमत किया। लेकिन फिर अचानक ही उसकी नीयत बदल गयी और वह अकेले ही उन लैंसिज को हड़पने की सोचकर तुमसे मिली और तुम्हें धन का लालच देकर चोरी पर सहमत किया। लेकिन मैं इतनी आसानी से उसका पीछा छोड़ाने वाला नहीं था...।"

"और इसीलिए तुम यहां चले आये।" हेरी ने वाक्य पूरा किया।

"नहीं, पहले मैंने क्लाइव को यहां भेज दिया था, ताकि वह तुम पर निगरानी रख सके, लेकिन जब मुझे उन लैंसिज के महत्व का पता लगा तो, मैं स्वयं भी यहां चला आया। अब बताओ, वो लैंसिज कहां हैं?"

हेरी को अपने शरीर में सनसनी-सी महसूस हो रही थी। एटमबम से भी ज्यादा खतरनाक वह लैंसिज इस समय उसके जूतों की ऐड़ी में सुरक्षित थे, लेकिन वह इतना मूर्ख नहीं था कि उन लैंसिज को देकर अपनी मौत को दावत देता। वह जानता था कि लैंस हासिल करने के बाद हेवार्ट उसे छोड़ने वाला नहीं था। इसीलिए उसने धीरे से कहा—

"लैंसिज तो वहीं शवगृह में ही हैं।"

"शवगृह में तुमने उन्हें कहां छुपाया है?" हेवार्ट ने उत्तेजित स्वर में पूछा।

“ये तो मैं वहीं चलकर तुम्हें बता सकता हूं, मगर तुम्हें अपना वादा याद है न?”

“कैसा वादा?”

“आधा-आधा।”

“तुम निश्चिंत रहो। मेरा पेट इतना बड़ा नहीं है कि मैं अकेला ही सब कुछ हजम कर पाऊं। इसके लिए मैं तुम्हें कैसी भी जमानत देने के लिए तैयार हूं।”

“ठीक है, मुझे तुम्हारी जबान पर भरोसा है।” हेरी किसी प्रकार यहां से निकल जाना चाहता था, इसीलिए वह उससे सहमत हो गया था।

“आओ चलें।” हेवार्ट ने कहा।

वो दोनों उठ खड़े हुए और चलने के लिए दरवाजे की ओर मुड़े, लेकिन इससे पहले कि वो दो कदम भी चल पाते, कमरे का दरवाजा खुला और वो दोनों अपने स्थानों पर जड़ होकर रह गये।

दरवाजे पर स्टीला माइक हाथों में रिवाल्वर लिये खड़ी थी।

“बहुत खूब!” स्टीला के होठों पर जहरीली मुस्कुराहट फैल गयी— “मैंने तुम्हारी सारी बातें सुन ली हैं। मैं भी तुम्हें तुम्हारे उद्देश्य में सफल नहीं होने दूंगी। हेरी, तुम मेरे साथ चल रहे हो और तुम...तुम्हारा मर जाना ही बेहतर है।”

“त...तुम्हें यहां आते किसी ने रोका नहीं?” हेवार्ट ने स्टीला का रिवाल्वर वाला हाथ सीधा होते देखकर पूछा।

“मुझे कौन रोक सकता है? जिन्होंने रोकना चाहा, अब वो अपनी सांसें रोके फर्श पर पड़े हैं। अब तुम्हारी बारी है।”

यह कहकर स्टीला ने ट्रेगर पर उंगली का दबाव डाला। फिर जो कुछ भी हुआ, हेरी के लिए आश्चर्यजनक था। उसे हेवार्ट से इतनी फुर्ती की आशा कदापि नहीं थी।

इससे पहले कि स्टीला के रिवाल्वर की गोली उसके शरीर को छू पाती, हेवार्ट ने हवा में जम्प लगायी और स्वयं को गोली से बचाता हुआ स्टीला पर जा पड़ा। स्टीला के हलक से एक भयानक चीख निकली। वो दोनों धड़ाम से फर्श पर गिरे थे।

घटनाक्रम इतनी तेजी से बदला था कि हेरी अपने स्थान पर अवाक् खड़ा था। उसने हेवार्ट के नीचे दबे-दबे अपने रिवाल्वर वाले हाथ को प्रयोग करना चाहा।

मगर अब हेवार्ट उसे ऐसा कोई अवसर नहीं देना चाहता था, उसने हाथों के बल उठकर घुटनों पर बैठते हुए स्टीला के मुंह पर जोरदार घूंसा मारा।

इस बार स्टीला के मुंह से निकलने वाली चीख बड़ी भयानक थी। उसे दोहरी

मार पड़ी थी। ऊपर से उसके मुंह पर शक्तिशाली घूंसा पड़ा था तो नीचे उसका सिर पूरी शक्ति से टकराया था। निश्चित रूप से स्टीला की आंखों में नीले-पीले सितारे चमक उठे होंगे।

हेवार्ट ने दोबारा उसके मुंह पर घूंसा मारना चाहा, लेकिन इस बार उसके मन में केवल हसरत ही रह गयी। हेवार्ट के मुंह पर लगने वाली ठोकर ने उसे दूर उछलने पर मजबूर कर दिया था। यह ठोकर स्टीला के साथ आये उसके सहायक ने मारी थी, जोकि अभी-अभी वहां पहुंचा था।

इससे पूर्व कि हेवार्ट सम्भल पाता, स्टीला के तीसरे सहायक ने उसके जबड़े पर ठोकर सेंक दी। ये दोनों शायद पहले हेवार्ट के साथियों का प्रबन्ध करने में लगे थे। फिर तो उन दोनों ने हेवार्ट को फुटबाल बना दिया। स्टीला अपने मुंह से निकलने वाले खून को पोंछती हुई उठी और गुस्से एवं नफरत से हेवार्ट की ओर देखती हुई अपने साथियों से बोली—

“छोड़ दे इस कुत्ते की औलाद को, इसे मैं अपने हाथों से मारूंगी।”

स्टीला के दोनों सहायक चौकस अंदाज में हेवार्ट को छोड़कर अलग हट गये।

“तुमने मुझ पर हाथ उठाने का जो दुस्साहस किया है, उसका परिणाम तुम्हें भुगतना होगा। तुम्हें भी वहीं जाना होगा।”

यह कहकर स्टीला ने रिवाल्वर वाला हाथ सीधा किया और ट्रेगर की उंगली दबा दी।

‘टिच’ की हल्की-सी आवाज के साथ हेवार्ट के कण्ठ से हृदय-विदारक चीख उभरी थी।

साइलेंसर लगे रिवाल्वर की गोली ठीक हेवार्ट के दिल में पैवस्त हो गयी थी।

हेरी कमरे के बीच खड़ा यह दृश्य देख रहा था। वह कमरे से भाग भी नहीं सकता था क्योंकि दरवाजे के ठीक सामने स्टीला अपने साथियों के साथ हेवार्ट की मौत बनकर खड़ी थी।

हेवार्ट से निबटने के बाद स्टीला जलते हुए नेत्रों के साथ कमरे में अन्दर आयी और तपते हुए स्वर में हेरी से बोली—

“लैंसिज कहां हैं?”

हेरी पहले ही स्टीला का आतंकित रूप देखकर चकित था। उसे अपनी जान के लाले पड़ते दिखायी दे रहे थे। वह सोच ही रहा था कि स्टीला को क्या जवाब दे कि स्टीला ने फुंफकारती आवाज में कहा—

“मुझसे चालाकी दिखाने की कोशिश मत करना—वर्ना तुम्हारा अंजाम भी इस

कुत्ते से हटकर नहीं होगा।”

हेरी जानता था कि जब तक उन्हें लैंसिज का पता नहीं चलेगा, तब तक वह सुरक्षित है। इसीलिए साहस समेटकर बोला—

“तुमने हेवार्ट और मेरी सारी बातें सुन तो ली थीं।”

“सुन ली थीं, लेकिन तुम झूठ बोल रहे हो। लैंसिज तुम्हारे पास है। हेवार्ट मूर्ख था, जो तुम्हारी बातों में आ गया। मैं तुम्हारी बातों में नहीं आ सकती, मुझे वो लैंसिज चाहियें—अभी और इसी समय।”

फिर उसने अपने दोनों साथियों की ओर इशारा करते हुए कहा—“अब यह जिम्मेदारी तुम्हारी है कि तुम इससे लैंसिज के बारे में कैसे उगलवाते हो?”

स्टीला के दोनों साथी भयानक अंदाज में उसकी ओर बढ़े। उनके इरादे बड़े खतरनाक थे। इधर स्टीला के हाथ में रिवाल्वर था। वह उनसे अपना बचाव भी नहीं कर सकता था।

“ठहरो...।” उन दोनों को अपनी ओर घूंसा तानते हुए देखकर हेरी चिल्लाया।

वो दोनों रुक गये। हेरी ने स्टीला की ओर देखते हुए कहा—“मेरे शेष रुपये कहां हैं?”

स्टीला के होठों पर जहरीली मुस्कुराहट फैल गयी।

“रुपये भी मिल जायेंगे। पहले तुम लैंसिज दो।”

हेरी को हिचकते देखकर स्टीला ने अपने साथियों से कहा—“तुम अपना काम जारी रखो।”

वो दोनों एक बार फिर हेरी की ओर बढ़े। हेरी ने उनके खतरनाक तेवर देखकर, उन्हें लैंसिज देने का मन बना लिया। वह उन्हें देने के लिए स्वीकार करने ही वाला था कि अचानक उसकी दृष्टि द्वार की ओर उठी। द्वार पर हेवार्ट का साथी क्लाइव खून से लथपथ अपने हाथ में रिवाल्वर लिये खड़ा था। वह किसी कारण मरने से बच गया था।

उन तीनों की पीठ द्वार की ओर थी, फिर वो तीनों पूरी तरह संतुष्ट थे कि हेवार्ट के दोनों साथियों को वह मार चुके हैं। यही सोच उनकी मृत्यु का कारण बनी।

क्लाइव ने अपनी रिवाल्वर के ट्रेगर पर उंगली का दबाव बढ़ाकर गोली चलानी आरम्भ कर दी।

हेरी पहली गोली की आवाज के साथ ही जमीन पर स्लीप मारकर गोता खा चुका था।

इससे पूर्व कि वे तीनों सम्भल पाते, क्लाइव के रिवाल्वर से निकलने वाली एक साथ तीन गोलियों ने उन तीनों के शरीर में सुराख कर दिये।

वो तीनों चीखें मारते हुए फर्श पर गिरे।

गिरा तो क्लाइव भी था। उसकी हिम्मत और उसका शरीर जवाब दे चुका था। अपने दुश्मनों को मरते देखकर वह अट्टहास लगाते हुए स्वयं भी गिरता चला गया था।

कमरे में एकदम शान्ति छा गयी।

हेरी के लिए मैदान साफ था। वह उठकर कमरे से भाग लिया। वह जल्द-से-जल्द इस खूनी मकान से दूर निकल जाना चाहता था।

सड़क पर पहुंचने के बाद उसने एयरपोर्ट के लिये टैक्सी पकड़ी, हेरी के प्लेन में बैठने के बाद जब हवाई जहाज आकाश की ऊंचाइयों पर था तो उसने अपने जूते की ऐड़ी से वह प्लास्टिक की थैली निकाली और उसमें से लैंसिज निकालकर उसकी खिड़की खोलकर बाहर हवा में फेंक दिये।

वह उन खूनी लैंसिज को अपने पास नहीं रखना चाहता था। वह जानता था, यदि उसने इन लैंसिज को बेचने का प्रयास किया तो नौबत फिर खून-खराबे की आ सकती थी और वह खून-खराबे से बचना चाहता था।

¶¶

अब जूली के मन में थियो एक भयानक स्वप्न जैसा रह गया था। वह सब कुछ भूल जाना चाहती थी।

वेजली उसकी खामोशी चाहता था और उसके लिए वह पैसा, कपड़े, फ्लैट और शायद कार भी देना चाहता था। इसके अलावा वह कोई भद्दा, मोटा, बूढ़ा नहीं था। इस प्रस्ताव से पहले भी जूली उसकी ओर आकर्षित हो गयी थी।

वेजली बहुत कम बोलता था।

अगली सुबह नाश्ते पर उसने कुछ नहीं कहा। जब गेरिज कुछ कागजात लेने चला गया तो वह बोला—

“तुम घबरा तो नहीं रही हो?”

“नहीं।”

“सब ठीक हो जायेगा। मैं यह जानना चाहता था कि कहीं तुमने इरादा तो नहीं बदल दिया है।”

जूली सोच रही थी कि सात महीने पहले वह एक सस्ती लायब्रेरी में काम करती थी और अब उसे अलग फ्लैट मिलने वाला है और एक हजार पाउण्ड सालाना!

तभी ब्लेंच के कमरे की घण्टी बजी और उसका दिवा-स्वप्न अधूरा रह गया।

ब्लेंच बहुत बुरे मूड में थी।

"मेरे नहाने का इन्तजाम करो।" वह बोली—"और यह हाथी की तरह मत चलो। मेरे सिर में दर्द हो रहा है।"

जूली ने जवाब नहीं दिया। वह बाथरूम में जाकर टब भरने लगी। जब वह लौटी तो ब्लेंच कमरे में चहलकदमी कर रही थी।

"इस सप्ताह के अन्त में तुम्हारी छुट्टी।" ब्लेंच फुंफकारी—"मैं बहस करना नहीं चाहती। तुम्हें जाना ही होगा।"

जूली का जी चाहा कि वह हंस पड़े। वह एक नया जीवन शुरू करने वाली थी। यहां रहना वह चाहती ही कब थी?

"ठीक है, मैडम!"

यह उसने इतनी खुशी से कहा था कि ब्लेंच भी चौंक पड़ी। उसने जूली को ध्यान से देखा और बोली—

"दफा हो जाओ।"

बाद में जब ब्लेंच कहीं चली गई और जूली पूरे फ्लैट में अकेली रह गई तो वह लाउंज में पहुंची और एक आरामदेह कुर्सी पर बैठकर अखबार पढ़ने लगी। फिर उसने सिगरेट सुलगायी और एक कुर्सी पर पैर फैला लिये।

वह सोच रही थी कि कुछ दिन बाद वह इसी तरह से वक्त गुजारा करेगी।

लेकिन कुछ देर बाद वह उकता गयी।

उसे एकान्त खलने लगा था।

वह सोच रही थी कि खुद को व्यस्त रखने के लिए वह क्या किया करेगी?

उसने एक उपन्यास उठा लिया। लेकिन यह भी उसे बांध नहीं सका और उसने इसे दूर उछाल दिया।

पांच बजे ब्लेंच लौट आयी। वह उपन्यास पढ़ने लगी। लेकिन वह भी इसे पढ़ नहीं सकी।

जूली सोच रही थी कि इतना पैसा होने के बावजूद ब्लेंच का कहीं दिल नहीं लग रहा है। तो क्या उसका भी यही हाल होगा, तो क्या उसे कहीं काम तलाश करना होगा?

"नहीं!" उसने सोचा। " यह गुलामी की आदत अब छोड़नी चाहिये।"

ब्लेंच किसी से फोन पर बात कर रही थी।

जूली सुनने लगी।

"मैं कल नहीं आ सकती, डार्लिंग।" वह कह रही थी—"मुझे हावर्ड के साथ डिनर पर जाना है।" कुछ रुककर वह फिर बोली—

"कुछ भी नहीं। आज मैं सिनेमा गयी थी। मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं? सुनो ह्यू, क्या तुम कुछ पैसा इकट्ठा नहीं कर सकते? मैं इस जिंदगी से तंग आ गयी हूं, अगर तुम्हारी आर्थिक दशा ठीक हो जाये तो मैं उससे तलाक ले लूं। कुछ तो करो। ऐसे कब तक चलेगा? तुम मेरे पैसे पर तो जिंदा नहीं रहना चाहते न, अगर तुम संभल जाओ, तो मैं तुमसे शादी कर लूं।"

कुछ देर की खामोशी के बाद वह बोली—"हे ईश्वर! मैं दरवाजा खुला छोड़कर बात कर रही हूं। हो सकता है...वह वेश्या सुन रही हो।"

जूली ने जल्दी से किचिन का दरवाजा बन्द कर लिया।

बाद में उसने वेजली की आहट सुनी तो वह बाहर निकल आयी।

"जूली!" वेजली ने यूं कहा जैसे वह उसे देख न पा रहा हो। फिर वह लाउंज में आ गया। धीमे स्वर में वह बोला—

"सब ठीक हो गया है। पुलिस इस पर सहमत है कि तुम यूं काम करती रहो जैसे कुछ हुआ ही न हो। कल उन लोगों से मिल लेना और उन्हें सेफ खोलने का तरीका बता देना।"

उसने जेब से एक कागज निकालकर उसे दिया।

"इसकी नकल कर लो। इसमें सब कुछ है। हम यह नहीं चाहते कि उन्हें शक हो। पुलिस उन्हें फर ले जाते हुए गिरफ्तार करना चाहती है। यह पता करने की कोशिश करना कि वे चोरी कब करना चाहते हैं? तुम्हें चिन्ता की जरूरत नहीं है। पुलिस तुम्हारे खिलाफ कुछ नहीं करेगी।"

"ठीक है।" जूली बोली। उसे चोरी में दिलचस्पी नहीं थी, बल्कि अपने भविष्य के सम्बन्ध में थी।

"तुम्हें डर तो नहीं लग रहा है?"

"बिल्कुल नहीं।" वह बोली—"मैं आपकी उन बातों के बारे में सोच रही हूं, जो आपने कल कही थीं।"

वह खड़ा हो गया—

"अभी यह मत सोचो, जूली, पहले दूसरा काम करना है। इस चोरी के बारे में मेरी पत्नी से भी कुछ मत कहना।"

"ठीक है।"

"फिलहाल हमें इकट्ठे भी नहीं रहना है।" वेजली बोला—"लेकिन जल्दी ही हालात बदल जायेंगे।"

"मिसेज वेजली चाहती हैं कि इस सप्ताह के बाद मैं काम छोड़ दूं।" जूली बोली—"क्या इससे पहले कुछ हो सकता है?"

"तुम हेरी को शुक्रवार के दिन का सुझाव दे देना, अगर उस दिन काम हो गया तो तुम्हें परेशानी नहीं होगी।"

वह केवल चोरी के बारे में सोच रहा था, जबकि जूली अपने बारे में बात करना चाहती थी।

"लेकिन मेरा क्या होगा? यहां से जाने के बाद मैं कहां जाऊंगी?" जूली ने कहा।

"मैं सब ठीक कर दूंगा, जूली।" वह बड़ी बेचैनी से बोला—"अब तुम जाओ।"

"आपने कहा था कि मेरा अपना फ्लैट होगा?"

"जरूर होगा।" उसने कुछ सोचा और फिर बोला—"बृहस्पतिवार को तुम्हारी छुट्टी है न! उस दिन हम कहीं मिल लेंगे और सब बातें कर लेंगे। अब जाओ। मुझे काम करना है।"

"ठीक है, हावर्ड...।" वह शरमायी—"मैं तुम्हें हावर्ड कह सकती हूं?"

वह सहम-सा गया।

"मुझे कुछ भी कह लो।" वह तीखे स्वर में बोला—"लेकिन अब जाओ।"

जूली ने दरवाजे पर पहुंचकर पलटकर देखा।

वह ऐसा लग रहा था जैसे उसे पता चला हो कि बम गिर चुका है और अब कभी भी फट सकता है।

¶¶

बुधवार!

वक्त मुश्किल से गुजर रहा था। ब्लेंच उस रात वेजली के साथ डिनर पर नहीं जाना चाहती थी और जूली पर गुस्सा उतार रही थी।

कुछ तो जूली इस बात से परेशान थी और कुछ इस बात से कि आज उसे

मिसेज फ्रेंच के सामने जाना था।

अब ब्लेंच डिनर के लिये कहीं चली गयी तो उसे कुछ राहत मिली। वह अखबार लेकर बैठ गयी। तभी फोन की घंटी बजी।

हेरी था।

"जूली!" उसने कहा—"मैं इतवार से बराबर तुमसे सम्पर्क करने की कोशिश कर रहा हूं। हर बार वेजली की पत्नी ने जवाब दिया। मुझे तुम्हारी चिंता बनी हुई थी। थियो ने तुम्हारे साथ क्या किया?"

जूली को गुस्सा आ गया।

"मैं तुमसे बात नहीं करना चाहती, कायर! तुमने मुझे उस सूअर से पिटवाया। मुझे तुमसे नफरत है। मैं तुम्हारी शक्ल भी देखना नहीं चाहती।" कहकर उसने रिसीवर पटक दिया।

कुछ देर बाद घंटी फिर बजी, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया।

अब हेरी से वह सम्बन्ध तोड़ चुकी थी। ठीक है, शुरू में उसे हेरी से कुछ प्यार था, लेकिन अब उसके पास हावर्ड था।

कुछ देर बाद कॉलबैल बजी। वह सोचने लगी कि कहीं हेरी तो नहीं आ गया।

लेकिन वह हेरी या थियो नहीं, बल्कि डिटेक्टिव इन्सपेक्टर 'डासन' था।

उसने हैट उठाकर जूली का अभिवादन किया और बोला—"मुझे तुमसे कुछ बात करनी है।"

जूली को इसकी आशा नहीं थी। वह हड़बड़ा गयी।

डासन उसके साथ हॉल में आ गया।

"ब्रिज कैफे से यह जगह तो एकदम अलग है।" वह बोला—"है न?"

"हां।" उसने धीरे से कहा।

"तुम्हारी मालकिन अभी नहीं आयेगी न?"

"नहीं।"

"तो ठीक है। कहीं बैठकर बात करते हैं।"

वह उसे लाउंज में ले आई। डासन ने एक बार फिर इधर-उधर देखा।

"बहुत खूब!" वह बोला—"तुम बड़ी खुशकिस्मत हो। बैठो।" जूली बैठ गई।

"मिस्टर वेजली अपनी पत्नी को परेशान नहीं करना चाहते, इसलिए वह इस चोरी की बात उन्हें नहीं बतायेंगे, क्या मिसेज वेजली आसानी से परेशान हो जाती हैं?"

"नहीं।"

"तो क्या वह यह समझते हैं कि वह तुमसे पूछताछ करेंगी?"

"म...मैं आपका मतलब नहीं समझी।"

"खैर छोड़ो! इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अच्छा हुआ यह सब तुमने मिस्टर वेजली को बता दिया। वर्ना हम उन्हें कभी न कभी पकड़ ही लेते और उनके साथ तुम भी पकड़ी जातीं।"

जूली ने कुछ नहीं कहा।

"तो अब तुम हेरी से मुलाकात से लेकर अब तक की सारी कहानी सुनाओ।"

वेजली को अपनी आत्मकथा सुनाना एक बात था और पुलिस को यह सब बताना दूसरी बात। उसे अच्छी तरह पता था कि पुलिस मुखबिरों का क्या हाल होता है? लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी। उसे पुलिस का साथ देना ही था।

वह डासन को वह बातें बताने लगी, जो उसने वेजली को बतायी थीं। डासन बड़ी ठंडी आंखों से उसे देख रहा था। उसने बीच में जूली को टोका नहीं, लेकिन जूली को लग रहा था कि वह उसकी हर बात को चैक करना चाहेगा।

जब बात थियो पर आयी तो डासन ने थोड़ा समर्थन किया।

"हां, वह बहुत खतरनाक है। वह पहले भी एक लड़की पर तेजाब छिड़क चुका है। वह घटना के समय खुद को दूसरी जगह साबित करने में सफल हो गया और वह मूर्ख लड़की उसकी शिनाख्त नहीं कर पायी...इसलिए वह बच गया। हम उस पर नजर रखेंगे। तुम भी उससे बचकर रहना।"

जूली कांप गयी।

"मिसेज फ्रेंच पर भी हमारी नजर है। उसके काम की वजह से बहुत से अमीर लोग उसे जानते हैं, लेकिन इस तरह की योजना बनाकर वह पहली बार काम कर रही है। कहीं कोई भूल नहीं होनी चाहिए, वर्ना वह सम्भल जायेगी। तुम आज रात उससे मिलोगी?"

"हां।"

"ठीक है! मैं उसके घर के बाहर एक आदमी लगा दूंगा, अगर कुछ गड़बड़ हो तो अपना पर्स या कुछ और खिड़की से बाहर फेंक देना। मैं तुम्हें डरा नहीं रहा हूं, लेकिन अगर वह गिरोह तुम पर शक करने लगा तो तुम्हारे साथ बहुत बुरा सलूक होगा।"

"मुझे पता है।" जूली बोली।

"अब मुझे सेफ दिखाओ।"

जूली उसे ब्लेंच के बेडरूम में ले आयी।

"मिस्टर और मिसेज वेजली के आपस में सम्बन्ध कैसे हैं?" अचानक डासन ने पूछा।

"मेरा ख्याल है...ठीक ही हैं।" जूली ने बड़ी सावधानी से कहा—"यह बात आप उनसे ही पूछें।"

"वह तो मुझे बतायेंगे नहीं।" वह मुस्कुराते हुए बोला—"छोड़ो इसे। सेफ कहां है?"

जूली ने बताया।

"इसे खोलकर दिखाओ। अलार्म बन्द कर देना। मैं नहीं चाहता कि मेरे साथी यहां जायें।"

जूली ने बेड के नीचे स्विच तलाश करके दबाया, बाथरूम में जाकर एक और स्विच दबाया, जूली ने पाइंटर तलाश किया और फिर एक झटके से सेफ खोल दी।

"अब?" डासन बोला।

जूली ने ऑटो इलैक्ट्रिक सैल पर पड़ने वाला प्रकाश बन्द कर दिया। वह अपनी निपुणता पर खुश हो रही थी।

डासन ने फर देखकर सीटी बजायी।

"ठीक है! अब इसे बन्द कर दो।" वह बोला।

जूली ने सेफ बन्द कर दी, अलार्म चालू कर दिया और फिर उसके पीछे लाउंज में आ गयी।

"तुम्हें यह पता करना है कि वह लोग चोरी कब करना चाहते हैं? तुम्हें चिंता नहीं करनी है, लेकिन थियो से सावधान रहना। ग्लेब साफ-सुथरा काम करता है, लेकिन थियो खतरनाक है।"

"मुझे पता है।" जूली बोली।

"और जब यह गिरोह खत्म हो जायेगा तो तुम क्या करोगी, जूली?"

"पता नहीं।"

"मिस्टर वेजली तुममें काफी दिलचस्पी ले रहे हैं। क्या वह तुम्हारे लिये कुछ

करेंगे?”

“मुझे पता नहीं। मैं भविष्य की चिन्ता नहीं कर रही हूं। मुझे कहीं-न-कहीं काम मिल ही जाता है।”

“उम्मीद है कि तुम बुरे काम फिर नहीं करोगी। हमेशा तुम्हें ऐसा अमीर और भला आदमी नहीं मिलेगा। ध्यान रखना।”

फिर वह चला गया।

¶¶

“वह आती ही होगी।” मिसेज फ्रेंच ने घड़ी देखते हुए कहा—“थियो उस पर नजर रख रहा है।”

हेरी एक पिन से दांत कुरेदने लगा।

“थियो अच्छा आदमी नहीं है।” वह बोला—“किसी दिन तुम पछताओगी कि तुमने उसे क्यों रखा था?”

“तुम हमेशा उसकी बुराई करते रहते हो।” मिसेज फ्रेंच बोली—“यह मुझे पसंद नहीं।”

“उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वह खतरनाक है।” हेरी बोला—“उसके पास दिमाग नहीं है। समस्या सुलझाने का उसे एक ही तरीका आता है। मारपीट। किसी दिन वह हत्या कर देगा और ऐसे में मैं उसके साथ नहीं होना चाहता।”

“तुम कायरों की-सी बातें करते हो।”

“पुलिस रिकार्ड में उसके फिंगर-प्रिंट्स मौजूद हैं, अगर उससे कोई भूल हो गयी तो वह बच नहीं पायेगा, फिर वह पुलिस को फौरन बयान दे देगा।”

“मैं जूली के बारे में सोच रही हूं, अगर हम उस पर नजर न रखें तो वह पुलिस को बयान दे सकती है।”

“इस काम के बाद मैं यह धंधा छोड़ दूंगा मां!” हेरी बोला—“सोच रहा हूं कि अमेरिका चला जाऊं।”

“क्यों?”

“इस काम से अच्छी आमदनी हो जायेगी, फिर इस धंधे की जरूरत नहीं रहेगी।”

“अभी काम हो तो नहीं गया है।”

तभी डाना अन्दर आ गयी।

"वह आयी नहीं?" डाना हेरी के बालों में उंगलियां फिराती हुई बोली—"क्यों हेरी, मुझे भूल गये क्या?"

हेरी ने अपना सिर पीछे कर लिया।

"बन्द करो यह।" वह बोला। उसने कंघा निकाला और बाल संवार लिये।

डाना ने अपनी मां को देखा।

"हेरी इस काम के बाद यह धंधा छोड़ रहा है।" मिसेज फ्रेंच ने कहा—"यह अमेरिका जाना चाहता है।"

"और मैं भी।" डाना बोली—"हम दोनों साथ चलेंगे। ठीक है न, हेरी?"

वह मुस्कुराया।

"अभी मैंने सोचा नहीं।"

तभी बाहर वाले दरवाजे पर दस्तक हुई।

"आ गयी।" डाना बोली—"मैं जानती हूं।"

बाहर जूली उसका इन्तजार कर रही थी।

"अन्दर आ जाओ।" डाना बोली।

जूली अन्दर आ गयी। उसके पीछे थियो भी अन्दर आ गया।

"हैलो, जूली!" वह जूली से बोला—"मैं तुम्हारा पीछा करता हुआ आ रहा हूं।"

डाना उन दोनों को अन्दर वाले ऑफिस में ले आयी।

"मैं तुम्हारे सपनों में आता रहा हूंगा, जूली।" थियो फिर बोला—"भयानक सपनों में।"

"बकवास बन्द करो, बन्दर!" हेरी उठता हुआ बोला। थियो ने उसे देखा और फिर बैठ गया।

"इस आदमी से कहो कि मुझसे दूर रहे।" वह मिसेज फ्रेंच से बोला—"मैं इससे परेशान आ गया हूं।"

"हैलो, जूली!" हेरी ने मुस्कुराने की कोशिश की—"आओ, मेरे पास बैठ जाओ।"

जूली ने उसकी तरफ पीठ कर ली।

"ठीक है!" थियो बोला—"इसके लात और मार दो।"

"तुम दोनों चुप रहो।" मिसेज फ्रेंच बोली—"तुम बैठो जूली! क्या तुम्हें पता चल गया कि सेफ कैसे खुलती है?"

"हां।"

"बताओ।"

जूली हेरी से दूर एक कुर्सी पर बैठ गयी।

"मैंने लिख लिया है। तुम इसे पढ़ लो।" जूली बोली। थियो आगे झुका।

"कुछ गड़बड़ हुई, तो पछताओगी।"

हेरी ने उल्टा हाथ थियो के चेहरे पर दे मारा। थियो कुर्सी समेत उलट गया। एक क्षण के लिए वह यूं ही पड़ा रहा और फिर उसे गालियां देने लगा। उसने हिप पाकेट से आटोमेटिक पिस्टल निकाल ली। हेरी इसके लिए पहले ही तैयार था। उसने पिस्टल में लात मारी जो दूर जा पड़ी। हेरी ने उसे उठाया और मेज पर रख दिया।

"मैंने तुम्हें चुप रहने के लिए कहा था।" हेरी बोला।

थियो धीरे-धीरे उठकर खड़ा हो गया, फिर वह खिड़की के पास दीवार पर फैल गया। उसकी खामोशी गुस्से के शब्दों से ज्यादा भयंकर लग रही थी।

मिसेज फ्रेंच ने पिस्टल उठाकर अपने पर्स में रख ली।

"मैंने तुम्हें कितनी बार कहा है, हथियार लेकर मत चला करो। हेरी, तुम्हारे पास भी कुछ है?"

"नहीं। मैं पिस्टल नहीं रखता और न कभी रखूंगा।"

"मैं तुमसे बाद में बात करूंगी।" वह थियो से बोली।

थियो ने कुछ नहीं कहा। वह छत की ओर देख रहा था।

जूली पिस्टल देखकर बुरी तरह डर गयी थी। मिसेज फ्रेंच उसकी ओर मुड़ी—"कागज कहां है?"

जूली ने एक कागज निकाला और मेज पर रख दिया।

मिसेज फ्रेंच उसे पढ़ने लगी। हेरी उसके पीछे पहुंच गया और झुककर पढ़ने लगा।

"दो अलार्म!" हेरी सीटी बजाता हुआ बोला—"मैं पहले ही कहता था कि वहां ऑटो इलैक्ट्रिक सैल होगा।"

मिसेज फ्रेंच ने जूली को तोलने वाली नजरों से देखा।

"तुम इसे खोल सकती हो?"

"हां।"

"तुम्हें यह सब कैसे पता चला?"

"मिसेज वेजली अपने एक दोस्त को सेफ खोलकर दिखा रही थीं। मैं कमरे में छिपी हुई थी।"

"ठीक है।" मिसेज फ्रेंच बोली—"आज बुधवार है। में इस सप्ताह के अन्त तक तैयार हो जाऊंगी। शनिवार को उनका क्या प्रोग्राम है? तुम्हें पता है?"

"शनिवार को मेरी छुट्टी कर दी जायेगी। मिसेज वेजली ने पहले ही कह दिया है।"

सबने उसे देखा...यहां तक कि थियो ने भी सिर उठाकर उसे देखा।

"क्यों?" मिसेज फ्रेंच बोली।

"वह मुझे पसन्द नहीं करती। बस।"

"काम होने तक तुम्हें वहीं रहना है।" मिसेज फ्रेंच बोली—"शुक्रवार ठीक रहेगा?"

"तुम मुझे इससे अलग क्यों नहीं कर देतीं?" जूली ने दिखावे के तौर पर प्रतिवाद किया—"मैंने तुम्हें बता दिया है कि सेफ कैसे खुलती है?"

" तुम वह करोगी, जो तुमसे कहा गया है। वैसे हम तुम्हारा ख्याल रखेंगे। हेरी अपना काम निबटाकर तुम्हें बांध देगा। जब पुलिस तुमसे पूछताछ करेगी तो तुम कहोगी कि तीन आदमी सामने वाले दरवाजे से आये थे और तुम्हें बांध गये। तुम कहोगी कि उनके चेहरे देखने का तुम्हें मौका नहीं मिला। हम इसके बदले तुम्हें पांच सौ पाउंड देंगे। समझ गयीं?"

"हां।"

मिसेज फ्रेंच हेरी की ओर मुड़ गयी।

"तुम जूली के साथ रहोगे और फर सेफ से निकालकर सर्विस लिफ्ट में रखवा दोगे। थियो नीचे मौजूद होगा। पिछली गली में एक कार होगी। फर नीचे भेजकर तुम जेवरात लोगे, जूली को बांध दोगे और लिफ्ट से नीचे आ जाओगे। सही समय बाद में

बता दिया जायेगा।” उसने जूली को देखा—“वेजली और उसकी पत्नी शक्रवार को कहीं बाहर होंगे?”

“हां! वे डिनर बाहर ही लेंगे और फिर थियेटर देखेंगे। मैंने उन्हें बातें करते हुए सुना था।”

“ठीक है।” मिसेज फ्रेंच ने हेरी की ओर देखा—“शुक्रवार की शाम को आठ बजे तय।”

“ठीक है।” हेरी बोला।

“कोई सवाल?” मिसेज फ्रेंच ने पूछा।

“काम खत्म होने के बाद मैं जूली को फ्लैट में नहीं छोड़ना चाहता।” हेरी बोला—“पुलिस समझ जायेगी कि यह अन्दर के किसी आदमी का काम है। क्या यह पुलिस वालों का मुकाबला कर पायेगी?”

“अगर यह अक्ल से काम लेगी तो कुछ नहीं होगा।”

“और अगर इसकी अक्ल जवाब दे गयी तो...?”

अचानक थियो उठकर बैठ गया।

“यह गलती नहीं कर पायेगी।” उसने कहा और फिर जोर-जोर से हंसने लगा।

“चुप रहो, मूर्ख!” मिसेज फ्रेंच ने मेज थपथपायी।

थियो की हंसी रुक गयी और वह जूली को देखने लगा।

“इसमें हंसने की क्या बात है?” हेरी ने पूछा।

“तुम देखना।” थियो बोला।

“उस पर ध्यान मत दो।” मिसेज फ्रेंच ने हेरी से कहा—“आज यह पागल हो गया है। तुम चिन्ता मत करो। हम ध्यान रखेंगे कि जूली हिम्मत न खोये।”

“तुम्हारा क्या ख्याल है, जूली?”

“मेरी चिन्ता मत करो।” जूली फुंफकारी—“तुमने ही मुझे इस काम में फंसाया है। अब तुम्हें मेरी क्या चिंता?”

हेरी शरमा गया।

“कुछ और?” उसने मिसेज फ्रेंच से कहा।

“अभी कुछ बारीक बातों पर बाद में सोचेंगे। अभी समय तय किया गया है।

शुक्रवार को शाम आठ बजे।”

“मैं जा रहा हूं।” हेरी दरवाजे की ओर बढ़ा।

“मैं भी चल रही हूं।” डाना बोली।

“मुझे किसी से मिलना है।” हेरी बोला—“शुभरात्रि।” फिर वह बाहर निकल गया।

जूली को बड़ी खुशी हुई। इसलिए नहीं कि उसे हेरी से कोई लगाव था...बल्कि इसलिये कि वह डाना का गर्व टूटता हुआ देखना चाहती थी।

जूली खड़ी हो गई—“मैं जाऊं?”

“हां।” मिसेज फ्रेंच बोली—“कोई चालाकी मत दिखाना, जूली! वर्ना तुम पछताओगी। थियो तुम पर नजर रख रहा है।”

जूली बाहर निकल आयी। वह खुश थी कि उसे चोरी का निश्चित समय पता चल गया था। अब शेष जिम्मेदारी पुलिस की थी

जब वह काफी दूर निकल आयी तो उसने पीछे मुड़कर देखा। हेरी आ रहा था।

जूली उससे दूर हटना चाहती थी, लेकिन हेरी ने आगे बढ़कर उसका हाथ पकड़ लिया।

“मुझसे नाराज मत हो, बेबी!” वह बोला—“इसमें मेरी गलती नहीं थी। थियो के जाने के बाद ही मुझे पता चला, वर्ना मैं उसे रोक देता।”

जूली ने हाथ छुड़ा लिया।

“यहां से चले जाओ। मैं तुमसे बात नहीं करना चाहती।”

“मेरी बात सुनो, बेबी! इस काम के बाद हम अमेरिका चले जायेंगे। मैं यह धन्धा छोड़ दूंगा। अब मुस्कुरा दो और कहो कि तुम मेरे साथ चलोगी।”

“मुझे तुमसे नफरत है। तुम घटिया किस्म के अपराधी से ज्यादा कुछ नहीं हो।”

फिर वह मुड़ी और चल पड़ी।

हेरी ने आगे बढ़कर उसका रास्ता रोक लिया।

“क्या बात है, जूली! तुम्हें मुझसे प्यार नहीं है, जो कुछ हुआ उसके लिए मुझे अफसोस है।”

“मैं तुम्हें कितनी बार बताऊं कि मैं अब तुमसे मिलना नहीं चाहती।”

"तुम अमेरिका नहीं जाना चाहतीं? मैं तुम्हें सारी दुनिया दिखा देना चाहता हूं। आओ, एक चुम्बन के साथ हम सब कुछ भुला दें।" हेरी ने कहा और आगे बढ़ा।

तभी जूली ने थप्पड़ मार दिया।

"अब मुझे जाने दो।" वह चिल्लायी और फिर सड़क पर दौड़ पड़ी।

हेरी स्तब्ध रह गया। उसके साथ ऐसा कभी नहीं हुआ था। यह उसके आत्म-विश्वास को एक बड़ा धक्का था। वह सोच रहा था कि अमीर घर के माहौल ने उसे चिड़चिड़ा कर दिया है। वहां से निकलकर वह ठीक हो जायेगी।

थियो नजदीक की एक दुकान से उन्हें देख रहा था। अब उसने गटर में थूक दिया।

¶¶

जूली वेजली के साथ ही थी और वेजली अब भी अंधे का अभिनय कर रहा था। ऐसे व्यक्ति के साथ निकलना अपने आपमें एक अजीब बात थी, अगर वास्तव में अंधा होता तो कोई बात नहीं थी, लेकिन जब उसकी आंखें होते हुए भी लोग उसके रास्ते से हट जाते या उसकी मदद के लिए आगे बढ़ते तो जूली को बड़ी उलझन होती।

उन्होंने दो फ्लैट देखे। इनमें से एक बर्कले स्ट्रीट पर था और दूसरा कींगो स्ट्रीट पर।

जूली को कींगो स्ट्रीट वाला फ्लैट अच्छा लगा। उसके बेडरूम की छत में तारे बने हुए थे।

"अगर तुम्हें अच्छा लगता है तो ठीक है।" वेजली बोला—"लेकिन मुझे यह पसंद नहीं आया, इसमें कोई वेश्या ही रह सकती है।"

"मुझे यही चाहिये।" जूली बोली।

"मुझे कोई ऐतराज नहीं।"

वेजली ने एजेंट से बात करके चाबी जूली को दी। फिर वह बोला—

"उम्मीद है, अब तुम बहुत खुश होंगी।"

फिर वेजली उसके लिए कपड़े खरीदने लगा।

जूली कपड़ों को देखकर चौंक पड़ी। ये बहुत सुन्दर और कीमती थे। वैसे ही जैसे ब्लेंच पहना करती थी। यही नहीं, बल्कि वेजली ने उसे एक फर वाला कोट भी दिलवाया। जूली को कम-से-कम यह उम्मीद नहीं थी। वह कोट फौरन पहनना चाहती थी, लेकिन वेजली ने दुकानदार से कहा कि वह कोट तथा कपड़े शनिवार को कींगो स्ट्रीट पर भिजवा दे।

बाहर निकलकर वह बोला—"अब मैं फैक्ट्री जा रहा हूं। उम्मीद है तुम्हारा वक्त अच्छा गुजरा होगा।"

जूली जानती थी कि जब कोई मर्द किसी औरत को फर के कोट जैसा उपहार देता है तो वह बदले में कुछ चाहता है। वह देने के लिए तैयार थी।

"तुम मेरे फ्लैट नहीं चलोगे, हावर्ड?" वह बोली। उसकी आंखों में एक निमंत्रण था।

वेजली ने मुस्कुराते हुए उसका हाथ थपथपाया।

"अभी नहीं, जूली! मुझे काम करना है। अलविदा।"

उसने जल्दी से टैक्सी ली और उसे वहीं छोड़कर चला गया। जूली जाती हुई टैक्सी को आंखें फाड़े हुए देखती रही।

"ठीक है...।" उसने सोचा—"अगली बार यह मूड में होगा तो मैं नहीं हूंगी।"

सादे कपड़ों में एक पुलिस वाला सारा दिन उनका पीछा करता रहा था। वेजली को जाते हुए देखकर उसने राहत की सांस ली। वह बहुत थक गया था। अब वह हैडक्वार्टर जाकर रिपोर्ट देना चाहता था।

जूली उससे बेखबर थी। यह पिकाडेली की ओर बढ़ गई। शाम अभी बाकी थी और वह मनाना चाहती थी।

¶¶

हर्लेक्विन क्लब में दिन या रात में किसी भी समय शराब पी जा सकती थी...बशर्ते कि कोई तीन गुनी कीमत देने के लिये तैयार हो।

हेरी ग्लेब, मिसेज फ्रेंच के ऑफिस से अभी लौटा था और पीना चाहता था। चोरी की योजना के बारे में विस्तार से बात हो चुकी थी। फिर वह मिसेज फ्रेंच और थियो को कहीं छोड़कर चला आया था, जो यह सलाह कर रहे थे कि कार किस तरह की इस्तेमाल की जानी चाहिए?

इस समय बार में केवल दो वेश्याएं थीं, जो व्हिस्की पी रही थीं और एक कोने में एक बूढ़ा जो अखबार पढ़ रहा था और जिसके सामने जिन का गिलास रखा हुआ था। इस समय साढ़े चार बजे थे।

बारमैन हेरी को देखकर खिल पड़ा। वह वेश्याओं से बात करने से उकता गया था, उसे लगा कि हेरी ज्यादा दिलचस्प साबित हो सकता है, लेकिन हेरी गपशप के मूड में नहीं था। उसने डबल व्हिस्की का आर्डर दिया और बारमैन से दूर खिड़की के पास वाली मेज पर जा बैठा।

वह जूली के बारे में सोच रहा था। सारी रात वह उसके बारे में सोचता रहा था। उसे जूली से इतना प्यार हो गया था, जितना कभी किसी से नहीं हुआ था।

वह सोच रहा था कि जूली को मुसीबत में फंसाने वाला वह खुद है, अगर वह उसे उस योजना में शामिल न करता तो वह उसे आसानी से अमेरिका ले जा सकता था।

अब उसे फिर मनाना होगा। चोरी के बाद पुलिस उस पर नजर रखना शुरू कर देगी, इसलिए बेहतर यह रहेगा कि उसे साथ ले लिया जाये और कुछ दिन तक पुलिस से छिपाकर रखा जाये, लेकिन क्या वह साथ आने के लिए तैयार हो जायेगी?

तभी उसे याद आया कि आज उसकी छुट्टी है। उसे लगा कि वह जरूर बाजार में घूम रही होगी और कीमती चीजों को देख रही होगी।

बारमैन की तरफ गर्दन हिलाते हुए वह बाहर निकल आया और पिकाडेली पहुंचकर पार्क लेन की तरफ चल पड़ा। बर्कले होटल के सामने से होकर जब वह गुजर रहा था तो उसे जूली दिखाई दे गयी, जो सड़क के दूसरी ओर थी।

हेरी सोच रहा था कि इससे पहले उसने किसी लड़की का इस तरह से पीछा नहीं किया। प्यार भी क्या से क्या कर देता है?

ट्रेफिक हल्का होते ही उसने सड़क पार कर ली और उसके पीछे-पीछे चलने लगा।

सादे कपड़ों वाला पुलिस वाला जो जूली का पीछा करते-करते थक गया था, हेरी को देखते ही पहचान गया।

हेरी का ध्यान जूली पर केन्द्रित था। वह उसे नहीं देख पाया।

"हैलो, बेबी!" वह बोला—"मैं तुमसे बात करना चाहता हूं। हमारी योजना में थोड़ी फेर-बदल हो गयी है।"

जूली ने उसे देखा।

"मैं तुमसे बात नहीं करना चाहती।"

हेरी ने उसका हाथ पकड़ लिया।

"मैं काम के बारे में बातें करना चाहता हूं। थोड़ी दूर पर ही एक क्लब है। हम वहीं बात कर लेंगे।"

जूली ने सोचा कि अगर वाकई योजना में फेर-बदल हुई है तो यह सूचना वेजली के लिए काम की साबित हो सकती है। वह सहमत हो गई।

हर्लेक्विन क्लब एकदम खाली था। यहां पहुंचने के बाद ही हेरी बोला—"क्या

पियोगी?"

"कुछ नहीं। मैं तुमसे कुछ नहीं चाहती।"

हेरी ने बुरा-सा मुंह बनाया और बार काउंटर से एक डबल व्हिस्की लेकर उसके पास आकर बैठ गया।

"जूली, तुम मुझसे अब भी नाराज हो?" वह बोला—"मैं जानता हूं कि यह काम करके हमने गलती की है, लेकिन अब पीछे नहीं हटा जा सकता।"

"तुम काम की बात कर रहे थे—कुछ कहना है, कहो और मुझे जाने दो।"

हेरी ने उसकी आंखों में देखा। उसे लगा कि अब जूली को उससे जरा भी प्यार नहीं है।

"काम की बात यह है कि काम के बाद मैं तुम्हें वहां नहीं छोड़ना चाहता। मैं चाहता हूं कि तुम मेरे साथ आ जाओ। कुछ दिन हम छिपे रहेंगे और फिर बोट से अमेरिका पहुंच जायेंगे। वहां रहना तुम्हारे लिए सुरक्षित नहीं।"

जूली ने उसे यूं देखा जैसे वह पागल हो गया हो।

"मुझे वहां डर नहीं लग रहा है और जैसा कि मैंने कल भी बताया था, मैं तुम्हारे साथ अमेरिका नहीं जाऊंगी।"

"देखो जूली! मैंने तुम्हें इस मुसीबत में फंसाया है। मैं ही तुम्हें इससे बाहर निकालना चाहता हूं। मुझे तुमसे प्यार है बेबी! अगर तुम वहीं रह गयीं तो पुलिस वाले तुम्हें परेशान कर देंगे। उन्हें पता चल जायेगा कि तुम हेवार्ट के यहां काम करती थीं। तब वे तुम्हें किसी भी मामले में फंसा देंगे, अगर ऐसा न भी हुआ तो इसके बात तुम क्या करोगी? इस काम के बाद मेरे पास खूब पैसा होगा। मैं तुम्हें सब कुछ दे सकता हूं। जूली, मैं तुमसे इतना प्यार करता हूं कि मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकता।"

उसके शब्द नहीं बल्कि उसका अन्दाज ऐसा था कि जूली को प्रभावित किये बिना न रह सका। उसे लगा कि वह उसके साथ विश्वासघात करने जा रही है और वह बहुत जल्दी पुलिस के हाथों में होगा। वह उसे सच्चाई बताने ही वाली थी कि थियो के विचार ने उसे रोक दिया।

"नहीं।" वह बोली—"मैं तुम्हारे साथ नहीं जा सकती, लेकिन हेरी, मैं तुम्हें चेतावनी देना चाहती हूं। यह काम मत करो। तुम इस योजना में सफल नहीं हो सकते। कृपया...कृपया तुम यह इरादा छोड़ दो।"

इससे पहले कि वह उसे रोक पाता, जूली उठी और दरवाजे की ओर लपक गयी। हेरी ने दौड़कर उसे रोका।

"जूली! तुम क्या कहना चाहती हो? कहीं तुमने किसी को कुछ बता तो नहीं

दिया?"

"नहीं। मुझे डर लग रहा है। यह काम बहुत खतरनाक है। मुझे लगता है कि तुम सफल नहीं हो पाओगे। मुझे जाने दो।"

"हैलो, मिस!" बाहर से आवाज आई—"क्या यह आदमी तुम्हें तंग कर रहा है?"

दोनों ने उधर देखा। हेरी उसे पहचान गया। वह सादे कपड़ों में जरूर था, लेकिन था पुलिस वाला ही। हेरी ने जूली का हाथ छोड़ दिया।

"कोई बात नहीं है।" जूली बोली, फिर वह चल पड़ी।

"अब बस करो।" पुलिस वाला बोला—"वर्ना फिर तुम्हें पुलिस स्टेशन चलना होगा।"

हेरी वापस क्लब में चला गया।

¶¶

उधर मिसेज फ्रेंच और थियो योजना पर अंतिम विचार-विमर्श कर रहे थे।

मिसेज फ्रेंच ने कार का इन्तजाम पहले ही सोच लिया था। अब वह खिड़की से बाहर देख रही थी और कुछ सोच रही थी, फिर अचानक वह बोली—

"क्या कोई और बात रह गई है?"

थियो मुस्कुराया।

"जूली!" वह पैर फैलाता हुआ बोला—"हेरी को उससे प्यार हो गया है।"

"मैं सोच रही हूं कि कहीं वह कुछ बता न दे, अगर उसने मुंह खोल दिया...।"

"मैं उसका इन्तजाम कर दूंगा।"

"क्या?"

"हेरी सेफ से फर निकालकर सर्विस लिफ्ट में रखकर मेरे पास भेज देगा, फिर वह जूली को बांधकर और उसे वहीं छोड़ जायेगा। मैं फर कार में रख दूंगा, लेकिन कार डाना चला रही होगी, मैं नहीं। समझीं।"

मिसेज फ्रेंच सब समझ गयी, लेकिन उसने प्रकट नहीं किया।

"मैं इस योजना में डाना को शामिल नहीं करना चाहती।"

"तुम समझतीं क्यों नहीं? मुझे जूली का इन्तजाम करना है।" थियो बोला।

"कैसे?"

"मैं सर्विस लिफ्ट से ऊपर चला जाऊंगा और हेरी के निकलने का इन्तजार करूंगा। जब वह बाहर निकल जायेगा तो, मैं अन्दर जाकर जूली को खोलूंगा और उसे सेफ में धक्का दे दूंगा। जब सेफ खुलेगी और कोई उसे देखेगा तो यही समझेगा कि वह अपनी गलती से वहां फंस गयी है।"

"यह तो हत्या हुई, थियो!"

"दुर्घटना! मेरा मतलब है कि लोग इसे दुर्घटना ही कहेंगे।"

"उसका मुंह बन्द करने का यही तरीका है। लेकिन थियो, मैं कत्ल पसन्द नहीं करती।"

थियो ने अपना हैट उतारा और उसके अन्दर से एक मुड़ा-तुड़ा सिगरेट का पैकेट निकाला। उसमें से उसने एक सिगरेट छांटी...जिस पर दूसरी सिगरेटों के मुकाबले कम तेल लगा हुआ था। उसने उसे सुलगाया और हैट फिर से लगा लिया।

"इस काम से होने वाली आमदनी का मैं भरपूर आनन्द लेना चाहता हूं।" वह बोला—"अगर उसने मुंह खोल दिया तो अच्छा नहीं होगा। तुम और डाना भी सुरक्षित नहीं रह पाओगी।"

"और हेरी भी नहीं।" मिसेज फ्रेंच बोली।

"मुझे उसकी परवाह नहीं है। मैं उससे बदला लेना चाहता हूं।" उसने गाली देते हुए कहा।

"मैं इतनी गन्दी भाषा सुनने की आदी नहीं हूं।"

"मुझे अफसोस है।"

कुछ देर की खामोशी के बाद वह फिर बोली—

"हेरी अमेरिका जा रहा है।"

"जाने दो। हम लड़की की बात कर रहे हैं।" थियो बोला।

"मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहती।" मिसेज फ्रेंच ने कहा—"तुम्हें पन्द्रह सौ पाउंड ज्यादा मिल जायेंगे।"

थियो खुश हो गया।

"दो हजार।" वह बोला।

"चलो ठीक है।"

"और डाना कार चलायेगी।" थियो बोला।

"मैं इस पर सोचूंगी।"

उसके जाने के बाद डाना आ गई।

"पूरी योजना बन गई?" वह बोली।

"हां।"

"मुझे जूली की चिन्ता है।"

"चिंता मत करो। तुम्हें कार चलानी होगी।"

"क्यों? थियो नहीं चलायेगा?"

"थियो को कुछ जरूरी काम है। मुझे पता नहीं, वह क्या है। लेकिन मैं पूछना भी नहीं चाहती।"

डाना ने उसे देखा।

"मां, कहीं तुम...।"

"चुप।" मिसेज फ्रेंच ने कहा और खिड़की की ओर मुड़ गई।

¶¶

अगली सुबह डिटेक्टिव इन्सपेक्टर डासन अपने ऑफिस में था कि वेजली वहां पहुंच गया।

"उम्मीद है आपने सब तैयारियां कर ली होंगी।" वेजली बोला।

"जी हां।" डासन उसे ध्यान से देखता हुआ बोला—"सब प्रबन्ध कर लिये गये हैं। कोई परेशानी नहीं होगी।"

डासन सोच रहा था कि वेजली जूली के साथ क्यों घूमता फिरता है? इतने अमीर लोगों को सुन्दर और सभ्य लड़कियों की कमी नहीं थी; जबकि जूली तो सभ्य भी नहीं कही जा सकती थी। उनका पीछा करने वाले व्यक्ति की रिपोर्ट देखकर डासन चौंका था, लेकिन उसने सोच लिया था कि उसे इससे कोई मतलब नहीं।

"आपको मैदान साफ मिलेगा।" वेजली बोला—"मैं अपनी पत्नी के साथ थियेटर जाऊंगा। मैं आमतौर से थियेटर नहीं जाता हूं, लेकिन अपनी पत्नी को वहां से अलग रखने के लिए यह जरूरी है, अगर उसे पता चल गया कि फ्लैट में क्या होने वाला है तो वह वहीं रुकना चाहेगी और इससे परेशानियां पैदा हो जायेंगी...मिस हालैंड को तो कोई कष्ट नहीं होगा न?"

"बिल्कुल नहीं!" डासन बोला—"वह कहती है कि चोरी के बाद वे उसे बांध देना

चाहते हैं। हम वहीं होंगे और उसे केवल चिल्लाना होगा।"

"आपके साथी कहां-कहां होंगे?"

"दो हॉल में, दो पिछली गली में, दो फ्लैट के बाहर, दो छत पर। जैसे ही हमें पता चलेगा कि वे अन्दर पहुंच गये हैं हम इमारत के चारों ओर घेरा डाल देंगे।"

वेजली खड़ा हो गया।

"आप थियेटर का शो खत्म होने के बाद ही मुझसे सम्पर्क कर सकते हैं। हम 'हिप्पोड्रोम' जायेंगे, लेकिन मैं नहीं समझता कि तुम्हें मेरी जरूरत होगी। इंटरवल में मैं आपको फोन कर लूंगा। यह लगभग आठ चालीस पर होगा। ठीक है?"

"हां।" डासन बोला—"लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है।"

"धन्यवाद!" वेजली बोला—"बस, ध्यान रहे कि वे निकलने न पायें।"

"सवाल ही नहीं उठता।"

"शायद आप मिस हालैंड की गवाही चाहेंगे।" वेजली बोला—"मैं चाहता हूं कि अगर इसके बिना ही काम चल जाये तो बेहतर है।"

"इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी।"

"इसमें मुझे कोई ऐतराज नहीं।" वेजली बोला—"दरअसल मैं उस लड़की को नयी जिंदगी देना चाहता हूं, अगर बात फैल गयी कि उसकी सूचना पर ही चोरों को पकड़ा गया है तो उसके पुराने साथी उसे परेशान कर सकते हैं।"

"अगर कोई मजबूरी न हुई तो उसकी गवाही नहीं ली जायेगी श्रीमान!" डासन बोला।

"इसके अलावा मैं यह भी चाहता हूं कि इस काम के बाद आप उसे परेशान न करें। मैं उसमें दिलचस्पी ले रहा हूं। आप जानते हैं कि मैं एक मामूली इन्सान नहीं हूं इसलिये...।"

"इससे हमें कोई मतलब नहीं।" डासन बोला।

"तो ठीक है। भविष्य में मैं यह पसन्द नहीं करूंगा कि आप मेरा पीछा करवायें, अगर ऐसा हुआ तो मैं कानूनी कार्यवाही करूंगा।"

इसका मतलब था कि जूली ने उसे देख लिया है—डासन ने सोचा।

"मैं माफी चाहता हूं, श्रीमान!" वह बोला—"मिस हालैंड को पुलिस सुरक्षा की जरूरत थी, इसलिये उस आदमी को भेजा गया था। हमें पता नहीं था कि वहां कुछ ऐसा होगा, जो हमारा मामला नहीं है।"

"अगली बार जब आपका आदमी मुझे और जूली को इकट्ठा देखे तो वह वहां से चला जाये। ठीक है?"

"आज के बाद पीछा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।"

"ठीक है!" वेजली मुस्कुराया—"मैं आज शाम किसी समय आपको फोन करूंगा। आप किसी से कहें कि वह मुझे टैक्सी तक पहुंचा दे।"

उसके जाने के बाद डासन ने अपने बालों में उंगलियां फिरायीं। वह अंधा है और अमीर है, अगर वह किसी लड़की से आनन्द लेना चाहता है तो मुझे क्या?

वह अपने काम में लग गया।

¶¶

जूली कमरे में चहलकदमी कर रही थी। सात बजने में कुछ मिनट थे। एक घण्टे बाद हेरी आने वाला था। यह समय काटे नहीं कट रहा था। वह हेरी को बचाना चाहती थी, लेकिन उसे पता था कि अगर ऐसा किया तो थियो उसके पीछे पड़ जायेगा और उसके चेहरे पर तेजाब डाल देगा। साथ ही यह बात वेजली को भी अच्छी नहीं लगेगी। वेजली उसे रिश्वत दे रहा था...चुप रहने के लिये। यह स्पष्ट था उसे जूली से हेरी की तरह प्यार नहीं था। यही सोचकर वह अभी तक फैसला नहीं कर पायी थी कि क्या करे?

दरवाजे पर दस्तक हुई तो वह चौंक पड़ी।

वेजली अन्दर आ गया। काले चश्मे के बावजूद वह सुन्दर लग रहा था।

उसने धीरे से दरवाजा बंद किया और मुस्कुराया।

"डर लग रहा है, जूली?" वह बोला।

उसने स्वीकृति में गर्दन हिलायी।

"तुम्हारा काम जल्दी खत्म हो जायेगा। मैं इस बीच तुम्हारे साथ रहना चाहता था, लेकिन मजबूरी है। एक बार जब तुम इन लोगों से आजाद हो जाओगी तो तुम नयी जिंदगी शुरू कर सकती हो। मैं इसमें खुशियां भरने की कोशिश करूंगा।"

"मैं...हेरी के बारे में सोच रही हूं। वह कल मुझे मिला था। वह अमेरिका जाना चाहता है....और साथ में मुझे ले जाना चाहता है। वह मुझसे प्यार करता है।"

वेजली का चेहरा भावहीन था। वह बोला—

"शायद तुम इसलिये परेशान हो कि उसे पुलिस पकड़ कर ले जायेगी। है न? लेकिन ग्लेब जैसा आदमी तुम्हें खुशियां नहीं दे सकता। कभी-न-कभी वह कहीं फंस ही जायेगा....और तब तुम भी परेशान हो जाओगी। तुम्हें अपने बारे में भी सोचना चाहिये।"

“हां।” जूली बोली—“लेकिन उसके साथ धोखा करना बहुत बुरा लगता है, जो हमें प्यार करता है। काश, मैंने उसे चेतावनी दे दी होती, अगर थियो न होता...।”

कुछ देर तक वेजली ने कुछ नहीं कहा। फिर वह बोला—

“में तुम्हारे लिए कुछ लाया हूं। यह देखो।”

जूली ने देखा। उसके हाथ में चेक बुक थी।

“मैंने तुम्हारा खाता खुलवा दिया है और इसमें ढाई सौ पाउंड जमा करवा दिये हैं। हर तीन महीने बाद मैं इतनी ही रकम जमा करवाता रहूंगा। तुम कल बैंक जाकर अपने हस्ताक्षर उन्हें दे देना। फिर तुम कभी भी पैसा निकाल सकती हो।”

अचानक जूली हेरी को भूल गयी। वह हमेशा के लिये बैंक में खाता रखना चाहती थी।

“दो सौ पचास पाउंड?” वह चेक बुक लेती हुई बोली—“मेरे लिये?”

“मैंने तुम्हें एक हजार पाउंड वार्षिक देने की बात कही थी। यह उसकी शुरुआत है।”

“ओह!” वह बोली—“यह मेरी खामोशी की कीमत है। है न?”

“यही समझ लो, अगर तुम वह सब रखना चाहती हो, जो मैं तुम्हें दे रहा हूं तो तुम्हें मेरा राज छिपाना होगा।

अगर तुमने किसी को यह बता दिया तो न तुम्हारे पास फ्लैट रहेगा और न तुम्हें रकम मिलेगी। इसलिए नहीं कि मैं तुमसे ये चीजें ले लूंगा—बल्कि इसलिये कि मैं इस काबिल नहीं रहूंगा कि तुम्हें यह सब दे सकूं। मैं तुम्हें इससे ज्यादा कुछ नहीं बता सकता। तो अगर तुम्हें ये चीजें चाहियें तो तुम्हें चुप रहना होगा।”

“मैं चुप रहूंगी।” जूली ने चेक बुक मजबूती से पकड़ते हुए कहा।

“जहां तक हेरी ग्लेब का सम्बन्ध है...।” वह आगे बोला—“अगर उस समय तुमने कमजोरी दिखायी तो बाद में पछताओगी। अब मैं जा रहा हूं। डरना मत। तुम सफल हो जाओगी।”

एक बार हेरी ने उससे कहा था कि पैसा बहुत बड़ी ताकत है और इसे जैसे भी हो, हासिल कर लेना चाहिये और जिंदगी को रंगीन कर लेना चाहिये। खुद उसका भी यही सिद्धान्त था।

“मैं सफल हो जाऊंगी।” उसने कहा।

लेकिन जैसे ही वेजली गया, वह फिर से डर के अन्धेरे में खो गई। अभी हेरी को

आने में चालीस मिनट शेष थे। वह अपने कमरे में बैठी रही और वक्त गुजरने का इन्तजार करती रही। वह हर आहट पर उछल पड़ती थी।

लेकिन इस दशा में अकेली वह ही नहीं थी। ग्लेब और थियो की भी वही दशा थी, जो पार्क में झाड़ियों के बीच में बैठे हुये थे और पार्क के दरवाजे को देख रहे थे।

हेरी की उंगलियों में सिगरेट दबी हुई थी और उसका जलता हुआ सिरा हथेली के पीछे छिपा हुआ था। बार-बार वह पहलू बदल लेता था।

थियो कुछ शान्त नजर आ रहा था।

"क्या वक्त हो गया?" अचानक हेरी ने पूछा।

"सात बचकर बीस मिनट।" थियो घड़ी देखता हुआ बोला।

"ऐसा तो नहीं कि वे जा चुके हों और हमने देखा न हो?"

"जल्दी क्या है?" थियो बोला। उसकी आंखों में अब भी नफरत थी—"आठ बजे से पहले हमें कुछ नहीं करना है।"

"पता नहीं मां ने डाना को बीच में क्यों खींच लिया? यह काम हम दोनों भी कर सकते थे।" हेरी बुदबुदाया।

थियो अन्धेरे में मुस्कुरा दिया।

"मां ने ठीक ही किया।" थियो बोला—"अगर कार गली में देर तक रहती तो किसी को भी शक हो सकता था। अब मेरा काम इतना है कि लिफ्ट में से फर लेकर कार में डाल देने हैं। वह फौरन आयेगी और फौरन चली जायेगी।"

हेरी को योजना की यह फेर-बदल अच्छी नहीं लगी।

"वे आ रहे हैं।" अचानक थियो बोला।

ब्लेंच और वेजली बाहर निकल रहे थे। फिर वे टैक्सी में बैठ गये।

हेरी और थियो तब तक उधर देखते रहे जब तक टैक्सी की लाइट नजर आती रही।

फिर हेरी ने एक और सिगरेट सुलगा ली।

कुछ देर बाद थियो ने फिर घड़ी देखी।

"अब मैं चलता हूं।" वह बोला—"पांच मिनट बाद तुम आ जाना। जेल में मुलाकात होगी।"

फिर वह अन्धेरे में गायब हो गया।

हेरी के चेहरे पर सख्ती आ गई। उसे इस समय यह मजाक अच्छा नहीं लगा था।

उसने उंगलियों में उंगलियां फंसा लीं और वक्त का इंतजार करने लगा। वह सोच रहा था कि फर लेने के बाद वह जूली को भी अपने साथ ले लेगा, चाहे वह कितना ही विरोध करे।

जब उसे लगा कि थियो इमारत के पीछे वाली गली में पहुंच गया होगा तो वह चल पड़ा। उसका दिल जोरों से धड़क रहा था।

अगर उसे यह पता होता कि डासन अपने दो साथियों के साथ उसे देख रहा है और धीरे-धीरे उसके पीछे चल पड़ा है तो उसे ज्यादा चिंता होती।

हेरी इमारत में प्रविष्ट हुआ और सीधा पोर्टर के कमरे में चला गया।

"मिसेज ग्रेगरी का एपार्टमेंट किधर है?" उसने पूछा। यह नाम उसे जूली ने बताया था, जो उसने अपने मन में सुरक्षित कर लिया था।

"मिसेज ग्रेगरी?" पोर्टर बोला—"सबसे ऊपर वाली मंजिल पर। दायीं ओर वाली लिफ्ट से जाइये। पता नहीं, वह अपने एपार्टमेंट में है या नहीं। मैं पता करूं?"

हेरी ने अपनी नाक साफ करने जैसी आवाज की। वह चेहरे पर रुमाल ढके हुए था, ताकि पोर्टर उसका चेहरा अच्छी तरह से न देख सके।

"वह मेरा इन्तजार कर रही है।" हेरी बोला—"धन्यवाद!"

जल्दी से वह बाहर निकला और लिफ्ट में पहुंच गया। उसने बटन दबा दिया।

पता नहीं क्यों, उसे लग रहा था कि कोई उसका पीछा कर रहा है। जबकि लॉबी में कोई भी नहीं था।

सबसे ऊपर वाली मंजिल पर पहुंचकर वह जीने से नीचे उतर आया। वह वेजली वाली मंजिल पर था।

उसने कॉलबैल बजायी।

कुछ देर बाद जूली ने दरवाजा खोला। उसका चेहरा एकदम सफेद था और आंखें डर से फैली हुई थीं।

"ठीक है, जूली!" वह बोला—"काम शुरू करते हैं।"

दोनों अन्दर पहुंच गये, लेकिन जूली उसे घूरने के अलावा कुछ नहीं कर रही थी। वह हेरी के चेहरे पर बहता हुआ पसीना देख रही थी।

"हेरी।" वह बोली—"कृपया अब भी इरादा छोड़ दो।"

हेरी ने उसका हाथ पकड़ा और ब्लेंच के कमरे की ओर चल पड़ा।

"जल्दी से सेफ खोलो, बेबी! देर मत करो।"

"हेरी, तुम यहां क्यों आ गये? मैंने तुम्हें मना किया था।" वह लगभग चिल्लाती हुई बोली।

"ईश्वर के लिए बातों में वक्त खराब मत करो।" हेरी बोला—"जल्दी से सेफ खोल दो।"

"लेकिन हेरी...।"

"बाहर निकलकर बात करेंगे।" वह खुद पर मुश्किल से नियंत्रण करता हुआ बोला—"अलार्म बन्द कर दो।"

तब तक वे ब्लेंच के कमरे में पहुंच चुके थे।

जूली सोच रही थी कि अगर वह फर न ले जाये तो पुलिस उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकेगी। वह कह देगी कि हेरी उससे मिलने आया था।

"सुनो हेरी, कृपया यहां से कुछ मत लो और चले जाओ तो मैं तुम्हारे साथ चलने के लिए तैयार हूं।"

हेरी ने काम के वक्त इतना वक्त बर्बाद कभी नहीं किया था, वह चिल्ला पडा—"जल्दी से अलार्म बन्द कर दो और बकवास मत करो।"

"हेरी, तुम समझ नहीं रहे हो...।"

हेरी ने उसका हाथ पकड़ा और उसके चेहरे पर भरपूर थप्पड़ जमा दिया।

"मैं कहता हूं, सेफ खोलो!"

जूली समझ गयी कि वह खुद डरा हुआ है, इसलिए उसने यह हरकत की है, लेकिन इस पर भी वह उसे माफ नहीं कर सकती थी

"ठीक है।" वह बोली—"फिर यह मत कहना कि मैंने चेतावनी नहीं दी थी।"

"जल्दी करो।"

जूली मशीन की तरह काम करने लगी।

जब सेफ खुल गयी तो हेरी ने फर देखे। फिर जूली ने ऑटो इलैक्ट्रिक सैल पर पड़ने वाला प्रकाश बन्द कर दिया तो हेरी सेफ में प्रविष्ट हो गया और फर उतार-उतार

कर बाहर ले जाकर सर्विस लिफ्ट में रखने लगा। उसे कई बार यह काम करना पड़ा।

जूली एक कुर्सी पर बैठी हुई उसे देख रही थी और सोच रही थी कि कुछ ही क्षणों में हेरी पुलिस के हाथों में होगा।

फिर कुछ ऐसा हुआ कि जिसने उसे कंपकपा कर रख दिया।

किसी के चीखने और फिर गोली चलने की आवाज आयी थी।

जूली उठकर दरवाजे से बाहर झांकने लगी।

सामने वाला दरवाजा खुला हुआ था। उससे लगभग एक गज के फासले पर हेरी खड़ा हुआ था। उसके पैरों के पास ब्लेंच की लाश पड़ी थी और नजदीक ही एक ऑटोमैटिक पिस्टल पड़ी हुई थी। जिसमें से धुआं निकल रहा था। हेरी लाश को देख रहा था।

"हेरी!" जूली चिल्लाई।

हेरी के निश्चल शरीर में कुछ हरकत हुई और उसने जल्दी से दरवाजा बन्द करके बोल्ट कर दिया।

ब्लेंच के चेहरे से खून बह रहा था। जूली अचानक चिल्ला पड़ी।

मुख्य दरवाजे पर किसी ने धक्का मारा, लेकिन वह नहीं खुला। हेरी जूली के पास आ गया।

"तुमने उसे मार दिया।" वह पीछे हटती हुई बोली—"मुझसे दूर रहो।"

"नहीं जूली! यह काम मेरा नहीं है। मैं किचिन में था। मैंने जिंदगी में कभी अपने पास हथियार नहीं रखा। तुम पुलिस को बताओगी कि यह काम मेरा नहीं है।"

तभी दरवाजा खुल गया और तीन पुलिस ऑफिसर अन्दर आ गये। हेरी किचिन की ओर लपका, लेकिन उसे फौरन पकड़ लिया गया।

जूली ने हेरी को कहते सुना—

"मैंने खून नहीं किया! मैं कसम खाकर कहता हूं, यह काम मेरा नहीं है। यह पिस्टल मेरी नहीं है।"

इसके बाद जूली को होश नहीं रहा।

¶¶

थियो सर्विस लिफ्ट में था, जब उसने गोली की आवाज सुनी। उसने फौरन ब्रेक लगा दिये। हेरी ने जो दरवाजा खुला छोड़ा था, उससे लिफ्ट कुछ ही फुट के फासले

पर थी। यहां से किचिन की छत दिखायी दे रही थी।

उसे जूली की चीख और फ्लैट का दरवाजा जबरदस्ती खोले जाने की आवाज आयी। थियो को लगा कि कहीं कुछ गड़बड़ हो गयी है।

लिफ्ट नीचे से रस्सी खींचे जाने पर हरकत करती थी। लिफ्ट के अन्दर से रस्सी खींचकर भी इसे ऊपर-नीचे किया जा सकता था। हालांकि यह एक मुश्किल काम था।

वह इसे हाथ से चलाते हुए ऊपर पहुंच रहा था क्योंकि उसे जूली को खामोश करना था, लेकिन अब जबकि वह मंजिल से कुछ ही फुट की दूरी पर रह गया था तो यह हो गया।

फिर उसे हेरी की आवाज सुनाई दी—

"मैंने खून नहीं किया। मैं कसम खाकर कहता हूं कि यह काम मेरा नहीं है।"

किसी के गोली लगी है, थियो ने सोचा, अब मुझे यहां से निकल जाना चाहिये।

उसे डर था कि कोई उसे देख न ले। इसलिए वह जल्दी से नीचे पहुंचना चाहता था। उसने रस्सी पर पकड़ मजबूत किये बिना ब्रेक छोड़ दिये।

अचानक लिफ्ट नीचे की ओर यूं जाने लगी जैसे ऊपर से कोई पत्थर फेंक दिया हो।

थियो चिल्ला पड़ा।

तभी लिफ्ट नीचे पहुंची और टूटकर बिखर गयी।

पिछली गली में खड़े हुए दो पुलिस वालों ने उधर देखा। एक व्यक्ति टूटी हुई लिफ्ट से बाहर निकलकर सड़क पर गिर पड़ा था।

वे उधर लपके और फिर थियो पर झुक गये। एक ने उसे हाथ लगाया तो वह चिल्ला पड़ा। वे दोनों पीछे हो गये।

"हम तुम्हारे लिए एम्बूलेंस मंगाते हैं, बेटे!" उनमें से एक बोला—"इन्सपेक्टर को बुलाओ।"

वह चला गया।

"डासन मेरी हालत देखकर बड़ा खुश होगा।" थियो बोला—"मेरे पर्स में मेरा एक फोटो है। यह तुम प्रेस वालों को दे देना। तुम्हें कुछ मिल जायेगा।"

उसे खुश करने के लिए पुलिस वाले ने उसकी जेब से पर्स निकाला और फोटो तलाश कर लिया।

“यह गोली कैसे चली थी?” थियो ने पूछा।

“पता नहीं।” पुलिस वाला बोला—“क्या हेरी ग्लेब के पास पिस्टल थी?”

थियो ने कुछ नहीं कहा। उसे पता था कि उसकी मौत करीब है। वह हेरी को भी बचने नहीं देना चाहता था। हेरी ने उस पर हाथ उठाया था। उसे सजा मिलनी चाहिये थी, लेकिन वह कुछ कहने से पहले कुछ और जान लेना चाहता था।

“जब तक डासन नहीं आयेगा, तब तक मैं कुछ नहीं कहूंगा।” वह बोला—“उसे जल्दी से बुलाओ।”

तभी डासन अन्धेरे में से प्रकट हुआ और थियो के ऊपर झुक गया।

“हैलो!” वह बोला—“इस बार तो फंस गये न?”

“एम्बूलेंस आ रही है?” थियो ने पूछा।

“हां!” डासन ने एक ऑटोमेटिक पिस्टल थियो के आगे कर दिया, “ तुमने इसे पहले देखा है?”

“क्या गोली हेरी ने चलायी है?” थियो ने पूछा—“क्या उसने किसी को मार दिया है?”

“पता नहीं।” डासन बोला—“यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि यह हेरी की पिस्टल है या नहीं?”

थियो ने आंखें बन्द कीं और फिर खोलीं।

“यह उसकी ही है। उसने किस पर गोली चलायी?”

“तुम्हें अच्छी तरह पता है?”

“हां।” थियो ने झूठ बोला—“मैंने उसे मना किया था कि पिस्टल का कोई काम नहीं है, लेकिन वह नहीं माना। वह कहता था कि जो भी उसके रास्ते में आ गया, वह उसे मार डालेगा।”

“तुम बयान पर दस्तखत कर सकते हो?”

“हां, लेकिन जरा जल्दी करो। मैं ज्यादा देर तक जिन्दा नहीं रहूंगा।”

डासन अपनी नोटबुक में लिख रहा था। कुछ देर बाद उसने थियो से दस्तखत करवा लिये।

ऐम्बूलेंस आने से पहले ही थियो मर चुका था।

हेरी को हथकड़ी पहना दी गयी थी और उसे बाहर लाया जा रहा था। डासन को देखकर वह बोला—

"यह मेरा काम नहीं है, डासन, मैंने कभी पिस्टल इस्तेमाल नहीं की। ईश्वर के लिये मुझ पर यह इल्जाम मत लगाओ।"

"थियो ने तुम्हारे खिलाफ बयान दे दिया है ग्लेब! इस बार तुम बच नहीं सकते।"

"थियो झूठ बोलता है।" हेरी बोला—"उसे मेरे सामने लाओ। मैं उससे सच उगलवा लूंगा।"

"वह मर गया है।" डासन बोला—"ले जाओ इसे।"

"मर गया है?" हेरी ने पूछा।

उसे दो व्यक्तियों ने पकड़ रखा था। उन्होंने उसे खींचा और बाहर पुलिस तक ले आये।

रिपोर्टर कैमरे सहित वहां मौजूद थे। उन्होंने हेरी के फोटो ले लिये।

डासन का असिस्टेंट गार्सन भी आ गया।

"मिस्टर वेजली आ गये हैं।" गार्सन बोला—"अन्दर हैं।"

डासन ने गर्दन हिलायी।

"मैं यह जानना चाहता हूं कि पुलिस का घेरा तोड़कर ब्लेंच अन्दर कैसे आ गयी और अकेली क्यों आयी?"

"मैंने अभी मिस्टर वेजली से पूछताछ नहीं की।" गार्सन बोला—"मैंने सोचा कि उन्हें संभलने का मौका दिया जाये। उनसे आप बात करेंगे या मैं कर लूं?"

"मैं कर लूंगा।" डासन बोला—"जल्दी ही एक तूफान खड़ा हो जायेगा गार्सन! हमने घर को चारों तरफ से घेर रखा था और हमें पता था कि ग्लेब क्या चाहता है। इसके बावजूद हमने आराम से ब्लेंच को मरने दिया। ब्लेंच एक मशहूर हस्ती है। अखबार वालों ने अभी से पूछना शुरू कर दिया है कि चोरी होने से पहले ही हम यहां कैसे आ गये? जूली का क्या हाल है।"

वे दोनों लिफ्ट में पहुंच गये।

"वेजली पर इस घटना का क्या असर हुआ?" डासन ने पूछा।

"वह जब आया तो एकदम शांत था। मैंने पहले तो उसे देखा ही नहीं। यहां बहुत गड़बड़ हो रही थी। लाश हटायी नहीं गयी थी और वह इस पर ही चढ़ गया। तब उसने झुककर टटोलकर देखा। तभी मैं उसके पास पहुंच गया। वह कांप-सा रहा था। मैं उसे

स्टडी रूम तक छोड़ आया।"

"मेरा ख्याल है कि उनके आपस में सम्बन्ध अच्छे नहीं थे।" डासन बोला—"वह जूली हालैंड को अपनी रखैल बनाना चाहता था, लेकिन फिर भी पत्नी की लाश पर पैर पड़ जाना...उफ!"

वह लिफ्ट से निकला और वेजली के फ्लैट में प्रविष्ट हो गया।

ब्लेंच की लाश अब भी वहीं थी। पुलिस फोटोग्राफर उसके फोटो ले रहे थे और फिंगर-प्रिंट वाले हॉल में अपना काम कर रहे थे।

डासन बिना रुके चलता गया और वेजली की स्टडी में पहुंच गया।

वेजली एक आरामकुर्सी पर बैठा हुआ था।

"कौन है?" वह बोला।

"डासन! इस घटना पर मुझे खेद है, श्रीमान!"

"हां।" वेजली सपाट स्वर में बोला—"क्या तुम्हारे आदमियों ने उसे अन्दर आते हुए नहीं देखा था?"

"उन्हें इस इमारत में आने वालों को रोकने के आदेश नहीं थे, बल्कि जाने वालों को चैक करने के थे। उनमें से किसी ने भी मिसेज वेजली को अन्दर आते हुए नहीं देखा, अगर उन्होंने देखा होता और वे पहचान जाते तो वे उन्हें रोक देते। वैसे वह लौट क्यों आयी थीं?"

"हम में झगड़ा हो गया था।" वेजली बोला—"सच यह है, इन्सपेक्टर कि हमारे सम्बन्ध आपस में अच्छे नहीं थे। कई कारण थे, जिनसे हमारा साथ मुश्किल हो रहा था। वह मेरे अन्धेपन से भी परेशान थी। वह...पीती भी बहुत थी और नशे में उसका गुस्सा बहुत ही बढ़ जाता था। जब हम थियेटर के लिए चले, तब वह पी रही थी। टैक्सी में बैठकर हम में झगड़ा शुरू हो गया, फिर जब टैक्सी रुकी और मैं उसका भुगतान करने लगा तो वह मुझे छोड़कर चली गयी। थियेटर में जाने तक मुझे पता नहीं था कि वह जा चुकी है। एक अंधे आदमी को इस तरह से भीड़ में अकेले छोड़ देना...कितनी बुरी बात है। मैंने उसका टिकट गेटकीपर को दे दिया। मैं सोच रहा था कि शायद वह बार या टायलेट में होगी, लेकिन जब पर्दा खुल गया और वह नहीं आयी, तब मैंने समझ लिया कि वह शो देखना नहीं चाहती। मैंने अपने क्लब जाने का फैसला कर लिया। तभी मुझे लगा कि वह घर भी जा सकती है। मैं चौंक पड़ा, फिर बड़ी मुश्किल से मैंने टैक्सी ली। एक भले आदमी ने मेरे लिये टैक्सी रुकवा दी। जब मैं यहां पहुंचा तो वह...वह...।"

"लेकिन वह अन्दर कैसे आयीं? किसी ने उन्हें देखा क्यों नहीं?" डासन बोला—"क्या आप कोई अनुमान लगा सकते हैं?"

"शायद उसने टैक्सी गैरेज के पास रुकवायी होगी। इस इमारत का गैरेज अन्डरग्राउंड है और गैरेज में ही एक लिफ्ट है, जिससे सीधे ऊपर फ्लैट में जाया जा सकता है। वह अक्सर यह करती थी।"

"लेकिन जब ग्लेब अन्दर आ गया था तो उसके बाद कोई टैक्सी भी इधर नहीं आयी।"

"वह पैदल चलकर भी अन्दर आ सकती है। मैं केवल अनुमान लगा रहा हूं।"

"ठीक है।" डासन बोला—"मुझे गैरेज वाली लिफ्ट का पता नहीं था। मैं चैक करता हूं कि वहां उन्हें किसी ने देखा था या नहीं। जो भी हो, हमने हत्यारे को पकड़ लिया है। वह बचकर नहीं जा सकता।"

"अगर कोई और बात न हो इन्सपेक्टर, तो कृपया आप मुझे अकेला छोड़ दें।"

"बेशक!" डासन को उस पर तरस आ रहा था—"हम कोशिश करेंगे कि आपको कष्ट न हो। कोई और बात?"

"अगर कहीं गेरिज यानि मेरा सेक्रेट्री मिल जाये तो उसे यहां भेज दीजिये।"

"जरूर!" डासन ने कहा और दरवाजे की ओर मुड़ा।

"इन्सपेक्टर! मिस हालैंड तो ठीक है?" वेजली ने पूछा।

"हां! वह डरी हुई है। वैसे चिन्ता की कोई बात नहीं। मैं वहीं जा रहा हूं।"

"उसने कुछ देखा?"

"यही पता करना है।"

"धन्यवाद!"

डासन ने बाहर आकर दरवाजा बंद कर दिया। वह कुछ सोचता रहा था। फिर वह लाउंज में आ गया, जहां गार्सन उसका इन्तजार कर रहा था।

"नीचे गैरेज में जाओ और पता करो कि मिसेज वेजली को किसी ने देखा या नहीं। हमने गैरेज को ऐसे ही छोड़ दिया था। वेजली का ख्याल है कि वह उधर से ही आयी होगी।"

गार्सन चला गया।

डासन उस कमरे में पहुंच गया, जहां जूली बेड पर लेटी हुई थी। जूली उसे देखकर कुछ और सहम गयी।

"जब गोली चली तो तुम कहां थीं?"

“मिसेज वेजली के कमरे में।”

“फिर क्या हुआ?”

“मैंने...मैंने कुछ नहीं देखा।”

“सुनो लड़की! अब तुम एक कत्ल के मामले से संबंधित हो। हर बात का सोच-समझकर जवाब दो। इस फ्लैट में ग्लेब और तुम्हारे अवाला कोई और नहीं था।”

“लेकिन मुझे कुछ पता नहीं। मैंने कुछ नहीं देखा।”

“कुछ सुना?”

“मिसेज वेजली की चीख और फिर गोली की आवाज। मैं दौड़कर बाहर आयी। हेरी लाश पर झुका हुआ था। वह तभी किचिन से बाहर निकला था, जहां सर्विस लिफ्ट लगी हुई है।”

“तुमने उसे गोली चलाते हुए नहीं देखा?”

“हेरी ने गोली नहीं चलायी। वह किचिन में था। वह ऐसा काम नहीं कर सकता। उसके पास पिस्टल नहीं था।”

“तुम उसे इस मुसीबत से नहीं निकाल सकतीं।” डासन बोला—“मुझे पता है कि तुम्हें उससे प्यार है, अगर यह काम उसने नहीं किया तो किसने किया है? तुमने?”

“नहीं! मैंने नहीं।”

डासन मुस्कुराया।

“मैं जानता हूं कि यह तुम्हारा काम नहीं है, लेकिन तुम झूठ बोलोगी तो तुम्हारे लिए ही मुश्किल आयेगी।”

“लेकिन यह काम हेरी का नहीं है। सामने वाला दरवाजा खुला हुआ था, कोई खुले हुए दरवाजे से भी उस पर गोली चला सकता था।”

“लेकिन कौन? सीढ़ियों पर मेरे आदमी नजर रख रहे थे। वहां से कोई नहीं आ सकता। जैसे ही गोली चली, मेरे दो आदमी वहां आ गये। वहां आस-पास कोई नहीं था।”

जूली उसे देखती रही।

“क्या ग्लेब के हाथ में पिस्टल थी?” डासन ने पूछा।

“नहीं। यह लाश के पास फर्श पर पड़ी हुई थी।”

“ठीक है!” वह बोला—“थियो मर चुका है, ग्लेब पकड़ा जा चुका है और मिसेज

फ्रेंच और उसकी बेटी को हम जल्दी ही पकड़ने वाले हें। तुम्हें गवाही देनी होगी। अब इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। मुकदमें तक सावधान रहना।"

वह बाहर निकल आया।

"गैरेज में कोई नहीं है श्रीमान!" गार्सन ने बताया—"स्टाफ सात बजे चला जाता है।"

"तुम उस टैक्सी का पता लगाओ, जिससे ब्लेंच यहां आयी थी। यहां वह बड़े रहस्यमय तरीके से आयी थी। मुझे कुछ गड़बड़ लग रही है।"

गार्सन स्तब्ध था।

"गोली चलाने वाला ग्लेब था, क्या अभी इसमें शक की गुंजाइश है?"

"जब तक मुकदना खत्म न हो जाये, शक की गुंजाइश तब तक रहती है।" डासन बोला—"कुछ मेहनत की कमी के कारण मैं अपना केस कमजोर नहीं करना चाहता। ग्लेब की तलाश मुझे बहुत दिन से थी। अब मैं उसे निकलने नहीं देना चाहता। यह पता लगाने की कोशिश करो कि वेजली को छोड़ने के बाद से गोली लगने तक ब्लेंच ने क्या किया?"

"जी!"

उनमें से किसी ने नहीं देखा कि वेजली के स्टडी रूम का दरवाजा लगभग एक इंच खुला हुआ था। जब गार्सन चला गया तो यह चुपचाप बन्द हो गया।

¶¶

पुलिस के जाने के बाद फ्लैट में एक अजीब-सी खामोशी छा गई। जूली चाहती थी कि डासन फिर उसके पास आये और यह बताये कि उसे हेरी के अलावा किसी और पर शक है, लेकिन डासन नहीं आया।

बाद में गेरिज के जाने की आवाज आयी। वह उठकर कमरे के दरवाजे तक आ गयी। जहां पहले लाश थी, अब वहां कालीन पर एक धब्बा रह गया था।

तभी वेजली वहां आया और उस धब्बे को देखने लगा। कुछ देर तक उसे यूं ही देखने के बाद वह उस धब्बे को पैरों से रौंदने लगा। वह बड़बड़ा रहा था—

"वह जीने के काबिल थी ही नहीं।"

जूली एकदम बहुत बुरा महसूस करने लगी। वह बेड पर आकर बैठ गयी। देर तक वह यूं ही बैठी रही और फिर चौंक पड़ी।

वेजली वहीं आ गया था।

“ओह!” वह बोला—“मुझे दस्तक देनी चाहिये थी।”

जूली ने कुछ नहीं कहा।

“मैं पुलिस की वजह से तुम्हारे पास पहले नहीं आया।”

वह अब भी चुप रहा।

“डासन को अब भी शक है। इससे क्या फर्क पड़ता है कि ब्लेंच अन्दर कैसे आयी?” वेजली फिर बोला—“वह इस बात को तूल क्यों दे रहा है?”

“पता नहीं।”

“इसमें कोई शक नहीं है कि ग्लेब ने उसे मारा है। पता नहीं डासन क्या चाहता है?”

“ग्लेब ने गोली नहीं चलायी।” जूली बोली।

वेजली ने चौंककर उसे देखा—“क्या मतलब?”

“मुझे पता है कि यह उसका काम नहीं है।”

“तुम्हें इतना भरोसा क्यों है?”

“वह बेशक बुरा आदमी था, लेकिन वह किसी को चोट नहीं पहुंचाता था।” जूली बोली—“एक बार मिसेज फ्रेंच ने उससे पूछा था कि उसके पास पिस्टल है या नहीं? उसने मना कर दिया। उसका कहना था कि वह कभी पिस्टल नहीं रखता। वह तब भी सच बोल रहा था और आज भी...जब उसने यह कहा कि उसने गोली नहीं चलायी।”

“क्या पुलिस को तुमने यही बताया है?”

“हां! लेकन डासन को मेरी बात पर यकीन नहीं है। वह कहता है कि फ्लैट में हेरी और मेरे अलावा कोई नहीं था, अगर हेरी ने गोली नहीं चलायी तो मैंने चलायी है।”

“तुमने?” वेजली बोला।

“वह मुझे डराने की कोशिश कर रहा था। मैंने उससे कहा कि सामने वाला दरवाजा खुला हुआ था और...।”

“क्या?”

“सामने वाला दरवाजा खुला हुआ था। जब मिसेज वेजली अन्दर आयीं तो वह इसे बंद करना भूल गई थीं।”

वेजली ने उसका हाथ पकड़ लिया।

"इससे तुम्हारा क्या मतलब है?"

"मेरा मतलब था कि खुले हुए दरवाजे में से कोई बाहर से गोली चला सकता है।"

वह देर तक उसे देखता रहा। फिर उसने जूली का हाथ छोड़ दिया।

"हूं! और डासन ने क्या कहा?"

"यह कि अगर ऐसा होता तो पुलिस वालों की नजरों में जरूर आ जाता, जो वहीं थे।"

वेजली अब राहत महसूस कर रहा था।

"वह ठीक कहता है, जूली! बाहर से कौन गोली चला सकता है?" वह बोला।

"हां, लेकिन यह भी ठीक है कि गोली हेरी ने नहीं चलाई थी।"

"तुम भावुक हो रही हो। हेरी एक चोर है। वह कुछ भी कर सकता है। क्या तुम्हें अब भी उससे प्यार है?"

"नहीं! लेकिन मेरी अन्तर्रात्मा कहती है कि यह काम हेरी का नहीं हो सकता।"

"मेरा ख्याल है कि इस बात से कोई जज प्रभावित नहीं हो सकता।"

"क्या उसे फांसी हो जायेगी?"

"पता नहीं! बेहतर यही है कि इस बारे में सोचा न जाये।" उसने सिगरेट सुलगायी और फिर बोला—"यह रात मैं यहां नहीं बिता सकता। शायद तुम्हारे साथ भी ऐसा ही होगा। क्या हम नये फ्लैट में चलें?"

जूली उसे देखती रही।

"अगर तुम सोच रही हो कि मैं तुम्हें परेशान करूंगा तो ऐसा नहीं होगा, लेकिन अगर फ्लैट का इस्तेमाल करना है तो वहां मुझे साथ ही रखो, अगर तुमने इरादा बदल दिया हो, तुम फर का कोट, बैंक खाता और फ्लैट नहीं चाहतीं तो तुम जा सकती हो। हम एक-दूसरे को भूल सकते हैं।"

"आप यह सब मुझे इसलिए दे रहे हैं कि आप मुझे चुप रखना चाहते हैं। मैं आपके साथ में नहीं रहना चाहती।"

वेजली मुस्कुराया।

"अब परिस्थिति बदल गयी है, जूली! अब अगर कोई यह जान ले कि मैं देख सकता हूं तो कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं विस्तार में नहीं जाना चाहता, लेकिन मेरे अन्धेपन

का दिखावा केवल ब्लेंच के लिए था। अब वह मर गयी है। इसलिए अब कोई फर्क नहीं पड़ता। कुछ दिन बाद मैं तुम्हें सब कुछ बता सकता हूं। अभी कुछ सप्ताह मैं और अन्धा बना रहूंगा, लेकिन अगर तुम किसी को बता देना चाहती हो तो बता दो। अगर ऐसा हो गया तो मैं तुम्हें कुछ नहीं दूंगा।"

जूली समझ नहीं सकी कि वह उसे धोखा दे रहा है या नहीं? जूली फ्लैट या पैसा छोड़ना नहीं चाहती थी।

"मैं फ्लैट में आपके साथ चलने के लिए तैयार हूं।" वह बोली।

"ठीक है!" वेजली बोला—"अब यहां से चलते हैं और एक नयी जिंदगी शुरू करते हैं। मैं कुछ सामान लेकर आता हूं। तुम भी जल्दी से तैयार हो जाओ।"

जब वेजली लौटा तो जूली अपना सामान पैक कर चुकी थी। दोनों बाहर आ गये। सामने वाले दरवाजे के ठीक सामने लिफ्ट थी। वहां तक जाने के लिए उन्हें खून के धब्बे के पास से गुजरना पड़ा। दोनों ने बुरा-सा मुंह बनाया।

वेजली ने लिफ्ट के लिए बटन दबा दिया। लिफ्ट नीचे आ गयी और दरवाजा खुल गया।

दोनों अन्दर प्रविष्ट हो गये।

लिफ्ट नीचे जाने लगी। तभी जूली ने एक विशेष चीज देखी, जो लिफ्ट के कोने में पड़ी हुई थी। फौरन ही वेजली ने भी उधर देखा और वह चीज उठाकर जेब में रख ली। अचानक वह सहमा हुआ-सा नजर आ रहा था।

यह उस पट्टी का हिस्सा था, जो जूली ने वेजली की उंगली पर बांधी थी।

इस समय जूली को उसकी यह हरकत अजीब-सी लगी। हालांकि वह इसका मतलब नहीं समझ सकी, लेकिन उसने यह बात अपनी याददाश्त में सुरक्षित कर ली।

¶¶

'वैस्ट लंदन कोर्ट' खचाखच भरा हुआ था। हेरी ग्लेब मूर्खों की तरह भीड़ को देखने लगा। उसे इतने लोगों की उम्मीद नहीं थी। जल्दी से वह मजिस्ट्रेट के पीछे वाली दीवार को देखने लगा।

अब तक हेरी में काफी परिवर्तन आ चुका था। अब वह बूढ़ा और कमजोर लगने लगा था। कत्ल के इल्जाम ने उसे तोड़कर रख दिया था।

डासन ने पहले अदालत को यह बताया कि मिसेज फ्रेंच और उसकी बेटी उनके हाथों से निकल गयी हैं और अभी तक पकड़ी नहीं गयी हैं।

हेरी ने भीड़ में डाना को ताड़ लिया था। वह डासन से कुछ ही गज के फासले

पर बैठी हुई थी। उसे पुलिस का कोई विशेष डर नहीं था। पुलिस के रिकार्ड में उसका हुलिया दर्ज नहीं था। उसने एक बड़ा-सा चश्मा लगा रखा था और अपने बाल एक हैट में समेट लिये थे। हेरी को कटघरे में देखकर उसे दुख हो रहा था, क्योंकि वह एक अर्से से उसे प्यार कर रही थी। उधर हेरी को खुशी थी कि डाना उसे देखने वहां तक आयी।

मजिस्ट्रेट हेरी से पीछा छुड़ाने की जल्दी में लगता था, क्योंकि जैसे ही डासन ने हेरी को रिमांड पर लेने की बात कही, वह फौरन तैयार हो गया। डासन ने कहा था कि उसे उम्मीद है कि इस सप्ताह में ही वह शेष अपराधियों को पकड़ लेगा।

फिलहाल इस मामले की सुनवायी खत्म हो गयी और हेरी को कटघरे से बाहर कर दिया गया।

डाना सोच रही थी कि ब्लेंच को मारने वाला थियो हो सकता है, लेकिन हेरी नहीं। हेरी को किसी तरह बचाना है, लेकिन कैसे?

इन्सपेक्टर डासन अपने ऑफिस में पहुंचा तो गार्सन उसका इन्तजार कर रहा था।

"एक हफ्ते के लिए रिमांड मिल गया है।" डासन बोला—"तब तक उन्हें भी पकड़ लेना है। कोई सूचना?"

"मैडम फ्रेंच और डाना की कोई खबर नहीं है।"

"मिसेज वेजली को घर तक लाने वाली टैक्सी का पता चला?" डासन ने फिर पूछा।

"ऐसा लगता है कि वह घर टैक्सी से नहीं पहुंची थी....और एक बात और। वेजली को लाने वाली टैक्सी का भी पता नहीं चला। यह बड़ी अजीब बात है। कोई टैक्सी ड्राइवर एक अन्धे को नहीं भूल सकता।"

"लेकिन वेजली कहता है कि वह टैक्सी से आया था।"

"जी हां।"

"मिसेज वेजली के बारे में कुछ और पता चला?"

"ज्यादा तो नहीं।" गार्सन बोला—"थियेटर वाला कहता है कि उसने ब्लेंच को टैक्सी से बाहर निकलते हुए और अन्दर जाते हुए देखा था। उस समय वेजली टैक्सी का भुगतान कर रहा था। ब्लेंच को थियेटर में बहुत लोग जानते हैं। वहां से वह बार में चली गई थी। थियेटर वाला कहता है कि उसे यह बात अजीब लगी कि उसने अपने अन्धे पति को भीड़ में अकेला छोड़ दिया था। उसने खुद ही वेजली को अन्दर पहुंचाया और उसे बताया कि मिसेज वेजली बार में हैं। लेकिन ऐसा लगता था जैसे वेजली ने यह बात न सुनी हो।"

“वह बहरा तो नहीं है।” डासन बोला—“खैर, आगे चलो।”

“मिसेज वेजली बार में थी। बारमैन कहता है कि वह अच्छे मूड में नहीं थी। उसने तीन पैग ब्रांडी पी और चली गयी। इसके बाद फ्लेंट पहुंचने तक उसे किसी ने नहीं देखा।”

“हो सकता है कि वह अंडरग्राउंड ट्रेन से वहां पहुंच गयी हो।” डासन ने कहा।

“हो सकता है।”

“अब वेजली पर आ जाओ। उसका बयान वास्तविकता से कितना मिलता है?”

“केवल दो ही बातें नहीं मिलतीं।” गार्सन बोला—“थियेटर वाला कहता है कि उसने बताया था कि मिसेज वेजली बार में हैं। अगर यह बात मान ली जाये कि वेजली ने सुना नहीं होगा तो थियेटर वाला कहता है कि जब वेजली थियेटर से निकला तो उसने खुद टैक्सी बुलाने की बात कही थी, लेकिन वेजली ने इन्कार कर दिया। यह बड़ी अजीब बात है। वेजली ने अपने बयान में कहा कि उसे टैक्सी तलाश करने में दिक्कत हुई थी और बाद में किसी भले आदमी ने उसके लिये टैक्सी रोकी।”

“वास्तव में यह अजीब बात है। अगर उसने टैक्सी बुलाने को कहा था और वेजली को ब्लेंच के घर लौट जाने की चिंता थी तो उसने इन्कार क्यों किया? मैं इस बारे में उससे फिर बात करूंगा। अब वह पार्क-वे वाले फ्लैट में नहीं, बल्कि कीगो स्ट्रीट के एक फ्लैट में रहता है। जूली के साथ।”

गार्सन ने आश्चर्य से उसे देखा।

डासन आगे बोला—

“यह भी अजीब बात है कि वेजली जैसा आदमी जूली जैसी लड़कि के साथ क्यों रह रहा है?”

गार्सन मुस्कुराया।

“यह सुन्दर लड़की है, श्रीमान! अगर शरीर खूबसूरत हो तो आजकल दिमाग की खूबसूरती नहीं देखी जाती।”

“अंधे के लिए खूबसूरती क्या है?”

गार्सन ने पलकें झपकायीं।

“हां! यह तो मैंने सोचा ही नहीं था।”

“मैंने उन पर निगरानी के लिए एक आदमी लगा दिया है। वेजली उस लड़की

पर पैसा खर्च कर रहा है। वे साथ-साथ नाइट क्लब, थियेटरों, होटलों में जाते हैं। आजकल वह फैक्ट्री भी नहीं जा रहा है। पिछले चार दिनों में उन्होंने मनोरंजन की कोई जगह नहीं छोड़ी। मैं जानना चाहता हूं कि मामला क्या है?"

"ब्लैकमेल तो नहीं?"

"मेरी राय में ऐसा नहीं है। अगर यह ब्लैकमेल का मामला होता तो जूली उसके साथ जाने के लिए मजबूर नहीं थी। ब्लैकमेलर कुछ दूर रहना पसंद करता है। जूली मुझे ब्लैकमेलर नहीं लगती।"

"वे एक-दूसरे से प्यार तो नहीं करते?"

"हो सकता है।" डासन बोला—"ठीक है गार्सन! तुम मिसेज फ्रेंच और उसकी बेटी की तलाश करो। मैं वेजली से बात करता हूं। टैक्सी ड्राइवरों से भी बात करते रहो।"

गार्सन के जाने के बाद डासन ने घड़ी देखी! तीन बज चुके थे। उसने सोचा कि पांच बजे वह वेजली से बात करेगा और अगर वह न हुआ तो जूली से।

¶¶

बेन्टन वैस्ट एण्ड के एक पुराने ढंग की इमारत की सबसे ऊपर वाली मंजिल के एक फ्लैट में रहता था। फ्लैट छोटा लेकिन आरामदेह था। इस इमारत में तीन फ्लैट थे और तीनों में ही कुवांरे रहते थे। यहां केवल नाश्ता उपलब्ध था।

रोजना आठ बजे और इतवार को नौ बजे नाश्ता उसकी मेज पर आ जाता था। बेन्टन साढ़े सात बजे उठता था, नहाने और शेव करने के बाद वह ड्रेसिंग गाउन पहनकर नाश्ता लेता था और नौ बजे फैक्ट्री चला जाता था।

नाश्ते के बाद वह अखबार खोलता था, जो मुड़ा हुआ ट्रे में रखा रहता था, खबर कितनी ही महत्वपूर्ण क्यों न हो, लेकिन वह नाश्ते के बाद ही इसे उठाता था।

ब्लेंच की मौत के अगले दिन उसने अपनी दिनचर्या के अनुसार नहाकर शेव बनाकर नाश्ता किया। उसकी जिन्दगी में केवल दो चीजों का महत्व था। ब्लेंच और पैसा, उस दिन भी वह इन्हीं के बारे में सोच रहा था।

ब्लेंच से पहली मुलाकात उसकी शादी के मौके पर हुई थी। हालांकि इससे पहले वह स्टेज पर उसे कितनी ही बार देख चुका था और मन-ही-मन उसकी तारीफ कर चुका था।

वेजली ने शादी की सूचना बहुत पहले नहीं दी थी।

वेजली और बेन्टन कई वर्षों से पार्टनर थे। उन्होंने साथ ही 'वेजली-बेन्टन एयरक्राफ्ट फैक्ट्री' का निर्माण किया था। अब यह फैक्ट्री चार सौ एकड़ में फैल गयी

थी। इस फैक्ट्री के निर्माण का मूल विचार वेजली का था, लेकिन बेन्टन का भी इसमें कम सहयोग नहीं था। वह कर्मचारियों से काम लेना, ठेकेदारों को सम्भालना, बैंक वालों के शक दूर करने का काम बड़ी सफाई से कर लेता था।

साझेदारी ठीक चल रही थी, हालांकि दोनों ही एक-दूसरे को पसन्द नहीं करते थे। बेन्टन पैसा बचाये रखने में सफल नहीं था। वह इसे जुए व दूसरे फालतू कार्यों में खर्च कर देता था।

लगभग छः वर्ष पहले एक दिन वेजली ने उसके ऑफिस में आकर बताया कि वह शादी कर रहा है। बेन्टन ने बधाई दी और सोचने लगा कि उस जैसे ठंडे इंसान से कौन लड़की शादी कर सकती है? बाद में जब वेजली ने ब्लेंच से परिचय करवाया तो वह चौंक गया।

बेन्टन के लिए स्त्रियां उसकी जरूरत थीं, जैसे किसी नशेबाज के लिए नशा। ब्लेंच जैसा आकर्षण तो उसने किसी स्त्री में देखा ही नहीं था। वह फौरन ही उसकी नस-नस में समा गई।

जब वेजली ने खुद को 'रायल एयरफोर्स' की सेवा के लिए प्रस्तुत कर दिया तो बेन्टन ने उसकी अनुपस्थिति का लाभ उठाया। तब ब्लेंच बहुत पीने लगी थी। बेन्टन पीने में उसका साथ देने लगा।

बहुत जल्दी उनके गहरे सम्बन्ध हो गये। ब्लेंच उससे बार-बार कहने लगी कि वह अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर ले तो वह उससे शादी के लिए तैयार है।

बेन्टन ज्यादा लोकप्रिय नहीं था। उसमें कुछ ऐसा था, जो लोग पसन्द नहीं करते थे। ब्लेंच उसकी इकलौती साथी थी। इसलिए उनका प्यार बढ़ता जा रहा था।

उस दिन जब उसने अखबार खोला और ब्लेंच की मौत का समाचार पढ़ा तो हतप्रभ रह गया।

कुछ समय के लिए उसका दिमाग सुन्न हो गया। काफी देर बाद वह उठा और घिसटता हुआ-सा आलमारी की ओर चला गया। उसने ब्रांडी का एक पैग पिया और! दूसरा लेकर फिर वहीं आ गया और यह समाचार दोबारा पढ़ने लगा। साथ ही वह फूट-फूट कर रो भी रहा था।

बाद में उसने वेजली के फ्लैट फोन किया, लेकिन वहां से जवाब नहीं मिला। उसने फैक्ट्री फोन किया तो पता चला कि वेजली वहां नहीं पहुंचा है। वह और कुछ नहीं कर सकता था। वह निचले होंठ पर दांत जमाये हुए सामने दीवार को घूरता रहा।

एक घंटे बाद भी वह इसी दशा में बैठा हुआ था। तभी वेजली का फोन आ गया।

वेजली ने सपाट स्वर में उससे कहा कि वह फैक्ट्री का काम देखे।

"मैं कुछ दिन तक फैक्ट्री नहीं आऊंगा। तुम मेरे बिना ही काम चला लेना। अगर मेरी जरूरत पड़ ही जाये तो क्लब की सहायता से मुझसे सम्पर्क कर सकते हो।"

बेन्टन उसे यह नहीं बता सकता था कि ब्लेंच की मौत से उसे कितना धक्का लगा है? वह अब भी यही समझता था कि उन दोनों के सम्बन्धों का वेजली को बिल्कुल पता नहीं। कुछ दिन पहले बेन्टन ने बैंक से कर्ज लिया था और वेजली ने उसकी गारंटी दे दी थी, अगर उसे शक होता तो वह कभी ऐसा न करता।

बेन्टन कुछ दिन फैक्ट्री नहीं जाना चाहता था, लेकिन वह इंकार नहीं कर सका।

बेन्टन की स्वीकृति पाकर वेजली ने फोन काट दिया।

बेन्टन ने दो दिन कैसे गुजारे—यह उसे खुद पता नहीं। जिस दिन हेरी ग्लेब को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, वह कोर्ट में पहुंचा। हेरी को परेशान देखकर उसे कुछ तसल्ली हुई।

उसी शाम वह 'सेगेती' के रेस्टोरेंट पहुंचा, जो 'जर्मन स्ट्रीट' पर था। वह ब्लेंच के साथ अक्सर वहीं जाता था। वह यहां ब्लेंच की याद ताजा करना चाहता था। लेकिन यहां आकर उसे अपनी गलती का अहसास हुआ। लोग उसे आंखें फाड़-फाड़ कर देख रहे थे।

वह एक मेज पर बैठ गया और ब्रांडी पीने लगा, जो ब्लेंच पिया करती थी। वह तेजी से पीता जा रहा था...यह परवाह किये बिना कि नशा उस पर हावी हो रहा है।

तभी उसे वेजली और जूली दिखाई दिये। वह वेजली को उसके काले लैंसों के चश्मे और अन्धों की चाल से तुरन्त पहचान गया, लेकिन वह जूली को फौरन नहीं पहचान सका। उसने इतना ही देखा कि लड़की सुन्दर थी, उसने लाल रंग का गाउन पहन रखा था और उसके चमकीले काले बाल कंधों तक आ रहे थे। उसके गले में चमचमाते हीरों का नेकलेस था। उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। वेजली ऐसी हरकत कैसे कर सकता था? अभी उसकी पत्नी को मरे हुए पांच दिन भी नहीं हुए थे और वह लड़कियों के साथ घूमता फिर रहा था; लेकिन लड़की कौन है?

उसने जूली को ध्यान से देखा। इसे कहां देखा है?

अचानक वह सन्न रह गया।

जूली! ब्लेंच की नौकरानी!

उसने अपनी आंखों पर हाथ फेरा और फिर उधर देखा।

वह जूली ही थी और उसने ब्लेंच का गाउन और उसका ही नेकलेस पहन रखा था।

वह गुस्से से भन्नाता हुआ खड़ा हो गया। उसे पता नहीं था कि कोई उसका हाथ पकड़कर पूछ रहा है कि उसे क्या हो गया है? उसने हाथ छुड़ाया और उस मेज के पास पहुंच गया जिस पर वेजली और जूली बैठे थे। सब लोगों की नजरें उधर घूम गयीं।

उसने जूली की तरफ इशारा किया और बोला—

"इस कुतिया से कहो कि यह तुम्हारी पत्नी के कपड़े उतारे! तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई, नौकरानी!"

उसने हाथ बढ़ाकर जूली का नेकलेस पकड़ना चाहा, लेकिन जूली पीछे हट गयी और चिल्लाने लगी।

वेजली खड़ा हो गया।

एक आर्मी ऑफिसर बराबर वाली मेज पर डिनर ले रहा था। अचानक वह उठा और उसने बेन्टन के चेहरे पर उल्टा हाथ जड़ दिया। बेन्टन गिर पड़ा।

"पियक्कड़! सूअर!" ऑफिसर बोला।

दो वेटर जल्दी से आगे आ गये। उन्होंने बेन्टन को उठा लिया। रेस्टोरैन्ट के मालिक सेगेती ने उन्हें इशारा कर दिया। वे उसे खींचते हुए दरवाजे तक ले गये।

उन्होंने उसे बाहर निकालकर दरवाजा बंद कर लिया। बेन्टन सुबकियां ले रहा था।

¶¶

जूली को वह सब कुछ मिल गया था जो वह बपचन से कल्पना करती आ रही थी। उसके पास खूब पैसा था, वेस्ट एण्ड में एक फ्लैट था और फर का कोट। अगर यह सब उसे वेजली से न मिलकर किसी और स्रोत से मिलता तो वह फूली न समाती, लेकिन वेजली की ओर से वह चिंतित थी।

जूली समझती थी कि सब मर्द एक जैसे होते हैं और एक ही चीज चाहते हैं। लेकिन वेजली को उसने एकदम अलग पाया। यह उसके स्वाभिमान को धक्का था।

जब वक्त गुजरता गया और वेजली ने उसकी ओर ध्यान नहीं दिया तो उसे नफरत हो गयी।

वेजली उसे सुख-सुविधा दे रहा था, उसे लंदन की महंगी और मशहूर जगहों पर ले जा रहा था, लेकिन उसका व्यवहार एकदम ठंडा था।

सच यह था कि उसे शानदार माहौल में कैद कर दिया गया था। यहां अखबार भी नहीं आता था। रेडियो भी नहीं था, कोई उससे मिलने भी नहीं आता था। उसे बाहरी दुनिया से बेखबर कर दिया गया था। उसे न हेरी के रिमांड का पता था और न यह कि

मिसेज फ्रेंच और डाना अभी तक पकड़ी नहीं गयी हैं।

उसे यह जरूर पता चल गया था कि वेजली उसे हर चीज देने के लिए तैयार रहता है। वह ब्लेंच के कपड़ों के लिए बेचैन थी।

उसे लगा कि अब इस विषय को उठाया जा सकता है। वह सबसे अच्छे कपड़े पहनकर वेजली के सामने पहुंच गयी। उसे खुद पता था कि वह अच्छी लग रही है, लेकिन वेजली ने फिर भी उसमें दिलचस्पी नहीं ली।

"अब क्या है?" उसने पूछा।

जूली मुस्कुरायी। उसने वेजली की गोद में बैठना चाहा, लेकिन वेजली ने उसे पीछे कर दिया।

"जरा दूर खड़ी हो जाओ, ताकि मैं तुम्हें देख सकूं।"

"मुझे कुछ कपड़े चाहियें।" वह बोली।

"तुम्हारे पास काफी कपड़े हैं। क्या तुम कभी संतुष्ट नहीं होतीं जूली? जैसे ही तुम्हें एक चीज मिलती है, तुम दूसरी चाहने लगती हो।"

"तुमने जो कपड़े मुझे खरीदकर दिये हैं, वे अच्छे नहीं। उधर फ्लैट में ढेरों कपड़े हैं। उनका नाप भी मेरे जैसा ही है। मैं उन्हें क्यों न पहन लूं?"

"वह ब्लेंच के कपड़े हैं।"

"अब उसे इनकी जरूरत नहीं है। मुझे है।"

"मैं यह कह रहा था कि शायद तुम एक मृत स्त्री के कपड़े पहनना पसंद न करो।"

"लेकिन क्यों? जिन कपड़ों में उसकी हत्या हुई है, उन्हें छोड़कर मैं हर कपड़ा पहन लूंगी। उन्हे बर्बाद क्यों किया जाये?"

"कभी तुमने सोचा है कि मैं तुम्हें अपनी पत्नी के कपड़ों में देखना पसन्द नहीं करूंगा।"

"क्यों, उसके पास सैकड़ों कपड़े थे। कुछ तो उसने तब पहने होंगे जब तुम देख नहीं सकते थे, फिर क्या फर्क पड़ता है।"

वह हंस पड़ा।

"तुम्हारे पास हर बात का जवाब है। ठीक है, जूली। तुम कपड़े ले सकती हो। मैं तुम्हें खुश देखना चाहता हूं।"

"क्यों?" उसने उचित अवसर जानकर कहा।

"मैं तुम्हें खुश क्यों न देखूं?" वेजली बोला।

"मेरी खुशी से तुम्हें क्या मिलेगा।?"

"एक खूबसूरत साथी। तुम शक क्यों कर रही हो? क्या तुम यह नहीं समझतीं कि लोग बिना विशेष उद्देश्य के भी किसी को खुश देखना चाहते हैं?"

"मर्दों का हमेशा कुछ उद्देश्य रहता है। तुम मुझे इतना कुछ देना चाहते थे—इसका मतलब मैं कुछ और समझती थी।"

"मैंने कोई शर्त नहीं रखी थी। मैं इसके अलावा कुछ नहीं चाहता कि तुम खुश रहो।"

कुछ ही देर बाद वे पहले वाले फ्लैट में थे। जूली इतने कपड़े पाकर बहुत खुश थी। कालीन पर खून का धब्बा भी उसमें कोई परिवर्तन नहीं ला सका। हेरी भी अब बीती बात होकर रह गया था।

जूली ने कपड़ों से दो सूटकेस भर लिए, लेकिन वह अब भी संतुष्ट नहीं थी। सभी जेवरात और फर बाकी थे।

"कुछ जेवरात नहीं मिल सकते?" वह बोली—"जेवरात के बिना ये कपड़े अच्छे नहीं लगेंगे।"

"तुम कभी संतुष्ट नहीं होतीं, जूली! ठीक है, मैं तुम्हारे लिए कुछ देखता हूं।"

उसने सेफ के अलार्म बंद किये और स्टील केबिनेट की दराजों में कुछ तलाश करने लगा। जूली वहीं आ गयी। वेजली फौरन मुड़ गया और स्टील केबिनेट और जूली के बीच में आ गया।

"मैंने कहा है कि मैं तुम्हारे लिए कुछ देख रहा हूं। तुम बाहर चलकर बैठो।"

वह चली गयी, लेकिन बाद में वेजली ने जो कुछ दिया, उसे देखकर उसने सांस रोक लिया। हीरों का नेकलेस तो बहुत ही बढ़िया था।

"यह तुम मुझे दे रहे हो?"

"उधार के तौर पर।" वेजली बोला—"तुम्हें जो कुछ भी दिया जा रहा है, सब उधार है।"

लेकिन जूली इन चीजों से इतनी खुश थी कि इन बातों का उस पर कोई असर नहीं पड़ा।

दो सूटकेस भरे हुए कपड़े और जेवरों के बाद भी वह फर चाहती थी।

“मैं एक फर नहीं ले सकती? लोमड़ी की खाल वाला कोट बहुत अच्छा है। इसे ले लें?”

वेजली ने सेफ बंद कर दी।

“मैंने जो फर का कोट तुम्हें दे रखा है, उस पर सब्र कर लो। बच्चों की-सी बातें मत करो।”

जूली वह फर का कोट अभी चाहती थी, लेकिन उसने उसे फिर कभी के लिए छोड़ दिया।

उसी शाम वह सेगेती के रेस्टोरेंट पहुंची, जहां बेन्टन ने मजा किरकिरा कर दिया।

बाद में जब वह वेजली के साथ लौट रही थी तो वह गुस्सा बर्दाश्त नहीं कर सकी और बोली—

“उसने मुझे गालियां देने की हिम्मत कैसे की? जानवर! तुम उससे बदला लोगे न? वह तुम्हारी पत्नी का प्रेमी था, तुम उससे मेरा अपमान नहीं कराओगे न?”

“अपनी गंदी जुबान को लगाम दो।” वेजली ठंडे स्वर में बोला।

जूली बौखला गयी।

फ्लैट पहुंचने तक कोई कुछ नहीं बोला।

सिर्फ जूली उसकी तरफ मुड़ी।

“तुम्हारा बर्ताव हमेशा इतना ही बुरा रहता है। अब मैं यहां नहीं रहूंगी।”

वेजली ने हीटर चालू कर दिया।

“ अगर तुम जाना चाहती हो तो जाओ। मैं तुम्हें नहीं रोकूंगा। लेकिन तुम्हें सब चीजें यहीं छोड़कर जाना होगा। तुम्हें अपने कपड़े पहनकर यहां से जाना होगा।”

वह अपने कमरे में चली गयी। वह गुस्से में थी, वह जानती थी कि वह जाल में फंस चुकी है। उसमें इतनी हिम्मत नहीं थी कि वह सब कुछ छोड़ दे और अपने अतीत में वापस चली जाये।

वह बेड पर बैठ गयी और सोचने लगी, अगर वह उसे नापसंद करता है और उससे कुछ नहीं चाहता तो वह उसे इतना कुछ क्यों दे रहा है? वह अंधेपन का दिखावा क्यों कर रहा है? उसे किससे डर है? बेन्टन से? पुलिस से?

अचानक वह उछल पड़ी।

ब्लेंच को उसी ने गोली मारी है!

वह सोच रही ती, यह बात उसकी समझ में पहले क्यों नहीं आयी? एक अंधे पर कोई शक नहीं कर सकता, इसीलिए वह यह दिखावा कर रहा है।

उसे ब्लेंच से नफरत थी। वह उसे तलाक नहीं दे सकता था, क्योंकि वह एक बड़ी रकम नहीं देना चाहता था। ब्लेंच व बेन्टन के अनुचित सम्बन्ध थे। हत्या का उद्देश्य स्पष्ट था। उसने आपरेशन को असफल बताया, जबकि यह सफल रहा था और वह देख सकता था, खुद जूली ने उसे हत्या करने का अवसर दे दिया था, क्योंकि वह चोरों के बारे में ब्लेंच को बताना नहीं चाहता था।

जरूर उसने ब्लेंच को वापस घर चलने के लिए तैयार कर लिया होगा, लेकिन वह पुलिस की नजरों से कैसे बच सका? फिर जूली को वह पट्टी याद आयी जो लिफ्ट में थी और जो उसने उठाकर जेब में रख ली थी, फिर उसे यह भी याद आया कि जब उसने कहा था कि किसी ने खुले हुए दरवाजे से गोली चला दी होगी, तो वह कितना उत्तेजित हो गया था।

अब उसे विश्वास हो गया कि वह ब्लेंच के साथ वापस आ गया था। ब्लेंच लिफ्ट से निकल आयी जबकि वह वहीं रह गया और वहीं से ही उसने गोली चला दी और फिर पिस्टल भी वहीं फेंक दी। लिफ्ट के सामने कोई पुलिस वाला नहीं था, उसने लिफ्ट का दरवाजा बन्द कर लिया। फिर पुलिस अन्दर आ गयी और वह लिफ्ट से नीचे पहुंच गया। कुछ मिनट रुकने के बाद वह मुख्य दरवाजे से अन्दर आ गया। उस पर कौन शक कर सकता था?

अचानक जूली भय से कांपने लगी।

तभी वेजली अन्दर आ गया।

वह उछलकर खड़ी हो गयी।

"उस पर गोली तुमने चलायी थी।" वह चिल्ला पड़ी—"इसीलिए तुम अन्धेपन का ढोंग रच रहे हो।"

वेजली ने धीरे से दरवाजा बन्द कर दिया।

"मुझे पता था कि कभी-न-कभी तुम यह बात समझ ही जाओगी।" वह बोला—"अब जबकि तुम समझ ही गयी हो तो हम इस पर विस्तार से बात करते हैं। बैठो, डरो मत! मैं तुम्हें कुछ नहीं कह रहा हूं।"

"मैं तुमसे बात नहीं करना चाहती। मैं पुलिस को बताने जा रही हूं।"

वह बेड के पास कुर्सी खींचकर बैठ गया।

"गुस्सा मत दिखाओ, जूली! मैं जो कहना चाहता हूं, उसे सुनो। तुम्हें फायदा

होगा। सिगरेट लोगी?"

जूली पीछे हट गई।

"जूली, तुम किसी नाटक की नौकरानी का-सा अभिनय मत करो।"

उसका गुस्सा और बढ़ गया। शायद वेजली यही चाहता भी था।

"यहां से चले जाओ, वर्ना मैं चिल्लाऊंगी।"

वेजली ने सिगरेट सुलगा ली और सिगरेट केस और लाइटर बेड पर डाल दिया।

"सिगरेट ले लो, जूली! मैं तुमसे बात करना चाहता हूं।"

"इतना बड़ा अपराध करने के बाद भी तुम शांत हो। तुम में कोई भावना नहीं है। तुम बहुत खतरनाक इन्सान हो।"

"मुझ में भावनायें हैं, जूली! लेकिन यह भी ठीक है कि ब्लेंच को मैंने ही मारा है।"

"और तुमने हेरी को फंसा दिया बुजदिल!"

"हेरी ग्लेब उस समय वहां था, इसलिये फंस गया। अब उसे बचाने के लिए मैं पुलिस के सामने आत्म-समर्पण नहीं कर सकता था, अगर मेरी जगह तुम होतीं तो तुम भी यही करतीं।"

जूली कुछ नहीं कह सकी।

"वैसे भी, जूली, ग्लेब समाज के लिए कोई मायने नहीं रखता। वह चोर है। निचले दर्जे का अपराधी है और जैसा कि तुमने बताया...युवतियों के लिए खतरा है। दूसरी तरफ मैं ऐसा तजुर्बा कर रहा हूं, जो पूरे राष्ट्र की भलाई के लिए है, मेरा तजुर्बा जो अब पूरा होने को ही है...चालक रहित यान का आविष्कार...इस पीढ़ी के लिए और आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, अगर ग्लेब और मेरी तुलना की जाये तो मुझे जिंदा रहने का ज्यादा हक है।"

"लेकिन वह निरपराध है। वह तुम्हारी जगह फांसी पा जायेगा।" जूली बोली।

"मैंने यह तो नहीं कहा कि मैं उसे अपनी जगह फांसी लगने दूंगा।" वेजली मुस्कुराया—"मैं तुम्हें बताता हूं जूली कि मामला क्या है? अब शांत होकर बैठ जाओ और ध्यान से मेरी बात सुनो।"

जूली...सम्मोहित-सी बेड पर बैठ गयी। उसने एक सिगरेट ले ली।

"मैं शुरू से शुरू करता हूं।" वेजली बोला—"मैंने ब्लेंच से छः वर्ष पूर्व शादी की थी। मैं उससे प्यार करता था। बेहद प्यार। उसके मशहूर नाम से मुझे जान लेना चाहिए

था कि वह किस तरह की औरत होगी? यह नहीं, बल्कि मुझे चेतावनियां भी दी गयीं, लेकिन मैंने उन कहानियों पर यकीन नहीं किया। उन दिनों मेरे पास बहुत पैसा था। मैंने उस पर बहुत पैसा खर्च किया, फिर उसने कहा कि मैं एक समझौता कर लूं कि अगर यह शादी टूटी तो मैं उसे दो लाख पाउंड दूंगा। पहले तो मुझे मजाक लगा, लेकिन बाद में जब शादी की तैयारियां हो गईं तो उसने सख्ती से कहा कि अगर यह इकरारनामा नहीं हुआ तो वह शादी नहीं करेगी। लगभग दो सौ सम्मानित मेहमान आने वाले थे। मुझे लगा कि या तो मुझे यह समझौता कर लेना है या फिर सारी उम्र मजाक का विषय बन जाना है। मैंने समझौता करने की मूर्खता कर ली। मैं उसे दिल से चाहता था। मैं समझता था कि हमारी शादी बड़े आराम से चलती रहेगी, लेकिन फिर हालात ऐसे बन गये कि हमारा साथ रहना दूभर हो गया और मजे की बात यह कि ब्लेंच ने ऐसा दिखाया जैसे सारा दोष मेरा ही हो।

शादी का पहला वर्ष काफी अच्छा रहा। मुझे यह जरूर लगता रहा कि वह केवल मेरी ही नहीं है, बल्कि एक दर्जन दूसरे मर्दों की भी है।

फैक्ट्री का विस्तार हो रहा था और मैं इसमें अपना पैसा लगा रहा था। मेरा तजुर्बा नाकाम भी हो सकता था। इसलिए मैं नहीं चाहता था कि आम लोगों का पैसा खराब हो। यह जुआ मैं अपने बलबूते पर खेलना चाहता था। मेरा दो-तिहाई पैसा फैक्ट्री में लग गया। मैं जानता था कि उसका फल मुझे जरूर मिलेगा इसलिए मुझे कोई चिंता नहीं थी, लेकिन तभी ब्लेंच ने मुझे परेशान करना शुरू कर दिया। प्रकट था कि बेन्टन ने उसे बताया था कि मेरा ज्यादातर पैसा फंस चुका है। वह मनमानी करने लगी। बहुत पीने लगी और नये-नये प्रेमी बनाने लगी। मैं कुछ नहीं कर सकता था। मैं उससे पीछा नहीं छुड़ा सकता था। कुछ दिन बाद मैंने उसे उसकी हालत पर छोड़ दिया। फिर मैं अन्धा हो गया। दो वर्ष फिर गुजर गये। अब बेन्टन उससे शादी पर जोर देने लगा। ब्लेंच मुझे परेशान करने लगी, ताकि मैं अपना सब कुछ बेचकर उसे तलाक दे दूं।"

वेजली ने सिगरेट बुझायी और दूसरी सुलगा ली।

"तुम उकता तो नहीं रही हो, जूली? मैं यह सब तुम्हें इसलिए बता रहा हूं, ताकि तुम समझ जाओ कि उससे पीछा छुड़ाना क्यों जरूरी हो गया था?

अब वह पियक्कड़ हो चुकी थी और सम्पर्क में आ गये हर युवक को भ्रष्ट करने की आदी हो चुकी थी। मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या करूं? फिर आंखों के ऑपरेशन का मौका आया। जब पट्टियां खोली नहीं गई थीं, तो मुझे लगा कि अगर ब्लेंच को खत्म करना है तो मेरा अन्धापन इसमें काम आ सकता है। फिर मैं इस पर सोचता रहा, सोचता रहा। मैंने फैसला कर लिया कि अगर मेरी दृष्टि लौट आयी तो मैं उसे मार डालूंगा।

डॉक्टर ने आपरेशन से पहले ही कहा था कि आंखें ठीक होने की उम्मीद बहुत ही कम है। हजार में एक। जब पट्टियां उतारी गयीं तो मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया। आपरेशन को नाकाम करार दे दिया गया, लेकिन बाद में मुझे कुछ प्रकाश नजर आया और शाम होने तक मुझे सब कुछ दिखाई देने लगा। मैं फिर भी चुप रहा और अपना

अंधापन जाहिर करता रहा।

जब मैं फ्लैट वापस आया तो मैं तुम्हें और ग्लेब को देखकर चौंक पड़ा। मैंने अनुमान लगाया कि तुम दोनों फर चुराना चाहते हो। मैं सोचने लगा कि कत्ल की योजना में तुम दोनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। ब्लेंच के लिए मेरे दिल में कोई रहम नहीं था।

इसके बाद जो कुछ हुआ, वह तुम्हें पता है। योजना मेरे अनुमान से भी कहीं बेहतर साबित हुई। पुलिस को यह चिंता जरूर है कि ब्लेंच फ्लैट क्यों लौट आयी थी? लेकिन इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता। जूली, अब तीन महीने बाद मेरा काम पूरा हो जायेगा।"

"तुम...तुम्हारा मतलब है कि तब तुम पुलिस को सच्चाई बता दोगे और हेरी को फांसी से बचा लोगे?" जूली बोली।

"बेशक! जब मेरा काम खत्म हो जायेगा तो मैं पुलिस को सच्चाई बता दूंगा। तब तक ग्लेब को कुछ नहीं होगा और मेरा काम खत्म होने के बाद मेरा क्या होता है...इसकी मुझे चिन्ता नहीं है। अपने कुकर्म के लिए मैं ग्लेब को मरने नहीं दूंगा। इस समय वह बेहतर हालत में नहीं है, लेकिन वह सुरक्षित है। थोड़ी सजा तो उसे भी मिलनी ही चाहिये, लेकिन मैं वादा करता हूं कि उसे मरने नहीं दूंगा।"

"मुझे तुम पर विश्वास नहीं है।" जूली बोली—"मैं अभी पुलिस को वह सब बता देती हूं, जो तुमने मुझे बताया है।"

"मुझे पता था कि तुम यही कहोगी, लेकिन फिर भी मैंने इतना कुछ बता दिया।" वेजली बोला—"अब कुछ बातें तुम्हारे बारे में हो जायें। मैं समझता हूं कि तुम्हें शानदार जिंदगी चाहिये, अगर तुम अभी मेरे खिलाफ कुछ कहोगी तो तुम्हें सब कुछ छोड़ना होगा। इसके अलावा अगर मेरी यही बातें तुम पुलिस को बताओगी और मैं इंकार कर दूंगा तो पुलिस को हेरी को छोड़ने और मुझे गिरफ्तार करने के लिए काफी सबूतों की जरूरत होगी, जो तुम्हारे पास नहीं हैं। अगर तुम सब्र से काम लो और मेरा काम खत्म होने का इन्तजार करो तो मैं खुद ही आत्मसमर्पण कर दूंगा और तुम्हें भी बहुत कुछ दे जाऊंगा।"

वह उठ खड़ा हुआ। जम्हाई लेता हुआ वह बोला—

"तुम इस पर सोच लो, अगर तुम वह सब कुछ खोना चाहती हो जो तुम्हारे पास है और तुम वापस उसी गरीबी में जाना चाहती हो तो मैं तुम्हें रोकूंगा नहीं। दूसरी तरफ मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूं कि हेरी को कुछ नहीं होगा।" वह मुस्कुराया और दरवाजे की ओर बढ़ गया—"शुभ रात्रि जूली!"

¶¶

वेजली के जाने के बाद जूली पशोपेश में पड़ गयी। ब्लेंच से उसे कोई हमदर्दी

नहीं थी। वेजली ने उसके साथ जो कुछ किया, वह उसी की हकदार थी, लेकिन यह अपराध हेरी के गले पड़ेगा...यह बहुत बुरी बात थी। अगर वह वेजली के काम खत्म होने का इंतजार करे तो वह शानदार जिंदगी जी सकती है। हेरी को थोड़े से कष्ट से बचाने के लिए वह इतना कुछ क्यों खोये? हेरी ने भी तो उसे कष्ट दिया था। उसने थियो को रोका नहीं था। अगर वह वेजली को इतना वक्त दे, तो हो सकता है कि वह उसे इनाम के तौर पर लोमड़ी की खाल वाला कोट दे दे।

लेकिन अगर वेजली ने आत्मसमर्पण नहीं किया?

उसने खुद को विश्वास दिलाया कि ऐसा नहीं होगा।

अगली सुबह वेजली ने उसका इरादा पूछा तो उसने कह दिया कि वह समय देने के लिए तैयार है।

वेजनी ने लापरवाही से कंधे उचकाये और बोला—

"तो ठीक है! मैं वापस फैक्ट्री जाता हूं। काम बहुत है और वक्त बहुत कम है।"

जूली सोच रही थी कि वह उसके लिए बहुत कुछ कर रही है, लेकिन वह उसे धन्यवाद भी नहीं दे रहा है।

"एक बात और।" जूली बोली—"मैं लोमड़ी की खाल का कोट चाहती हूं। आखिर मैं तुम्हारे लिए इतना कुछ कर रही हूं।"

"जब मैं जेल में होऊंगा, तब तुम उसे पहन सकती हो, लेकिन मैं फिलहाल तुम्हें वह कोट नहीं दे सकता। सच यह है जूली, कि मुझे तुम पर विश्वास नहीं है। इसलिए जो चीज तुम बहुत चाहती हो, वह मैं अपने पास रखना चाहता हूं। इससे मैं तुम पर पकड़ कायम रख सकूंगा। मैं वादा करता हूं कि मेरा काम खत्म होने के बाद मैं तुम्हें केवल वही नहीं, बल्कि सब-के-सब कोट दे दूंगा।"

वेजली ने स्पष्ट कर दिया था कि वह केवल उसकी खामोशी में दिलचस्पी रखता है। उसे मजबूरन जूली के साथ फ्लैट में रहना पड़ रहा था, अगर वह उससे फौरन अलग हो जाता तो पुलिस को यह बात अजीब लगती। उसने जूली से स्पष्ट कह दिया था कि अब वह उसे ज्यादा घुमाने नहीं ले जायेगा, क्योंकि उसे काम जल्दी खत्म करना है।

वेजली के जाने के बाद वह खुद को बहुत अकेला महसूस करने लगी। दिन मुश्किल से गुजर रहा था। दोपहर बाद वह सिनेमा देखने चली गयी, लेकिन यहां भी उसका दिल नहीं लगा। शाम छः बजे वेजली लौट आया तो उसे कुछ राहत मिली। वेजली ने खाना कहीं चलकर खाने की बात कही तो वह फौरन तैयार हो गयी।

"बेन्टन का क्या हुआ?" उसने पूछा। वह सारे दिन उसी के बारे में सोचती रही थी।

"मैंने उसकी छुट्टी कर दी।" वेजली बोला—"यह काम बहुत आसान था। उस पर बहुत कर्ज हो रहा था। मैंने केवल इतना किया कि अपनी गारंटी वापस ले ली। अब वह मुझे परेशान करने की स्थिति में नहीं है।"

जूली मन-ही-मन खुश हो गयी।

वेजली डिक्टाफोन पर काम करने लगा और जूली को उसके पास से हटना पड़ा। अभी खाने के लिए जाने का वक्त नहीं हुआ था।

कुछ देर बाद कॉलबैल बजी। जूली ने उठकर दरवाजा खोला। डिटेक्टिव इन्सपेक्टर डासन को देखकर वह चौंक पड़ी।

"मिस्टर वेजली हैं?" उसने पूछा।

"हां, लेकिन काम कर रहे हैं।"

"मुझे उनसे बात करनी है। उन्हें कहो कि मैं ज्यादा वक्त नहीं लूंगा।"

जूली ने झिझकते हुए उसे हॉल में आने दिया।

डासन ने इधर-उधर देखा और सीटी बजाई।

"यह जगह कैसी लगी?"

"ठीक है।" जूली ने कहा।

"तुमने कपड़े भी बढ़िया पहन रखे हैं। वह तुम्हारी अच्छी देखभाल कर रहा है, लेकिन क्यों?"

जूली ने नाराजगी से उसे देखा, लेकिन अन्दर से वह डरी हुई थी। वह मुड़ी और वेजली के पास चली गयी।

वेजली ने उसे सहमा हुआ देखा तो बोला—

"डासन है?"

"हां। वह तुमसे बात करना चाहता है।"

"उसने कुछ कहा?"

"केवल यह कि तुम मेरी अच्छी देखभाल कर रहे हो। पता नहीं...क्यों?"

वेजली मुस्कुराया।

"वह मूर्ख नहीं है। खैर, उसे अन्दर भेज दो। डरने की कोई बात नहीं है।"

वह बाहर निकल आयी।

"वह आखिरी वाले कमरे में हैं।" जूली बोली।

डासन जल्दी में नहीं लगता था। वह बोला—

"कल मैं तुम्हारे दोस्त हेरी ग्लेब से मिला था। वह बीमार है। मैंने उसे बता दिया कि तुम वेजली से जुड़ गयी हो। जब कोई आदमी जेल में होता है तो वह खबर सुनना पसंद करता है, लेकिन उसे यह खबर अच्छी नहीं लगी। उसका ख्याल है कि वह तुम्हारी वजह से पकड़ा गया है। कभी तुमने हेरी के बारे में सोचा है? इतना वक्त ही नहीं मिला होगा। तुम अच्छा वक्त गुजार रही हो, लेकन हेरी नहीं। वह चिंतित है। आखिर उसे फांसी हो सकती है।"

जूली बिना कुछ कहे उसे देखती रही।

"क्या तुम्हारे पास ऐसा कुछ है, जिसके आधार पर हेरी बच सके?"

"नहीं।"

"हत्या के मामले में अगर कोई दूसरा व्यक्ति भी सबूत छिपाता है तो भी जुर्म कर रहा होता है। तुम अब भी यही सोचती हो कि यह काम हेरी का नहीं है?"

"मुझसे कुछ बात करनी है इन्सपेक्टर?" वेजली ने पीछे से कहा।

डासन उधर मुड़ गया।

वेजली काला चश्मा लगाये हुए खड़ा था।

"ड्राइंगरूम में आ जाइये।" वेजली बोला—"और जूली, तुम कपड़े बदल लो। तुम्हें याद है कि हमें कहां जाना है?"

जूली अपने कमरे में आ गयी। वह सोच रही थी कि क्या वास्तव में उसे भी जेल जाना होगा? क्या उसे सच्चाई बता देनी चाहिये?

फिर उसे हेरी का ख्याल आया, डासन को उसके और वेजली के सम्बन्धों के बारे में उसे नहीं बताना चाहिए था।

वह सोचने लगी कि जब वेजली आत्मसमर्पण कर देगा तो वह हेरी के साथ अमेरिका चली जायेगी। हेरी को चोरी की कोशिश की सजा जरूर मिल सकती थी, लेकिन जूली इंतजार कर सकती थी।

कुछ देर बाद वेजली वहीं आ गया। वह कुछ घबराया हुआ-सा लगता था।

"मैं बाल-बाल बच गया हूं, जूली।" वह बोला—"डासन मेरे बयान के बारे में पूछताछ करने आया था, अगर उसे मेरे अंधे होने पर विश्वास न होता तो मैं बुरी तरह

फंस गया था। आज रात मैं काम नहीं कर पाऊंगा। चलो....कहीं चलते हैं।"

लेकिन जूली को अपनी चिंता थी। वह बोली—

"डासन कहता था कि कोई बात छिपाने से मैं मुसीबत में पड़ सकती हूं। इसका क्या मतलब हुआ?"

"तुम्हें केवल अपनी चिंता है।" वेजली बोला—"जब तक तुम कुछ बताओगी नहीं, तब तक तुम्हें कुछ नहीं होगा।"

"अगर उन्हें पता चल गया तो...?"

"नहीं पता चलेगा। अब तुम अपनी बात छोड़ो। मुझे पहले ही बहुत चिंतायें हैं।"

"तुम हमेशा मुझ पर गुस्सा रहते हो।"

"इसके लिए तुम खुद जिम्मेदार हो।" वह बोला—"तुम्हें हमेशा यहां नहीं रहना है।"

"और सब कुछ छोड़ देना है? मैं इतनी मूर्ख नहीं हूं।"

"तुम पर लालच सवार है जूली! जैसे ही तुम्हें एक चीज मिलती है, तुम दूसरी चाहने लगती हो। तुम कभी संतुष्ट नहीं हो सकतीं।"

"तुम मुझे लालची कह रहे हो?" वह फट पड़ी—"मैं लालची नहीं हूं। कभी नहीं रही।"

वेजली हंस पड़ा।

"अच्छा, अब नाराज मत हो। कपड़े बदल लो। हम कहीं चल रहे हैं।"

"मैं तुम्हारे साथ कहीं नहीं जाऊंगी। मुझे तुमसे नफरत है। नफरत है।"

वह बेड पर गिर पड़ी और रोने लगी।

¶¶

अब जूली की जिंदगी में कोई खुशी नहीं रह गयी थी।

वेजली हमेशा व्यस्त रहता था और फैक्ट्री से बहुत देर से लौटता था। इस बीच वह हेरी के बारे में सोचती रहती थी, लेकिन उसके लिए वह फ्लैट छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी।

उसके पास सब कुछ था....खुशी छोड़कर। अब उसे वेजली से भी डर लगने

लगा था। वह सोचती थी कि वेजली उसे खत्म करने की कोशिश कर सकता है, क्योंकि केवल वही जानती थी कि ब्लेंच का खून किसने किया था?

रिमांड के बाद जब हेरी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया तो जूली को गवाही के लिए बुलाया गया। वह सबके सामने यह नहीं कहना चाहती थी कि वह पुलिस की मुखबिर है।

वेजली से भी उसे कोई हमदर्दी नहीं मिली, उसने कह दिया कि यह तो होना ही था। उसने यह भी कहा कि अगर वह चाहे तो कह सकती है....वेजली ने जूली को प्रभावित करने की कोशिश की थी।

जूली इस बात से क्षुब्ध थी कि वेजली ने उसे अच्छी तरह समझ लिया था। वह जानता था कि जूली सुख-सुविधाएं नहीं छोड़ सकती।

जब वह गवाहों के कटघरे में पहुंची तो वह शर्म महसूस कर रही थी, सैकड़ों आंखें उस पर लगी हुई थीं। हेरी को देखकर उसे दुख हुआ। उसका वजन घट गया था और चेहरे पर उदासी थी। उसने नजर उठाकर जूली को भी नहीं देखा। वह सिर झुकाये हुए खड़ा रहा।

सरकारी वकील ने बहस शुरू की और जूली की कहानी से सहमत होते हुए उसे एकदम भोली-भाली साबित कर दिया। हेरी ने अब भी उसे नहीं देखा।

इसके बाद बचाव पक्ष के वकील ने बहस की तो वह माहौल बिगड़ गया, जो सरकारी वकील ने बनाया था। वह जूली को चरित्रहीन साबित कर देना चाहता था। उसने पूछा कि क्या पहले हेरी से उसके सम्बन्ध रहे थे? जूली ने पहले तो नहीं माना लेकिन वकील ने तब तक उसका पीछा नहीं छोड़ा जब तक उसने मान नहीं लिया। उसने आगे पूछा कि क्या ब्लेंच के यहां नौकरी करने से पहले उसे यह पता नहीं था कि कोई चोरी की योजना बनायी जा रही है? जूली ने इस अंदाज में इन्कार किया कि किसी को यकीन नहीं आया।

फिर वकील ने पूछा कि वेजली के साथ वह किस हैसियत से रह रही है? नौकरानी या कुछ और...?

जूली फिर हड़बड़ा गयी।

जैसे ही उसे कटघरे से जाने की इजाजत मिली, वह कोर्ट में भी नहीं रुकी। बाद में वेजली ने बताया कि सुनवाई कुछ दिन के लिए स्थगित कर दी गयी है।

फिर मुकदमें से एक सप्ताह पहले वेजली ने उसे अपने कमरे में बुलाया।

"मैं डासन से मिला था।" वेजली बोला—"वह कहता है कि डाना फ्रेंच हेरी को बचाने के लिए गवाही देना चाहती है।"

"लेकिन वह गिरफ्तार हो जायेगी।" जूली बोली।

"प्रकट है कि उसे ग्लेब से प्यार है।"

"क्या मतलब?"

"वह हेरी को बचाने के लिए खुद को खतरे में डाल रही है।"

"लेकिन कैसे?"

"वह बयान देगी कि पिस्टल थियो की थी और उसी ने ब्लेंच पर गोली चलाई थी। उसे पता नहीं है कि उसके यह कह देने भर से हेरी बच नहीं जायेगा, लेकिन इससे लगता है कि इस दुनिया में अभी ऐसे लोग भी हैं, जो स्वार्थी नहीं हैं।"

जूली की मुट्ठियां भिंच गयीं। गुस्से और ईर्ष्या के कारण।

"अगर तुम पुलिस में जाकर मेरे खिलाफ बयान दे दो तो मुझे बड़ी खुशी होगी।" वेजली बोला—"इससे सिद्ध हो जायेगा कि मैं तुम्हारे बारे में गलत राय रखता था।"

"पता नहीं इसका क्या मतलब हुआ?"

"एक लड़की ने एक मिसाल पेश कर दी है, लेकिन तुम अब भी अपनी आरामदेह जिंदगी को छोड़ने का खतरा नहीं लोगी।"

"तुमने वादा किया कि तुम हेरी को फांसी नहीं लगने दोगे। कुछ सप्ताह की ही तो बात है। इतने वक्त के लिए मैं यह सब क्यों छोड़ूं?"

"मेरा ख्याल है कि अगर मैं उसे फांसी तक भी जाने दूं, तुम तब भी कुछ बलिदान नहीं दोगी"

"यह गलत है। मुझे पता है कि वह बच ही जायेगा, इसलिये मैं दौलत नहीं छोड़ रही हूं। आखिर सारी उम्र मैं इसके लिए तरसती रही हूं।"

"लेकिन क्या तुम खुश हो, जूली? जब तुम अकेली हो जाओगी तो दौलत होने के बावजूद तुम खुश नहीं रह सकतीं। तुम जैसी लड़की कभी खुश नहीं रह सकती। तुम ऐसी चीज का पीछा कर रही हो, जिसका वजूद ही नहीं है।"

"यह बाद में सोचा जायेगा।" जूली ने कहा—"पहले यह बताओ कि तुम मेरे लिये कितनी दौलत छोड़ रहे हो?"

"दो हजार पाउंड वार्षिक काफी है?"

"केवल दो हजार? तुम्हारे लिए इतना कुछ करने के बाद भी? मुझे पांच हजार चाहियें।"

“कभी तुमने सोचा है जूली, कि मैं बहुत आसानी से तुमसे पीछा छुड़ा सकता हूं।”

जूली ने उसे देखा।

“डर गयीं?” वेजली बोला—“जब कोई एक हत्या कर लेता है तो दूसरी भी कर सकता है। इससे उसकी सजा में वृद्धि नहीं हो सकती। मैं आसानी से तुम्हारी गर्दन मरोड़ सकता हूं। ठीक है न?”

वह पीछे हट गयी।

“कभी-कभी मुझे लगता है कि ऐसा करके मुझे खुशी होगी। मैं अन्दर से हत्यारा नहीं हूं। सच मानो, मुझे ब्लेंच की हत्या करके भी दु:ख है। उसे मरना चाहिये था, लेकिन मेरे हाथ से नहीं। मैं तुम्हें भी नहीं मारूंगा, जूली! मैं तुम्हें हाथ भी लगाना नहीं चाहता। तुम इतनी बुरी हो।”

“लगाना भी मत।” जूली बोली—“वर्ना पछताओगे।”

वेजली हंस पड़ा।

¶¶

बेन्टन एक छोटे से बार में बैठा हुआ व्हिस्की पी रहा था। उसका बदन कांप-सा रहा था।

पिछले दो सप्ताह से वह खुद को गोली मारने की बात सोच रहा था, लेकिन उसमें इतनी हिम्मत नहीं थी। वह अपने लेनदारों से नजर नहीं मिला सकता था। उसे पता नहीं था कि कुल मिलाकर कर्ज कितना है? लेकिन यह बीस हजार पाउंड से कुछ अधिक ही था, अगर वे उसे पकड़ लेते तो उसे दिवालिया घोषित करवा देते और यह बात वह बर्दाश्त नहीं कर सकता था।

उसने डावर स्ट्रीट वाला फ्लैट छोड़ दिया था और पिछले चार-पांच दिनों से सड़कों पर घूम रहा था और हर रात अलग-अलग होटल में बिता रहा था। उसके पास पैंतीस पाउंड थे। इसके बाद वह क्या करेगा...यह उसे खुद पता नहीं था।

अचानक बेन्टन को लगा कि वेजली से बदला लेना चाहिये, लेकिन एक अन्धे को मार देना बहुत आसान था और यह वेजली के लिए कोई अच्छी सजा न होती। यूं भी वह हिंसक प्रवृति का व्यक्ति नहीं था।

तभी एक लड़की पर उसकी नजर पड़ी, जो खासी सैक्सी कही जा सकती थी। बेन्टन ने उसे ध्यान से देखा। लड़की वहीं चली आयी।

“एक पैग पिलाओगे?” वह बोली।

बेन्टन खड़ा हो गया। उसका पिता कहा करता था...सबसे सभ्यता से पेश आओ...वेश्याओं से भी।

“तुम अपना वक्त बर्बाद कर रही हो।” वह बोला—“कृपया मैं माफी चाहता हूं।”

“फिर भी...एक पैग तो पिला ही दो।”

उसने जेब से एक सिक्का निकालकर उसके सामने कर दिया।

“मैं जा रहा हूं। तुम पी लेना।”

लड़की ने सिक्के को देखा और बोली—

“अगर तुम्हें मेरी जरुरत नहीं थी तो तुम मेरी तरफ देख क्यों रहे थे? रख लो इसे।”

बेन्टन बाहर आ गया।

पीछे एक संयुक्त कहकहा गूंज रहा था।

बाहर निकलकर उसने महसूस किया कि वह नशे में है। वह संभल-संभल कर कदम रखने लगा।

‘बिग वेन’ घंटाघर नौ बजा रहा था। बेन्टन सोच रहा था कि फैक्ट्री में तीन पहरेदार होंगे। वह उनकी दिनचर्या जानता था। ग्यारह बजे वे खाना खाने जाते थे। यह नियमों के विरुद्ध था और उन्हें कई बार चेतावनी भी दी गई थी, लेकिन वे फिर भी इस आदत को छोड़ नहीं पाये थे। आधे घंटे के लिए रिसर्च लेबोरेट्री की देखभाल के लिए वहां कोई नहीं रहता था।

चलते-चलते वह उस क्लब के सामने से गुजरा जो उसकी जिंदगी का हिस्सा था, लेकिन वेजली ने उससे यह भी छीन लिया था।

उसने जल्दी से एक टैक्सी रोकी और फैक्ट्री की ओर चल पड़ा।

रास्ते में उसने टैक्सी रुकवायी और दो डबल पैग व्हिस्की पी गया। ड्राइवर को उसने बीयर दिलवा दी थी।

उसने फैक्ट्री से एक-चौथाई मील पहले ही टैक्सी रुकवा ली और अन्धेरे में गायब हो गया। टैक्सी के जाने के बाद वह धीरे-धीरे फैक्ट्री की ओर चल पड़ा। वह अब भी अंधेरे का सहारा ले रहा था।

फैक्ट्री के दरवाजे लॉक्ड थे जैसी कि उसे पहले ही उम्मीद थी। उसे पता था कि चहारदीवारी में एक गुप्त रास्ता भी था, जिससे मजदूर फल लेने के लिए खिसक जाया

करते थे। वह इसी से अंदर प्रविष्ट हुआ और रिसर्च लेबोरेट्री की ओर चल पड़ा।

रिसर्च लेबोरेट्री की एक मंजिली इमारत थी और मेन ऑफिस वाली इमारत के पीछे छिपी हुई थी।

इसकी एक खिड़की में प्रकाश हो रहा था। बेन्टन को यह देखकर आश्चर्य हुआ।

कभी इस इमारत पर उसे गर्व था, क्योंकि यह उसकी ही देखरेख में बनी थी।

और आज वह इसमें आग लगाने जा रहा था।

इससे वेजली इस तरह खत्म हो जाता जैसे वह खत्म हो गया था। वेजली का सब पैसा इसी लेबोरेट्री में लगा हुआ था। उसे पता था कि बाहर पैट्रोल का एक ड्रम रखा है। उसे केवल इतना करना था कि इसे अंदर ले जाकर एक दियासलाई दिखा देनी थी।

वह उस खिड़की की ओर देखता रहा, जिससे प्रकाश आ रहा था। वह सोच रहा था कि कहीं वेजली अभी तक काम तो नहीं कर रहा।

कुछ देर बाद एक व्यक्ति बाहर निकला और चल पड़ा। बेन्टन उसकी चाल से पहचान गया। वह पहरेदारों में से एक था। वह खाना खाने जा रहा था।

¶¶

बिल्कुल घर का-सा माहौल था। वेजली एक आरामकुर्सी पर बैठा हुआ एक कागज का अध्ययन कर रहा था और जूली कुछ बुन रही थी।

कमरे में एकदम खामोशी थी। जूली आज कहीं घूमने जाना चाहती ती, लेकिन वेजली ने मना कर दिया था। उसने अकेले जाना उचित नहीं समझा और वेजली के कमरे में ही बैठ गयी। वेजली ने कोई ऐतराज नहीं किया। वह बदस्तूर अपने काम में लगा रहा। अब उसे विश्वास था कि वेजली उसे बिल्कुल भूल चुका है।

तभी जूली चौंक पड़ी। फोन की घन्टी बज रही थी। वेजली ने भी कागज रख दिया।

"फोन सुन लो जूली!" वह बोला—"मैं व्यस्त हूं।"

जूली ने बुनाई का सामान रखा और उठ गयी।

"मैं फैक्ट्री से बोल रहा हूं।" उधर से आवाज आयी—"जरा जल्दी से मिस्टर वेजली को फोन दो।"

"फैक्ट्री से कोई है।" जूली ने कहा।

वेजली ने रिसीवर ले लिया।

उधर से क्या कहा गया, यह तो जूली ने नहीं सुना, लेकिन उसे 'आग' शब्द जरूर सुनायी दे गया।

अचानक वेजली सहमा हुआ-सा नजर आने लगा।

"ठीक है....ठीक है।" वेजलरी शांत स्वर में बोला—"उसे वहीं रोको। मैं आ रहा हूं।" उसने रिसीवर रख दिया और जूली को देखने लगा।

"क्या है?"

"बेन्टन ने लेबोरेट्री में आग लगा दी है। मुझे अभी वहां जाना है।"

"बेन्टन ने? लेकिन क्यों?"

"यह सोचने का वक्त नहीं है।"

"मैं साथ चलूं?"

"चलो! मैं नुकसान देखना चाहता हूं। मैं अभी अंधा ही हूं, इसलिए अकेले जाना ठीक नहीं रहेगा—और शायद आग तुम्हें अच्छी भी लगे।"

जूली कांप-सी गयी है।

"क्या आग फैल गयी है?"

"ऐसा ही लगता है। जल्दी चलो।"

पिकाडेली से उन्हें टैक्सी मिल गयी।

वेजली खिड़की से बाहर देखता रहा, फिर अचानक वह बोला—

"मैं सोच रहा था कि सब कुछ ठीक हो जायेगा। यह लेबोरेट्री मेरी हर सफलता की चाबी थी। अब ऐसा लगता है कि तुम्हारा दोस्त ग्लेब मुकदमें का सामना नहीं करेगा।"

जूली ने उसे देखा।

"मैं समझी नहीं।"

"अगर लेबोरेट्री जल गयी तो मैं आगे काम नहीं कर पाऊंगा। मेरा हर काम ठहर जायेगा।"

"यानि तुम्हारे पास समय नहीं होगा?"

"और न पैसा।"

जूली को चोट-सी लगी।

"पैसे का इससे क्या संबंध?"

"मैंने पैसा उधार लिया था, अगर लेबोरेट्री नष्ट हो जाती है तो मेरी सम्पत्ति चली जायेगी।"

"फिर मेरा क्या होगा? तुमने मुझे बहुत कुछ देने का वादा किया था।"

"मुझे अफसोस है जूली, लेकिन मुझे यह तो पता नहीं था कि यहां आग लग जायेगी। मेरा सब कुछ लेबोरेट्री में लगा हुआ है। तुम्हें फर और जेवरात मिल जायेंगे। तुम्हारे लिये इतना काफी है।"

"तुमने मुझे धोखा दिया।" वह चिल्ला पड़ी—"मैं तुम्हारे वादों पर भरोसा करके यहां रह रही थी। अब मैं तुम्हारा साथ नहीं दूंगी। मैं पुलिस को सब कुछ बता दूंगी।"

"तुम्हें कुछ नहीं मिलना चाहिए, जूली लेकिन मेरा वादा, वादा है।"

"तुम केवल बातें करते हो।" वह रोने लगी।

"तुम्हें फर मिल जायेंगे। मुझे उम्मीद है कि इससे तुम्हें कुछ खुशी मिलेगी। इसके बाद तुम क्या करोगी जूली? ग्लेब के जेल से निकलने का इन्तजार करोगी? तुम्हें उससे प्यार है न?"

"हां।" वह बोली—"वह तुमसे छः गुना अच्छा है। मैं उसका इन्तजार करूंगी। जब तुम्हें फांसी लगेगी तो तुम हमारे बारे में सोच रहे होंगे।"

तभी टैक्सी रेडरोर्स के सामने से गुजरी, वहां का तेज प्रकाश टैक्सी में अंदर भी आ गया। दोनों ने एक-दूसरे को देखा।

"मैंने तुमसे ज्यादा खोया है जूली! लेकिन मैं उम्र में तुमसे बड़ा हूं। मैंने निराशा भोगनी सीखी है, अगर मेरे पास ज्यादा वक्त होता तो मैं तजुर्बा फिर शुरू कर देता, लेकिन अब यह असंभव है। ऐसा लगता है कि ब्लेंच को खत्म करना एक भूल थी। मुझे इससे कोई फायदा नहीं हुआ।"

जूली ने कुछ नहीं कहा। उसे दुख था कि इतनी कोशिश के बाद भी उसे कुछ नहीं मिल रहा।

"मैं नहीं समझता था कि बेन्टन इतनी हिम्मत भी कर सकता है।" वेजली आगे बोला—"वह बुरी तरह जल गया है।"

"चुप रहो।" जूली बोली—"तुम्हारी बातों और तुम्हारे वादों से मैं तंग आ गयी

हूं।"

वह वेजली की ओर मुड़ गयी।

"इसकी क्या गारन्टी है कि तुम मुझे अब धोखा नहीं दोगे और फर मुझे मिल ही जायेंगे?"

"सुबह को मेरे बैंक चली जाना। वहां से तुम्हें मेरा एक पत्र मिल जायेगा। यह पुलिस के लिए मेरा बयान है। मैंने सब कुछ विस्तार से लिख दिया है।"

"तुम खुद क्यों नहीं जाते? अब मैं तुम्हारे आदेश नहीं मानूंगी।"

"मुझे तुम पर तरस आता है, जूली!"

अब दूर आकाश में लाल रंग-सा दिखायी देने लगा था।

"वह देखो! वेजली बोला—"आग फैल चुकी है। मैंने पहले ही कहा था कि यह दृश्य ऐसा ही होगा।"

जूली ने देखा...वेजली के हाथ कांप रहे थे, लेकिन उसे वेजली पर तरस नहीं आया। वह सोच रही थी कि कम से कम उसे फर तो मिल ही जायेंगे। फर और जेवरात बेचकर वह पैसा इकट्ठा कर लेगी और हेरी का इंतजार करेगी।

टैक्सी फैक्ट्री के नजदीक हो गयी तो आग की लपटें स्पष्ट दिखाई देने लगीं। सड़क के दोनों ओर कारें खड़ी हुई थीं और एक बड़ी भीड़ आग के इर्द-गिर्द इकट्ठी होती जा रही थी। वहां काफी शोर हो रहा था।

एक पुलिसमैन ने टैक्सी रोक दी।

"आप आगे नहीं जा सकते।" वह बोला—"आग बुझाने की गाड़ियां आगे आ रही हैं।"

वेजली कार से बाहर निकल आया। टैक्सी ड्राइवर से वह बोला—"तुम रुकोगे? लड़की वापस जायेगी।"

जूली उसके पीछे चल पड़ी।

वे दोनों जल्दी ही भीड़ के पास पहुंच गये। वेजली ने उसका हाथ पकड़ा और उसे खींचता हुआ भीड़ में चल पड़ा।

उसका चश्मा गिर पड़ा, जिस पर फौरन जूली का पैर पड़ गया। लैंस टूट गये। जूली को कुछ राहत-सी मिली। यह इस बात का प्रतीक था कि अब उनका साथ खत्म हो गया है।

"लैंस टूट गये।" वह बोली।

"अब कुछ फर्क नहीं पड़ता!"

वे फैक्ट्री के दरवाजे तक पहुंच गये। अब तपती हुई धातु पर पानी पड़ने की आवाजें आ रही थीं। हवा में गर्मी थी। वेजली ने दरवाजे पर खड़े एक पुलिसमैन से बात की, उसे कार्ड दिखाया तो उसने अन्दर जाने दिया।

गेरिज दौड़ता हुआ वेजली के पास आ गया।

"क्या आग फैल चुकी है?" वेजली ने पूछा।

गेरिज ने थूक निगला। कुछ देर तक वह कुछ नहीं कह सका, फिर बड़ी मुश्किल से वह बोला—

"सब खत्म हो गया है। सारी लेबोरेट्री भट्टी की तरह जल रही है। अब इसे बचाया नहीं जा सकता।"

"और बेन्टन?"

"वह बुरी तरह जल गया है, लेकिन जिंदा है।" गेरिज उसकी आंखों की तरफ देख रहा था—"श्रीमान, क्या आपकी आंखें ठीक हैं?"

"हां! मैं देख सकता हूं। मुझे बेन्टन के पास ले चलो।"

"आपकी आंखें कब ठीक हुईं? क्या आपरेशन...?"

"मुझे बेन्टन के पास ले चलो।"

"वह उधर हैं।" उसने एक इमारत की ओर इशारा किया—"हम फाइलें समेट रहे हैं, ताकि आग फैलने की सूरत में इन्हें बचाया जा सके।"

"ठीक है। तुम जाओ।" फिर वह जूली की ओर मुड़ा—"तुम मेरे साथ आओ।"

बेन्टन फर्श पर पड़ा हुआ था। उसके सिर के नीचे ओवरकोट रखा था और शरीर पर कंबल पड़ा हुआ था।

"मैं हावर्ड वेजली हूं।" वेजली एक पुलिसमैन से बोला, जो बेन्टन के पास ही बैठा था—"क्या मैं बेन्टन से बात कर सकता हूं?"

"हां, हां!" वह उठते हुए बोला—"उसकी दशा अच्छी नहीं है। पैर बिल्कुल जल गये हैं। एम्बूलेंस आ जाये तो इन्हें यहां से हटा दिया जायेगा।"

"हैलो, ह्यू!" वेजली एक घुटने पर झुकता हुआ बोला।

बेन्टन ने आंखें खोल दीं।

"कौन? वेजली?"

"हां! क्या चोट गहरी है?"

"काश, मैंने यह न किया होता!" वह दर्द से कराहता हुआ बोला—"मैं तुमसे बदला लेना चाहता था, लेकिन जैसे ही आग भड़की, मुझे अपनी गलती का अहसास हुआ। मैंने इसे बचाने की कोशिश की, लेकिन बुझा नहीं सका। काश, मैं तभी मर जाता।"

"तुम ठीक हो जाओगे।" वेजली बोला—"हम सब कुछ ऐसे काम करते हैं, जो हमें नहीं करने चाहियें। फिर हमें पछतावा होता है।"

"मुझे अफसोस है वेजली! मुझे माफ कर दो।"

"हमने इसे मिलकर ही बनाया था न?" वेजली मुस्कुराया—"इसमें तुम्हारा भी इतना ही हिस्सा था।"

"मैं तुमसे इस बात की उम्मीद नहीं करता था।" वह कांपता हुआ बोला—"ऐसा लगता है जैसे मेरे पैर अब भी जल रहे हों।"

"तुम्हारा अच्छा इलाज किया जायेगा। एम्बूलेंस आती ही होगी।"

"अगर हमारे बीच ब्लेंच न होती तो हमारे सम्बन्ध अच्छे रह सकते थे।" बेन्टन बोला।

"हां।" वेजली खड़ा हो गया—"मैं लेबोरेट्री को एक नजर देखना चाहता हूं। मैं तुमसे मिलने आ गया था।"

"तुममें कुछ तब्दीली दिखाई दे रही है।" बेन्टन बोला—"क्या यह तुम्हारी आंखों में है?"

"अब इसकी चिंता मत करो। अलविदा, ह्यू! तुम ठीक हो जाओगे।" उसने बेन्टन का हाथ पकड़ लिया।

बेन्टन ने पकड़ मजबूत कर ली।

"मैं सोच रहा था कि तुम मुझसे नफरत करोगे। मैं बहुत मूर्ख था। मैं माफी चाहता हूं।"

"अलविदा।" वेजली ने हाथ छुड़ाते हुए कहा।

"मेरे साथ आओ जूली।" वह फिर बोला।

बाहर एक धमाका हुआ। लेबोरेट्री की एक दीवार गिर गयी। वेजली और जूली

एक-दूसरे को देखने लगे।

"फ्लैट वापस जाओ। टैक्सी इन्तजार कर रही होगी।" वेजली बोला—"कल डासन से मिल लेना और उसे मेरा बयान दे देना, इससे ग्लेब को मुक्ति मिल जायेगी। फरों को जरा सावधानी से बेचना होगा। उम्मीद है कि खुशी मिलेगी।"

जूली ने उसे देखा।

"और तुम क्या करोगे?"

"मेरी चिंता मत करो। ओह! गेरिज आ गया। गेरिज, तुम मिस हालैंड को टैक्सी तक छोड़ दोगे?"

फिर वेजली उससे दूर जाने लगा।

"उसे रोको।" जूली चिल्ला पड़ी—"उधर खतरा है।"

वह वेजली के पीछे दौड़ पड़ी। गेरिज ने उसे पकड़ लिया।

"उधर खतरा है।" गेरिज बोला।

"मुझे जाने दो।"

जूली ने हाथ छुड़ाया और दौड़ पड़ी।

वेजली ऑफिस की इमारत के पीछे गायब हो गया।

जूली जैसे ही इस इमारत के मोड़ तक पहुंची, तो तेज लपटों के कारण उसे ठिठक जाना पड़ा।

आग बुझाने वाले एक इमारत की शरण लिये हुए थे, और आग पर पानी डाल रहे थे। अचानक उनमें से कोई चिल्ला पड़ा। उसने वेजली को जलती हुई इमारत की ओर जाते हुए देख लिया था।

दो व्यक्ति बाहर निकले और वेजली के पीछे दौड़ पड़े, लेकिन वे ज्यादा दूर तक नहीं जा सके। तेज गर्मी में उन्हें रुक जाना पड़ा।

वेजली जेबों में हाथ डाले हुए सिर उठाये हुए आगे बढ़ता जा रहा था।

जूली उसे देख रही थी।

वेजली के कपड़ों में आग लग गई थी।

जूली ने आंखें बन्द कर लीं और चिल्ला पड़ी।

गेरिज भी वहीं आ गया था। उसने वेजली की हल्की-सी झलक देखी और फिर

वेजली लपटों में खो गया।

¶¶

वेजली के पत्र में पुलिस के लिए बयान भी था और जूली को फरों का मालिक बनाये जाने की घोषणा भी थी। अब जूली ने फैसला कर लिया था कि उसे क्या करना है?

हेरी का मुकदमा अगले दिन फिर शुरू होने वाला था। वह हेरी को इस तरह से बचाने जा रही थी जैसा अक्सर फिल्मों में होता है, लेकिन हेरी को बचाने से पहले उसने फर लेने उचित समझे।

उसने सोच लिया था कि बाद में वह डासन से मिल लेगी। उस समय वह लोमड़ी की खाल के कोट में होगी। जिससे डासन बहुत प्रभावित होगा। वेजली का बयान उसे मजबूर कर देगा कि वह उसे हेरी से मिला देगा।

हेरी को चोरी की सजा जरूर मिलनी थी। जूली ने सोच लिया था कि वह उसका इंतजार करेगी। जब हेरी जेल से निकले तो वह बड़ी-सी कार में बैठकर फर का कोट पहनकर उसे लेने जायेगी।

वेजली की मौत उसे अच्छी नहीं लगी थी, लेकिन अब वह उसे भूल चुकी थी। उसे तीस हजार पाउंड मिलने वाले थे...जैसा कि मिसेज फ्रेंच ने कहा था। इतनी रकम हासिल की जा सकती थी। उसने फैसला किया कि वह हेरी को यह नहीं बतायेगी कि वेजली ने उसे हीरे भी दिये हैं, लेकिन वह फरों के बारे में जरूर बता देगी। ताकि बुरे वक्त में काम आ सकें। क्या मालूम हेरी से उससे संबंध बिगड़ ही जायें।

वेजली का बयान हेरी को मुसीबत से निकालने के लिये काफी था। उसने लिखा था कि उसने ब्लेंच को वापस फ्लैट जाने के लिए प्रेरित किया था। उसने टैक्सी में बैठकर जानबूझकर झगड़ा किया था कि बेन्टन फ्लैट में जूली के साथ ऐसा कर रहा है।

ब्लेंच उसके झांसे में आ गयी क्योंकि वह बेन्टन की आदत जानती थी। वह थियेटर पहुंचकर एक पैग पीने भर के लिए रुकी और फिर वह और वेजली अंडरग्राउंड ट्रेन से फ्लैट तक पहुंचे और गैरेज की लिफ्ट से ऊपर चले गये। ब्लेंच लिफ्ट से निकली और दरवाजा खोलने लगी। वेजली ने लिफ्ट में से ही गोली चला दी और पिस्टल हॉल में फैंक दी, फिर उसने लिफ्ट का दरवाजा बन्द कर लिया। एक क्षण बाद ही वहां पुलिस वाले आ गये। काम मुश्किल था, लेकिन फिर भी हो ही गया था।

उसने आगे लिखा था कि पिस्टल एक अमेरिकन सैनिक की थी, जो उसने दो वर्ष पहले खरीदी थी। उसने सैनिक का नाम और सर्विस नम्बर भी लिख दिया था।

जूली इस बयान को मजबूती से पकड़े हुए थी। इसमें उसका पूरा भविष्य था, अगर यह खो जाता तो वह हेरी को बचा न पाती। वह सोच रही थी कि क्या टैक्सी लेकर अभी पुलिस स्टेशन पहुंच जाना चाहिए? लेकिन फिर उसने सोचा कि पहले पार्क-वे जाकर

लोमड़ी की खाल वाला कोट पहन लिया जाये, ताकि डासन ज्यादा प्रभावित हो सके।

उसने लिफाफा पर्स में रख लिया और चलती रही।

वह हवाई किले बना रही थी।

अगर फरों की कीमत तीस हजार के स्थान पर बीस हजार भी मिल गयी तो भी ठीक है, लेकिन इतनी रकम का क्या होगा? अगर हेरी लंदन रुकने के लिए तैयार हो जाये तो एक फ्लैट खरीदा जा सकता था। वह बेडरूम की योजना पर विचार कर ही रही थी कि पार्क-वे आ गया।

शुक्र था कि वहां पोर्टर नहीं था। वह लंच के लिए जा चुका था। उसका असिस्टेंट भी नहीं आया था।

वेजली के फ्लैट पहुंचने तक उसे किसी ने नहीं देखा।

वह जल्दी से ब्लेंच के कमरे में पहुंच गयी। उसने दरवाजा बन्द किया और फिर अलार्म बन्द करने लगी।

सेफ खोलकर उसने ऑटो इलैक्ट्रिक सैल पर पड़ने वाला प्रकाश बंद किया और फिर कुछ ठिठककर फरों को प्रशंसा भरी नजरों से देखा।

अब यह फर उसके अपने थे।

लेकिन जेवरात को भी नहीं भूलना था। अभी तक उसे ब्लेंच के सारे जेवरात देखने का मौका नहीं मिला था।

ये भी तो बहुत कीमती होंगे।

वह सेफ में प्रविष्ट हो गयी और स्टील केबिनेट के सामने पहुंच गयी।

उसे पता नहीं था कि इसे कैसे खोला जाता है। इसमें कोई की-होल नहीं था, इसके बीचों-बीच एक नॉब जरूर थी। उसने उसे छुआ और फिर उसे मजबूती से पकड़कर खींच लिया।

अचानक सेफ का दरवाजा बन्द हो गया।

चार दिन बाद उसका पता चला। यह डासन का ही विचार था कि उसे सेफ में देखा जाये। हो सकता था कि वह वहां फर लेने गयी हो और अन्दर बन्द हो गयी हो।

अन्त में जब सेफ खोली गयी तो वह फर्श पर पड़ी हुई थी। उसकी मुट्ठी में वेजली का बयान दबा हुआ था। उसकी लाश पर लोमड़ी की खाल का कोट पड़ा था। अब उसके लिये कुछ नहीं किया जा सकता था।

हेरी ज्यादा भाग्यशाली सिद्ध हुआ। उसे केवल अठारह महीने की कैद हुई। जब

वह जेल से बाहर निकला तो उसके इन्तजार में कोई सजी-धजी युवती नहीं थी, बल्कि चर्च के लिए चन्दा इकट्ठा करने वाली लड़की थी, जो चन्दे का बक्सा उसके सामने हिला रही थी।

—समाप्त—